

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 11, 1984 (माघ 22, 1905) NEW DELHI, SATURDAY, FFBRUARY 11, 1984 (MAGHA 22,

PUBLISHED BY AUTHORITY

ैं भिग्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

ार्यो, निवस्त्रक और सहालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं as issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union ic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जनवरी 1984

सं• ५५० 12019/2/83-प्रणा०-।।—इस कार्यालय की ्सं० ए० 12019/1/80-प्रशा०-II, दिनांक अधि ौर 3-1-81 के अनुऋम में अध्यक्ष संघलोक सेवा 9-निम्नलिखित कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारियों आः ेनयुक्ति की अवधि को उनके सामने उल्लिखत (fr ाः वर्षे के लिए अथवा केन्द्रीय सचिवालय राज-ता ;नातक (ग्रुप—-"क" तथा "ख" पद)अथवा 7 क जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

ओ एन एस व्यागी 26-12-83 (अप०) नियुक्ति की अवधि समय-समय पर परिशोधित (व्यय विभाग) कार्यालय ज्ञापन सं० (एफ०-। ·(बी०)/75, दिनांक 7-11-75 के अनुसार

> के० वी० मध्य अनुभाग अधिकारी कते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

REGISTERED NO. D

सं० ए० 19014/12/83 प्रणा०-।--भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी श्री रामजी सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 17 दिसम्बर, 1983 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघलोक सेवाआयोग के कार्यालय में प्रवर सचिव के पद पर सहर्ष नियक्त किया जाता है।

विनां ह 31 दिसम्बर 1983

सं० ए० 19014/6/80-प्रशा०-।--राष्ट्रपति द्वारा श्री एस० श्रीनिवासन को, जिन्हें सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-10-83 से 3 माह की अन्धि के लिए अवर सचिव के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया था पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर 31-12-83 (अपराह्म) से उनके कार्यभार से मुक्त किए जाने की सहर्ष अनुमति दी जाती है।

दिनांक 13 जनवरी 1984

सं० ए० 32011/1/83 प्रशा०-।--संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनु-भाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 30-12-1983 से 12-2-1984 तक 45 दिनों की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेणों तक, जो भी पहले हो के ब्सं व से के ग्रेड । में अवर सचिव

विर

(n

के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

ऋ० सं० अधिकारियों का नाम

सर्वंशी---

- 1. बी० एन० अरोड़ा
- 2. आई० पी० सुली
- 3. के० एल० सूरी
- 4. बी० डी० शर्मा
- 5. योगिन्दर नाथ

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०), संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय संतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० 1/5/82-प्रणासन—केन्द्रीय सर्तकता आयुक्त एतद् द्वारा श्री टी० सी० गुष्ता, भारतीय प्रणासन सेवा (उड़ीसा-67) के केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से कार्यरत विभागीय जांच आयुक्त को स्थानापन्न रूप से निदेशक के पद पर स्थापन्न रूप से र्व ० 2000-2250 के वेतनमान में दिनांक 24 जुलाई, 1982 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होन्ना अवर सचिव **कृ**ते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृष्ट् मन्सालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अवेषण अयूरी

.नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1984

सं० ए०/19036/15/75/प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने होने पर, गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्ति, श्री एस० के० मेहता, पुलिस उपाधीक्षक, की सेवाएं 5 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से गुजरात सरकार को धापिस सौंप दी गई।

सं० ए०। 19015। 3। 84। प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय आन्देषण ब्यूरो, एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस० टी० पाण्ड्या, पुलिस उपाधीक्षक को 5 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्देषण ब्यूरों में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी 1984

र्सं ० ए०-19015/1/84-प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अभ्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

अपने प्रसाद से श्री बाई० वी० एस० राव; निरीक्षक (एफ० पी०) केन्द्रीय अंगुलि छाप अ्यूरो को प्रोन्नित पर, दिनांक 31 दिसम्बर; 1983 के पूर्वात्त से 6 महीने की अवधि या विभोगीय प्रोन्नित समिति की सिफारिसें प्राप्त होने तक जो भी पहले घोषिटत हो के लिए पूर्णतः तदर्थ आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक (एस०पी०)/ केन्द्रीय अंगुलि—छाप ब्यूरो, कलकत्ता के रूप में नियक्त करते हैं।

सं० ए०-19015/2/84-प्रणासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विषेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाव से श्री ओ० यू० चेरियन, निरीक्षक (एफ०पी०)/केन्द्रीय अंगुलि-छाप ब्यूरो को प्रोन्नति पर विनांक 31 विसम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से 6 महीने की अविध या विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिणें प्राप्त होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए पूर्णतः तदर्थं आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक (एफ०पी०)/केन्द्रीय अंगुलि-छाप ब्यूरो, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1984

सं० आर०-14/72-प्रशासन-5-शी आर० के० वर्मा, विरिष्ठ लोक अभियोजक (तदथे) किन्द्रीये अन्वेषण ब्यूरो, चण्डी-गढ़ की सेवाएं दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म से प्रति-नियुक्ति पर, मन्द्रिमण्डल सचिवालय को सींपी जाती हैं।

सं० बी०-1/13-प्रशासन-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बलजीत सिंह, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को तदर्थ आधार पर दिनांक 4-1-1984 के पूर्वाह्न से दिनांक 29-2-1984 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले षटित हो, के लिए स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी 1984

सं० ए०-19013/1/84-प्रशासन-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० गर्मा, भा० पु० से० (असम एव मेघालय) 1966 को दिनांक 18 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से 17 जनवरी, 1987 तक केन्द्रीय अखेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रदित्ति पर पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करतें करते हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरो

महानिदेशालयं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 जनवरी, 1983

सं० ओ० दो०-1311/76-स्थापना-श्री जगीर सिंह ने सरकारी सेवा से निर्वत होने के फलस्वरूप पुलिस उप-अधिक्षक, 32 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-12-1983 (अपराह्म) को स्थाग दिया।

मं ० पो० सात-7/80-स्थापना-I---राष्ट्रपति, निम्नलिखित निरीक्षकों को कम्पनी कमाण्डर/क्वार्टर मास्टर का अवतिक पद अस्थायो रूप में अगले आदेश जारी होने तक देते हैं। उन्होंने इस पद का कार्यभार उनके सामने दर्शाई गई वाहिनी व तारीख क्षो संभान लिया है:---

> श्री पी० एस० नैंगी, ग्रुप सैन्टर 31-10-83 (दुर्गपुर)

> 2. श्री गुरमेज सिंह, ग्रुप सैण्टर 12-11-83 (इम्फाल)

सं० ओ० दो० 1892/83-स्थापना-I--राष्ट्रपति श्री
एस० गोपालाकृष्णन, भारतीय लेखा-परीक्षा एवं लेखा सेवा
अधिकारी को प्रतिनिधिक्ति पर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में
--उप-निर्वेशक (लेखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० गोपालाकृष्णन ने उपनिर्देशक (लेखा) का कार्यभार दिनांक 4 जनवरी, 84 पूर्वाह्न से ग्रहण कर लिया है।

सं० ओ० दो० 1897/84-स्थापना—राष्ट्रपति, डाफ्टर राजेन्द्रा कुमार को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में डी० डी० ओ० ग्रेड—II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 31 दिसम्बर, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरो परीक्षण में ठीक पायें जाने की शतंपर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जनवरी 1984

सं० ओ० दो० 1898/84—स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर पूरन चन्द्र तिपाठी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में डो० डी० ओ० ग्रेड—I (डी० एस० पो०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 31 दिसम्बर, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाय जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1899/84-स्थापना-राष्ट्रपति, डाक्टर बलवन्त वोर विकम सिंह को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में डी० डो० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पव पर 30 दिसम्बर, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाय जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1984

सं० 8 वि० वा० 2 (30)-ए०/82--राष्ट्रपति, आठवें वित्त आयोग के सेवानिवृत्त अनुसंधान अधिकारी श्री आर० एल० खन्ता को 1-12-1983 से 29-2-1984 तक पुनर्नियोजन आधार पर आठवें वित्त आयोग में र० 700-1300 के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

तरलोंक **चन्द** नन्द प्रशासन एवं ले**का अधिकारी**

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्यविभाग) बैंकनोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 17 जनवरी 1984

नस्ती सं बी ० एन ० पी ० | सी ० | 5 | 84 — विभागीय पदोन्नति समिति (समूह "ख") की अनुषांसा के आधार पर निम्न- लिखित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाए गए पदों पर तथा तिथियों से उनकी मूल नियुक्ति की जाती है :—

क० नाम सं०	पद, जिस पर उनकी मूल रूप से नियुक्ति की गयी	मूल नियुक्ति की तिथि
सर्वेश्री	······································	 -
1. एम० दत्ता	तकनीकी अधिकारी (क्रिजाइनिंग एवं इन्ग्रेविंग)	26-7-82
2. एम० पुन्नुयुराई	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण)	26-7-82
3. एम० आ र० जयरामन	•	26-7-82
4. डी० आर० कोंडावर	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण)	2 6-7-82
5. रामपाल सिंह	^	2 6-7-82 ·
6. वाय० जनार्वनराव	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण)	22-8-82

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-- बिहार रांची, दिनांक 16 जनवरी 1984

सं का का जा - प्र II-1416 — महालेखाकार-I, बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी भी सत्यानन्द सिह्ना को अपने कार्यालय में दिनांक 1-12-83 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहुष पदोन्नत करते हैं।

ह/०- अपठनीय वरीय उप-महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात अहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी, 1984

सं रुषा (ए०)/जी० ओ०/3(37)/1648 - महालेखाकार-I, गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों की उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार-I, गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

1. श्री एच० जे०ठाकर

2 1-12-83 पूर्वाह्म से

2. श्री टी० एल० कृष्णन

4-1-84 पूर्वाह्म से

3. श्री आर० रंगाचारी

4-1-84 पूर्वाह्न से

4. श्री सी० आर० चांगरानी

6-1-84 पूर्वीह्न से

उपयुक्त पर्वोन्नतियां तदर्थ आधार पर 1980 के विशेष दीवानी आवेषन पत्न सं० 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अन्तिम आवेशों की प्राप्ति की शर्ती पर की जाती है।

> व द्वा जोशीः वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंद्रालय

आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड महानिदेशालय आर्डनैन्स फैक्टरीज मुख्यालय सिविल सेवा

्कलकत्ता, दिनांक 16 जनवरी 1984

सं० 2/84/ए०/ई०-I (एन० जी०)--महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियां, निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्ये क के नाम के सामने दर्शाईं गई पद तथा तारी ख से प्रोन्नित करते हैं:--

सर्वश्री

- 1. सी० आर० भट्टाचार्या 22-12-83 से स्थानापन्न सहा० स्टाफ अफसर स्टाफ अफसर (तदर्थ) 2. श्रीमती रेनुका मित्रा वही 07-01-84 से सहा० स्टाफ अफसर (सदर्घ) 3. जे॰ चौधरी वही 07-01-84 社 संहा० स्टाफ अफसल (तदर्ष) 4. श्रीमती माया आचार्या वही 07-01-84 से सहा० स्टाफ अफसर (तदर्घ)
- उपरोक्त प्रोन्ति में माननीय कलकता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई अपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा।
 - 3. उपरोक्त अधिकारी गण अपनी प्रोन्नित की तारीख से दो वर्ष की अवधि तथा परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 19 जनवरी, 1984

ं सं॰ 1/84/ए०/६०-1(एन॰ जी॰)--वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर निम्नलिखित अफसरों ने दिनांक 31-12-83 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए :--

श्री श्रीषिकेश दास,
 स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर,
 (मौलिक एवं स्थायी सहायक)

- 2. श्री शक्ति राम मुखर्जी, स्थानान्पन सहायक स्टाफ अफसर, (मौलिक एवं स्थायी सहायक)
- 3. श्री नित्यानन्द चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर, (मौलिक एवं स्थायी सहायक)

डी० आर० अप्यर डी० डी० जी० ओ० एफ०/कार्मिक **कृते** महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984 आयात ग्रौर नियात ब्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/407/56-प्रशा०-"राज"/518--सेत्रा निवृत् की आयु होने पर, इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयाज एवं निर्यात,श्रीएस० के० साहा को 31 विसम्बर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृति होने की अनुमति दी गई हैं।

> वी० के० मेहता उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 18 जनवरी, 1984

सं० ई० एस० टी० 1.2 (627)/351—राष्ट्रपित महोदय ने श्री पी० के० गंगोपाध्याय, उपनिदेशक (उत्पादन एवं विकास्), वस्त्र आयुक्त के प्रवेशिक कार्यालय, अमृतसर के त्यागपत्र की स्वोक्कृति को विनाक 31 दिसम्बर, 1983 अपराह्म से अनुमोदित किया है।

> एस॰ राममूर्ति वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंद्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1984

सं० ए०-19018(641)/83-प्रमा० (राज०)— विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारो (यांतिका), श्रो आर० के० सक्सेना को, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के अधीन फील्ड टेस्टिंग स्टेमन, सोलन में दिनांक 14-2-83 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशक, ग्रेड-II (यांतिकी) के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018(670)/83-प्रशा० (राज०)--विकाल आयुक्त (लघु उद्योग) श्री पी० के० सिह्ना को, लघु उद्योग सेथ संस्थान, गौहाटो के अधीन, शाखा लघु उद्योग सेथा संस्थान, इम्फाल में, दिनांक 21-11-1983 (पूर्वाह्न), से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रड-II (खाद्य) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी 1984

सं 12 (67)/81-प्रणा० (राज०) खण्ड -4--सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर भारतीय अधिक सेवा के अधिकारी (ग्रेंड-1) डा० जैंदेव वर्मा ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेंड-1) के पद का कार्यभार 31 विसम्बर 1983 से छोड़ दिया है। श्री वर्मा, उपर्युक्त पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे।

राधारमण फौजदार उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति क्षथा नियटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुमा $\psi - 1)$ नहीं दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 1984

सं प्र प्र न 1/1(1227) — राष्ट्रपति, अभियांतिको सेवा परीक्षा 1981 के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए गए निम्नलिखित उम्मीदवारों को उनके नाम के आगे दी गई तारीख से दो वर्ष की परिवीक्षाधीन अवधि के लिए भारतीय पूर्ति सेवा गुप "ए०" के ग्रेड — III में नियुक्त करते हैं:

- श्री राजीव कुमार सिंह 30-11-83 (पूर्वाह्न)
- श्री एल० लिगा मूर्ति 8-12-83 (पूर्वाह्न)
- ं 2. उपर्युक्त अधिकारियों ने पूर्ति तथा निपटात महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) प्रशिक्षार्थी के पद का-कार्यभार उनके नाम के आगे दी गई तारीख से संभाल लिया है।

एस० बालासुक्रामणियन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भगरतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकता--700016 दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० 334 बी०/ए०-32014(1-सहायक भूवैज्ञानिक)/ 82-19ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेदन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेदानमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने ठक प्रत्येक के सामने दणाई गई तिथि से पदोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं:—

ऋ० सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
2. % 3. %	ा० लाल चन्द धीम गी जे० के० श्रीवास्तव गी ए० के० विपाठी गी एम० एच० अब्बास	न 3-10-83 (पूर्वाह्म) 3-10-83 (") 5-10-83 (") 1-10-83 (")

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 16 जनवरी, 1984

सं० 394 वी ०/ए०-32013 (एस० ओ०)/83-19 ए --भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के भण्डार अधोक्षक (तकनीकी) श्रो ए० के० दास
को भण्डार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-401000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, अस्थायी
क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27-10-83 के पूर्वीह्म से
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

आर् एन० सिंघल निदेशक (प्रशासन)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 21 जनवरी 1984

सं० ए०-19011 (340) /83-स्था० ए०---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री अयोक कुमार सेना गुप्ता, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (जीयालाजी) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पव परस्थाना-पन्न रूप में दिनांक 22 विसम्बर, 1983 के अपराह्न से सहबं नियुक करने हैं।

आशाराम कश्यप वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी फूर्ते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 जनवरी 1984

सं० एफ०-12-3/83-स्था०--अभिलेखा निदेशक, भारत सरकार, जे० पी० भट्टाचार, जो कि तदर्थ आधार पर सहायक अभियन्ता के पद पर स्थानायन्त रूप से कार्य कर रहे हैं, को 3 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से, अगले आदेश होने तक, नियमित स्थायी आधार पर राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में सहायक अभियन्ता (ग्रुप "बी", राजपितत) के पद पर एतद्वारा नियु-क्त करते हैं।

> तरलोचन सिंह, प्रणासन अधिकारी, राष्ट्रीय अभिलेखागार, इते अभिलेखा निदेशक

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एदलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कलकत्ता-700019, दिनांक, 18 जनवरी 1984

क्रमांक 31-9/21—जी० वी० भी०/स्था०—श्री जी०सी० वार्ध्येय ने प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में रु० 650-1200 वेतनमान पर वज्ञानिक अधिकारी का पद भार 31-12-1983 अपराह्म से अन्य आदेश होने तक ग्रहण कर लिया है।

ज्ञा० कु० दक्त निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1984

सं० 4/9/83-एस०-II--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा, श्री डो॰ पी॰ णर्मा, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली को 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 ह॰ के वेतनमान में, 26-12-83 से एक वर्ध के लिए, या भर्ती नियमों के बनने तक और नियमित आधार पर व्यक्ति के आने तक, जो भी पहले हो, आकाणवाणी भोगल में तदर्थ आधार पर, प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रीमती रुक्सिणी दास गुप्ता प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक .

(सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्लो, दिनांक 20 जनवरी 1984

सं० ए०-19012/39/83-सी० डब्स्यू०-I/262--महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली श्री भूपिन्दर सिंह, वास्तुकार सहाबक ग्रेंड-I को 650-30-740-35-810--द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में आहाशवाणी, नई दिल्ली (मुख्यालय) में, सिविल

निर्माण स्कन्ध में, सहायक वास्तुकार के ग्रेड में स्थानापन्त क्षमता में पदोन्नित पर 9-12-83 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मुपिन्दर सिंह की नियुन्ति उनको पहले से ही जारी किए आदेश सं० ए०-32014/2/83 सी० डब्ल्यू०-1, दिनांक 9-12-83 में निहित शर्ती द्वारा शासित होगी।

एस० के० मोहिन्द्रा मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी कृते महानिदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग) तेलहन विकास निदेशालय

हैदराबाद-500 029, दिनांक 17 जनवरी 1984

सं० फा० 8-15/66-प्रणा० (खण्ड तृतीय)--समूह 'ब' विभागीय पर्वोन्तत समिति की सिफारिश पर निदेशक, तेलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद, सहर्ष श्री के० सुक्रह्मण्यन्, अधीक्षक को प्रणासनिक अधिकारी (समूह ब-राजपितत-अनुसचिवीय) के पद पर तेलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद में अस्थायी रूप से पदोन्तित प्रदान करते हैं, जिसका वेतनमान रू० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 को 17 जनवरी, 1984 (पूर्वाह्म) से प्रभावी और भावी आदेश जारी होने तक रहेगा। उनकी परिवीक्षा अविध दो वर्ष की होगी जो 17 जनवरी, 1984 से लागू रहेगी। उन्हें नियम्ह-नुसार वेतन व भत्ते देय होंगे।

म० दा० बासनिक निदेशक

भागा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्ब ξ -400085, दिनांक 16 जनवरी 1984

सं० पी० ए०/79 (1)/83-भरती-III/309--नियंत्रक, भामा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मुक्कल्ल लक्ष्मणराव, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, नाभिकीय इंधन सम्मिश्र, हैवराबाद को दिनांक 14 नवम्बर, 1983 (पूर्वाह्न)से आगामी आदेश जारी होने तक इसअनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० टी० पिणोरी उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० विषअप्र/3(283)/83-स्थापना-I-632--निदेशक, (अभियांत्रिकी) विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बस्दाई एतद्द्वारा श्री एन० कृष्णकुमार, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक लेखापाल को उसी प्रभाग में दिसम्बर 15, 1983 से जनवरी 25, 1984 के अपराह्न तक के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से तदर्थ अधारपर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री एम० एच० नरवानी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें पदोन्नति दी गई है.।

सं० वि० प० अ० प्र०/3(283)/83-स्थापना-I-633--निदेश के, विधुत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बस्बई एतद्
द्वारा श्री डी० एल० गवाणकर, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेण
लिपिक एवं स्थानावन्न सहायक लेखापाल की इसी प्रभाग में
दिसम्बर 7, 1983 से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए
सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से तदर्थ ग्राधार
पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी
कूमारी शिखा बिस्वास जिन्हें प्रत्यावित्त किया गया है, के स्थान
पर की जा रही है।

सं० वि० प० अ० प्र०/3 (283) / 83-स्थापना-I 634-निवेशक, विद्युत परियोजना अभियाविकी प्रभाग, वस्वई एतद्द्वारां श्री एम० एच० तरवानी, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी
को इस प्रभाग में दिसम्बर 15, 1983 के पूर्वाह्म से जनवरी, 25ी
1984 के अपराह्म तक के लिए लेखा अधिकारी-II के पद पर अस्थायी
रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

आर० ह्वी० वाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद--500 762, दिनांक 28 नवम्बर, 1983 े आदेश

सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/1733/1632--जब कि नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के बाल बेयरिंग निलका संयंत्र
के कारीगर "क", कार्मिक क्टांक 1733, श्री मोहम्मद शमणुद्दीन
(अवकाण के विना पूर्व अनुमिति/मंजूरी के) दिनाँक 25-021983 के बाद से कार्य से अनुपस्थित रह रहे हैं;

और जब कि उन्हें एक तार, कार्य पर तत्काल आने के लिए निदेश करता हुआ, दिनाक 25-3-1983 को भेजा गया;

और जब कि तारकी डाक प्रति संख्या बा०बे०न०से० सं०, 1733/83, दिनांक 25-3-1983 पावती सह पंजीकृत डाक ररा उनके निवास संख्या 6~3-1242/60, राजभवन, राजन्तर के सामने, हैदराबाद के निवासीय पते पर भी भेजी गई;

और जब कि उक्त श्री शमशुद्दीन कार्य पर नहीं आए; गैर जब कि एक तार ओर, उन्हें कार्य पर तुरस्त आने के लिए निदेश करता हुआ, दिनांक 20-4-1983 को भेजा गया; ोर जब कि उस तार की डाक प्रति संख्या बा० बे०न० सं०/1733/ 83, दिनांक 20-4-83 को जो पावती सह पंजी:कृत डाक द्वारा उनके जिनास संख्या 6-3-1242/60, राजभन्नन, राज नगर के सामने, हैदराबाद के पते पर भेजी गयी थी, वह उन्हें दिनांक 27-14-83 को प्राप्त हो गई :

और जब कि उक्त श्री शमशुद्दीन कार्य पर नहीं आए तथा उन्हें दिए गए अनुदेशों की अवहेलना करते हुए अप्राधिकृत कार्य से निरन्तर अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री शमशुद्दीन को ज्ञापन ना० ई० स०/ का० प्र० 5/2606,1733/923, दिनांक 28-7-83 के द्वारा उन पर लगाए गए आरोप तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्ता वित कार्यवाही की सूचना दी गई;

और जब कि उक्त श्री शमशुद्दीन की दिनांक 28-7-83 का आरोप पत्र दिनांक 01-8-83 की प्राप्त हुआ किन्तु अपने बचाव के लिए उन्होंने अपना कोई लिखित वक्तव्य नहीं प्रस्तुत किया ;

और जब कि उस आरोप की जांच करने का विचार किया गया तथा तदनुसार आदेश संख्या ना० ई० स०/का० प्र० 5/ 2606/1733/1117, दिनांक 02-9-1983 के द्वारा एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया ;

और जब कि जांच अधिकारी ने दिनांक 18-11-1983 की जो रपट प्रस्तुत की उसमें लिखा कि उक्त श्री शमशृद्दीन की (जांच में) उपस्थिति व्यवहारतः असम्भव होने के कारण से एक पक्षीय जांच की गयी तथा आरोप को सिद्ध माना गया;

और जब कि दिनांक 18-11-1983 की जांच रपट सह मामले के अभिलेखों के आधार पर अशोहस्ताक्षरी इस निष्चय पर पहुंचे हैं कि उक्तश्री मोहम्मद शमशुद्दीन सेत्रा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का वण्ड अधिरोपित किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, आचरण, अपील) नियम, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) की परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 2/2/82-सतर्जता, दिनांक 09-05-1983 के साथ सहयोजित कर उनके अन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रयोहस्ताक्षरी उक्स श्री शमशहूदीय को येवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

जों० वें० रा० प्रसाद राबु उप मुख्य कार्यपालक (प्रशा०)

अनुलग्नक : एक

श्री मोहम्मद णमशुद्दीत, निवास संख्या 6-3-1242/60, राजभवन, राज नगर के सम्बुख, हैदराबाद 500 004 ।

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद--500 016,दिशांक 11 जनवरी 19.84

सं० प० ख० प्र०-2/3356/81-प्रशासन-निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग ने श्री आर० सुरेश, वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" का त्याग-पत्र 5-1-1983 के अपराह्म से स्वीकृत कर लिया है।

> त्यं० ज्ञा० घाडगे वरिष्ठ प्रमासन एवं लेखा अधिकारी

ग्रंतरिक्ष विभाग विकास साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र (स्थापना अनुभाग)

तिष्वनंतपुरम-22, दिनांक 11 जनवरी 1984

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)— नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम सारा-भाई श्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवतनंपुरम में निम्नलिखित व्यक्तियों को रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेसनमान में, उनके नामों के सामने दिए गए व्यौरे के अनुसार स्थानापन्न रूप में परोन्नत करते हैं:-

ऋ०सं० नाम	पदोन्नत पद	लागू तारीख
.1. श्री वी॰ नारायण दार	। सहायक क्रय अधिकारी	17-12-83 (पूर्वाह्न)
2. श्री पी० एम० रविकम्मत	सहायक क्रय अधिकारी	,
3. श्रीपी०पयनाभन नायर	सहायक कैण्टीन प्रबन्धक	19-12-83 (पूर्वाह्न)

कें पी० आर० मेनोन प्रणासन अधिकारी—II (स्था०) कृते नियंत्रक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेशक, नागर विमानन का कायलिय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1984

सं० ए० 11019/1/77-ई० एस०--महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को हिन्दी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31-1-84 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शतीं पर जारी रखने की स्वीकृति दी है :--

- (1) श्री बी० आर० राजपूत
- (2) श्री बुज राज
- (3) श्री एन० सदाणिवन
- (4) श्री एस० पी० शर्मा
- (5) श्री जी० मणि

बी० भौमिक सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

सं॰ ए॰-32013/9/82-ई॰ सी॰--इस विभाग की दिनाँक 16 जुलाई, 1983 की अधिसूचना सं॰ ए॰-32013/9/82ई० सी० के अभ में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्य नियुक्ति दिनांक 31-12-1983 तक जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:---

क०्स	० नाम	
-	सर्वेथी	
1.	बी॰ एन० करनेजे	
2.	के० राजागोपालन	•
3.	एम० सुन्नहाण्यन्	
4.	एस० एन० दत्ता	•
5.	एम० पी० कुलकर्गी	
6.	आर० एन० मुखर्जी	
7.	पी० एन० कुष्पूस्त्रामी	
		

ओ० पी॰ अग्रवाल सहायक निदेशक (प्रशासन)

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय ्सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन गुल्क नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1984

सं० 1/84—श्री एम० पी० चौधरी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ में, सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 11-11-83 आदेश सं० 213/83 (फा० सं० 32012/11/83—प्रशा०—II) के अनुसार स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं लेखा • परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के गाजियाबाद स्थित उत्तरी प्रावेशिक यूनिट में दिनांक 13-12-83 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल • लिया।

सं० 2 /84—श्री जे० पी० अनंद ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, विल्ली में वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 29-8-83 के अदिग मं० 157/83 (फा० सं० ए०-32012/5/83) द्वार् इस िस्ति नियंत्रण असेनीय अधिकरण की दिल्ली स्थित न्याय पीठ में कनिष्ठ विभोगीय प्रतिनिधि "ग्रुप क" के रूप में स्थानांतरण हो जाने पर, दिनांक 13-12-83 (पूर्वाह्म) से उपरोक्ष्त पद का कार्यभार संभाल निया ।

दिनांक 17 जनवरी, 1984

सं० 3/84—श्री जी० एस० सरना ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन गुरुक समाहर्तालय, दिल्ली में वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 11-11-83 आदेण सं० 213/83 (फा० सं० ए०-32012/11/83-प्रणा०-II) के अनुसार निरीक्षण एवं लेखा

परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई विस्ली में सहायक निदेशक के रूप में स्थानांतरण होने पर दिनांक 15-12-83 (पूर्वाह्म) से) उक्त पद का कार्यभार संभाल निया।

ए० सी० सल्डाना निरीक्षण नि<mark>येशक</mark>

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग,) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और तिवेणो एडवरटाइजिंग सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 अनवरी 1984

सं० 2498/लिक्बिं/560(5)/843— कम्पनी अग्नित्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्- द्वारा सूचना दी जाती है कि तिवेणी एडवरटाइजिंग सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिस हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेल्लिमण कोटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 23 जनवरी 1984

सं० 2214/लिकिव/560(5)/844—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि वेल्लिमण कोटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड -का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी - विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जियोरो एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट विजनिस एण्टरप्राइजेंस प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

कोचीन, विनांक 23 जिनवरी 1984

सं० 2965/लिकिय/560(5)/845—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-ढारा सूचना वी जाती है कि जिथोरो एक्सपोर्ट एण्ड इम्मोर्ट बिजनिस एण्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० पन्चापकेशन कम्पंनियों का रजिस्ट्रार केरल

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 4 फरवरी 1984

सं. 23/3/83-सी. पी. आई. —िदसम्बर, 1983 में औद्योगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूपकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर, 1983 के स्तर से दो अंक घट कर 559 (पांच सौ उनसठ) रहा। विसम्बर, 1983 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 679 (छ: सौ उन्नासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निवोधक प्ररूप आई: टी. एन एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

ं लखनऊ, दिलांक 13 जनवरी, 1984

निर्वेश सं० जी० आई० आर० सं० एम०-167/एक्टी०--अयः मुसे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1031/62 है तथा जो हजरत गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 20-5-1983,

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (खन्तिरित्यों) के कीच एसे भन्तरण के लिए तय पाया ग प्रतिफल, निम्निलाखत उद्दश्य से उक्त धन्तरण विजित में वास्ति विक उप से बिश्व नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई विक्षी बाब की बाबत विक्त प्रधि-नियम के धर्मीय कर देने के प्रम्लरक के बांबरव में क्ष्में करने या लखते बचने में सुविधा के किए; बौर, या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं भी सुधिया के निए;

अतः अब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उबत अधिनियम की बारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिकित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री गनेश लाल शाह

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती माल्ती देवी
 - 2. श्रीमती प्रोमिला अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध श्राह्म में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति में 1/7 हिस्सा स्थित प्लाट नं० 31/62, हजरतगंज, लखनऊ 1400 वर्ग फिट कारपेट एरिया के साथ, और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5680. में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद मक्षम अधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिमांक : 13-1-1984

प्ररूप शाई.टी.एन.एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० वी०-67--यतः मुझे, ए० प्रसाद.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०-56 है तथा जो गांधी नगर,

मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्था से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनाक 13-5-1983,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी बाब की बाबत, उक्त जिमितियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त बांधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिचित स्वक्तिय, क्यांत् हु---- (1) श्री मान्ती प्रसाद

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री विनीत किशोर जैन
 - 2. श्रीमती मधु जैन
 - 3. मास्टर प्रतीक (नाबा०)
 - 4. मास्टर वैभव (नाबा०)

द्वारा संरक्षक, श्री विनीत किशोर जैन

्(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

ण्लाट नं० बी०-56, पैमाइसो 267.377 वर्गमाटर पुछता भरी प्लाट स्थित गांधी नगर, मुरावाबाद, और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फाम 37-जी संख्या 2907 में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यौ-लय में विनाक 13-5-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (मर्जन क्षेत्र) लखनऊ

विनाक : 13-1-1984

वोहर 🏗

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकता

कलफत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कल०/1983-84---यतः सुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 29 ए०, बी० एण्ड सी० है तथा जो बिण्लिंब अनुकूल चन्त्र स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-5-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गगा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गगा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी न्नाय या किसी वन या अन्य ग्राहितयों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रीविनयम, या भ्रम-कर मिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भ्रम्वरिती हारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविद्या के लिए;

ं अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत क्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री प्रबेस कुमार चौधुरी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गान्तिदेवी चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख -से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर के सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिस्स गया हैं।

अनुस्ची

सम्पत्ति को डीड नं० 1-4594 अनुसार 10-5-1983 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेंस कलकत्ता का दक्तर रजिस्ट्रि हुआ।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, 54, रफीअहमद किदवई
रोड, क्सकत्ता--16

दिनांक : 13-1-1984

मोहर ः

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निर्देश सं० ए० सी०/रेज-I/कलकत्ता, 1983-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 6 तथा 7 है तथा जो ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रंट कलकता में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०

ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, विनांक 25-5-83,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियत उद्वेश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 सम्बद्धित कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् हु-

(1) सचि वानिष्य को० लि०

(यन्तरक)

(2) फिक्सन एण्ड को० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

सम्पत्ति जो डीड नं । -5150 अनुसार 25-5-83 तारीख में सब-रजिस्ट्रार-आफ एन्सुरेंस कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० **कै० घोधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--I, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकना---16

विनांक : 12-1-1984

माहर :

प्रकथ धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म(1) के श्रद्धीन सूचना

भा**रत सरका**र

कार्यालय, अहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निर्वेश सं० ए० सी0/रेंज-I/कलकता/1983-84---यतः मुझे, एस० के० चौशुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिल्ला मं० 6 तथा 7 है तथा जो ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक रो के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 25-5-83,

को पूर्वीयत सम्पेतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उकत अधि-नियम से अभीन कर देने के जंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या भनकर बीधनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) बादित्य रिलेटरर्स लि॰

(अन्तरक)

(2) फिपसन, एण्ड को० लि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ झोगा, जो उस मध्याय में विवा गया है।

नग्रुपी

सम्पत्ति जो डीड नं ।-5237 अनुसार सब-रजिस्ट्रार आफ एन्सुरेंस का कलकत्ता का दफ्तर में 25-5-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

> ए स० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 12-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-I/कल०/1983-84-यतः मुझे, एस०के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.006/- रह. से अधिक है

_ और जिसकी सं०६ तथा 7 है तथा जो ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट.

कलकत्ता स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०

ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक 25-5-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या लग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विज्ञा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भे मृविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा '(1) के अधीन, निम्निचिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) मेरिट इनवेस्टमेंट

(अन्तरक)

(2) फिपसन, एण्ड को० लि०

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पृत्रीं वस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उत्तत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इससें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस - अध्याय में दिया गया है।

जनसन्ती

सम्पत्ति जो डीड नं ० I - 5151 अनुसार 25-5-83 तारीख में सब-रजिस्ट्रार आफ एन्ग्युरेंस कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, 54, रफीअहमद किंदबई रोड. फल्फला-16

दिनांक: 12-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, कलकत्ता

भलकत्ता, विनांक 13 जनवरी 1984

िवर्ष सं. ए. सी. /रंज-। /कल. /19 टी. आर. -122-83-84/एसएल. 826 आई. ए.सी. एसीक्यू. आर-। /कल. — यत: म्फे, एस, के. चौधरी, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 35,000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं० 20 एड है तथा जो कनमेण्ट रोड कलकत्ता

और जिसकी सं० 20 एंड है तथा जो कनमेण्ट रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबंब अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-5-1983

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथिद से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) श्री सरत् क्यार राय एन्ड श्री प्रकृत्ल क्यार राय।

(अन्तरक)

(2) पूर्व भारती समवाय आबासन, लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्भ स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोंगे।

स्पन्स्व किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

20 ए० तथा बी०, कनमेण्ट रोड में अवस्थित सम्पत्ति जो 13-5-83 तारीख में सब-रजिस्ट्रार आफ एम्शयुरेंस का दफ्तर में डीड नं० 1--4771 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, 54, रफीअहमद किववाई रोड कलकत्ता-1 6

दिनांक : 13 जनवरी, 1984

मोहर ः ़

प्ररूप आर्^{*}.टी.एन.एस . -----

आग्रकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवेश सं० टी॰ श्रार॰ 148/1983-84/एसएल॰ 827
प्रौई॰ ए॰सी॰ एक्यू रेंज--1/कलकत्ता यतः मुझे, एस॰ के॰ चौधुरी,
।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
59-स को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
एण हैं कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य
5,000/- रु. से अधिक हैं
।।र जिसकी सं० 6 तथा 7 है तथा जो ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट

ार जिसकी सं० 6 तथा 7 है तथा जो ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट देस्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत , रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०ए० कलवस्ता , रिजस्ट्रोकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, देनांक 25-5-1983

रे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार या, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का , प्रतिचात अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्सू (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया में प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाजत, उत्कल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) सरण प्रानेकुस

(अन्तरक)

(2) फिप्सन, एण्ड को० लि०

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्पद्धीकरण :---- इसमें प्रयुक्त हाल्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्थी

सम्पत्ति जो श्रीह नं I-5149 अनुसार 25-5-83 तारीख में सब-रिजस्ट्रार आफ एन्श्रुयुरेंस का दक्तर में। रिजस्ट्री हुआ

> ए स० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, 54, रफोअहमद किंदबाई रोड, कल रुक्ता---16

दिनांक : 12 -- 1-- 1984

प्रकृष आहे. शी. एन एम. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज---!, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश तं व टा आर-12 4/83-84/एसएल 82 8 आई० ए०सी०एक्यू आर-1/कलकसा—यतः मुझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात 'उत्तत अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विकतास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिपकी संव 96 बी० हैं तथा जो दिलखुसा स्ट्रीट कलकसा में स्थित हं और इ ससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्णकप से अणित हैं (राजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यात्य एस० आर० ए० कलवन्ता

में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

विनांक 12~5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्थमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-कल, निम्नलिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्य से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबन, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किया अन्य कास्तियों का किया अन्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्रिश स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा खें सिए;

जतः अकः अक्षतं अधिनियमं की भारा 269-ए के अमृतरणं भी, ही, व्याप्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) की यभीन , विम्निमिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं सर्त जानवार विवि एण्ड पादर्स

(अन्तरक)

(2) श्रोमती अपूरमा जईन.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकेंगे:

स्थव्योकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, वां सक्य अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बद्दी अर्थ होगा को उस अध्याय पर दिया भवा है।

वन्स्ची

सम्पत्ति जो डोड.नं० I-4716 अनुसार 12-5-1983 तारीख में सब-रजिस्ट्रार आफ एन्स्युरेंस कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> ्रस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, 54, रफी अहसद किदवई रोड, सनकत्ता----16

^{दि}नांक : 13-1-1984

प्ररूप माई. टी. एन. एस.----

नावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमता

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-- I, कल क्ला

कल हत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० टी आर-117/83-84/एसएल 829 आई० ए० सो० एक्यू आर-1/कलकत्ता-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 01 है तथा जो अकल भिण्ड पलेस कलकत्ता में स्थि है (और इसते उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०ए० कलवत्ता में, रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मई, 1983,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् इस निम्नलिखित उद्विष्य से उसत बन्तरण सिचित में बास्त-विश्व क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मिनव के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने मा उससे नवने में सुनिया के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था िक्याने में सविधा के लिए:

मतः सभ, उक्त श्रीभिनयम् की भारा 269-व के अपूसरण् में, में, उक्त स्थिनियम् की भारा 269-व की स्प्भारा (1) के स्थीन, निस्क्रीसिंखत व्यक्तियों, व्यक्ति ह— (1) श्रोनिर्मेज कुमार साउ

(अन्तरक)

(2) मेसिन, ओर्कस, (इण्टरनेशनल) लि०

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अजन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अथिकतम् में से किसी व्यक्ति कुंबारा;
- (क्ष) इस स्वाना के राजण्य में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I-5071 अनुपार रजिस्ट्रार आफ एम्बयुरेंस कलकत्ता का वप्तर में मई, 1983 में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी ^{क्र} सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-I, 54, रफीअहमद किववई रोड, कलकसा---16

दमांक : 13~1-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

(1) श्रो अरुण कुमार चन्द्र

(अन्तरक)

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रुपीन सुमना

(2) श्रीमती उपा राणी जईन,

(अन्तरिती

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I कलकला

कंलकत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1984

जिदेश लं ० टी आर-139/83-84/एसएल 830 आई० ए० सी० एक्यू आर-1/क नक कता/—यतः मुझे, एस० के० चौधुरी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 079/27 है तथा जो लोधार साकुलर रोड, कल हत्ता 14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विजत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० १० कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-5-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिति व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूर्चना जारी कृरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ि कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस् बैक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभारि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया हैं।

जगुत्त्वी

सम्पत्ति जो 6-5-1983 तारीख में रिजस्ट्रार आफ एष्युरेंस का वक्तर में डोड तं० प्र 4439 अनुसा- रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० **पौधुरी** संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-^I, 54, रकी अहमद किदवई रोड, क्षतकता---16

दिनांक : 13-1-1984

श्रूष बार्ड व होत एन० एम ००००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योलयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1984

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरो 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, 5/1 तथा 2 है तथा जो सदर स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतिरित की गई है बार मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) मों अभीन, निम्नलिखित म्युक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो विजय कुमार सेठ

(अन्तरक)

(2) सिरियान, बाई आलि हुसैन, अक्षमदाबाद वाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

वन्त्रा

सम्पत्ति जो डीड नं ० I-5272 अनुसार सब-रजिस्ट्रार आफ एन्थ्युरेंस कलकत्ता का वप्तर में 30-5-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० क० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता--16

. .

विनांक : 13-1-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

. कलकता, दिनांक 13 जनवरी 1984

निवेण सं • TR-136/83-84/SL. 832 / I.A.C. ACQ. R-I/Cal.—यहः मुझे. एस० के० चौधुरी,

कायकर क्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं 14 ए०, है तथा जो डिक्सन लेन कलकशा में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची, में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर्० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 3-5-1983,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षेप्त के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंग्रे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेध्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गमा है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विश्वा जानः चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निक्तीविक्त व्यक्तियों, नर्वात् :--- (1) श्रो परिमल हारिनि दे एण्ड अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री विषनु नाथ दे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्महर्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- ृ(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति जो डीड नं ं 1,4743 श्रनुसार रिजस्ट्रार श्राक एस्ट्रेंस कलकत्ता का दफतर रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक **जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-^I, 54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता--16

विनोक: 13-1-1984

मोह्नर ः

प्रस्थ गाइ . टी. एत. एस. ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृज्या

भारत सरकार े

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निवेश सं० एम०-1378/82-83/569--अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25.000/- रु. से अधिक है

बौर जिन्नकी सं० 3368 हैं तथा जो 104/1-2, बल्लू पुर, रेण्ड्रल दून देहरा दून में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के वार्यालय, वेहरादून में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-5-1983,

को पृथोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अयः, उत्कतः अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) श्री स० जीवन दीप जिल्ल ग्रेगां स एवं स० सुरेन्द्र जिल्ला, अवयस्त पुत्रगण स०गुरमेल निक् ग्रेयाल, नि०-84, इन्दिरा नगर कालोती. देहरादून ।

(अस्तर्ह)

(2) श्री शैलेन्द्र चन्द्र, पुत्र ेला० भोजराम निवासी—240, चुख्यालाः देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) गैलेन्द्र धन्त्र, नि०-240, भृख्वाला, देहरादून। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृषीयत संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सर्म्यात्त के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया संपरित में हितबद्ध वित्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रण्कत शब्दों और पदौ का, ओ उत्तर अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡] वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

मन्स् भी

अचल सम्पत्ति म ० नं.० 104/1-2, बल्लूपुर, सेण्ड्रल दून देहरा दून में स्थित है ।

पारस नाथ पाठक सक्ष**म प्राधि**कारी (सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कानपुर

विनांक : 12-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं०

अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

जायकार अधिनीयम, 1961 (1961 का 43) (जसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1053 है तथा जो म०नं० 63 साहा बाकी मेरठ में स्थित है (और इस्ते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फेरठ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. दिनांक 8-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण जिखित में भारतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण जिखित में भारतिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/दा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सूविधा की निष्ण;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कुसुम लता पत्नी सत्य प्रकाश निवासी—साहाखाकी, भेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना कुमारी पत्नी अशोक कुमार, निवासी—छिपीवाड़ा । मेरुठ ।

(अन्तरिती)ै

(3) विकेती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होरीहो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां स्वक्तियां से किसी व्यक्तियां से किसी व
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकांगे।

स्पब्दोकरणः — इसकें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्स्ची

महात नं० 63, प्राहाखाकी, मेरठ।

पी० एन० पाठक सङ्गम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कामपुर

दिनांवा : 12-1-1984

प्रकृष् , मार्च , दी , एन , एस , ----

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984 निदेश सं० के०-320/कानपुर/83-84/572--अनः मुझो, पी० एन० पाठक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 13361 है तथा जो III/424 ए०, अणोक नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह रिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथत नहों किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान अस्तियभा के लिए;

(1) श्री ज्याला प्रसाद पुत्र श्री कनेह्या जाल निवासी---111/151, अणोक नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी बाजपेयई पत्नी श्री गालिग राम निवासी---50/36 नौषडा, कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) श्री ज्वाला प्रसाद पुत्त श्री कन्हैया लाल निवासी—-11 1/151, अशोक तगर, कालपुर । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की लामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं अनुसूची

मकान न० 111/424 ए०, अशोक नगर, कानपुर।

पारस नाय पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुरू

दिनांक : 12-1-1984

प्रकप् आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० के०-274/कानपुर/83-84/573---अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 10911 है तथा जो प्लाट नं० जी०-51, जूही कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजर्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-1983

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपलो से स्विधा से लिए;

बत: अब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी. उक्त प्रिपिनण्य की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिसित

(1) श्रा भरत लाल मेडरा पुत्र श्री नरायन दास मेहरा, 37/87, विगया मनी राम, भानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री उदय कुमार रस्तोगी पुत श्री बी० पी० रस्तोगी, नि०--128/84, ब्लाक 'डी' किदवई नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविक्तयाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनुस्ची

मकान नं० एम० आई० जी० 51, ब्लाक डब्स्यू० जूही, कानपुर ।

पी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, कानपूर ।

दिनांक : 12-1-1984

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० एम०~1398/83~84/574—अतः मुझै, पी० एन०, पाठकः,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 3983 है तथा जो लिटन रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजौर मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

(1) श्रीमती दमयन्ती देवी, पत्नी श्री विजयपाल सिंह नेगी, नि० 5, लिटन रोड, देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुमिरन माला जैन, पत्नी ला० सुमेर चन्द जैन एवं अन्य, निवासी—67, धामावाला, देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती सुमिरन माला जैन, पत्नी ला० सुमेर चन्द जैन एवं अन्य, निवासी----67, धामावाला, देहरादून । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अजल सम्पत्ति नं० 5, लिटन-रोड, देहरादून में स्थित (क्षेत्र-फल 653.34 वर्ग मीटर)

> पारस नाम पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 12-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाह .टी.एन.एस., -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० के-319/कानपुर/83-84/575--अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 13348 है तथा जो 104 ए०/446 सीसामऊ पुराना कानपुर में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निभ्नितिचित स्वितियों, अभीत् रं—-

(1) श्री राम सहाय पुत्र श्री गिट्ठू निवासी---104/446 पुराना सीसामऊ । कानपुर ।

(अन्तरकः)

(2) श्री कैलाश सिंह एवं आदि पुत्र श्री कमल सिंह निवासी-—104-ए/184 बी०, राम बाग, कानपुर ।

' (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (उपरोक्त) . (बहु व्यक्ति, जिलके अधिगोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते । अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिया ... गया है।

अनुसूची

मकान नं० 104/446 पुराना मीसामऊ , कानपुर ।

पी० एन० पाठक सक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांका : 12-1-1984

प्ररूप. बार्इ. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेण सं० एम०-1464/563-1--अतः मुझे, पी० एन० पाठक, .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1061 है तथा जो दुकान नं०4 व 3, बेगम बाग, मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रांबर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रांबरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया पाय पा किसी जन या प्रत्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 को 11) या उपत प्रधितियम, या धन-कर श्रीधितियम, 1957 (1957 को 27) व प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रीक्षा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) श्री सोमिता बनर्जी पुत्र श्री प्रवीर नाथ बनर्जी 433/434 बेगम क्रिज रोड, मेरठ शहर । (अन्तरक)
- (2) श्री निर्मल कुमार जैन, सुरेन्द्र कुमार जैन , विजेन्द्र कुमार जैन पुत्रगण लाला चिरंजीलाल जैन श्रीमती सुलोचना देवी जैन, पत्नी श्री चन्द्र कुमार जन निवासीगण तोपखाना बाजार, मेरठ छावनी ।

(अन्तरिती)

(3) दुकान नं० 3—-श्री गुरू दत्त, वेद प्रकाश, दुकान नं०---4 खरीदारान (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त ज्ञान्यों और पदों का, जो उबते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 3 व 4(म्यूनिसपल नं. 39, 37 ए०) बेगम बाग, बेगम बिज रोड, मेरठ ।

> पारस नाथ पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

चिनांक : 12--1-1984

मोहर ः

प्रकृप आहूर दी. एत्. एस . ------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० एम०—1460/कानपुर/83-84/564——अतः मुझे, पी० एन० पाउकः,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० 929 है तथा जो 177-डी० म्यूनिसिपल नं० 135 साकेत मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक 15-6-1983

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उन्तरण कि लिए तम पामा गमा प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उन्तरण जिल्हित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनीयम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी एस० अमरजीत सिंह 107-बी०, क्रिज स्ट्रीट, मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती मुषमा वार्शनी पुत्नी डा॰ राृजा राम जी 177, साकेत मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) देस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीख वें
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाख
 लिखिस में किए जा सकोंगें।

स्पद्धिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 177-डी०, म्यूनिसिपल नं० 135। साकेत, मेरठ।

> पारस नाथ पाठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कतः क्रम, उक्प अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 12-1-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप आहें.दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निदेश स० एम०-1448/83-84/565--अत: मुझे, पी० एन० पाठक,

अल्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 13121 है तथा जो 252 ग्राम छाजूपुरा, हरोरा सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, दिनांक 17-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूथ्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेरय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्सरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के निए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिधाने में भूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियत स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ने० नवसुग रहीत इण्डरनीय 27, मिगन नवगाऊण्ड सहारानपुर्।

(अन्सरक)

(2) मे० किस्टम इण्डस्ट्रीज प्राप्त लिए ए०-94, आवास विकास कालोनी, सहारनपुर हारा-डायरेक्टर श्रीमती मुमन कृवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अजह के जिए कार्य-वाहियां करता हूं ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिल्ली लाकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कारे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग सं० 252 । ग्राम——छाजूपुरा, परगना हरोरा । जिला——सहारनपुर ।

> पारम नाथ पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 12-1-1984

प्रस्प भाइ . टी. एन. एस. -----

∎ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० एम०-1466/566--अत: मुझे, पी० एन० पाठक,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/ र स्त से अधिक है

और जिसकी सं० 1058 है तथा जो 169/ए०-4 आबूलेन, भेरट में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्णक्ष से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भेरट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-6-83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रोत्तशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या 'गन-कर अधिनियम, या 'गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिया के लिए:

- (1) श्रो विशन दास बता पुत्र श्री लेखराम बत्ता निवासी --- 169/ए० आवू लेने मेरठ कैण्ट (अन्तरक)
- (2) श्री नन्दलाल बनेया पुत्र श्री लाल चन्द बरोया व श्रोमती गीता बतेया पत्नो श्री नन्द लाल बनेया साठ नील की गली, छत्ता अली रजा, मेरठ शहर ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

169/ए०--4, आबुलेन, मेरठ कैण्ट ।

पारस नाय पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर ।

अतः अत उथा अधिनियम की धारा 260-ग के अत्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

विनांक : 12-1-1984

मोहुर 🛭

प्ररूप बार्ड, टरे, एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निदेश सं० एम०-1377/कानपुर/82-83/567--अतः मृष्को, पी० एन० पाटकः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित गाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3621 है तथा जो 40 नगविल्ला रोडदेहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-5-83,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार अन्त्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल के कन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- '(क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उप्कत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री चरनजीत साल ग्रोबर, पुष्ठ स्थ० श्री विश्वम्बर दास ग्रोबर । तित्रासी—-ए०-2/35, रजौरी गार्डेन, 'नई दिल्ली एवं अन्य ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ राम कुमार सिंहल, पुत्न श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी—म० नं० 40, नशविल्ला रोड, देहरादून।

(अन्सरिती)

(3) डा॰ राम कुमार सिहल म॰ नं॰ नगनिल्ला राड, देहरादून । (वह व्यक्ति, जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

वन्स्वी

दो मंजिला पक्का मकान नं० 40 (पुराना नं० 4-ए०) जो कि नशविल्ला रोड, देहरादून में स्थित है।

> पारस नाथ पाटक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर ।

दिनांक : 12-1-1904

मोहर 🚁

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निदेश सं०

1983-84---

अत: मुझे, पी. एन० पाठक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं । 12061 है तथा जो 99/10, बेकनगंज कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-5-83,

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रक्ष प्रतिफत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हसीना बानो पत्नी अब्दुल रहमना, 99/1 ए०, बेकन गंज, कानपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रहममान पुत्र मो० उस्मान हगमत उल्लाह, हफीज उल्लाह, वसीद उल्लाह पुत्र श्रयामत उल्लाह श्रीमती रेहाना बेगम, 99/1 ए०, बेकन गंज, कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 99/1ए०, बेकन गंज, कानपुर।

पारसनाथ पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक : 12-1-1984

माहर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सङ्ख्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1984 निवेश सं० सी० आर० 62/38841/83-84—अतः मुक्षो, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुरु से अधिक है

और जिसकी सं 19/6, है, तथा जो I मैन रोड, जयमहल एक्सटेंशन वेंगलूर-46 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधोनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक '20-5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बक्ते के सुविधा के लिए: बॉर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री बी० ए० मेनेजस, मैन रोड, कलयानपुर, उडपि नास्क ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रिप्लानि, नं० 128, VI क्रास, लोअर प्यालेस आरयरडस, बेंगलूर—3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 598/83-84 दिनांक 20-5-1983) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 19/6 जो I मैन रोड, जयमहल एक्सर्टेंगन, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 7-1-1984

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० 38454/83-84--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1-ए०5 टी० एस०-215-1ए०5 है तथा जो कन्टोनमेण्ट वार्ड अलावर विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-5-1983

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पेड्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा गया था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृष्धि। के निए;

अतः अव, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण मैं, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बी० उमेश सन/आफ श्री चन्दप्पा सुर्वेणा गुड्स शेड रोड, बन्दर, मंगसूर

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कासिम, सन/आफ लेट गैंक लातीफ कुषरोली, मंगलूर-570003

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रांत के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पाछ-लिकित में किए जा सकनि।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त जीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्सूची

(दस्तावेज सं० 128/83-84, विनांक 15-5-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एस० सं० 340-1ए० 5 टी० एस० सं० 215-1ए० 5 जो कन्टोनमेंट वार्ड अतावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगक्रे

विमांक : 10-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38459/83—84——यतः मुझे, अंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 74/9 है, तथा जो मैलासन्द्रा विलेज, बेगूर होबलि बंगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे उपाबंड अन्-सूची में और पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इहरणमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अश्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अवसे में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए;

जतः शन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) श्री जी० वेलू नं० 149/35, 43 कास VIII ब्लाक, जयनगर बेंगलूर-82 ।

(अन्तरक)

 (2) श्री एम० ए० जे० प्रकाश नं० 56/2, एस० बी० रोड, वी० वी० पुरम, बेंगलूर-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया ़ तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1247/83-84, दिनांक 19-5-83) ऋषि सम्पत्ति है, जिसका सं० सर्वे नं० 74/9 जो मैलसन्द्रा विलेज बेगूर होबली बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

> . मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर।

दिनांक : 10-1-1984

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० 38 44 2/83-84--यतः मुझे, मंज् माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 125 सं० 432/1 टी० एस० नं० 270/1 है, तथा जो कोडियालबैल विलेज, कम्बला वार्ड, मंगलूर कारपोरेशन नं • ज • - 47 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा रेके सिए; और∕या
 - (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात :---

- (1) 1. श्रीमती कें एस विमला बल्लाल पत्नि मे श्रीनिवासा बल्लास
 - 2. श्री के॰ मोबाकर बल्लाल
 - 3. श्री कें० सूरेश बल्लाल
 - 4. श्री के० सम्पत बल्लाल
 - श्री के० भारत बस्लाल
 - 6. श्रीमती कें नायना
 - 7. श्रीमती मन्जूला मोट्टी
 - श्रीमती सूरेका शेट्टी

चिक्कमगलूर ।

 श्रीमती वन्दा बस्लाल सब श्री श्रीनिवासा बल्लाल के बच्चे हैं। निवासी--बल्लाल बाग, मंगलूर-3

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री जे बटो बहुणमूर्ती अलियास कुटैंण शेट्टी क्योती होटल चिक्कमगलर । 2. श्रीमती उशा के० शेट्टी, ज्योती होटल

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 141/83-84, दिनांक 15-6~1983) सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० आर० एस० सं० 432/1; टी॰ एस॰ नं॰ 270/1 जो कोडियाल बैल विलेज कम्बाला वार्ड मंगसूर कारपोरेशन नं० जे०-47 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, बंगल्र

दिनांक : 10-1-1984

मोहर ः

प्ररूप, बाई, टी, एन, एस.

यस्पः आहः ताः एनः एसः न्याः

वायकर गॅंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

शंगलूर ,दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० 38258/83-84—यतः मझे, मंजु माधवन, सायकर विधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० 5 (नया) है तथा जो 7 कास रोड, मस्लेणवरम, बेंगलूर-3 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी- किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था. कियार में मिविधा की लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखिन अमित्रत्यों, अधीत् :-- (1) श्रीमती नागु बाई नं० 4354, III फास, सुब्रह्मणयनगर राजाजीनगर II स्टेज बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० खेल्ना नं० 14/1, 9 कास मल्लेशवरम, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुस् ची

(दस्तावेज सं० 233/83-84, दिनांक मई, 1983) सब सम्पत्ति है, जिसका पुराना सं० 2432 नया सं० 5 जो 7 कास, मल्लेशवरम बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांकः : 11-1-84

भांहर:

प्ररूप काई. टी. एन. एस. - - - ---

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगल्र, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/38226/83-84---यतः महो, मंज् माध्यन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1692 है, तथा जो बनाशंकरि II स्टज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णं रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयामगर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयामगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-5-1983

को पूर्वेक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन्न एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—) श्रीमती देवम्मा और केटे नं टो एस ए० २, सौत एक्सटेन्शन केपेगौडा नगर, संगलूर-19

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदामणी मूरती नं० 587, 4 टी० ब्लाक जयनगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अगसची

(दस्तावेज सं० 468/83-84, विनांक 9-5-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 1692 जो बनशंकरी II स्टज, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माध्यन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 10-1-1984

 $\mathbf{H}_{i} = \tau$

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांकः 7 जनवरी, 1984

निदेश सं सी० आर 62/38833/83-84---पतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000∕-रु. से **अधिक हैं**

और जिसको मं० 41/2 है तथा जो नंन्जाप्पा रोड, शांतिनगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मरूय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमस्तियाँ को जिन्हीं भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

6-456/OI 83

(1) श्री पी० पलनिस्वामि, नं ं17, । 'ए ं मैन रोड, स्धामानगर, बेंगलूर—27 ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अब्दुल मनिन, नं 442, I ऋस, विलसनगाईन. बेंगलूर-27 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 1022/83-84, दिनांक 2(-6-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 41/2, जो नैन्जाप्या रोड, गांति-नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

दिनांक : 7-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/39504/83-84---यतः

मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 235/1, 235/2, 237/1 है, तथा जो मेकेरि विलेज,मडकेरो ताल्क उत्तर कोडगु में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडकरो में रिलिस्ट्रो अर्थ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-5-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतियत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुए^क किसी आय **की बाबत, उक्त** अधिनियम हैं अधिन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भारता के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदल अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सिंखत व्यक्तियों., अर्थात् :---

(1) 1. मेसर्स एम० के० चोंन्डम्मा, 2. श्री एम० के० लोलाप्पा, मेकेरी विलेज, मडकेरी, तालुक ।

(अन्तरक) ,

- (2) 1. श्री मन्नात पदमानाभा नायर, 2. श्रीमती एम० सी० शारदा,
 - 3. एम० सी० रेयन,
 - 4. एम० सी० ईलन, रेलन एस्टेंट आफिस के नजदीक, एन० एस० एस० स्कल, कालपेट्रा, बैनाड, केराला।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करुके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 348/83-84, विनांक 12-5-1983) सम्पत्ति है, जिसका सर्वे नं० 235/1, 235/2 और 237/1⁴ के भाग जो मेकेरी विलेज, मडकेरी ताल्क, उत्तर कोडगु में स्थित

> मंत्रु माधवन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1984

प्ररूप वाहाँ, टी. एन्, एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निवेश सं० ए०एस०अ।र०/8384/780---यतः मुझे, सी० इंएस० कोहली आई० आर० एस०

- े शायकर अिंशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ▲ 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
 - कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड अमृतसर में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूनी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधार्नोक्त संतीन का अध्या बाजार मूल्य अवसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रविष्ठल, निम्नलिखित उद्बरेयों से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; मौर/या
- (का) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन दिस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुरजीत चन्द पुत्र किशन चन्द वासी तहसील पुरा और श्रीमती नीलम कान्ता पत्नी विजय कुमार वासी शरीफपुरा, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री बिरला सिंह निवासी सोईया कलां, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० में कोई किराएदार है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह[ू]।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्त में कोई भी अंक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

एक भूमी का प्लाट 285.83 व० ग० जो मजीठा रोड अमृतसर में है जैसे मेल डीड नं० 2644/27-5-83 रिजिन्हीं किंता आधकारी अमृतसर में दर्ज है।

र्या० एस० कोहली संज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, असृतसर

दिनांक: 12-1-84 .

मोहर 🐠

अस्य जार्च. टी. एन. **एस**.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेण सं० ए० एस०आर०/83-84/281---यतः मुझे, सी० एस० कोहली,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रहे. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड अमृतमर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनाक मई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिश्वित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुरजीत चन्द पुत्र किशन चन्द वासी तहसीलपुरा और श्रीमती नीलम कांता पत्नी विजय कुमार वासी शरीफपुरा अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) विरसा सिंह पुत्र गण्डा सिंह वासी सोह्यां कर्ना तहसील व जिला अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ने में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पब्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक भूमि का प्लाट 285.83व० ग० जो मजीठा रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2641/27-5-83 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अभृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० कोहली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, अमृतसर

दिनांक: 12-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रोंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/282--यतः मुझे, सी० एस० कोहली,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 125,000/- रा. से अधिक हैं.

अौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़ें यह विश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री केवल कृष्ण कपूर, अवतार कृष्ण कपूर पुतान रामदास कपूर और श्याम दास कपूर पुत डा॰ गुरदित्ता मल कपूर वासी 25 मजीठा रोड, अमृतसर।
- (2) श्री सुरजीत चन्द पुत्र श्री किशन चन्द वासी तहसील पुरा अमृतसर और श्रीमती नीलम कांता पत्नी विजय कुमार 164 शरीफपुरा अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तांक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1500 व. ग. जो मजीठा रोड, अमृत-सर में है, जैसा सेल डीड नं. 776/17-5-83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० कोहली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-1-1984

प्ररूप बाइं टी एन एस -----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/283---यतः मुझे, सी० एस० कोहली आई आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुमानपुर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिव, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क लिए निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उन्हें अभिनिय्स के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उन्नसे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सन्तोष करूर पत्नी केवल करूर और अनिल कपूर पुत्र केवल कपूर 24 माल रोड, अमृतस्र । (अन्तरक)
- (2) मैसर्ज मोहन बोटलिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड 186 जी० टी॰ रोड, टंडारी कला, लुधियाना । (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में संपत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूत्रों क्त सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकें के ।

स्पच्छीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

एक जायदाद 1333 व० ग० जो गुमानपुर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2564/25-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सीट एस० कोहली सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, अमृतसर।

दिनाक: 12-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांच 9 जनवरी, 1984

निवेश सं० ए०एम०आ२०/83-84/284—यतः मुझे, सी० एस० कोहली, आई० आ२० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षार प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रत. में अधिक हैं।

और जिसकी संव एक भूमि का प्लाट है तथा जो गोकल का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1983

को पूर्विकत संगत्ति के तिचत बाजार म्लय से कम के रदयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एोरों किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री विजय कुमार पुत्र साधू राम, मकान नं० 104 गली नं० 3 शरीफपुरा अनुसमर, श्रीमती पूर्ण देवी विधवा बाबू राम 1297/1 कोट आत्मासिह, राम बाग अमृतसर, श्रीमती कुलदीण कौर पत्नी केसर सिंह 1278/1 चौक अय सिंह अमृतसर, श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी सोहन सिंह चौक राहली बाला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री यलीप सिंह वासी कोट हरनाम दास अमृतसर, श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी दिवन्द्र सिंह मकान नं० 3948 गलीं नं० 3 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर श्री रमेश कुमार पुत्र श्री किशन चन्द्र, बाग रामा नन्द अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त मम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन्न मों प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंबी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किन्सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकारा की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों हा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो गोकल का बाग, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 1720/5-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> ़ सी० एस० कोहती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर्गु।

दिन**कि:** 9-1-1984

प्ररूप आधी ही एन्, एस .--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेण सं० ए०एस०आर०/83-84/285—यतः मुझे; सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०,

जायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ममून, तहसील पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण छप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1983

को पूर्वेक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी कारने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसं/ किसीं आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: लब, उक्त निधिनियम, की धारा 269-ए के नन्सरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन ्निस्तीलियत व्यक्तियों, नथीं कु क्र--

- (1) श्रीमती अनृत कौर विधवा रेशम सिंह, 209 प्रीत नगर, पठानकोट द्वारा श्री संसार सिंह पुत्र हुकम सिंह, अटारनी, प्रीत नगर, पठानकोट। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विजय रानी विधवा सुदर्शन लाल, जी०दी० रोड, पठानकोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) औरकोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

भा यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए के कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस स्वस्ता में से किसी स्वक्ति स्वाराः
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्य किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीने।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुलुची

भूमि 4 कनाल 8 मरले जो गांव ममून, तहसील पठानकोट में है जैसा सेल डीड निं० 883/27-6-83, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी, पठानकोट में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-1-1984

प्ररूप आहर थी. एन. एस.

नागक ह निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की नधीन स्मान

भारत सदकार

कार्यातय, सहायक गायकर गायकर (निरक्षिण) अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्वेण सं० ए०एम०आ२०/8 3-84/286—यतः मुझे, सी०, एस० काहलों, आई० आप० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसबें इसकें परपात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

- ♣ और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मुल्तानविंड,
 अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908)
 का 16) के अधीन, मई 1983
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल सें, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है जीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्फल निम्नलिखित उद्यक्त से उक्त अन्तरण में लिखित बास्स-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—
 - (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; बीर/बा
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः तम, उनत निधिनियम की धारा 269-ग ने नन्सरण में, मैं, उनत निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नेमीनः, निम्नलिमित व्यक्तियों, नर्भात् :---7---456 G183 (1) भी निरंजन सिंह गुन तेजा सिंह, नारी गुल्लामिंड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जान कौर पत्नी मंगल सिंह, गुरदासपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपित्त है)

(4) औरकोई।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी (जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बब** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकारी।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिधावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा क्या है।

अनुसूची

एक मूमि का प्लाट 1428 व० ग० जो सुल्पान विड ध्रमृतसर में है जैसा सेल र्डाड नं० 1918/12-5-83 रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

मारी**म्ब**ः 12-1-1984ः

मोहर 🗯

प्रकर बाई .टी . एव . एस . -------

आंयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की र्थारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्थालय, सहायक आयकर आमृक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/287---मतः, मुझे, मी० एस० काइलों, आई० आर० एस०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात (उन्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1983

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्तें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया नशा प्रतिक्त कि निम्नलिक उद्देश्य से उकते अन्तरण कि जिल् है एं श्री से क्या गया है दिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उनस जिथिनियम की धारा 269-व के जनुसूर्य भौ, सी, उनस जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- (1) श्रीमती कैंलाण वरी पत्नी पूर्ण गल वासी सिरसा (हरयाणा) द्वारा श्री सुनील कुमार गांधी पुन सबत मोहन गांधी, बटाला रोह्नू, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमरी। नविन्द्र कौर पत्नी नरिन्द्र सिंह, 38 विजय नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्तामरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना चारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख डें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होजों हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किश्री कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाकारणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्तू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

ममुस्पी

एक भूमि का प्लाट 288 व० ग० जो बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1544/2-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

> सी० एस० काहलों सक्षम प्राक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणे) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीच : 12-1-1984

प्ररूप हार्ड .टी . र्भ . एस . -------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 12 जनवरी 1984

निर्देशसं० ए०एम०आर०/83-84/288---अतः मुझे, सीं० एस० कोहली आई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं),, को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- के में अधिक हैं और जिसकी से एक जायदाद है तथा जो राम तलाई रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दितांक मई, 1983

ा पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय त्या गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण लिचित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ैं(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यमें में सुविभा के सिए; और/मा
 - (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आहिसकी की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बन्मरक .ें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) .ेअधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री अवसार सिंह पुत्र दूला सिंह, कैनेडी एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री बिहारी लाल पुत्र सुलखम मल, बाहरगेट घी मंडी, शहीद भगत सिंह रोड, अमृतसर।

(अग्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अार कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं वं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों परु सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बस्थ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्त्री।

स्पब्दीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्यी

एक जायबाद जो राम तलाई रोड, अमृतसर में है जैसा सैल डोड नं ० 1206/5/5/83 रिजस्ट्रोकर्ता सिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० कोहली आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ता**रीटा:** 12-1-84

मोहरः

7

मार्त सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/289——अतः मुझे सी० ' एस० कोहली, आई आर० एस०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मोहल्ला सेखरियां बटाला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्तु अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जलारण संबुध किसी जाव की बाजब, वजस अधिनित्रम के अधीन कर दोने के जलारक के बायिएन में कमी कड़ने मा बज़ते जजने में सुनिधा में सिष्; बॉर/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अधीत :-- सबैश्री सुखदेव राज, तुरिन्द्र क्रुवार, रनेश कुमार पुत्रान राम प्रकाश मौहल्ला सेखरियां बटाला,
 जिला गुरवासपुर ।

(अन्तरक)

 श्री प्यारा लाल पुत्र सीता राम वासी धारीवाल तहसील व जिला गुरदासपुर। (अन्तरिती)

(अन्तारता)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति

(वह^{र्}यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्<mark>ताक्षरी</mark> जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्धहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पृत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्स संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारं अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्थव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्ती और पर्दोका, को समक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिक बना है।

वन्स्की

एक जायदाद 173 वर्गर जो मुहल्ला सेखरिया बटाला जिला गुरदासपुर में है जैसाकि सेलडीड नं 680/5-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में है।

> सी० एस० कोहली आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 12-1-84

मोहरु 🖫

प्रस्थ नाइ. टी. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

, **कार्यांसय , सहायक क्षायकार आयुक्तः (निरोक्षण)** अजंत रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० एस०आर०/83-84/290—अतः मुझे, सी० एस० कोहली, आई० आर० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद हैतथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कामी करने या उससे बजने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-करं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बत: बब, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के निधनित, निम्नलिबित व्यक्तियों, निधित :--- राम गांवाल कपूर पत्नी सोहन लाल कपूर 26, मजीठा रोड, अमृतसर।

अन्तरक)

 श्री धर्मबीर कपूर, पुत्र मोती राम कपूर गली चाह वाली, कटडा दूला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (बहुब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

और कोई व्यक्ति।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्दर्भ

एक जायदाद जो 26 मजीठा रोड, अमृतसर्में है जैसा सेंल डीड नं० 2237/19-5-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

सी० एस० कोहली आई०, आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, अमृतसर

तारीख: 12-1-84

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

भावकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बंधीन सुचना

भारत चरनप्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर,दिवांक 12 जनवरी 1984

निदेश मं० ए० एस०आर०/83-84/291——अतः मुझे, सी० एस०कोहली आई० आर० एस०

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके रहियमान प्रतिफल से, एसे रहियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियां उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त कि रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किती बाय की बाबस, उजत ब्रिंगियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के ब्रांगित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बीट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया बाना बाहिए था., कियाने में सुविधा के निए;

जतः जज, उज्जत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, जैं उज्जत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, जचीत् ह— श्री रामगोपाल कपूर, पुत्र सोहनलाल कपूर
 26, मजीठा रोड, अमृतसर।

(अन्तरिक)

 श्रामती पुष्पा कपूर पत्नी धर्मवीर कपूर कटड़ा बुलो, गली चाह्न वाली अमृतसरा

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ओर कोई व्यक्ति

(वह व्यक्ति, जिनके वारं में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्तिमें हितक्छहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्प्र में प्रकाशन की हारीय है 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्थान की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . निस्ति में किए जा सकर्ण।

रनण्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पत्रों का, यो अवह विधिवयम, के अध्याय 20-क में परिश्राधित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपृत्यी

एक जायबाद जो 26 मजीश रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2236/19-5-83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

सी० एस० कोहली आई० आर० एस० सक्षम अधिकारी सहायक अप्यंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अमृतसर

मारीख: 12-1-84

मोहर 🚁

प्ररूप जाहाँ. टी. एश. एस.------

नायंकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-भ (1) के अभीते मुखता

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० एस०आर०/83-84/292--यतः मुझे, सी० एस० कोहलो, आई० आर० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है क्या जो मजांठा रोड, अमूलसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्रय अमूलसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाधार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिकल् के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार भूम्य, उसके स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक, है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से सुद्दें किसी जाम की बाबत, सक्त ज्यापित्यम के अधीन कर दोने के जन्तरक के व्यापत्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन् या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लियें:

अतः अत, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्ः— श्री किंजग अपूर पुल जमनलाल, शकुरतला अपूर विधवा चमनलाल, मिस रेनु अपूर पुती चमन लाल द्वारा विजय कुमार जनरल अटारनो, मजीटा रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रोमनी पुष्पा कपूर पत्नो धर्मबीर बपुर, गली चाह बाली, कटड़ा दुली, अमृतसर ।

(अन्तरितो)

3. जैंगा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्त क्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितकड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्पक्टीकरण: -----श्रसमें प्रयुक्त घण्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उत् अध्याय में विका गया है।

मन्स् वी

एक जायबाद जो 26 मजोठा रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डोड सं० 1733/5-5-83 रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० कोह्सी अर्द्ध० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 12-1-84

प्ररूप आहूरी.टी.एन.एस.------

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतसर, दिनांक 12 जनवरो 1984

निर्देण मं० ए० एस०आर०/83-84/293—यतः मुझे सी० एस० कोहली, आई० आर एस० कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित तरी गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वाम्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्री भिष्य कपुर पुत्र नमस लाल, भोमती असुन्तना कपूर विधवा चमनलाल मिसरेनु अपूर पुत्री चम न लाल द्वारा विजय कुमार जनरल अटारनी मजीठा होड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री धर्मबीर कपूर पुत्र गनी राम गली चाह बाला कटड़ा टूलो, अमृत्तमर ।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊपर मंद 2 में कोई किरायदार हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- और कोई व्यक्ति,

(वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक जायदाद जो 26 मजीठा रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 1734/5-5-83 रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी अमृतसर में दर्ज, है।

> सो० एस० कोहलो श्राई० आर० एम० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृष्टग्रस

तारोख: 12-1-84

मोहर 🖈

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्म) अर्जन रेज, I

. वम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1790/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लेट आत 3 फ्लोअर, ब्लाक 'सी', दाबूल गोल्डन जुबिनो, को-आपव हार्झीसंग सोसायटी लिमिट ड, बम्बई-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तथा दिनांक 2-5-1983

का पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निश्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत्, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कैं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मनिकित व्यक्तियों, अधीत :----

8--456 G1/83

ा. श्री इन्गाटिअम ए० डिसोझा

(अन्तरक)

2. श्री जोमेफ अल्टोनी सुझारटे

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रंतरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संप्रिस हैं)

को यह सूचना धारी कार के पूर्वोक्त संपहित के वर्धन के स्थि एक्ष्यूयारा कार्यवाहियां कारता हैंगू।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयूक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआदित ह^{र्द}, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर ची

पलट आत दी थर्ड फ्लोर, ब्लाक 'सी', वानूल गोल्डन जुिंबली, को०आप०, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड बोस कास लेन, दाबूल बम्बई-2 में स्थित। अभुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/1619/83-84 और जो सक्षम प्राधाकरो बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर• के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, यम्बई

नारीख: 11-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां स्वयं , सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III,

वम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० अई-११११/1382/82-83——अतः **मुझे अ**० लाहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० ए/33, न्यू गिरीष को०-आप० हा० सोसायटी लिमि०, पटेल लेन, चूनामट्टी सायन क्रिक्स है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री कियाँ है जो दिनांक 7-5-83

को पूर्वोक्त सम्पर्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) क बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई िकती बाय की बाबत उक्त सीर्धनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा कार्लप्, आरंप, या
- (स) ऐसी किसी आग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 1. श्री इकबाल सिंह मानसिंह अरोरा,

(अन्तरक)

2. श्री शुक्ला भाई नारसी ताण्डल

(अन्तरिती)

3. श्री जीना मान सिंह अरोरा,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री रणजीत सिंह मानसिंह अरोरा

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो रे जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस र् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विद्यु स्या है।

अमुसुची

फ्लेट नं ० ए/33, न्यू गिरोष को ० आप ० हाउ ० सो प्रायटी लि ० पटेल लेन, चुनाभट्टो, सायन बम्बई-400 022 में स्थित और जिसका करारनामा जैस कि ऋम सं ० अई-III/926/83-84 और जो सक्षम प्राधि गरो बम्बई द्वारा दिनांक 7-5-83 को रजिस्टई किया गय। है।

अ० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

विनांक: 10-1-84

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सँ० आई-III/162/82-83—अतः मुझे अ० होरी

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु: से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, 3 रामाला, कैलाशकिपा बिल्डग, प्लाट नं० 69 कांजुर को० आप० सोसायटी लिमिटड कांजुरमार्ग, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है जो दिनांक 25,5-83

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान हित्तिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास में को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अभीण, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्धात् ६—— 1. मै० अशोक कपि०

(अन्तरक)

2. श्री गिलोस पोटर

(अन्तरितो)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनसभी

पर्लंट नें 15, 3 रामाला, कैलाश किया बिल्डिंग, प्लाट नें 69 कांजुर को बाप सोसायटी लिमिटेड डामले रोड कांजुर बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कर ए० आर III/ 939/83-84 को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 25-5-83 को रजिस्टर्ड किया गर्या है।

> अ० नहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक 10-1-1984 मोहर 🏻 प्ररूप आइ⁴् दी. एन. एस..------

भायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1,

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1984

निर्देश सँ० आई-I/37ईई/1881/83-84:--अतः मुझे आर०के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 30, और स्टिल्ट नं० 8, ग्राउन्ड फ्लोर, 'डो' बिंग, ममता अपार्टमेंट, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, न्यू प्रभा देवी रोड, है तथा जो वम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूण रूप से विणत है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज दी किया है जो दिनांक 2-5-1983 बम्बई

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए र जिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह बिदवास करने का कारण है कि यथा-पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पदा प्रतिफल निम्नीशिवत उच्चदेश से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय को बाबत उस्त निध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिक में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; बीर/वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन- अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा खे सिए;

क्त बन, उन्त विधितियम, की धारा 269-प के अनुवरण वो, मी, उन्त विधितियम की धारा 269-प की उपधारा (1) की अधीन रिकाडिडिक स्वित्यों वर्धात है—— 1. मैसर्स गुनवेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री घीरेन्द्र आर० डोशी और मिना डी० डोशी, (अन्तर्ति)

को यह मुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचर्न की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियक गया है।

वन्त्वी

णाप नं 30 और स्टिल्ट नं 8 ग्राउन्ड फ्लोर ममत्। अपार्टमेंट अप्पासाहेब मराठे मार्ग न्यू प्रभादेवी रोड बम्बई में स्थित। अनुसूची जैसा कि अ० सैं अाई-1/2104/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा क्निकं 2-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० कं० ज़काया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ता**रीख 13-1-83** मो**हर** 🖫 प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4

वम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं ० आई०/4/1520/82-83—अतः मुझे विजय रंजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो बम्बई में स्थित है (ओर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसकां करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2-5-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन÷ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणे मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात :---- 1. श्री पोपट लाल एष० शाह

(अन्तरक)

. श्री बी० आर० पांचाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्बी

पाबेदी गांव आरे गोरेगांव रोड बम्बई और जिसका करारनामा अनुसूची क० सं० आई/4/1502/83-84 दिनांक 2-5-83 को सक्षम प्राधिकारी बम्बई में रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

ता**रीखः** 13-1-1984

मोहर ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थान

े शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई०/4/1802/82-83--अतः मुझे विजय रँजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० आर०/2/12 दूसरा मंजिल, गोवरधन गिरी सोसाइटी लिमिटेड बंगुर नगर, गोरेगांव (प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कार्यालय, वम्बई में विनांक 9-5-83

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की नागत उक्त अधिनियम के नभीन कर दोने के नन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसने अवने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

बत्तः जन, उन्त निर्धानयम की पास 269-व के अन्सरण में, में सन्त अधिनियस की पास 269-व की उर्धादा (1) के ज्योन, निम्नलिविल स्वीतन्त्रों, मृष्ति ह— (1) श्रीमती सुरेन्द्रनाथ भागंव

(अन्तरक)

(2) श्री वामन जी० लोखंदे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्लाट सं० आर/2/12 दूसरा मंजिला गोवरधन गिरी को० आप० सोसायटी, बंगुर नगर, गोरैगांव, बम्बई ।

और जिकसा करारनामा सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा अनुसूची क्र \circ सं \circ आई/4/1802/82-83 दिनांक 9-5-83 को रजिस्डर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज बम्बई

दिनांक : 13-1-1984

गोहर 🤮

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्णासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक्) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० 4/37-जी/12/8 83---अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ओल्ड सो० टी० एस० नं० 151, और प्लांट नं० डी०, एन० ए० नं० 34, और सर्वे० नं० 78, हिस्सा नं० 2 और सर्वे नं० 80, हिस्सा नं० 1, नया सी० टो० एस० नं० 627 और 627-1, बोरीवली है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीखा 30 में 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दंश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ैं किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तिशों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :-- 1. श्री हरीण आर० पटेल

(अन्तरक)

(2) हरीम शामजी छेडा और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर
 स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोगे।

स्थल्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 426/83 और जो ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजया रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. वस्त्रई

तारीख 13-1-1984 **मोहर**ं प्रस्प भार्य ही, एन एस - - - -

भायकार मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को सधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० ए० आर० II 18/82-83—अत: मुझे, विजय रंजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गांव पानाली है तथा जो गोरेगांव आरे रोड में बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के अधीन तारीख 2-5-1983

की पूर्विक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उच्च से उसत अंतरण लिखित में वास्तिबक क्या में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (ब) एसी किसी नाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया वाना वाहिए वा, कियाने में सन्धिय के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हु---

(1) श्री पो० एच० शाहा

(अन्तर्क)

(2) श्री एन० एच० पांचाला।

(अन्तरिती)

स्त्रे मह सूचमा चारी सरके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरु करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को भवनि के सम्बन्ध में महोद्दें भी बाह्येप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिंध मा तत्सम्बन्धी स्पित्तमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत स्पानतमां में से किसी स्पानत बुवारा?
- (ण) इस सूचमा को राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं.

मनुष्यी

पामाली गांव आरे गोरेगाव रोड बम्बई में स्थित है और जिसका करारनामा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा आ/ई० 4/1518/82-83 की दि० 2-5-83 का रजिस्ट्रंड किया गया है।

विजय रंजन यक्षम प्राधिकारी सड़ायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4. झम्बर्ट

तारीख: 13-1-1984 मोहरु 🗈 प्ररूप आ**ड**ै. टी. एन एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश मं० अई IV/3 रईई/1812/82-83—अतः मुझे, विजय रंजन आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य * 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० श्र-402, 4था माला, मोदी नगर, श्रार्दण को० ग्राप० मोसाइटी, कंदेवली है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नाम आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में 10-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अ धायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृत्रिया के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :- (1) यो भूराभाई अरोग्या शवन द्रस्ट

(जनगरक)

(2) श्रा एम० बीठ दोशी आर अन्य

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्धावत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

पनैट नं० अ 402, 4था माला, मोदीनगर आर्टण को० आप० सोसाइटी कंदेवली बम्बई

और करारतामा सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कर्ण संर अई/4/ 1812/82-83 दिरु 10-5-83 को रिजस्टर जिया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वस्बई

तारीखा: 13-1-84

मोहर:

9-456GI/83

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

(1) M/s. Queens Park.

(Transferor)

(Transferee)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

99-व (*I) का व्यान* सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० /4/37ईई/1791/83-84--अनः मुझे, बिजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी गं० फ्लाट गं० 44 नालंडा बिलर्डिंग है तथा जो मालाड मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्बर्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 6-5-1983

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह जिस्तार करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृहयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या असमे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (र.) ऐसी कि**सी** आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना बाहिए था, ध्याने में स्विधा की निए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

(2) Shi i Mohan L Gidwani & Lachman K Gikdani.

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास₃ निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्री

Flat No. A-44, 4th floor, Nalanda Building No. 2, Valnai Village, Marve Road, Malad (W) Bombay-400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-II/1791/83-84, dated 6/5/1983.

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बर्ड ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 13-1-1984 मोहर: श्रक्त बार्ड . टी . एन . इस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

बारत परकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० 4/1950/82-83---अतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 4269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

- •और जिसकी सं० प्लैंट नं० 1 है तथा स्निंह बिलडींग वहीसर बम्बई में स्थित है. (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप. से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण किया है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-83
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृद्दें हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--
 - (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सूविधा के निए; और/या
 - (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य मास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वका या वा किया चाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

कतः लग, उक्त जिथिनियम की भारा 269-य के, जनुसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिखिसत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) M/s. S. P. Constructions.

(अन्तरक)

(2) Mrs. Hnsa Jaysukhlal Sheth.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानत स्वासा;
- (व) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बहुभ किसी कत्य व्यक्ति द्वारा, मनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्च

्लाट नं० 1, स्नेह ज्योत बिलडीग दहीसर धम्बई और जिसका करारनामा प्रथम प्राधिकारी बम्बई द्वारा क० सं०अ 4/1959/82-83 दि० 19-5-83 को रजिस्ट्रड किया गया है।

> विजय राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, बम्बई ।

तारीख 13-1-198॥ भोक्षर:

प्रकृत नार्षं द्वी . एवं . एवं . --------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984 निर्देशसं० अष्ट-1/1893/82-83—अतः सुझे, विजय रंजन,

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त को धीनयम' कहा गया है) के बारा 269-स के संधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पति, विश्वका सीमत वाचार मुख्य 25,000/-25 से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट तं० 103,1-लामाला, महाराजा को आप० मोपाइटी एस०पी० रोड है तथा जो मोलाड म स्थित है (और इससे जवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ओर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री किया है राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 4-5-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :— (1) श्रो सी० एच० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर अग्रवाल

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्थी

प्लैट नं० 103, 1-ला माला, महाराजा को० आप० हार्जासग सोसाइटो एस० बी० रोड मालाड, अम्बई और जिसका करारनामा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा क०, सं० अइ० 4/1893/83-84 दि० 4-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

तारी**ख**:13-1-1984 मोहर: प्रक्रम आई. टी. एन्. एस. -----

बायकर अभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-111, धमबई

बम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1984

निर्देश मं० अइ/4/1572/82-83—-अतः, मुझे, विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन मक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट तं ० 22, मालाड विश्व मांति को ० आप ० हाउसिंग सोसाइटी, केंद्रवाल रोड है, तथा जो मालोड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबट अनूसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-5-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का, निम्नितिबित उद्देश्य से उच्छा अन्तरण कि चित् में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विभिन्नम के नर्थान कर देने के बुन्तुरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी क्ष्म या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, अबतः अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचित व्यक्तियों, व्यक्ति :---

(1) श्री सुरेश कुमार आर० पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सी० संधवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) दुस सूचना के त्याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध, किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताश्रृष्टी की पाव लिखित में किए जा सकरेंगे।

अनुसूची

पलैट नं० 22, मालाड विषवशौित को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, केंद्ररबाल रोड, मालाड (पूर्व)

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-III, बम्बई

िदनांकः : 13-1-1984

मोहरः

प्ररूप आर्चः दो., एन<u>ः, एस...---</u>-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धायु 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश मं० आई०/4/1521/82-83---अतः मुझँ, विजय रंजन

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० पार्वेदी गांव गोरेगांव आरे रोष्ट वस्वई में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-5-83

को पूर्वोक्स संपत्ति के उष्मित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिपाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तर्स (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय्भाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सूविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जुनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पोपटलाल हजारीमल शाह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० आय पाचाल

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाबेबी गांव, आरे गोरेगांव श्रारे रोड, बम्बई अनुसूची जैसा कि कं० सं० आई०/4/1521/82-83—और जिसका कराँरनामा सक्षम प्राधिकारी क्षारा दि० 2-5-1983 को रजिस्टुई किया गया है।

' विजय रजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेज-4, बम्बई

नारीख: 13-1-1984

भाष्ट्र :

प्ररूप आधार टी. एम. एस. ----

आयकप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आई0/II/37ईई0/1984/82-83—अनः मुझे, विजय रंजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० I/45 जय कृष्णा सुदामा मी० एच० एस० लिमिटेड, बागूर नगर, गोरेगांव (पिक्चम), बम्बई-80 में स्थिति हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 19-5-83

प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्निवित उद्वोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त यीभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में मृश्यिमा के सिए; और/बा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य यास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के निया

कतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के जभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—- (1) श्रीमती तरस्वती पी० कर्नानेपानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पारथेशी जितेन्द्री मेहता ।

(अन्तरिती)

नारे यह स्थान जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपि , जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा करेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सुची

एन०/14/5, जय कृष्णा मुदामा, सी० एच० एन० निमिटड, बांतूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-80 में स्थित और जिसका करारनामा कम सं० आई०-II/37 ईई०/1984/82-83 और जो नजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 मई, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

विजय रंजन नक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयुगत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 13-1-1984

भोहर:

प्रकृष आहे ती. एन. एस. -----

थायकर पश्चितियम, 1931 (1981 श 43) हो आरा 289-म (1) हे प्रयोग मुन्ताः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ंअर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई०/1681/82-83--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल 'ए' विंग, संजय अपार्टमेंट, 265 एस० वी० पी० रोड, बोरीवली (प०) है तथा जो बम्बई-400092 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई नियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ही किया है।

बम्बई तारीख 4 मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत., उन्नर अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के स्थिए।

जतः जन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) तंत्रय अपार्टमेंट (बोरीयली) को-आपार्टित हार्कामग मोगाहर्टी लिमिटेड ।
- (2) श्रीभूपेण कुमार जीवन लाल गोवानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं 401, चौथी मंजित 'ए' विंग, मंजय अपार्टमेंट 265, एस० वी० पी० रोड, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है ।

अनुसूची मैंमा कि कु सं आई०-2/1681/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राग दिनांक 4 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> त्रिजय रंजन पक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

हारीच : 12-1-1984

महिर:

प्ररूप क्षाइं.टी.एन.एस. - - --

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (।) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० आई-4/1566/83-84-अतः मुझे, विजय र्जन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कृतरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5 ,000 ∕- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16. चौथी मंजिल, हरीक्चन्द्र ग्रपार्टमेंट हरीण चन्द्र को० आपरेटिव हाऊसिंग सोमाइटी 🌓 सहार रोड, चकला, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारों 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 21 मई 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के अरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करनं का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रक्रिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भा बाराविक, रूप से कथित नहीं किया ग**या ह**ै :----

- (क) अन्सरण से **हुइँ किसी बा**य की बाबत, **उद**स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वाधिन्त्र में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्) एने सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना चाहिए था िग्पाने में मुजिन्ना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, मर्थार :---

वें, **मै**, उक्त अधिनियम की धारा २६९० व की लपधारा (1)

(1) श्रीमूजीस कुमारवास्।

(अन्तरक)

(2) श्री गोवर्धन टी० शासानिया ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जियके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यकाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्य**क्तिया**ें सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी रोपीय बार को समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ट अविकासों भें से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षिय में किए जा सकते ।

स्पट्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया 🗗 ।

फ्लैट नं० 16, चौथी मंजिल, हरीएचन्द्र अपार्टमेंट, हरीएचन्द्र को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, सहार रोड, चकला, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-58 में स्थित ।

अनुभुची जैसा कि ऋम सं० आई०-4-25/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई,हारा दिनांक 21 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4,्रबम्बई

तारीख : 7-1-1984

मोहर∴

10-456GI/83

अस्प आह. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 13 जनवरी 1984

निवेण सं० आई०-4/1841/82-83---असः मृ**जे**, विजय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गर्गति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ब-1, अक्षय अपार्टमेंट है तथा जो दहीसर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में आरे पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अबीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारौख 23 मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्व) एमी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत्र⊾अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स युरु अशीण कन्स्ट्रकणन्स ।

(अन्तरमः)

(2) मै० भीरद लीलाधर श्रावण।

(अन्तरीती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वृवारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकिरण :---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० ब1, 1ला माला, प्रक्षय ब्लिडिगं, दहौसर बम्बई श्रीं इ जिसका करारनामा सक्षम प्राधिकारौ बम्बई द्वारा क्र० सं० आई-4/1841/82-83 दिनांक 13 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन मक्षम प्राधारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 13-1-1983

प्रकृष आहें.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय,, सहायक गायकर भागृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1984

निवेंग स० ग्र० ६० -4/37ईई/1682/83-84-- ग्रतः, मुझे, विजय रंजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उमर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404, 'ए' विंग, संजय अपार्टमेंट्रस 265, एस० वी० पी० रोड, बारीवर्ला (पण्चिम) है तथा जो बम्बई-400092 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 4 मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास कि करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जिल्ला कि कि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का कि तिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में नास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है म

- (क) जलारण से हुई किसी जाय की बाबत, उबल जिथिनियम की अभीन कार वोने के जलारक के द्वारित्व में कमी करने या उसके अचने में सुविभा के किए; जॉर/मा
- (क) एसी किसी शाय या किसी भन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:—

(1) संजय अपार्टमेंट्स (बारीवली) को०-आपरेटिव हार्ऊासग सोसाइटी लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश जीवन लाल गोवानी

(ग्रन्सिरती)

- (3) अन्तरिती ।
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता) है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मित्त के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्थक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात, सिकित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु⁸।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, 'ए' विग, पंजय अपार्टमेंट्स, 265, एस० वी० पी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अ०ई०/2/1682/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के द्वारा दिलांक 4 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निक्षण) अर्जन रेंज-4; बम्बई

तारीख: 12-1-1984

मोहरः

प्रस्त्य आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई त्रम्बई दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० आई०-/2/37 ईई0/1983/82-83--अतः मझे, विजय रंजन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिसको सं० आण्ड 10/3 जय श्रीधन, सी०एस० एस० लिमिटेड, बांगूर नगर, बम्बई-90 है तथा जो बम्बई-90 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री किया है। तारीख 17-5:83

को पूर्वितत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वितत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निस्ति। में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुड़ किसी आय की बायत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधी के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की लपवारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री महेत्वा पी० महता ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती विजया आंमप्रकाण अरोरा ।

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोष्ट्री भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद मों समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अवस ची

आरं 10/3, जय श्रीधन, सी० एच० एस० लिमिटेड़ । वांगूर नगर, बस्बई--90 में स्थित है और जिसका करारनामा जैमा कि कम सं० आई०/11/37 ईई०/1983/82-83 और ⁴ जो सक्षम बाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 मई, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय लंजन सक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजंन रेंज-1, वस्यई

तारीख : 13-1-1984

मोहर .

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्थासय, महायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनं रेंज-4, बम्बई अम्बई,दिनांक 9 जनवरी, 1984

ं निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/1524/83-84--अनः मुद्दो , विजय राजनः

नायकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उबत जिपानियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ से जिथक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल माला यूनिट न्० 15, दूसरी माला, अग्रवाल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, दार्गापुर (पू०), बम्बई 68 है तथा जो बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वणित है), और जिसकत्व करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, भेरिजस्ट्री किया है। तारीख 2-5-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का मृत्य, इतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के निम्निश्चित उत्वेद्य से उक्त अन्तरण विचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जजीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रवट दहाँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएानं मों मृतियदा के लिए;

अतः अयः, उनते अभिनिधान, की भारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उनते अभिनिधान की भारा 269-म की उपधार (1) हे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मी० एम० के० शाह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकबाल गुरुपाल मान ।

(अन्त्रशिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्क भी काश्रेप :---

- (क) हम मुखना के राजात मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अङ्गीय या तत्संबधीं व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जाधि, आंभी अवधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यां करा में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना की राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती कन्य व्यक्ति व्वारा सभाहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्भ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं!

वनसर्ची

इण्डस्ट्रीयल माला का यूनिट नं० 15. दूसरी माला, अग्रवाल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, दाशीसार. (पू०). बम्बई-68 में स्थित और जिसका करारनामा जैसा कि कम सं० आई०-4/1534/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया ह।

विजय रंजन स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-४, बम्बर्ड

तारीख : 9-1-1984

मोहर 🖟

प्रका बाह् दी पुरु एवं .------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुभना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज--4. अस्वर्ड वस्वर्ड, दिसांक १ जनवरी, 1984

निदेश मं० आई०-4/1553/83-84--अतः मुझंः विजय रंऽान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उसत बीचीनवर्ग' कहा नवा ही), की नारा 269-इ से अभीन राजन शाहिकारी को वह विश्वाद करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं आफिस बियरिंग नं 29, सी टी एस नं 348, एफ पी नं 5-ए, और टी पी एप जार जार लक्ष्मी नारायण शापिंग सेन्टरं, पोड़ार रोड, मला अप (पूर्व), बम्बई-64 है तथा जो बम्बई-64 में स्थित है (औरा इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित र), और जिसक करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री किया है। तारीख 2-5-83

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयुवान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिकत उद्वेद्य से उच्च अन्तरण निवित में बास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बस्तरण से हुई किश्री जान की नानत, उक्त जीभीनयुक के जभीत कर दोने के जन्तरक के बाग्रित्य में कमी करने ना उससे नचने में सूनिभा के लिए; जीर्/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जारिस्तरों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुजिभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केवल कृष्ण मेहरा।

(अन्तरक)

(2) श्री असजीभाय जमाभाय पटेल।

(अन्तरिती)

ं को ग्रह सूचना बादी कडुके पूर्वोक्त सम्परित को वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं"।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में काई भी लाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नवीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति सुवारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकींगे।

अवृत्त्वी

आफिस बियरिंग सं० 29, प्लाट बियरिंग नं० गी० औ० एरा० नं० 348, एफ० पी० नं० 348, एफ० पी० नं० 5-ए और टी० पी० एस० आई० लक्ष्मी नारायण शापिंग सेन्टर, पोडार रांड, मलाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित और जिसका करारनामा जैसा कि क्रम सं० आई०/4/1553/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंगा सक्षा प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 9-1-1984

प्ररूप बार्च. टी. एत. एस. ------

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निदेश सं० आई०-2/1**78**5/82-83--अतः **मुझे**, विजय रंजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21, दूसरी माला, मेरी अपार्टमेंट्स आई० जो० कालोनी, बोरीवली, बम्बई-91 है तथा जो वम्बई-91 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्थालय में रजिस्ट्री किया है। नारीख 10-6-63।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अनं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में,, मैं उन्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अभीत् क्र--- (1) मै० एम० एम० रोड्डीमोस कल्प्ट्रकाला।

(जनस्य)

(2) श्रीमती वेता मारगेरट विधास।

(अन्तरिती)

का शह सुचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (ब) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनयम, के अध्याद 20-क में परिशाधित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया गया हुँ।

भन्त्यी

प्लाट नं 21, दूसरी माला, मेरी अवार्टमेंट्स, आई०जी० कालोनी, बोरीवली, धम्बई—91 में स्थित और जिसका करारनामा जैसा कि कम सं अई०/2/1785/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 10 मई, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आ**धुक्त (निरीक्षण)** अर्जन **रेंज**-2, बम्बई

तारी**च :** 12-1-1984

मोहर 🚁

प्रस्य आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

. 3

161

कार्यालयः, सहायक जायकर जाय्वत (निरीक्षण) 🥏

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड,दिनांक 10 जनवरी,1984 निदेण सं० आर्ड०/4/1848/83-84--अतः मुझे, विजय जन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भाप नं० 3, मान सरोव र बिस्डिंग, गोविन्द नगर रोड; और एस० बी० रोड, मलाड (प०), बम्बर्ड-64 है तथा जो बम्बर्ड-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री किया है। नारीख 16-5-83

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिक्त स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बादत **उक्त जि**भ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में अभी करने या उससे अवने में सूविधः के किसे: और/बा
- (ल) एसी िक ही आप या विसी वन या बन्य वास्तियों हो, जिल्हां भारतीय आयजर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री परमानन्व एच० मेघानी।

(अन्सरकः)

(2) श्रीओम्र प्र⊰ाण डोकानिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए भार्यवाहियां करता हो।

एक्त सम्पत्नि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविधिया नहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपूत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपर्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकींगे।

स्मष्टीकरण:----एसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो . उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसम्ब

शाप नं० 3, मान गरोबर बिल्डिंग, गोबिन्द नगर रोड और एस० त्री० रोड मलाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है और

जिसका जरारनामा जैसा कि कम सं० आई०-4/1448/83-84 जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 16 मई, 1983 को रिजस्टिं किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अस्बर्ध

तारीख : 10−1−1984

प्रकल आई े टी . एम : एक : = = ====

बायकर अधिनियम, 1961 / 1961 का 43) की धारा 269 का (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई,दिनांक 13 जनवरी, 1984

निदेश सं० आई०-4/2063/83-84--अतः मृझे, विज्य रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उन्नम अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसगी सं० सीरियल नें० 110 का हिस्सा आर० सी० एस० 1170, प्लाट नं० 27आई० सी० कालोनी बोरवली है तथा जो बोरीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है। तारीख 20-5-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /ए।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान्य राहिए आ हिएमने हो सुविधा के लिए;

नतः अन्न, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती लेलोरा टी० फर्नांडिस।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी० ए० फर्नाडीए।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत 'अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित के मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्रेमा है।

जन्स ची

सीरियल नं 110 का हिस्सा और सी एस० नं 1170 एक्सर प्लाट नं 27 ए आई० सी० कालोनी, बोरीबली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम गं० शाई०-धा/ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 जनवरी, 1984 को रजि-स्ट्रंड किया गया है।

विजय रंजन यञ्जन प्राधिकारी सहाय ५ जन्य ६२ आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन टेंग-4, बम्बई

तारीख: 13-1-1984

मोहरु 🐔

प्रस्प बाह्"ु ट्री., एन . एस .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-4, बम्बई बम्बई, बिनांक 3 जनवरी 1984

मिर्वेश सं० आई०-4/2138/82-83, अतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० अ-35, तीसरा माला, प्लाट 32/33 वलानी नगर, मार्चे रोष्ठ. मालाड, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में दिन क 31 मई, 1983 को रिजिस्ट्री किया है। तारीख 31-5-83

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृतिथा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० क्वीन पार्क।

(अन्तरक)

(2) मै० जहीर ग्रबांस कांट्रेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपृष्ठ में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अविधिया तत्यंवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी जविध बाद में संमाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्ची

पलैट नं० भ्र35, तीसरा माला, प्लाट नं- 32, 33, वलानी गांव, मार्चे रोड, मालड (पश्चिम)

और जिसका करारनामा सक्षम प्राधिकारी द्वारा आई०/ ,2138 /82-83 को दिनांक 3.1 मई, 1983 को बम्बई में रजिस्ट्री किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , बम्बई

तारीख: 13-1-1984

प्रक्षप् कार्द्री_य दी_य एन्<u>य</u> एस <u>प्</u>रना व सननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1984

निर्देश सं० ए० आर० $I^1/37$ ईई 1643/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

ंकायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या शाप नं 41, जयकर स्मृति को-स्राप् सोसाइटी आरे रोड, गांरे गांव, बम्बई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम कार्याल्य बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 प्राधिकारी के का 16) के अधीन तारीख 2-3-1983

को व्वक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नृहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जल. जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीपी० आर० गाला।

(अन्सरक)

(2) श्री एल० सी० जैन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपुः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्वाप नं० 41, जयकर स्मृति को० आपरेटिल सोसाइटी आरे रोड, गोरेगांल, बम्बई और जो करारतामा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा क्रम सं० आई०/4/1643/82-83 दिनांक 2 मई, 1983 को रिक्स्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-1-1984

प्रस्प वाई. टी. एरः, एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निवेश सं० आई० 4/37 इड/2004/83-84 अतः मुझे, बिजय रंजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रूठ, से बेधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं 301, योगी नगर, नं 40, तीसरा माला बोरेवली (पश्चिम) है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हे), जीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है । रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई रिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के टिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीर्य, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्रीमती गोदावरी देवी सत्यपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय सतपाल मेहरा।

(अन्तर्रती)

को यह सूचना जारी कारके प्योक्त संपत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाधा होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में ज्यामन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें त्युक्त गारी जो एक का के उस्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

इस्स्टू

पलैट नं. 301, तीसरा माना, योगी नगर, बी 40, बोरेबली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम संव आई०--3 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांछ 39 गई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज–III, बम्बई

तारीख: 13-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, वस्यह

बम्बई, विनांक 13 जनवरी, 1984

निवेश सं० अहै/4/1699/83-84-अतः, मुझे, विजय रंजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपर्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट 10/1, हरी नीकेटन बी० एच० एस० लि० बनगुर नगर तथा जो बम्बई—90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन∗कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्ति व्यक्तियों, संधीत्—

- (1) श्री भगवती प्रसाद राधे स्थाम चौधरी । (अन्तरक)
- (2) श्री अनिल कुमार गुष्ता और अन्य -(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्स सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

ण्लाट नं० 10/1, हरी निकेतन को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बंगुर नगर, बम्बई-400090 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/1699/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 मई, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-1-1984

प्ररूप आधै. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरौंक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1984

निदेश सं० अई-II/1535/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० शाप नं० 214, ग्राउण्ड फ्लोर, मलक्ड शापिंग सेन्टर, एस० वी० रोड, है तथा जो मलाड (प०) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में र्राजस्ट्री किया है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रवयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त ब्रिपिनियन की अभीन कर दोने की अन्तरक बी बायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा को लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के सिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- (1) श्री राजेश कुमार रामजी लाल दिवानिया। (अन्तरक)
- (2) श्री मफतलाल लालू राम पांचल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पर्तित के अर्जन के 'स्रष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त मा हिस्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीं ।

स्मक्कीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और दों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवर है।

अनुसूची

शाप नं० 214, ग्रज्ञ फ्लोर, मलाड शापिंग सेन्टर, एस० वी० रोड, मलाड (प०), बम्बई-64 में स्थित और जिसका करारनामा जैसाकि क्रम सं० आई०/2/1535/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-1-1984

मोहर 🖫

प्रकृप बाइं.टी.एन्.एस्.,------

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेज-4, बम्बई

भम्भई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ०ई०/2/37ईई०/2109/82-83--यतः मुझे, विजय रंजन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 5, दूसरी मंजिल, 'ए' विंग, सुन्दर वर्णन, विलेज मगाठाणे, एसव वीव रोड, बोरीवली (पश्चिम) है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 2 मई, 1983

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से का के अवजान प्रित्यलं के लिए अन्तरित की गई है और मुखे वह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अवगान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पावा गवा प्रतिक फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उबसे बचने में सृविधा के लिए; और/धा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मानिसित व्यक्तिकों अधीत् :--- (1) मैं ॰ सुन्दर एन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा जी अनन्त खाम्बेटे।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यग्रीहर्या करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी जाओप् :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की जबिंध मा त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वविंध, जो भी अविंध गढ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

क्लैट न्० 5, दूसरी मंजिल, विंग 'ए', सुन्दर दर्शन, विलेज मगाठाणे, एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बोरीवली, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अ०ई०/2/2109/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 मई, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

ता रीखा: 13-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आनकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैक्षराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्देश सं० आए० ए० सी०नं० 753/83-84 --- यतः मुझो, एम० जोगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६ धर्मे ६ सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है जो सहवाबाद चारमीनार तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1983

को प्रोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथाप्रबॉक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से, एसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबता, उक्त निभिन्नम के अभीन कर घेने के अंतरक के वामिल्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिक्द;

कतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की थाए 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अर्थाकु है— 1. श्री पी॰ सूधाकर रेड्डी, 2-2-1130/24/1/ए९ प्रशांतीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2- मैं सर्स हिन्दूस्तान को-आपरेटीव हाउसीग मोसायटी लि० बाह सेक्रेटरी श्री पी० बालकृष्णा 1-8-

k 518/5 चीक्क**ड**पल्ली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शार्काः--

- (क) इस सूचना के राज्यज में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन विस्तीर्ण 19,360 जो० गज सइदाक्षादै, चार मीनार तालूक, हैदराबाद, जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख मृं० 2949/83 रस्ट्रिकर्सा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराजाद

तारीख: 4-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एम. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्देश सैं० आर० ए० सी० ने० 754/83-84--- यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट है जो पँजागृष्टा हैदराबाद में स्थित है (और इनते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्तिकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 श्री बी० रामा स्थामी, 8-2-402 बंजाराहीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री विनोद कुमार, 22-5-820 चारमीनार इस्ट, हैदराबाद।

(अन्तारेनी)

को यह तुचन। जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति है नुर्वन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अक्षंहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हाँगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

जन्स् ची

प्लेट पंजागुट्टा विस्तीर्ण 925 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2636/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

मोहर ः

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 755/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

गायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है जो पंजागुट्टा, हैदराबाध में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीय आधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम क क्षत्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जागर मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (क्रन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया

- (च) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ाधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोज-नार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में सिवधा के लिए:

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अचित :— श्रीमती बसीरा हैदर पित फतेहैदर, जी० पी० ए०' खलील आब्दूल रहमान, पिता एम० ए० रहमान, 6-2-11, लंकडीका पूल हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फीरव उसजाहाँ पति एस० आई० जफर, 11-1-888, श्राफजल सागर, मल्लूपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सीर्भ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटनीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लैट नं० 84-ए, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तीण 640 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2829/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रोख** : 4-1-1984

अरूप बार्ड.टी.एन.एस.-------

थायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की धारा 269-व (1) के प्रसीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 756/83-84--अत: मुझो, एम० जोगन मोहन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
्इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ला के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह
किल्या करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
अडिन बाजार ्र 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फैक्टरी है जो कादोरी में स्थित है (और
इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राज—
स्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कादोरी में राजस्ट्रीकरण अधि—
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख
मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंका विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंका बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे विश्वामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालेखित विदेशय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी कभो आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 अ 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया . गया या " किया जाना चाहिए था, खियाने में मुविधा है जिए;

ग्रत: प्रज, उथत ाधितियम की धारा 269भग के ग्रनुसरण में, में, जकत प्रधितियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निस्निलिसित स्यन्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्रीडी० पकीर रेड्डी और अन्य, कादीरी।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नरसिंहामुर्ता और अन्य, एम० जी० रोड, कादीरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन के किः कार्यवाहियां करता हूं।

४क्त सम्पत्ति ह मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भविष्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविष्य बाद े समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य स्थावत द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जर सकेंगे।

स्पष्टीकरण !---इसमें प्रयुक्त सन्दों प्रीर तयों का, जो उक्त प्रधि-तियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित है, वही प्रयहीता, जो उस प्रध्याय में विदासवाही ।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 3-5-145/1, काबीरी, जो गौरी शंकर ग्राउण्डनट फैक्टरी के नाम से प्रचलित हैं। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1902/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काबीरी।

> एम० जोगन मोहन सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 4--1-1984

प्रकृप बार्ड . टी . एम् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यान्यः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अजन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 757/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पारत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसको सें० भूमि है जो कुकटपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे जपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डो जिला में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई. 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखिती, में बाम्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एन० सूर्य प्रकाण राव और अन्य, घर नं० 4-22, कुकटपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) दि पूष्पक को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, बाई सेकेटरी, कूकटपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं * 45 दिन की समिश्र मा तत्सम्बन्धी स्मिन्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी समीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्मिन्सयों में से किसी स्यक्ति बुनारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्सा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्से अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, कुकटपल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेखें के नंद 2842, 2933, 2932, 2931, 2926, 2905, 2901, 2902, 2903, 2904, 2844, 2943/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 4-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 758/83-84--अतः मुझो, एम० जोगन मोहन,

गायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है जो यमझल विलेज, मेंडचेल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंडचेल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नृतिस्ति उद्देश्य से उसते अन्तरण सिषित में बास्त्रिक स्थ् से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) बन्तर्ज से हुई किसी बाब की बाब्त उक्त अधि-ज़िब्बू के बधीन कर दोने के बेन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे बचने में त्विधा के लिए; बीट/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) को सभीन, निम्नोलिसित व्यक्तियों में अर्थात् :--- श्री के० यलय्या पिता श्री मलय्या देवरयमश्च विलेज, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

(2) मैं शिवाशिवानी एजुकेशनल सोसाइटी, जुबिलि हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युवता के राजाच ने प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुसा हैं।

मन्त्री

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़ 36गूंठे यामझल गांव, रंगा रेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 1875 $_{I}83$, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी मेडचें ते ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरा बाद

वारीख : 4-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप वार्ष: टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यन्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 759/83-84-अतः मृझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है तथा जो शाहागंज, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूधवावली में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप किथत नहीं किया गया है:—

- (क) व्यवस्था से हुई किसी जाब की बाबत, सबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; जोड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उकत अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शाता बाइ पति श्री एम० पांडूरंग राव, 20-3-944, शाहागंज, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहस्मद इक्राहिम श्रालियास जीलानी, घर नं० 22-6-301/1, इरानी गली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थक्टोक रण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त सिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

दो मंजिल की इमारत णाहागंज, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 570/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधवावली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🕆

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० मी० न'० 760/83-84--आतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 35,000/- रहत से अधिक है

और जिसकी सं ० 5-9-30/1 है तथा जो बसीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्भ से हुई निस्ती जाय की बायक, उपक अधिनियम की अधीन कर दोने के पन्तरक के उत्तर्भ दो दर्भ । ते के उत्तर बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ग्रंगी किनी आग या किसी भन या अन्य शास्तिकों का विन्हीं भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोपनार्थ अन्तिरित ब्वारा प्रकट नहीं किया का या या विन्ता शाना चाहिए था, जिमाने में अविधा के लिए;

नतः सम, उक्त अधिर्नियम की धारा 269-ग के नमूनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिनत व्यक्तियों. नर्थात्:— (1) श्री मंगीलाल पिता श्री मुरलीधर, अग्रवाल, 15-9-62, महाराज गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हासा राम पिता, श्री कॉचन्द और दो अन्य, 15-9-337, महबूब गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत् संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्थानितमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थानितकों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड सिसिक में किए जा सकोगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर बसीर बाग, हैदराबाद, घर नं० 5-9-30/1/44, रिजस्ट्रीफ़त विलख नं० 3024/83, रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप बाई. टो. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क काय्कर आयुक्त (निर्माभण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 761/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हाब्सीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊप्पल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्त-बिक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अं स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एल० एन० मनोहरन, वीरावल्ली, कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कोटेग्बर राव पिता श्री नरसम्या, **६**-1, काकजीया नगर, हाब्सीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पुर्वाक्ति सम्मत्ति को अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखीं

खुली जमीन, हाब्सीगुडा, हैदराबाद, विस्सीर्ण 1080 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2586/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, ऊप्पल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1984

प्रस्प **आई**_ टी_ एन_ एस_=====

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के व्यक्ति सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० एं० सी० नं० 762/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

ृबायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं एस ही रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरुलभ नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983 को प्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिचत उद्विदयों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उच्चर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे अधने में तृषिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए।

(1) श्रीमती अज़ूला णाहा,
 वी-1/1, 1-7-234/45,
 एस० डी० रोड,
 सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमूद एम० शाहा,
फ्लैट नं० बी-1/1,
चन्द्र लोक कम्पलैक्स,
थर्ड एस० डी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-1/1, 1-57-234/45, चन्द्रलोक कॉम्पलेक्स, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 1421 ची० फीट, विलेख नं० 1668/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1984

मोहर 🖫

अक्स आर्ड . टी . एन . एस . -----

भाग्यकर मित्रिनियम, 1961 (1961का 43) का बारा 1 ८८७ घ(1) के छशीन सुचना

ार्त सर्कार -

हार्यात्व, सहाजक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० मी० नं० 763/83-84-अत मुझे, एम० जेगत मोहन

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कीरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- राज की अविक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो एम० जी० रोड सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इसले उपाबद्ध अनिस्कृत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृष्ठेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ले बीच एमें अन्यरण के लिए तय पाया गया प्रीफ ल, निम्नलिखित उच्चेश्य से अवस अन्तरण लिखित में बाग्यों के स्प न किया नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की अावत.. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए. और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्याग प्रकट नेहीं किया गया था या किया जाना साहिए था कियाने में स्विधा कि निए,
- अनः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भिं, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बक्षीन निम्निसिक व्यक्तियों. अर्थात् ः —

(1) मैं० काब्रा एण्ड को०, बाद पार्टनर,
श्री एस० प्रभाकर रेड्डी,
2-2-132 से 139,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती प्रेमलता बनसाल,
 \$-4-86,305,
 सालार गंज कालोनी,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांकित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यक्रित व्यक्तियां में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए शा सकेंगे।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पती का को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनस्ची

कार्यालय नठ० 321, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 371, चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विल ख नं० 240,83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जेगन मोहन रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) . अर्जन रेंज, हैदराबाद

রাসীউা : 4−1−1984

मांहर :

प्ररूप बाइ .टी.एन एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश स० आर० ए० सी० नं० 764/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक हैं। अपन जीव टोड सिकन्दराबाद में स्थित हैं।

और जिसकी रं एम. गीं रोड, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वितित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अय का बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के सिए;

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० कामा एण्ड को०, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता बन्सल और अन्य,
 9-4-86/305,
 सालारजंग कालोनी,
 • हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति गुवार,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः--इसर्मे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

कार्यालय रूम नं० 321-इ०, काक्रा कम्पलेक्स, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 489 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 243/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरासाद

. तारीख : 4-1-1984

भूक्ष बाह् टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के बभीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यात्म, सहायक बायुकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 जनवरी, 1984

निवेश सं॰ आर॰ ए॰ सी॰ नं॰ 765/83-84-अतः मुझे, एम॰ जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० कार्यालय का रूम है जो काक्षा कम्प-लेक्स, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूणट्ट रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(r) श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, पार्टनर मैं० काक्षा एण्ड 61, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोभा देवी, 9-4-86, सालार गंज कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी कारक पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहिया करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में को**इंभी आर्ध**प ्:--

- (क) इस सूचना के एजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जन्धि, जो भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाय:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कार्यालय का रूम नं. 321 ए, तीसरा मजला, कामा कम्पलेक्स, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 371 भौ फीट, रिजस्ट्रीकृती श्रे अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् है—

तारीख : 4-1-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 766/83-84--अत मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पं० भूमि है तथा जो आस्त्रपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊप्पल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख मई, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री के० नर्रासहा रेडडी, आस्वपुर, रंगारेषी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांता यड्मा पति श्री नरसिंह राव, यड्मा, 2-1-240, नल्लाकुट्टा, हैदराबाव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बठजर भूमि, विस्तीर्ण 26 एकड़, 9 गूंटा, आस्पुर र नारेडडी जिला,रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2485/83, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी, ऊप्पल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1984

मोहर 🖫

्रप्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

अप्रयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 4 जनवरी, 1984 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 767/83-84--अतः

मुक्षे, एम० जेगन मोहन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रतिचकारों का , पर किसीसर के जिल्ला कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो आला मलकपूट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्डीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में रिजस्डीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983 ,

25,000 /-रा. से अधिक हैं।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूके यह विश्वास करने का कारण. ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्रियमान प्रतिफल से ऐसे स्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुदं किसी जाय की बाबत, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने मा उससे अचने में सुविधा के सिए; आंर्/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः बबं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री ए० पुल्ला रेड्डा,
 16-10-183,
 ओल्ड मलक्षेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० वसुन्धरा पति
 नरसिंहा रेड्डी,
 प्लाट नं० 10,
 16-10-159/सी,
 रेड्डी कालोनी,
 ओल्ड मलकपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आर्क्षप :--

- (क) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीय।

स्पद्धतीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगुसुची

खुली जमीन विस्तीर्ण 300 चौ० गज, ओल्ड मलकपेट, हैइराबाद, रजिंस्ट्रीकृत विलेख नं० 1788/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, आझमपुरा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1994

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रदराबाद हैदराबाद,दिनांक 5 जनवरी,1984 निदेश सं० आर० ए० मीमैं नं० 768/83-84--अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ' 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ओल्ड मलकपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्द्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति निर्देश हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः काव उक्त सिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सिधन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० नरसिंह राव.
 16-2-705/4.
 न्यू मलक्षेट.
 हैवराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्रां जी० नारारणा रेड्डी पिता मला रेड्डी, रामपुर गांव, करीम नगर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

खुती जमीन, विस्तीर्ण 508 चौ० गज, ओल्ड मलकपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2672/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रैंज, हैदराबाद

तारीख : 5--1--1984

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिलांक 5 जनवरी, 1984

निदेशसं० आर०ए०सी० नं० 769/83-84-अतः मुझे, एम० जेंगन मोहन

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियन' कहा गया है), की धारा 269- है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मूसाराम बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूत से बणित है), रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में धारतीय रजिस्द्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उददेश्यों से उक्त धन्तरण लिमित में वास्तिवस इप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपाने में स्टिंगिय के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० रचा असी खान, 22-2-663, दारुणिका, हैदराबाद ।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती शहीदा मुलताना केयर आफ: मोहम्मद सामुजी, 16-11-22, मूसाराम बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 410 **घौ**० गज, मुसाराम **बाग,** हैदराबाद, आम्बरपेट, रोड, रजिंस्द्वीकृत विशेख नं० 1594/ 83, एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आजमपुरा।

> एम० जोगन मोहन सभम प्राधिकारी सहायक्षुआयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख : 5-1-1984

मोहर

प्ररूप आई टी एन एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैस्राबाद

हैंदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आर० ये० सी० नं० 770/83-84--अत : मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० घर है, जो याकूतपूरा, हैंदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है(, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, आम्रमपुरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में गास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अथित् :---14--456 GI/83 श्रीमती पी० लक्ष्म⁴मा, 17--3-131, रेइन बाजार, याक्तपुरा, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ऋष्णामूर्ति, 17-3-132, रेइन बाजार, हैंदराबाद.

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनीयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

घर संपत्ति, रेक्षन आजार, याकूतपुरा, हैदराबाद, रजिस्ट्री कृत विलेख नं० 6828/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आझपुरा

> (एम० जेंगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीय: 5-1-1984.

महिर:

प्ररूप बार्ड ्दी ्एन , एस्. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद..

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 771/83-84--अतः मुझे, एम० जेमन मोहन,

बायकर पिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव भूमि है, जो बंजाराहीलस् हैंदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेरताबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीनफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित का सारतिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :- -

- (क) अनुतरण से हुई किसी आय की आयत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के सिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ात्त्र अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन किन्निलिखित स्थितियों, अर्थात :--- (1) श्री आली नसीर,
 8-2-589,
 रोड नं० 8,
 बंजाराहीलस्
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जनारधन रेड्डी पिता, बेख रामी रेड्डी, चंपादंडी विलेख, करीमनगर जिला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्वी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 598 चौ० गज०, रोड नं० 12, बंजाराहीलस्, हैं दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1290/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद.

नारीख: 5-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद.

हैदराबाद, विनांक 5 जनवरी 1984

निर्देण सं० आर्० ए० सी० नं० 772/83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भिम है. जो वंज राहीलस्, हैंदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष रो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16), के अधीन मई, 1983

को पर्योक्त संपत्ति के लिया वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंकत सम्पत्ति का उचित ताजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एक्से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्री आ़ली नसीर,
8-2-589,
रोड नं० 8,
बंजराहीलस्
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें बेनूगोपाल रेड्डी पिना, कें दशस्य रेड्डी, चेगांव विलेज, पेट्रापल्ली, नालूक, जिला करीमनगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 500 चौ० गज०, बंजाराहीलम् हैदराबाद रजिस्ट्रीफ़्रेत विलेख न० 1267/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरमावाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रंज हैद्दराबाद

तारीख: 5-1-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - - ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायव आयकार अव्हल (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरायाद

हैदरायाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० भी० नं० 773/83~84——अतः मुझैं, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० भीम है, जो बंजाराहीलम्, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई कियी जाग की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए, और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्तरिती त्यास प्रकट नहीं विधा स्या था या किया जाना चाहिए था. छिंपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उच्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भाग 269-श की उपधाल (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जी० स्चीतारेड्डी पति, गोविंद रेड्डी, 8-2-628, बंजाराहीलस्, हैंदराबांद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० वेंकर्टेश्वर राव पिता, नारायण राव, कांचरेला विलेख, वेमुलावाडा, जिला करीमनगर ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर किसी अन्य स्विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हिकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, बंजाराहीलस्, वस्तीर्ण 1196 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1488/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरनाबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद.

तारीख: 5-1-1984

मोहरः

प्रकथ जाद . टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० यें० सी० नं० 774/83-84--अत: मुझें, एम० जे्गन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो संगारेड्डी स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्य अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगारेड्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित याजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंध्त नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अंतरण के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मनिधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कें, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० गोहम्मद फिर्ना सीही ऊस्मान, संगारेड्डी;
जिला मेडक.

(अन्तरक)

(2) श्री एगर गरनाष्पा माइनर पिता एमर बंडाप्पा, शिवमपेअट पोस्ट एन्ड विलेज, श्रंडोल तालूक, जिला मेडक,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन् के जिल् कार्यक्षीहर्या करता हो ।

उत्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपात्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तलारबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाक्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बवारा;
- (स) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसिन में व्यक्ति हुना सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन, संगारेड्डी टाऊन, विस्तीर्ण 347 ची० गज० रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 1856/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेड्डी ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद.

तारीख: 5-1-1984.

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थे (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 775/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मूसाराम बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ममा प्रतिफल निम्नलिखित उब्बेध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उक्त जिम्मियम के जभीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कभी कहने वा उससे वचने में सुविधा के निए; जौर/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में मृतिधा में लिए।

अत: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिकित व्यक्तिकों, अर्थात् हे— (1) श्रीक्षी पादिमारी रेही, मूसाराम आग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० दामोदर, प्रेमीटेंट, आड्डागुड्डा को० आपरेटिव हाऊमिंग मोसाइटी, प्रताप नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथींबत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम विम्तिन में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रभूकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-वा में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास के दिया । गमा है।

नगराची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 12741 चौ० गज, मूसारामबाग, हैसराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3207/83, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ताराखा : 4-1-1984

महिर 🗓

प्रकार वार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 776/83-84—अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

• का ण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० भृमि है तथा जो मुसाराम बाग, हैदराबाद में

 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ◆ वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री एम० विक्वनाथ पाटिल, 16-11-373, मूसारामबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) राधा सवामी को०-आपरेटियं हार्ऊमिंग सोसाइटी , बाई : श्री जनार्धन रेड्डी, 3-82, हनुनाम नगर, चैतन्य पुरी, हैदराबाद-36।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Open land admeasuring 1958 sq. yds. situated at Moosarambagh, Hyderbad registered by the S.R.O., Hyderabad vide documen. No. 3009/83.

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

वारीय : 4-1-1984

मोहर 🖫

प्रकष् नाइं. टी. एन्. एस्. ------

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म् (1) के धभीन सूधना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 777/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगीति जिसका उचित बाजार नृत्य '25,000/- रु. से अधिक हैं.

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ज्यू विली हिल्स, हैद्राबाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृल्य से कय के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की यह है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविया के लिए;

अतः पाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती जहपू रेड्डी 5--9-47/2 बसीर बाग हैदराबादः।

(अन्तरक)

(2) श्री के० युद्धिष्ठर रेड्डी पिता श्रीनरसीम्हारेड्डी अनारगुडा विलेज मधीरातालुक खम्मम जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षोंकत सम्बन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उनत् सम्पत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप : --

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यों करयों में से किसी क्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

नमृत्यी

खुली जमीन विस्तीर्ण 400 चौ० गज रोड नं० 14, जुबिलोहिल्स, रजिस्ट्रोइन्त विलेख नं० 3251/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो, हैदराबाव ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराब्राद

तारीख : 4-1-1934

मोहर 🛭

प्ररूप आर्थ .टी .एन .एस .------

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269 य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहासक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक । जनवरी 1981

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 778/83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - ग्या से अधिक है

और जिसकी संव घर है तथा जो तीरुमवा तीरुपती में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरुपती में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) क्वें अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए पंजीकृत की गई ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हो कि स्थाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतियान से अधिक हो और अंतरके (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में वास्तविक इस से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मणक के दायिक से अभी करने या उसमें अचने में मुनिधा के लिए; और/धा
- (स) एसं किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

(1) श्रोणोल गारायणन पिता श्री पीलगोतिन्द स्वामी विटामालाई पिलाई स्ट्रीट, पुरुषावकम, मद्राय-7!

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेंक्टेणम पिता श्री वेंकट ऋष्णाय्या नं० 155 ईस्ट माडा स्ट्रीट, तोकमला, तीकपती, चित्त्र जिला ।

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किमी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

यम् सर्ची

घर नं 13/4, ईस्ट स्ट्रीट, तीम्मला, रजिस्ट्रीशृत बिलेख नं 2714 और 2713/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तीम्पती ।

> एम**ं जोगन मोह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 4-1-1984

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

---अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 779/83-84-अतः, मुझे एम० जेगन मोहन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो नेलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पृशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक हुए से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखिस व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री जे० आदी सोसय्या बूडीरारीवारी स्ट्रीट, कोऊर टाऊन, नेलौर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० सुब्बा रायडू स्रोर श्री बी० बूजम्मा, नेताजी नगर, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्वॉक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी ज्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए ना सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दौं आं∢ पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2333/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1984

मोहर 🔅

प्ररूप आई. टी. एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हेदराबाद, विनांक 5 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 780/83-84--अनः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य *25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो मदनापल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदनापल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० सुब्बारामय्या श्रीर अन्य, बाजार स्ट्रीट, बी० कोथापेटा, मदनापल्ली, तालुक, जिला चित्तूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० आदिलक्ष्मी पति लेट श्री एन० पार्थसारथी, 11-399,को० आपरेटिब कालोनी, मदनापल्ली-517325, चिसूर जिला।

(अस्टां रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

आर० सी० सी० घर कोआपरेटिय कालोनी, मदनापल्ली, चित्तूर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1682 ग्रीर 1678/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री, मदनापल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख : 5-1-1984

महिर′:

प्ररूप आहु, टी. एन. एस. -----

· अ्त्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हॅदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 781/83-84-अत , मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अन्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बूजा बूजा, नेलार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में रजिस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत. तारीख मेई, 1983

का पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंश्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जनसंस्थ मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस न्युक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्रीपी० वेंकप्पा, ' बूजी बूजी, नेलीर, नाल्फ श्रीर जिला नेलीर।

(अन्तरक)

(2) स्वामी आय्याप्पा ट्रेडसं, सांतापेट, नेलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख तं । 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित भी किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: - ज्वसमी प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

वनसर्ची

खुली जमीन, बूजा बूजा, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2057/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, नेलौर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1984

मोहर 🤢

प्रहर्भ आहर्षे.टी.एन.एस.------

श्रायकर अञ्चलित्रम, १९६१ (1961 का 43) की जारा 269-म (1) के ग्रामीन सुचना

भारत अर्थः

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्कत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984 '

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 782/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

माणकर अधिनियम, 1961 (1961 का अ3) (जिले इसमें इसके पश्चाल उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स क अधीन सक्ष्म प्राणिकारण की यह निक्वाण करने जा कारण है कि स्थातर संपरित, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बंजारा हिल्स, नेलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

क्यं पूर्वांक्या सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बामा गया प्रति-कन, निम्नांकित उद्वाद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बीरु/या
- (स) एँमी किसी बाय या किसी भन या जन्म जास्तियाँ कर्ते, जिन्हां भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या यन-कर अधिनियम, या यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ३। किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० वेंकटरामय्या, 12/78, ग्रील्ड हास्पीटल रोड, मानापेटा, नेलॉर।

(अन्तरक)

(2) श्री टीं० बीं० सत्यनारायणा पिता श्री सत्यनारायणामूर्ति, 139, आर० पीं० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अर्न्सारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपः——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मित्वायों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य स्थावत व्वारा नथां हस्ताक्षरी के पाइ लिक्ति में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मना है।

नगत्त्री

खुर्ला जमीन, विस्तीर्ण 368 ची० गज, गांधी नगर, पोगातोटा, नेलोर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1887/83, रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी, नेलौर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 5-1--1984

महिर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 783/83-84--अनः, मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,,000/- रु. से मीभक हैं

स्रोर जिसकी सं भूमि है तथा जो मेरीगानी पाली विलंज में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजंत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीसूर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बावत उक्त विभ-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सृष्मिं। के निए; और/वा
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या जन्म आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री एम० शंकर रेड्डी पिता श्री पी० मुनिस्वामी रेड्डी, जेननायाकाम पस्ली. काट्टांची विलेज, चित्तूर जिला।

(अन्तरक)

(2) मै० श्री सुन्दर आक्सीजन,
 8/ए, रेसकोर्स रोड,
 कोयम्बटूर-641018 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- वृद्ध किसी अग व्यक्ति त्याग कथाहिस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

मन्सूची

खुली जमीन विस्तीर्ण में एकड़, मारीगनीपल्ली विलेज, विलेज, विलेज, विलेख के 2727/83, रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी, चित्त्र ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-1-1984

मोहरः

प्ररूप बाई, टी. एन्. एस.-----

नायकर श्रीभिनयम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-भ (1) के अभीन सुम्ता

भारत सरुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेण सं० आर० ए० सी० नं० 784/83-84--अतः. मुक्को, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जसकी सं० भूमि है तथा जो बजारा हिल्स, हैकराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बकने से मृविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी कियो काय या किसी धन मा अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नमा भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीत, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) थी ए० बासुदैवा रेड्डी.
 6-3-609/70
 आनाद नगर.
 हैदरावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० यूधगर रेड्डी पति नर तेम्हा रेड्डी, अनारगुडा विलेज, खम्म म जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सकारी व्यक्तियां दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वा भी अविध नाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित दुधाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर साम्पत्ति मो हितबद्ध किसी जान व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास 'लिसित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इत्तमं प्रमुक्त शब्दों सौर पद्यों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

जन्सू ची

खुर्ला जमीन, विस्तीर्ण 400 चौ॰ गज, बंजाराहिस्स, ह्दराबाद, रिजम्ट्रीकृत विलेखं नं॰ 3252/83. रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4~1−1984

मोहरु

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरावाद

हैदराबाद; दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 722/83-84-अत:, मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं प्रतिट है, जो विठलवाडी, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्टिन में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 ता 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात् :— (1) मैसर्स विनायक इंटरप्राइजेस बाइ.
 श्री एम० ए० विनायक.
 वरकतपुरा.
 हैदरावाद ।

ः(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० वी० लक्ष्मीदेवी पति के० बी० नरसाप्पा, फ्लैट नं० 407, विठलवाडी. हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि तद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्तित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 407, गैरेज नं 16, एम नं 5-8-585 और 586, विठलवाडी, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1187 चौ फुट, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं 284/83 और 285/83, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं 284/83 और 285/83, रिजिस्ट्रीकृती अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारीः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-1-1984.

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यात्तय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 723/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कींग कोठी रोड, हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंग्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाद की बादत, उक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना पाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:——
16—456 GI/83

(1) मैंसर्च पटराज बिल्डर्स,
 3-5-796,
 कींग कोठी रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो पुरुषोत्तमदाम किशन दास बेलानी, फ्लैंट नं० 410, माहाबिर अपार्टमेंट्स, कींग कोठो, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 410, चीथा मजला, माहाबिर अपार्टमेंट्स, कीग कोठी रोड, हैदराबाद, विस्तीण 947 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2929/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 3-1-1984

मोहुर 🖫

त्रक्य. भाइ. थी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीव त्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984 -

आर० ये० सी० नं० 724/83-84--अत: मुझै, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कींग कोठी रोड, हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्लियक रूप में कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी कारने या उसम बचने में सविका के लिए; बाँड/बा
- (व) एसी किसी नाम या किसी भन या नम्म नास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया एका वा या किया जाना धाहिए था, खिपाने में स्थिम के निए;

अवि अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) मैसर्स नटराज बिस्बर्स,
 3-5-796,
 कींग कोटी रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल एम० पेटेल, पिता मनीलाल पेटेल, 303, माहाविर आपार्टमेंट्स, कींग कोठी रोड, हैदराबाद ।

(अन्तिर्श्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत ले 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अक्षेत्र पृयोधन स्थानतमों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा समोंगे।

स्वकालरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया प्रशाही।

नवृत्त्वी

प्लैट नं० 303, तीसरा मजला, माहाबिर अपार्टमेंट्स, 3-5-796, कींग कोठी रोष्ठ, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 के चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत वितेख नं० 2930/83, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी; हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखा: 3-1-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आथकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्चना

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984

आर॰ ये॰ सी॰ नं॰ 725/83-84-अत: मुझे, एम॰ जेंगन मोहन,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधि'न्यमं कहा गवा हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

- और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कींग कोठी रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दशापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित-फल निम्निसित उद्देश्य से उसत बन्तरण सिवित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (च) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, भिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

मतः नव, उक्त निधिनयन की धारा 269-ग के कनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (†) के नवीप, निस्निसिस्त व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) मैंसर्स नटराज बिल्डर्स,
 3-5-796,
 कींग कोठी रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री राधाकृष्णा सूजांदास गुलाबानी, राजकमल द्रोसपोर्ट, तिलक रोड, हैसरायाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क,रता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिट-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवांका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 203, दूसरा मजला, माहाबिर अपार्टमेंट्स, कींग कोठी रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 चौ० फुट, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 2928/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 3-1-1984

म्पेहर 🛭

प्ररूप बाई टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गामक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 726/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी "सं० पर्लंट है, जो यूनिटी हाऊस, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्वभान प्रतिफाल सं, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की वास्त्र में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुजिधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अधीत्ः— श्रीमती चंदाबाई, ग्रौर अन्य, 26, बसीरवाग, पलेस, हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री शीराज कमल, 11-1-290, आगापूरा, हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घूरू करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) इस सूचना कं. राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारों।

स्पाबारीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

जन सं ची

कार्यालय नं० 34, तीसरा मजला, यूनिटी हाऊस, हैदराबाद, निस्तीर्ण 290 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3010/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-1-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984

आर० ये० सी० न० 727/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पदवाद 'उसते अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो बसीरवाग, हैदरावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (अ) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः नन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के नमुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न की लपधारा (1) के नभीन, निम्निमिन्नित स्वन्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० कृष्णामूर्ति. पिता लेट एम० गोपालन, जी० पी० ए० श्री जी० के० राजू, 77, राजमहल विलेज, सदाशिवनगर, बंगलीर ।

(अन्तरक)

(2) मैंससं प्राग्नेसिव हजीनियरिंग को०, 3-4-812, बसीरवाग, हैंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए. कायकाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में एकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उद्या स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्होकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदा का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, एम० नं० 3-4-812, बसीरबाग, हैदराबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2759/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 3-1-1984

मोहाद 🥫

प्ररूप मार्च .टी .एम .एस ------

कार्यकर अर्थभिनयम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1984

म्रार० ये० सी० न० 728/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- बं के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो द्रुप बाजार, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास कारक का कारण है कि यथापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, अपके दृश्यमान गतिकाल मा, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पद्गह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भासतींवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुंई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- बतः, जब, उब्स अधिनियम, भी धारा 269-ग के अनुसरक में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिविस स्मृतिस्मृतं , जर्मात् ः—

- श्री के० सीताराम जी० पी० ए० श्री एम० कोडे, ग्रीर 7 अन्य, 1-10-209, असोकनगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) वि आन्ध्रा बैंक इम्पलाईज युनियन अफिलीयटेड आल इण्डिया बैंक इम्प्लाइज एसोसियेशन 4-1--354/1, द्रुप बाजार, हैदराबाद बाई श्री व्ही० हनुमन्तराव, 12, श्रीलक्ष्मी कालनी, सददाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

के यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विभ की जनित मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीस से 30 विन की सविध, पा भी सुनाध बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त परिवत्ता में से किसी काकित बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत मं प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहरताकरी के पास निस्ति में किए जा सकी !

स्पक्टीकरण :----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर-भाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में

मन्सूची

घर नं॰ 4-1-354/1. द्रुपबाजार, विस्तीर्ण 2400 चौ॰ फुट, प्लींच एरिया, 190 चौ॰ गज एजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2745/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदरावाद ।

प्म० जेगन मोहन सद्यम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हदराबाद

ता**रीख**ः ३~1–1984

मोहर 🐠

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद.

हैदराबाव दिनांक 3 अनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 729/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 369-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 75. (1907 रः में अधिक हैं

भार जिसकी सं० घुकान है, जो बसीरबाग, हैवराबाद म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पृशेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक, निम्निविचित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्स-चिक रूप से अधित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई स्थिती साम की बावत सबत बाध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे यचने में सुनिधा के सिने; और/था
- एकी दिवसी अप या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन- खार अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अस्तिरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयासी मा किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा से जिए;

अतः अव, उनत अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, में उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिसित व्यक्तियीं, अभीत् :---- (1) श्रीनती सुल्तान गहां, बेगम अश्वियास सुल्ताना, पिता सुल्तान हुसन बीन भोमर, 5-9-161, भंपनश्राजार, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम मूरजानी पिता लेट लोकूमल मूरजानी. 10-2-124, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाध.

(अन्तरिती)

को महस्यमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त दश्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वः हैं।

अनुसूची

षुकान नं० 5-9-29/ए, बसीरबाग, हैंदराबाध, विस्तीर्ज़ 20 चौ॰ गज भूमि विस्तीर्ण 187 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2785/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद.

> एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, हैदराबाद

तारी : 3--1-1984.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 जनवरी, 1984

अगर पे० सी० नं० 730/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 '- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चीक्कडपल्नी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

कां पूर्वीका गंगित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरंदान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का जन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तर्गित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निविश्वत उब्दोश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (कः) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबन, उन्न अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उन्मनं ब्रुवन में मिविभा के सिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा पकट नहीं किया गण को किया जाना जातिए था. छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उणाला (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मात्रुक्षी इंजिलियरिंग एस्ड बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदरगुडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता के० राजेश्री कृष्णामूर्ति, पति कृष्णामूर्ति, ए 2/159, सफदरजंग **ए**नक्लेब्ब, नई दिल्ली-110029।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 508.ए ब्लाफ मालूश्री अपार्टमेंट्स, एम० नं० 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 985 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 308/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी चीक्लडपरुली ।

एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन देंज, हैदराबाद

तारीखा: 3-1-1984 ं

प्ररूप अरहाँ . टी . एन . एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन टेंग, हैदराबाद

हैंदराबाद दिनांक 5 जनवरी, 1984

आर० ये० सी० नं० 731/83-84--अत: मुझे. एम० जेगन मोहन

नायकर निर्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो एम० जी० रोड, कोयागेडम स्थित है), श्रीर इससेड उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीथागुडम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त्विक रूप से किथल नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बावत, उनक जिमिनयम के अधीन कर दोते के अन्तरण को दासित्व में कमी करने या उसके अचले में स्विधा औ लिए; बार/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आजिन्नों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के ;)) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तर्रास्त द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मो सर्विया खें लिए.

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों इक्त मिलियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ**धीन निज्नीभाषि**त व्यक्तियों, उर्धात — 17 456 GF 83 (1) भी बी० केशवराव जानकीरामः पिता तेट बी० एन० केशवरावः कोषागुडमः जिला खम्ममः

(अन्त्रक)

(2) श्री एन० सुदर्शन पिता जगनाधमः कोधागुडमः।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थाबत द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा नकोंगे।

श्यण्योकरणः --इसमें प्रयुक्त प्रस्वों और पर्वा का, जो उक्श अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बहुति कर्ष होता को उस अध्याय में दिया गया है।

अमत्त्रवी

हो० नं० 5-8-40, डाबा बिल्डिंग, एम० जी० रोड, कोयागुडम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 248/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोषाग्डम।

> (ए**म**० जेगम मोहन नधास प्राधिकार **सहायक आयकर आ**एवन (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

तारीख : 5-1-1984 मोहर ड प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1984

आर० ये० मी० नं० 732/83~84—अत: मुझे, एम० जेनन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिल्लो सं० भूमि है, जो आलीयाबाद, मेडचेल तालूक, में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्णरूप से विकार है), रिजस्ट्रीक्ष्ती अधिकारी के कार्यालय, रंगा^उड्डी जिला में सारवील रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को प्रशेवत समान्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, करके द्रायमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पीत्रज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति गो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल लिम्मिलिखत उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के निए।

अतः भव उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, अक्षत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निकासिक्षित काकियों अर्थात् :--- (1) श्रोमती मुसिद्धा प्रेमसिंह, पति सरदार प्रेमसिंह, और अन्य, आसीयाबाद, मेंडचेल तालूक, रंगारेड्डी जिला.

(अन्तरक)

(2) सूर्यव्रंषी स्पीनिंग मिल्स. लि०, 104, एस० पो० रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उकत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बंजर पुमि, विस्तीर्ण 47 एकड़, 13 गुँठें, आलोयाबाद, विनेत्र, मेंडवेन रात्हें, रंगारेड़ी जिला, रजिस्ट्रीहत विलेख नं 3222/83, राजिस्ट्रीहती अधिकारों रंगारेड़ी जिला. र्रू

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी नड़ायक आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 11-1-1984 मोहरः प्राक्ष भाई.टी.एन.एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1984

आर० ये० सी० न० 733/83-85--अत: मुझे. एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य \$25,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी सं० 5-2-57 है, जो जामबाग, इंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, उसत जिथिनियम के जधीन कर दोने के जस्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/मा
- (ज) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तिनयों, अर्थात् :--

(1) श्री गणेंग राव,
 पिता लेंट, यादव राब,
 और अन्य 4,
 15-9-301,
 आफजलंगंज,
 हैंदराबाद.

(अन्तरक)

(2) एस० गोविंदराव पिता, लेट, एस० विरा रेड्डी, 5-2-57, जामबाग, हैंदराबाद.

(अन्तरिर्ता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारी।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्थर पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

घर नं० 5-2-57,, जामबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2924/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद.

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ़ अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अ**धीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 734/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाग 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 घेर आफ प्रोपर्टी है, जो रेड हीलम्, हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वायत सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकल के निम्नलिशिट उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्नलिशिट स्वार्थित में सार्विक है से से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की नायत, उच्ल अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या सक्के वचने में सुविधा के लिए; नीए/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, क्रियाने में सुविधा के क्रिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अधीन,

1. श्रोमती सहदाशाहानावंगम घर नं ० 11-1-391,1 आगापुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्रमिती फरझानाबेगम पति मोहम्मद खादरअली खान, घर नं 11-6-836, रेड हीस्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सुजना आरी करके पृद्धीं कत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया, करता हो।

उन्स सम्परित के सर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्रेष्ट्रं भी आक्षंपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख श्रें
 45 दिन की अवीध या तत्र्याध्वन्त्री ध्यविक्त यों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी है ज्याबित यों में से किसी व्यवित व्यागः;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख स 45 दिन के भीतर उपन्य १९०० सम्परित में दितसब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम जिस्तान में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-त मा यथा परि-भाषित है, वहीं अथ होगा जो उस अध्याय मा दिसा गया है।

अम्त्वी

1/3 सम्पति का भाग, नं० 11-6-836, रङ होल्य, हैदराबाद, विस्तीर्ण 836, चौ० फुट, और 300 चौ० गज, प्लीथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2638/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जोगन, मोहन, सक्षम प्राधिकारी, यहायक आमकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 4-1-1984

महिर :

प्रकृत वार्ड ,टी . एवं . एकं . -----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

सं० आर० ये० सी० 735/83-84:--यतः मुझे. एम० जेगन मोहन,

सायकर सिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं घर है जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ऑप इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बारसिबक क्ष्य से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संहुद्ध किथी बाब की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के राधित्व में कभी कारने वा अध्ये वचने में सुविधा के चिए; और था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---- श्री आई० वी० कृष्णामूर्ति, पिता श्री आई० एल० कान्तराव, खम्मम विलेज, जिला खम्मम।

(अन्तरक)

2. श्री बी० पांडूरंग राव, घर नं० 6-3-1216/43, मेथोडीस्ट कालोनी, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जनं के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्र संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकेंगे।

स्मब्दोफरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का जो उबते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

गन्स्सी

घर सर्पात्त मथडोस्ट कालाना, बेगमपेट, हैपराबाद, विस्तीणं 1200 चा० फुट, और प्लीथं एरीया, 350 ची० गज रजिस्ट्रोक्त विलेख नं० 1463/83 रजिस्ट्रीक्ती अअकारी बल्लभनगर।

एम**० जगन** मोहन सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, हदराबाद

বাশ**াৰ:** 4—1—1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 4 जनवरी 1984

सं० आर० ए० सी० नं० 736/83-84:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो मडीमलकापर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, खरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1983।

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उदद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी लाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या जससे अभने में सृविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

 श्रोमतो द्रोपदो चेईनानो, फ्लैट नं० 7, पैंग अपार्ट मेंट, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

 श्री आली हुशन घर नं० 10-3-16/11, मेहदी-पटनम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृस्ची

खुली तमीत, विस्तीर्ण 356 ची० गज बिरबन गुडीमल-कापूर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 1166/83, रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोह्न. मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

तारीख: 4-1-1984

मोह्यु 🗵

प्रस्थ बार्ड, टी., एन., एस., 🗷 🗷 - 🕬 🖚

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निर्देश सं० आर० ये० मी० नं० 737/83-84---अत: मुझे, एम० जीगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड होलम् इँदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरनाबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप में अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मिविधा के लिए बौड़/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में भ्विधा के निए:

 (1) मैंसर्स भाग्यतगर कन्सदृक्षणन्स, कॉंः 11-4-656/1.
 रेष्ठ हीलस्. हैदराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री मिर्जा जफरुल्लाह बेग, घर नं० 11-1-625, रेड हीलस, हैदराबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दृशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्भित्त में हिल-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरेण ---इनमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसुची

पलैट एम० नं । 11-4-656/1. त्रिंदावन आपार्टमेंट, रेड हीलस्, १ दराबार्द, विस्तीर्ण 874 चौ० फ्ट, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं । 1379/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो **खैरता**-बाद।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निर्र°क्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4; 1-1984.

मोहर

अत: अत, उक्त अधिनियम् को धारा 260-ग क अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जरेंज, हैदरावाद.

हैदरावाद, दिनांक 4 जनवरी 1984 निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 738/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण ह[ै] कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हीलस् हैं दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारन्विक रूप से कथित रहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुए जिली जाय की नावत उक्त अधि-निवस दं अधीन कर देने के अन्तरक के शामिल भे कभी करते था उसर बचन में संचित्र के रिस्त वोर/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्रो, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्दे, में, उक्त विधितियम की भाष 269-व की उपधास (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स भाग्यनगर कन्सट्वणन्स, को० 11-4-636/1, रेड हीलस, है दराबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री आमर मोहंमद नसीम हीन, एफ ० नं० 615, ण्**म**० नं 11-4-656/1, रेड हीलस. हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ब) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 615, ब्रिदावन अपार्टमेंट, रेड हीलस्, हैदरावाद, विस्तीर्ण 1179 चौ० फु०, स्जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1378/ 83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी खेरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त, (निरोक्षण,) अर्जन रेंज, हैदरावाद।

नारीख: 4-1-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्**य**ना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन जरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 739/83-84--अतः मझे, एम० जेगन मोहन

अयायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मून्ब 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो पंजागृट्टा, हैदराबाद में हिस्यत है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह दिश्हास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :——
18—च 56GI/8

 मैं० विरगा कन्स्ट्रक्शन्स, बाई श्री बी० एन० रेड्डी, एम० नं० 6-1-1063/बी०/3, राज भवन रोड, पंजा गुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० ऊषा रानी,
पलैट नं० 4,
कांति शिकारा अपार्टमेंटस,
पंजागुट्टा,
कैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूजाँकत सम्पत्ति के अर्थन के शिष् ' कार्यनाष्ट्रियां कारता हूं।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदौका, को सम्बद्ध क्षिनियम, के सभ्यान 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, कांति शिकारा अपार्टमेंट्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद, विस्तर्ण 468 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2784/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आए० ए० सी० नं० 740/83-84--अन : मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई. 1983

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण संहुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिनी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपान में सूर्विधा खें बिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० विरमा कन्स्ट्रक्शन्स, एम० नं० 6--1--1063/बी/3, राज भवन रोड, पंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाईँ० सत्यनारायणा मूर्ति, फ्लैट नं० 80/जनता फ्लैट्स, कांति शिकारा अपार्टमेंटस, पंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में इ दिया गया ही।

जनसची

फ्लैंट नं० 80, ब्लाक ई०, कांति शिकारा अपार्टमेंट्स, पंजागृह्या, हैदराबाद, विस्तीर्ण 642 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2822/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-4-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

है्दराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० नं० 741/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 27,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो पंजागुट्टा हैदराबाद में स्थित है (और इपने उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

ां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अंताण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) एनी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त माधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० विरगा कन्स्ट्रक्षणन्स एम० नं० 6-1-1063/बी/3 राज भवन रोड पंजागृद्धा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० विजयालक्ष्मी नूचरक्यूर हास्पीटल अभीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर पूर्विक्ता स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पस्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं ० 22, ब्लाक एफ ० कांति णिकारा अपार्टमेंट्स पंजागुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 642 चौ ० फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2821/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

नारीख : 4-1-1984

प्ररूप आहाँ . टी . एन् . एस . ------

बायकर माधितिस्म , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

माइव बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 4 जनवरी 1984

्निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 742/83-84--अतः

मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सँ० पलैट है तथा जो पंजागुट्टा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उच्चित्र से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) जुलाउभ ते हुद्दं किसी जाय की बाब्स, अक्स जिथानिक्स के जभीन कर दोने के अन्तरण के स्वीत्त्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के तिहुद; अक्रि:/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्ति द्वी स्वारा अकट नहीं किया प्रया था वा किया जाना जाहिए था, ज्याने में स्विधा के लिए;

जतल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० विराग कन्स्ट्रक्शन्स बाई श्री बी० एन० रेड्डी एम० नं० 6~1-1063/बि/3 राज भवन रोड पंजागुट्टा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सम्बाशिव राव एफ० नॅं० 35 ब्नाक नॅं० ई कांति शिकारा अपार्टमेंट्स पंजागुट्टा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रपः--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस उ 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियां ध स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 विन के भौतर सक्त स्थावर सम्पर्तित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकाडी के पा निवित्त में किए का सकेंगे [1]

स्याकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्दों अर्रियक्षों का, जो उर्कें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

फ्लैट नॅ० 35, इनाक नॅ०ई-कांति अपार्टमेंट्स पॅंजागुट्टा हैदराबाद विस्तीर्ण 642 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नॅ० 2820/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

प्रकप् नार्चः ही , एन , एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 743/83-84--अतः मझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्नकी सं० गेरज है तथा जो बेगमपेट हैंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्लभनगर हैदराबाद रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्विक्त संपितत के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रितिक्त निम्नितिदात उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है। ——

- (कई अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीविनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सजिभा के लिए;

नतः यस, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मै० श्रोनियासा बिल्डर्स प्रा० लि० 1-2-593/4-ए गगन महल रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैं० सम्प्राट इन्बेस्टमेंट्स प्रा० लि० बाई श्री वाई० रामा शर्मा 36/ए संजीवा रेड्डी नगर हैदराबाद !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्भाव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वां का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गैरेज ग्राउण्ड फ्लोर, श्री निवासा टॉवर्स 'ए' 6-3-1187, बगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 180 चौ० फीट रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1550/83 रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी वरुलभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

तारीख: 4-1-1984

माहर 🛭

धरूप आ**ए'. टॉ. एन. एक.**—

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरी<mark>क्षण</mark>)

अर्जन रेंज हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेग मं० आर० ए० सी० नं० 744/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

कापकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थापर मंपीत जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. स अधिक है

और जिनकी या पलैट है तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इपने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजिन है) जिन्दाहर्मा अधिकारी के कार्यालय बस्लभनगर में रिजम्हालरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अञ्चल काराख नई 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्रम के . क्रयमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करन का अरण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इस्वमान प्रतिफल सं, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अथिक है और बन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के शिव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियते उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में बास्तिवक क्ष्य से करित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त ब्रिंथ-नियम के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी साय या किसी भन या सन्य सास्तियों किसी, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्थ अस्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपान में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० श्रोनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि० बाई श्री जी० श्रीनिवासुल रेड्डी 1-2-593/4-ए गगन महत्र रोड हैदराबाव ।

(अन्तरक)

(2) श्रीएम० रमेश और अन्य फ्लट नं० 90
 श्री निवासा टावर्स 'ए'
 6-3-1187
 वगमनेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथांक्त सभ्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करतर हूं।

उन्त नम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्≤---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति इसारा;
 - (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन भी भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकस्ण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

फ्लैट नं० 901 श्रानित्रामा टॉवर्स 'ए' बेगमपेट हैदराबाद विस्त्रीर्ण 1600 चौ० फीट रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1750 83 रिजिस्ट्रीकर्ता अत्यकारी वल्लभ नगर।

> एम० जे**गन** मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1984

प्रकृष बाह्री, द्यी, एम, एक,------

भागकार वृधिनित्सम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुधीन सुमृता

भारत् सहस्राङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 745/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित हैं (और इसमे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवास में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उच्छ अधिनियम के अधीन भर दोने के अस्तरक के शावित्व में कमी करने वा उसवे वच्चे में बृविधः के सिए; औद्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिये था, किया में सविधा के लिए;

कतः वयः, उक्त विधिनियम् कौ वारा 269-ग के बनुवस्क को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के वधीन, निस्नीतिकित स्विक्तयों, सर्मात् हरू (1) मैं० श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० पि०, 1-2-593/4-ए, गगन महल रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० प्रिमियर इन्टरप्राइसेस,
 . 1--1-92, 67 बि,
 आर० पी० रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में काहे शक्ति :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर प्रवेक्ति उक्त स्थायर सम्पित मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

मन्सूची

फ्लैट नं ० 701, श्रीनिवासाटॉवर्स 'ए', बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1599/83 84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वहलभ नगर ।

एस० जॅगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🗄

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आए० ए० सी० नं० 746/83-84--अतः मसे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं है तथा जो बेगमपंट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्लभ नगर में रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) मैं० श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि०, बाईश्री श्रीनिवासुलु रेड्डी, 1-2-593/4-ए, गगन महल रोड,

(अन्तरक)

(2) मैं० समाट इनवेस्टमेंट्स प्रा० लि०, वाई श्री वाई० राम शर्मा, 36/ए, संजीवा नगर रेड्डी, हैदराबाद ।

(अन्तरिसी)

को यह सूधना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्तुची

प्लैट नें॰ 905, 6-3-1187, श्रोनिवासा टावर्स 'ए', बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 4300 चौ॰ फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1482/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वस्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,∡हैदराबाद

तारीख : 4-1-1984

मोहर 🛭

वरूप कार्ष. टी. एन. एन. -----

, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा</mark> 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 747/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

भ्रमायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्चात् 'उक्त अधिल्यम' कहा गया है), की भारा 269- छ के अभीन सक्षभ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- ए. में अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गूडीमलका पुर, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इपने उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्तके कार्यालर, हैदराबाद में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक फल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक कर में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किमी आब की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बीद/का
- (च) एसी निक्सी आय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) अ उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा आ या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रो मोहम्मद आसिफुद्दीन हुसैन और अन्य 6, घर नं० 12-2-790 आसिफ नगर निफट मेंहदी पटनमः हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं० अयोध्या नगर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० बाईश्री वाई० राधा कृष्णाय्या घर नं० 12-2-826/ए-40 एल० आई० सी० कालोनी, सन्तोष नगर मेंहदी पटनस हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 17 एकड़ 28 गूंठे गुडीमलका— पुर हैदराबाद, रजिस्ट्रीइत विलेख न० 2972/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 4-1-1984

मोहार:

19—456GI/83

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक औयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 748/83-84--आतः मुझो एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा करनूल टाउन करनूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय करनूल में रिजस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ण्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जायं की बाबत, उत्कर्त जिथिनियम के जशीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीके० सो० एच० रामचन्द्रन पिता श्रीके० आर० वैद्यनाथ अय्यर करनूल।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० कृष्णम अलियास थावरपिता श्रीथापर ताराग्न करन्ल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब में 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तर्ण 0.14 सेंट्स एस० नं० 169 करनून टाउन रजिस्ट्रीङत विलेख नं० 107/83 रजिस्ट्रीकति अधिकारी करनूल।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

प्रस्यु बाइ , टी. एन्. एस.,- - = ====

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 749/83-84--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य *25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मंत्रेरीयाल (वी०), रंगारेड्डी जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रगाई रेडडी जीला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 66) के श्रधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, भियमसिवित व्यक्तियों, अभीत् ह

(1) श्री हैदर ग्रली मिर्जा, 10-3-67, हुमायुन नगर, हैदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) मैं० स्वास्तिक को० ग्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लि०, नर्रांसगी विलेज, वाई श्री टी० वेंकट रेड्डी, प्रेजिडेंट, 3-50, नरसिंगी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी बस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि विस्तीण, 4 एकड़, मंचेरिया विलेज, राजेन्द्र नगर, सालुक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3238/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 4-1-1984

मोहर 🕸

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 750/83-94—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियमें' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खनामेट (में०), रंगारेड्डी जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा, के लिए;

(1) श्री गुरुकुल घटेकेरुवर ट्रस्ट, बाई प्रेजीडेंट श्री सी० वी० किशनलाल, जी० पी० ए० श्री के० सत्यनारायणा, विद्या नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ दि विश्वश्यया इन्जीनियर्स को॰ श्रापरेटिय हार्जीसंग सोसाइटी लि॰, बाई प्रेजीडेंट और सेकेटरी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है। गया है।

अनुसूची

भूमि खम्मामेट, राजन्द्र नगर, तालुक, रंगारेड्डी जिला, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3508/83, राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की धारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🕄

प्रस्य बाद् .टी. एन्. एस . ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 751/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके प्रवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो करमलपाट, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ड ह प्रतिशात से श्राधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (यन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

(क) यन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उका धिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री इ० नरसिंहा रेड्डी,
 5-9-22/13,
 श्रादर्श नगर,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(2) मैं विश्वेश्वरय्या इन्जीनियर्स को श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, श्राई० से केंटरी श्री कें रिवन्त्र रेड्डी, 9-4-86/123, विरबन, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसनी

भूमि विस्तीर्ण 5 एकड़, 20 गूंठे, करमनघाट, गांव राजेन्द्र नगर तालुक, जिला रंगारेड्डी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3921/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः जन्, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुतरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के ज्थीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

तरीख: 4-1-1984

मोहर 🕄

प्रस्प बाहे. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यातव, सहावक जायकर मागुका (निरोक्षण) मर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवयी 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 752/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 259- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो क्यालापुर, मेंडचल तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई हैं और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज सिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए। और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अकर अधिनियम, या धन-अकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वतः गम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, पन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीप, निम्निचित व्यक्तियों. अर्थात् ः— श्री बाल रेड्डी,
 3-1, कूथूबूलापुर गांव,
 मेडचल तालुक,
 रंगारेड्डी जिला।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० दि विवेका नन्द इम्पलाइज को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०,, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू चीर

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ क्यूबूलापुर, गांत्र में डचल तालुका, जिला रंगा रेड्डी , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1850/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मेंडचल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1984

मोहर 🗷

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरौक्षण)

ध्रजेंन रेंज. जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5005—यतः मुझे जे० एल**०** धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति का उजित बाजार मूल्य में कम के शहयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. जगदीश चन्द्र पुत्र मोहन लाल स्पेशल अटोरनी श्राफ ओम प्रकाश पुत्र मथुरा दास सैक्टर नं

 XII क्वार्टर नं ० 742 श्रार ० के ० पुरम, नई
 दिल्ली स्वयं श्रीर जनरल श्रटारनी आफ बी ० डी ० जुलवन्त राम और कृष्ण पाल और सुरिन्द्र पाल
 सुपुत्र मथुरा दास और ग्यानो देवी विधक श्रमरचन्द
 श्रीर प्रकाशन्नती पत्नी वी० पी० बसरा।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री सोहन लाल पुत्न चिन्ट राम वासी सेन्ट्रल टाउन जालन्धर पता राजकुमार नन्दा डीड राईटर तुहुसील श्राफिस, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है) (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त क्षित्रमों में से जिसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सृगना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1461 दिनांक मई 1983 को रजिष्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालक्षर

तारीख 6-1-1984

म(हर:

प्ररूप बाह . टो. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, विनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5006-यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रन्सूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, फिक्टो भारतीय आयांकर अस्तिकियम, ४००० /1092 का 11) वा उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं, किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, वर्णात :---

- 1. श्री वसन्त सिंह पुत्र श्री बिचित्र सिंह द्वारा तेजा सिंह पुत्र पूर्ण सिंह वासी गांव बुर्ज बेरर तहसील मुक्तसर श्रीर बुटा सिंह पुत्र हरी सिंह बासी बारगरी तहसील मुक्तसर मुख्तयारे याम।
- 2. श्री जगमोहन सिंह पुत्र करनैल सिंह, धौर भ्रमूत-पाल सिंह पुत्र करनैल सिंह श्रौर श्रमनदीप सिंह श्रौर संदीप सिंह सुपुत्र गुरमेल सिंह बासी गांव फतेहवाला तहसील मक्तसर।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है) 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां भो से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 690 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम - श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 6-1-1984 मोहर:

प्रकप नाहाँ. टी. एन एस. - - - ----नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवर्री 1984

निदेश सं० ए०पी० नं० 5007—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, शायकरं शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से शिथक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकीट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियों जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकात व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- श्री वसन्त सिंह सुपुत्र विचित्र मिंह द्वारा तेजा सिंह पुत्र पूर्ण मिंह वासी गांव बुर्ज लेरंट तहसील मुक्तसर श्रीर बुटा सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव बारगरी तहसील मुक्तसर मुख्तयारे याम। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरजिन्द्र सिंह पुत्र जगराज सिंह श्रीर गुरिबन्दर सिंह पुत्र हरजिन्द्र सिंह श्रीर सुखबिन्द्र कौर, पत्नी हरजिन्द्र सिंह बासी गांव मुडेर तहसील, मुक्तसर।

(श्रन्तरिती)

- 3 जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबढ़ है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रेकेश्वन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनसची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 691 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जें० एत० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

मोहर:

20—456GI/83

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० न० 5008---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1983

को प्वान्त संपत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्भातः :--- शी बसन्त सिंह पुत्र बिलत्न सिंह द्वारा तेजा सिंह पुत्र पूर्ण सिंह, वासी बुर्ज बेरर तथा बूटा सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव बरगरी तहसील मुक्त-सर मुख्तयारे याम।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कुलबीर सिंह पुत्र जगमोहन सिंह श्रीर तेजिन्द्र पाल सिंह पुत्र अमृतपाल सिंह श्रीर श्रमनदीप सिंह श्रीर संदीप सिंह सुपुत्र गुरमेल सिंह बासी फतांबाला तहसील मुक्तसर श्रीर हरजिन्द्र सिंह पुत्र जगराज सिंह श्रीर गुरबिन्द्र सिंह पुत्र और सुर्खाजन्द कौर पत्नी हरजिन्व वासी भुज तहसील मुक्तसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिश्वभोग में संपत्ति है),

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्श सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेर् परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 712 दिनांक मई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

प्ररूप आइ. ट्री. एन. एस.-----

शायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5009---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (ऑर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास यरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किर्ता आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

1. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुज्जर सिंह वासी बस्ती भेख जालन्धर स्वयं और मुख्तयार आफ अरर्जन सिंह करतार सिंह, अजीत सिंह और मुच्चा सिंह मुपुत्र गुज्जर सिंह।

(अन्तरक)

 श्री दोदार सिंह पुत्र मन्सा सिंह वासी गांव रेंधावा अब्द्या तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1459, दिनांक मई 1983 को रज़िस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आधुनत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

प्रस्य आहु . टी . एन . एस . ------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश संव एव पीव नंव 5010--यतः मुझे, जेव एलव गिरक्षर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्रत सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनारन संहूर किसी बाय की बायत , जयत किमीनयम के ब्राधीन कार दोने के ब्रायरक के बामिरव में कमी करने या उत्तसे ब्राव में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री जगदीण सिक्का पुत्र-भगवान दास और श्रोमती शील पत्नी जगदीण सिक्का वासी इ० एच० 176, स्विल लाईन्स, जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरुचरण सिंह पुत्र सुहेल सिंह और श्रीमती बलबीर पत्नी गुरचरण सिंह बासी 7/93, डी. एस० पी० वाली ग़ली तरन तारन जिला अमृतरार।

(अन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में को**इ भी नाक्षेप्**न-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थावित यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिया गया हैं।

वनुसुची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 874 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा

> जे० एत० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

नारीख: 6-1-84

धारा 269-म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिसांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी०~5011--यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचितः बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बूट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख मई 1983

को पूर्वावत संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी नाय की वानतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती राज दुलारी पन्नी बीर भान वासी मारगो कैम्प, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा सुमन पत्नी सुख दयाल सुमन वासी गांव बूट तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितश्रद्ध है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्**स्**ची ू

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1011 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्रा¦धकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 6--1-1984

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश मं० ए० पी० नं० 5012--- यतो मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बूट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1 श्री गुरमीत सिंह पुत्र जसवन्त सिंह वासी गार्डन कालोनी, (माडल टाउन), जालन्धर।
- 2 श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी अमरजीत सिंह वासी मकान नं० 67 अवतार नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा नं० 2 में लिख, है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति संगत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त *
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिवा गवा है।

formal

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1460 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाहर्ः दी, एन. एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5013—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

्रुऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बूट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; अक्टि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के दिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् ६—- 1. श्री गुरमीत सिंह पुत्र जसवन्त सिंह वामी गार्डन कालोनी, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह, जीत सिंह, सतनाम सिंह सुपुत प्रेम सिंह और नीलम पतनी अणोक कुमार वासी गांव बूट तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

जैसा नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। १ वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी व से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण हिन्सिमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो संबद्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हाँ।

अमृस्ची

संपत्ति तथा, व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1419 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

मोहर 🖫

अरूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5014--यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य असितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री गुरदीप सिंह ढिल्लों पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी आदमपुर दोआवा तहमील जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती चरण कौर पत्नी गुरबचन सिंह वासी गांव साराओबाद तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
- जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एक सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 695 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 6~1-1984

मोहार :

'अरूप' आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5015---यतः मुझे, जे० एल० गिरक्षर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्किन पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
जित्र के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास
करने की कारण है कि यथ मूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:──

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

1. श्री अशोक कुमार पुत धर्मचन्द मुख्तयारे खास आफ बृज मोहन पुत्र होरा लाल स्वयं और मुख्तयारे-आम ग्राफ बिचत्र सिंह 92/3, मेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती लीना गुप्ता पत्नी रोबती रसन वासी 92/3ए, सेन्द्रल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्पाक्षरी के पास लिसित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा नवा है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 819 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्त्रर ने लिखा है।

> जेः एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

मोहरः

प्ररूप भाइ. टी. एन. एसं.----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-र्ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5016—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास रूरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिरित्ती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिधित उद्वोध्य के उस्त अन्तरण िधित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देंगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री अणोक कुमार पुत्र धर्म पाल मुख्तयार खास आफ बृज मोहन पुत्र होरा लाल स्वयं और मुख्त-यारे-आम आफ कुलदीप सिंह पुत्र बचित्र सिंह -वासी 92/3, मेन्ट्रल टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री धर्म पाल पुत्र गुज्जर मल और श्रीमती बिमला वन्ती पत्नी धर्म पाल वासी एन० एफ० 173, महल्ला मोदिया, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरुक्त में किए जा सक्तेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयूक्ष्ण शुक्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिशाषिस है, वही अर्थ हांगर, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 919 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालम्धर ने लिखा।

> जे० एत० गिरधर सक्षेम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जॉलन्धर

तारीख: 6-1-1984

प्रकप माई० थी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए पी० नं० 5017--यंतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- वपर से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अ कारी के का लिय, जालन र में रजस्ट्रीकरण अ नयम, 19मैं8 (1908 का 16) के अीन, तारीख मई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अबः उनत प्रवितियम की घारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री करतार सिंह पुत्र हरी सिंह द्वारा मुख्तयार जगत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

- श्री रिबन्द्र जीत कौर पत्नी परमजीत सिंह भौर परमजीत सिंह पुत्र बीना पाल वासी गांव जयपुरा तहसील तथा जिला लुधियाना। (अन्तरिती)
- 3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूर्चना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीक रण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो जकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1090 दिनांक मई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ना**रीख:** 6-1-1984

मोहरः

्भप काई.टो.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म** (1) के अ**धी**न स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5018—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983
को पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रितिकरूल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, जिन्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आसर्विक रूप म कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

ं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक की, में अब अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन,

1 श्री करतार सिंह पुत्र हरी सिंह द्वारा श्री अगत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव खुरला किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सरवजीत सिंह पूरीवाल पुत्र हरजिन्दरं सिंह वासी 182 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर्ष स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-विद्या किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए, जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस कृष्याय में दिया गया हो।

अवस्थिती

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कंनाल जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 829 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 6-1-1984

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जासकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (िनरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदश मं० ए० पी॰ नं 5019 यतः मुझे, नं० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय जालन्छर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख मई 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसिस उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुर्द किसी जाय को नावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना पाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निविधित स्थितिया, अर्थात:----

 श्री करतार सिंह पुत्र हरी सिंह वासो गांव किंगरा द्वारा श्री जगत सिंह पुत्र हरी सिंह गांव किंगरा तहसील जालंधर।

(ग्रन्तरक)

 श्री वलबीर सिंह पुत्र बख्शीण सिंह गांव पारी तहसील होणियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आाप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्याप्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनत अभिनियम के अध्यात 20-क में विभागित हैं, बही अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति एरिया 14 मरले 64 स्कोर फुट जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 951 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० नी० नं० 5020—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खाँ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गांव किगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वों कर संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संपत्ति का उषित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उष्योदय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से धुर्द किसी जाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के धायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियान में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र काबुल सिंह ग्रौर श्रीमती चनन कौर पत्नी और जीत सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह द्वारा मुख्तियार देवनचन्द वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(ध्रन्तरक)

2 श्री ग्रवतार सिंह, मनोहर सिंह, हरमेल सिंह, रछपाल सिंह सुपुत्र समपूरण सिंह वासी गांव रानीपुर तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना आर्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए - कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी के
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति 7482 स्ववायर फुट जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं 1171 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारी**ख:** 6-1-1984

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5021—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, इस दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः क्रम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री बलबीर सिंह पुत्र शिव सिंह वासी गांव दहेरिया नहंसील नकोदर जिला जालन्धर द्वारा मुखतियार श्रनील चोपड़ा को० शिश् माडल स्कूल मुहल्ला खोदिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र ठुकराल पुत्र हंस राज वासी ई भ्रार-122/123 पक्का बाग, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में -दिया गया है।

अनसची

संपत्ति तथा व्यक्ति ऐरिया 10 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख नं० 1313 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

प्रका आहु⁵.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक्ष 6 जनवरी 1984

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 5022—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कही गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिप्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वों कर सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;

जतः अस् , उक्त अधिनियम की भाग् 269-ग के अनुसरण गं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जगत सिंह पुत हरी सिंह वासी गांव किंगरा **महसील** जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री करम चन्द पुत खरेती राम वासी बी-83 मुहल्ला गुरु नानक नगरी नजदीक पटेल चौक जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निविध्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमृत्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति ऐरिया 14 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 1154 दनांक मर्छ; 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ा -----

मायकर म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5023 श्रौर 5024—यतः मुझे, जें० एस० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो गांव किंगरा कें में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

का पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्तित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, शब्द जिसी जिस्तियम के बुधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) एसी किसी अगय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

नतः नन, उनतं निमिन्यमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उनतं अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, हार्थात् :---22---456GI/83 (1) श्री जगत । मंह पुत्र हरी मिह तासी गांव किंगरा, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरलोक सिंह पूरीबाल पुत्र हरमिन्दर सिंह जासी 182 न्यू जबाहर नगर, जालक्षर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- ा (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त करिक्त की से से से से कि ने स्पादन सूबाराः
 - (स) इस सूचना के पाएपत भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विद्यत भी किए हा पदीची।

स्पच्छीकरणः -- इसमाँ प्रयुक्त शक्ती और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाजिछ हैं, बही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 20 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं 830 श्रीर 862 दिनांक मई 1983 को रजिलीका अिकारी जालस्थर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिर**धर** सक्षम **प्राधिकारी** महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जालन्धर

तारीख: 6-1-84

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.------

भाषकर निभित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत चुरकाड

कार्यालम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश नं०/ऐं० पी० नं० 5025—यतः मुझें जें० एल० गिरधर

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्ष का निम्निशिवत उद्वोध्य से अकत अन्तरण विविद्य में बाल्यांक कप से कथित नहीं किया गवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— (1) श्री अगत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सरबजीत सिंह पूरीवाल पुत्र हरमिन्दर सिंह वासी 182 न्यू जवाहर नगर जालन्धर

(अन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वृष्यं के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी के अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ▼ गया हैं।

भनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन एरिया 20 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 860 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम े अधिकारी सहायक अव्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 6—1—84

मोहर ;

प्रकृष कार्च , दी ः एन ः एस ः नरन्तनः

जायकष्ट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के अधीन सृचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश सं०/ऐं० पी० नं० 5026—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांथ किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पृथोंक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भूला सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करतार कौर परनी बजीर सिंह गांव ग्रीर पोस्ट आफिस जन्डाला तहसील जालन्धर।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतप उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रुग: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाः मया है।

वनुसूची

सम्पत्ति तथा ब्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरामें स्थित है। जैसा कि विलेख सं०: 894 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 6--1-84 ी

माङ्कु 🖫

अरूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं०/ऐ० पी० नं० 5027 ग्रौर 5028—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- . (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भूला सिंह वासी गांव किंगरा, तहसींल जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कुमारी पत्नी चरण दास वासी गांव ग्रौर पोस्ट आफिस समरापे जिला जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

'उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुसा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 917 दिनांक मई, 1983 को ` रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-84

प्रकृष आहे. टी. एव. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं०/ऐ० पी० नं० 5029—यतः मुझे जे० एल्० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 25,000/- रु. ये अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो गांव किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गायत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र भूला सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर (द्वारा अटारनी चरण दास)

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव लिह पृत्न दर्शन सिंह वासी गांव ग्रार पोस्ट आफिस कराला, सहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ना।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 4 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख सं०: 981 दिनाक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 6-1-84

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश नं०/ऐ० पी०नं० 5030 घ्रीर 5032—यतः— मुझे जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को प्यांक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम् के स्वयमान प्रित्तफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकां) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त मुधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भूला सिंह वासी गांध किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पूरीवाल पुत्र हरिमन्दर सिंह वासी 182-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन ऐरिया 20 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 861 श्रीर 831 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तियां, अर्थात्—

भारीख: 6-1-84

प्रस्प आहूर, टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निऱ्रीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं०/ऐ० पी० नं० 5031—स्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार नृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ध्रीर पूर्ण क्ष्म में बिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाना प्रमानिक है जिए तह पाना प्रमानिक है किया नहीं किया गया है:--

- (क) जंतरण ते हुई किसी जान की वायता, उक्त शीपनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/जा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कर्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अभृति :→ (1) श्री सोहन सिंह पुस्न भूला सिंह वासी गांव फिगरा तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरशरण कौर विधवा तरलोक सिंह भौर जसविन्दर सिंह पुत्र तरलोक सिंह वासी सूजनपुर जिला गुरदासपुर

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के फिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन को समिथ, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंकित हैं, नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुंबा है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है । जैसा कि विलेख नं० 997 दिनांक मई, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-84

त्रक्प नाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 19**84** निदेश सं∘/ऐ० पी० नं० 5033—यतः मु**झे∦ जे० एल०** रिधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की, भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सँ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विभिन्न है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किशिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्रो सोहन सिंह पुत्र भोगा सिंह वासी गांत्र किंगरा तहसील जालन्धर (द्वारा मुख्तयार चरणदास)

(अन्तरक)

(2) श्रीरमेश नात पुत्र मेहँगाराभ वासी गांव मियराजिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस बध्याय में दिया पदा है।

असमा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 1073 दिनांक मई, 1983 को रिज्ट्रोहर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एत**ः गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-84

प्रकृप भादां. टो. एन. एस्.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, जारून्धर

जालन्धर,विनांक 6जनवरी 1984

निदेश नं०/ऐ० पो० नं० 5034—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं सिधक है

और जिन्हों सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव हिंगरा में स्थित है (और इतर उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का में लिए है), रिकिट्टा उर्जा अधिकारों के कार्यालय जा न्धर में रिजिट्ट करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधिका, नारोख मई 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण तिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधी के लिए;

इत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----- (1) श्री जगराज तिह पुत्र शिव तिह वातो गांव दहेरिया तहसी ज नकोदर जिता जो जन्धर (द्वारा विनोद गोयत)

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोगल
पुत्र गिरवारी लाल
और रजिन्द्र कौर और आर०के० जैन
पुत्र ए.१० डी० जैन वासो गांव पूरीवाल
तहतीन जालन्धर

(अन्तरिती)

का यह स्वना आरी करके पूर्वांक्त् संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जनीत 12 मरले और 112 स्कोर फुट जो गांव किंगरा में स्थित है जैना कि बिलेख नैं०: 863 बिसांक मई, 1983 को राजिल्ड्रो कर्ता अक्षेत्रकारी जानस्थर में लिखा गया है।

> भे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिनारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

लारोच∶ 6-1-84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

ज लन्धर,दिनांक 6जनवरी 1984 निदेश तंं०/रे० नी० नं० 5085——यतः मुझो, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- २० से अधित है

और जिल्हा सं के जी प्राधि प्रमुख्या में निखा है जो जय हि बाला भटिंडा में स्थित है (और इस रे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विगत है), रजिल्हों कर्ता अंधे ग्रारों के कार्यात्य भटिन्डा में रजिल्ह्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन तारीख मई 1983

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण म हुई किसी जाय की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविशा क शिए, और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती विद्यावती पुत्री गैंगा राम गींव जब तिंह वाला तहसीज भटिडा

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह पुत्र बन्त सिंह गों र जब जिह वाला तहसो न भटिडा

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहिया करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैपाकि विलेखनं ० 705 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकनी अधिकारी भटिंडाने लिखा है।

> जे० एच० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर**िक्षण)** अर्थन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-84

भाहर है

प्ररूप आर्दे. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ंग (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जाजन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश र्वं/रे०गो० नॅ० 508 6--अत, मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया हु कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ह कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ह

- और जिसकी सँ० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिशा में कियत है (और इसत उनाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में विजित है) रिजिस्ट्राक्ति अन्त्र कारा के कार्यात, भटिशा में रिजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अज्ञान, ताराख मई, 1983
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत स आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्नीनिका अद्वार है अरो प्रारंग लिखित से वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए भा, छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:--- (1) श्राहरनेक तिह पुत्रश्रागुनजार सिंह पता तहतील लंदर, भटिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण सिंह, अगरजोत तिह दर्शन सिंह मतिकयत सिंह पता सब रिजस्ट्रार (तहसीलदार) भटिंडा

(अन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-स्थान की तामील से 30 विन की अविध , जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पन्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जीपाकि विलेख नै० 791 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रो तिर्ता अ.वे.जारी भटिंडा ने लिखा है ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 6—1—84

महर:

प्ररूप नार्षं, टी. एन्. एस. ----

श्रायंकार गॅंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए०पो०नं० 5037—स्यतः, मुझे, जे० एल० जिल्लास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तार ख मई 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित का नार मृत्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे अथने में सृत्भा के सिह; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

(1) परमजोत सिंह पुत्र हरदेव सिंह बिरला मिल्स रोड, नजदोक दो माल, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुद्ध रूप चन्द, बीना परनी जगदीश चन्द पता रूपचन्द, डोड राईटर, तहसील काम्पलेक्स, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परः सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिए के भीतर उ∓त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 793 दिनांकू मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जतः सब उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

सारीखाः 6-1-1984

प्ररूप बार्षः दी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरो 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5038—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलें इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार ख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि जिन्न निम्निसित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाल :---- (1) श्री सुखदेव सिंह पुत जंगीर सिंह मुलतानिया रोड. भटिन्छा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री राम गोपाल पुत्र इन्दर मल
 - 2 राज रानी पत्नी शाम सुन्दर
 - 3 नगोब कौर पत्नो हरदेव सिंह
 - गुरबचन सिंह पुत्र वख्शीश सिंह
 - 5. जगदोश चन्द्र पुत्र नन्द सिंह
 - 6 संसारी लाल पुत्र देस राज

पता दोशान चन्द

जनता प्रापर्टी डोलर्स

मोहनः टैक चःक रोड, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रकी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 796 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 6-1-1984

. प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

.भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5039--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिरा बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि एथाएवेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तद पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण निम्बल से बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से धूर्इ किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी थन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अंत: अब, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की कन्सरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रो मतिक्यत सिंह पुत्र जंगोर सिंह वासो मुलतानिया रोड, भटिन्डा।

(अन्तरक)

- (2) 1. बलजीत कौर पत्नी करनैल सिंह गाँव पूहला तहसील भटिन्छा।
 - 2. मन्बार सिंह, बलबोर सिंह, लक्षमण सिंह और करतार सिंह पुत्रान बब्तावर सिंह पता स्टेट वेयर हाउस, भटिन्डा।
 - उ. जसपाल कौर पत्नो हरबंस सिंह पता स्टेट वेयर हाउस, जंगदोक हाजो रतन गेट, भटिन्डा।
 - 4 ऊपा मित्तल पत्नी दलीप कुमार
 - 5 हेम राज पुत्र हंस राज
 - 6. सत पाल पुद्र बाबू राम पता स्टेंट वेयर हाउस हाजो रतन गेट, भाटेण्डा ।
 - र्लाला तिह पुत्र चन्द्र तिह पता स्टेट वेयर हाउस बरेटा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के निए कायवा(ह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लाम के नध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 797 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारो भटिन्डा में लिखा।

> जै० एल० गिरधर √सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

हारीखं : 6-1-1984

माहर:

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ------

भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नवीन स्मना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5040——यत्ः मुझे, जे०एल० गिरधर,

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25..000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्नको सं० जैता कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिइडा में स्थित है (और इतने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय भटिंन्डा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलिल क्यावित्तयों, अर्थात् :---

(1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र जंगोर सिंह मुलतानिया रोड, भटिन्डा।

(अन्तरक)

- '(2) 1. श्रीमती प्रेरणा देवी पुत्री विधिचन्द विशिष्ट
 - 2 प्रकाणवती विधवा अमृत लाल
 - चन्द्र प्रकाश पुत्र हेम राज,
 - 4. जसवन्स कौर पत्नी बलवन्त सिंह हटेट वेयर हाऊप, आफिस नजदीक हाजी रतन गुरहारा स्यू ग्रेन मार्कीट, भटिन्छ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में स्माप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 9 828 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 7-1-1984

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5041——अतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय भटिन्डा में रजि ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृवांक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अंतरकों) लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या अनकर अधिनयम या अनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उत्थल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दियाल सिंह पुत्र जगोर सिंह, बासो मुल्तानिया रोड, भटिन्डा।

(अस्त्रह)

- (2) 1. श्रोमती गुरमीत कीर परनी गुरदेव सिंह
 - 2 मदन मोहन पुत्र कुन्दन लाल
 - उन्नां देवी पत्नों अछक कुमार मास्टर एम० एच० आर० हैथों नर्भरो स्कून, भटिन्डा
 - 🚁 महेशानन्द पुत्र भोहन लाल
 - 5. गुरकाय कौर पत्ना हजूरा सिह
 - 6. हेजरा सिंह पुत्र टेक सिंह ।
 गांव नदगड विहाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्पता के राजपण में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन की अवधि या सत्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर -स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, को गीतर पूर्वों क्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इ.स. स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ही. वहीं वर्श होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा ही।

बन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 829 मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधि हारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

तारी**ख**ः 6-1-1984

प्रस्प बार्च ही. एन्. एस.-----

भाग विश्विम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन स्मृत्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5042---यतः मुझे, जे० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कह के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रवयमान प्रतिफल से, ऐसे रवयमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- (व) ऐसी किसी नाव वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था किया में बुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 24 — 456GJ/83 (1) श्री शमशेर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह पुत्र अनोख सिंह लम्बरदार, पृष्टी मोहला, भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) भाग सिंह पुत्र रूलिया सिंह और गुरवयाल कौर पत्नी भाग सिंह पता मकान नं० 6608, हाजी रतन गली, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्तु सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्धु में कोई भी नाक्षेप् ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासीन से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के रावपण में प्रकासन की तारींब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थानका स्थानका सम्बाधित पर्योका, भी उसल कि स्थानका, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूचा

े सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 871 विनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्ध्रर

ता**रीख: 7-**1-1984

मोहरः 🕄

11 1

प्ररूप आर्घ. टी. एन्. एस. - -- -नाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5043—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पृषेक्ति संपरित के उचित जाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में यास्त-विक सूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त मिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौर्ड/बा
 - (क) एरे गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृत्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त जीधीन्यमं की भारा 269-एं कें अमूसरण में, में, उक्त जीधीनयमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जगदीण राम पुत्र सुच्चा राम और विद्या देवी पत्नी जगदीण राम गोल्ड समिथ मानसा।

(अन्तरक)

(2) उगर रेंन और हरधन्य सिंह सुपुत श्री छोटा सिंह श्री स्टार टेलर्स, धात्री बाजार, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्ष स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थाना सम्पत्ति में हित-ब्रूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए या स्कर्ण।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਸਨਕਵੀ

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 908 दिनांक मई 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

- नारी**ख**: 7-1-1984

प्ररूप वार्<u>ष</u>े, टी., एन्., ए**व**्यक्तसम्बद्धनन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5044---यनः मुझे, जे० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में अनुसूची में अनुसूची में अनु पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983 कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके देव्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उसते अखने में सुद्रिक्षा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो मलकियत सिंह पुत्र जंगीरसिंह मुल्तानिया रोड, भटिन्डा।

(अन्तरक)

- (2) 1. बिन्दर सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह
 - 2. कशाविन्द्र कौर पत्नी बीकर सिंह
 - गुरदयाल सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह पता सब रिजस्ट्रार भटिन्डा।
 - 4 बनदेव सिंह, श्री मन्दार सिंह पुत्र मुकन्द सिंह वासी सरदूल गढ, तहसील मानसा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कररता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थिक्तमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन, के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 931 दिनांक मई 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिन्डा में सिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1984

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस. -----

भायक्र प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्राडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1984

निदेश मं० ए० पी० नं० 5045—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरिकसन पुरा तहसील रामपुरा फूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने ग्रह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त धिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायर में अभी करने वा सबसे बचने हैं सुविधा के जिए, धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था फिपाने में भूतिया के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1), श्री हरचन्द सिंह अलीयास गुरदित्त सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह गांत्र हरिकणन पुरा तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदीप सिंह
पुत्र हरचन्द सिंह
गांव गेहरी वड़ा सिंह वाली,
तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ' अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

मम्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 538 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी रामपुरा फूल में लिखा !

> जे० एल० गिरधर (सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1984 .

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस्. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984 ्नेदेश नं०/ए० पो० नं० 5046---यतः मुझो, जे० एल० ० गिरधर,

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
- शौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथोन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिभित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यस्ति शास प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, स्थिपने में सुनिधा के सिए;

भतः थवः, उक्त मधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, मधील् ह्र—

- (1) श्रोमती दुरगी विधवा काशी राम और श्री सतीश कुमार पुत्र काशी राम वासी रामपुरा फूल। (अन्तरक)
- (2) श्री वलवंत सिंह पुत्र जगजीत सिंह वासी रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि को व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए था सकरेंगे।

स्थाद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 452 दिनांक मई 1983 को रजिल्ट्रोक्ती अधिकारी राभपुरा फूल में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1984

मोहर 🖫

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.------

भागकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

धारक सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आ<mark>युख्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, जानन्धर

जानन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1984 निदेश मं०/ए० पी० नं० 5047—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क ों वर्षत सक्षम प्राधिकारी की यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उज्जित बाजार मृक्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जितका में जैपा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा कृत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में निणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालप, पामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, नारीख मई, 1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अग्वरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी अन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1932 की 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, जन्दत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्री हेम राज पुत्र कांगी राम वासी रामपुरा फूल।

(अन्तरक)

(7) श्री कुलबन्त सिंह पुत्र जगजीत सिंह वासी रामपुरा फूल

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी शाक्षप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिधु बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। क वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 453 दिनांक मई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुरा फूल में विख्या है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 6-1-1984

मोहर 🌣

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/एस० आर०-3/ 5-83/388—-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संभ्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य \$25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एम०-233 है तथा जो पंचणिला नार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमेसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धनं या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 'का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री एच० एल० सखुजा, निवासी-17, गोल्फ लिक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा रेलन, निवासी 61/12, रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर**ी करके पू**र्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर मर्म्मात्त में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरूताक्षरी है पास लिखित में किए जा मर्कों में

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उकत जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसुची

प्रो॰ मं॰ एस-233, पंचिशला पार्क, तई दिल्ली-17, एरिया।

मुधीर चन्द्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🗯

प्ररूप काह . ट्री . एम् . एस _-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नर्फ दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश ∢सं० आई० ए० ्सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 5-83/399—–अत: मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-161 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रुप्तान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्निचित उद्देश्य में प्रकृत अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के सिए;

कतः अवः अकत क्रीधीनयम कौ भारा 269-व के वनुसर्थ माँ, मौँ, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीनः निम्मीलिखित व्यक्तियों. अर्थान :--- (1) श्री रिमन्दर सिंह भल्ला सुपुत मंगल सिंह भल्ला, निवासी एस-161 (11 मंजिल), ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एल० भन्डारी एण्ड सन्स एच० यू० एफ०, द्वारा कर्ता श्री टी० एल० भन्डारी, निवासी एस०-161, ग्राउन्ड एवं पहली मंजिल) ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंकत सम्पृतित के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से व 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रुक्त और पदों का, जो उक्त क्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एस०-161, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, एरिया 208 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा े सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

मोहर ः

प्ररूप आह⁴. टी. एन. एस⁻. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 5-83/393—अतः, मुझे, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है :

- क्रुप्रौर जिसकी सं० 11-के/35-ए है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप मे बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।
- को पूर्वेक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र वाजार मूल्य, उसके क्रथमान प्रतिफाल से, एसे क्रथमान प्रतिफाल का पन्स्रह प्रतिशात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है
 - (क) जन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे तचने में भृषिधा के निए: और/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या धने कर अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिशा के सिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनोहर लाल भन्दुला सुपुत्र श्री नन्द लाल भन्दुला नवासी 11-के/35-ए, लाजपत नगर, नई विल्ली-24।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गुलशन राय ग्रोवर
2. श्री अश्वनी कुमार ग्रोवर
3. श्री चन्द्रर कान्त ग्रोवर
सुपुलगण श्री कस्तूरी लाल ग्रोवर
निवासी 1647/33, नाईवाला गली,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकी।

स्पेक्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमस ची

प्रो० नं० $11-\hat{a}/35$ -ए, लाजपत नगर, नई दिल्ली, \sqrt{c} एरिया 200 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

भोहर :

प्ररूप भार्ड. टी. एन. एस. ------नयम. 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 5/83/387—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस-43, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983 को

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूबिका के लिए आई/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत है—

(1) मैं० मधु एसोसिएट्स प्रां० लि०, द्वारा एम० डी० श्री सुदर्शन अग्रवाल. सुपुत्र श्री नानक सिंह, निवासी ई-467, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस० दिवन्दर सिंह मारजरा मुपुत एस० राम सिंह ग्रीर श्रीमती इन्दरजीत कौर मारजरा पत्नी एस० दिवन्दर सिंह मारजरा, निवासी 2692, मर्गन, एस० टी० ई०, फोय क्यू० कनाडा, वर्तमान निवासी एस-437 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इन स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सेन 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान के साथ बेसमेंट मं० एस-43, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, एरिया 300 वर्गगज।

> ्मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुफ्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

r - 1 4

प्ररूप आहें.टी एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू/1/एस/श्चार०~3/5-83/415:---यत: मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ई-607, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,

रैनई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ग्रिधीन नारीख मई 1983।

को पृशांकित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उन्तर अपिनयन नी अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा अमें निए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सृत्या के निष्

 श्रीमती श्रलपना राय, निवासी-57 जो, बाली गंज, सर्कुलर रोड कलकत्ता-19।

ं (धन्तरक)

 श्री सतीम चन्द सेठ, निवासी जी-1/16, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सन्धन्ध में का**र्ड** भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्लाट नं॰ ई-607, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, एरिया— 297 वर्गगज्।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1 दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जिथीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 10-1-1984

प्राक्य आहें. ही. युन्. एच..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1, दिल्ली े नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/ए० श्रार-3/5-38/ 416:—यत: मुझे सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सक्ष्य हैं कि एकार अधिक हैं कि विश्वास करने का 25,000/ रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या ई०-45 है, तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली, सें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण स्थित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अभिन्यम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बावस्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिंध; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी भन या अन्य वास्तिनों को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया भाना नाहिए मा छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कृष्ण कुमार बोहरा, सुशील कुमार बोहरा, श्रीर विरेन्द्र कुमार बोहरा, सुपुत्रगण स्व० श्री एल० पुनी लाल बोहरा, सभी निवासी ई०-45, लाजपत
- 3 नगर-3, नई दिल्ली-24।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजीय कुमार गर्ग सुपुत्र श्री निरन्जन दास गर्क, श्रीर श्रीमती कमलेश गर्ग पत्नी श्री राजीय कुमार गर्क, निवासी $\frac{2}{3}$, लाजगपत नगर-3, नई दिल्ली-24।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पक्क सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्वधाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दियाँ गया है।

अनुज्ञी

एक मंजिला प्लाट नं० 111-ई/45, लाजगपत नगर, नई दिल्ली, एरिया 200 वर्ग गज।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1 विल्ली

तारीख: 16-1-1984

भाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस श्रार. -3/5-83/403:—- यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ए० 25 है, तथा जो वेस्ट एण्ड, नई विल्ली में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1983।

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल कम पंद्रह 'विलंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्ग तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायों गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा कें लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) हो अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री एन० एन० टण्डन मुपुत्र श्री के० सी० टण्डन, निवासी मकान नं० 17, सैक्टर-2. चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती मरेन्दर कौर पेन्टल पत्नी श्री लखीन्दर सिंह पेन्टल, 46/68 पंजाबी जाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिम्बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हार अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

प्रो० सं० ए/25, वेस्ट एण्ड. नई दिल्ली, एरिया 1200 वर्गगज ।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 10−1~1984

प्ररूप आई. टी. धन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 •

स० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस/श्रार/5-83/359:— श्रतः सुक्षे सुधी चन्द्रा, +

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या एम 125, है तथा जो ग्रैंटर कैलाग-2, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1983

का पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयंमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितिबा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सूविधा के लिए।

अतः अंब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नालिकत व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० श्रमरजीत सिंह जौहर एण्ड कं० सी०-139,
 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. मै॰ श्रयाल इण्डिया लि॰, 17 पार्लियामेंट स्ट्रीट, मई दिल्ली-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

संस्थापी

एम+125, ग्रेटर कैंलाश-2, नई विस्ली, एरिया 300 वर्गगज, के साथ 2-1/2 मंजिला बिल्डिंग।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्डा, दिल्ली,

तारीख: 10-1-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सृपना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/ 366--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई/38, है तथा जो कालिन्दी कालोनी. नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकं को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री श्रीकिशन वास, मैं० रमेश्वर दास, श्री किशन वास, कटरा मोती, नई सड़क. विल्ली-6। (अन्तरक)
- 2. मैं० बृन्डको सेल्म कारपोरेणन, $3 \pm 1/7$, झन्डेवालात एक्सटेन्सन, नई दिस्ली-55 + 1/7

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृष्ठींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में, कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

2-1/2 मंजिला प्लाट नं० ई/38, कालिन्दी कालोनी, रिंग रोड, नई दिल्ली-65, एरिया-417 वर्गगज।

> सुधीर जन्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 10-1-1984

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस.-----

लाप्तकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/5-83/ 413:--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख फे अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं ० 56 है, तथा जो भगत सिंह मार्फोट, नई दिल्ली में स्थित है. (और इससे उपागढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिन्द्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उजित जाजार भून्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिशित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण निश्वित में बास्त-विक कुप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती 'धुवारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएं था छिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- नालिक बलवानी, निश्वासी 9 ए/9, डक्स्यू॰ ६० ए० करोन बाग, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2. श्री मंजय भागवा, (माइनर) द्वारा अभिभावक श्री विनेश भागवा, निवासी एम०-38, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपस सम्पत्ति के वर्षन के एम्बन्ध में कांड्र भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जैविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाल निर्मालत में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उसे उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

सरस 📆

फ्लैट नं० 56, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10⊶1-84

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1983

सं० आई० ए० सी०/एनयू/1/एस० आर०-3/5-83/261:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारत हैं कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 133, ब्लाक बी है तथा जो ओखला. इण्डस्ट्रीयल स्कीम, भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनुमूची में पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख पर्छ 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

1 श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी श्री लाजपत राय अरोड़ा, निवासी 21/34, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० अलंकार मेटल्स प्रा० लि० 21/34, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली द्वारा डाईरेक्टर लाजपत राय, अरोडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (ख), इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थानर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अनुसुची

इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 133, ब्लाक नं० बी, ओख ला इन्डस्ट्रीयल स्कीम, भाग-1, नई दिल्ली, एरिया 1301 बर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🖫

प्रकार कार्य है हैं। इस्य प्रकार

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत दरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नाम्रक (निरोक्तन)

अर्जन रेंज-1, विल्ली नई दिल्ली, विनांक 10 जनवरी, 1984 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/5-83/370:---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर विधानस्य, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त विधानस्य' कहा गया हैं) त की नाच 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपरित विश्वका उचित वाचार स्वा 25,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी संख्या ई-37 है तथा जो कालिन्दी कालोगी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और मंतरक (जंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिखित में बास्य-विक रूप से कथित नहीं किया क्या है!--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत सकत सीच-नियम के कथीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में सानी करने वा उपले दचने में बुविधा के नियो; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 26६ ना के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च का उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० टिकम चन्द श्रौस, द्वारा श्री तिकम चन्द, भागी-दार, 6063-गली बताशा, खारी बावली, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैं० जैकरीया शाहिद इमपेंक्स प्रा० लि० द्वारा (श्री मोहम्मद शहिद, एम० डी०) निवासी 37-कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्मृतिस् के मुर्जन के सम्मन्ध में काई भी आक्षोप् ३.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह से 45 दिन की खबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में किसी क्यक्ति व्यक्ति ;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन<u>ु</u>सुची

2-1/2, मंजिला मकान प्लाट नं० ई-37, कालिन्सी कालोनी, नई दिल्ली,तादादी 346.25 वर्गमीटर, (414.12 वर्गगज)।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 10-1-1984

प्ररूप आई.टी.एम.एस_-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वृधीन स्वृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/5-83/ 429:----यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जो० 63-ए है तथा जो कालका जी, नर्ष विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचितत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में बास्तरिक स्थू से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथे-नियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करेने या उससे ब्यन में सुन्धा के सिए; और/या
- (स) एसा किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सूर्विधा के लिए;

अतः, अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री तिलक राज सुपुत्र श्री सोभा राम, निवासी जो--63--ए कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी स्व० डा० सुवेश चन्दर, निवासी एम-30, कालका जी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा केता संपरित के अर्थन के कियू कार्यनाहियां करता हूं।

उपत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्या

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की सविध, जो भी बनीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्यों में से किसी स्पवित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा स्थाहस्ताक्ष्री के वास मिलित में किए या सकेंगे।

स्थाबिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्रो० नैं० जी-63-ए, तादादी-100 वर्गगज, स्थापित कालका जी, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 10−1−1984

माहुरु हा

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 सं अाई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० आर०-3/5-83/ 431:--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू०-71 है, तथा जो प्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया चया है:—

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द्वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

् अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अमें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकियत व्योवस्थार अधीत:—— तैफ्टो० कर्नल अरसुर वजीर साह सुपुत स्व० श्री वजीर साह मार्फत श्री जे० बेन्जी, निवासी बी-4, होज खास इनक्लेब, नई दिल्ली।

्(अन्तरक) ैैं

2. श्रोमती जगदीश कौर निवासी सी०/140 ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सै किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डब्ल्यू०-71, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली, एरीया 500 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा, सदान प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

प्रस्प नाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 10 जनवरी, 1984

मं० आई० ए० सो०/एक्यू/1/एस० आर०~35-83/ 419:---अत:्मझॅ, सुधोर चन्द्रा,

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण के किस्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ... से अधिक है

और जिसको संख्या 11. ए/88 है तथा जो लाजपतनगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख मई, 1983

ा पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विस्वास जरत की कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का ्यू प्रतिकात अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से किंगत् नहीं किया गया हैं क्ष्र

- (क) जन्तरण सं हुई किसी भाव की नावत, उक्त बीध-नियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा, छिपान में सुनिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रो आर० एस० आहूजा सुपुत श्री एस० एस० आहूजा, निवासी 11 ए-88 लाजपतनगर, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रतना मेहरा और श्रीमती बिना मेहरा, दानी निवासी मर्कान नं० 1052, गांधी गली, फतेहपुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर्म् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई 🧐 आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपर्तित में हित के बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के के पास लिक्ति में किए जा सकेंगी।

स्यष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 11-ए-88, लाजपत नगर, नई दिल्ली एरिया 200 वर्गगज।

> मुत्रीर चन्द्रा, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारव चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

े नर्शेण पं० आई० ए० सो०/एक्यू/ 1/एस आर—3/5--83/430:----अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद्ध करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जितकी संख्या एम०-15 है तथा जो ग्रैटर कैलाग-1, गई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त बांधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिरव में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- श्रोमती राम पियारो चोपड़ा पत्नी श्री व्यारे नाल चोपड़ा श्रोमती प्रेम कान्ता चोपड़ा पत्नी के० एन० चोपड़ा, दोनों निवासो बसन्त बिहार, सिविल लाइन्स, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. डा॰ एच॰ एस॰ वालीया मुपुत्त स्व॰ श्री बुज मोहन सिंह वालीया, निवासी 54 ए (एम॰ आई जी०), डो॰ डो॰ ए॰, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सुमना भारी करके पृथां कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक , 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो १. जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिये नुसा है।

नन्स्ची

एक पर्लंट पिछना भाग ग्राउन्ड प्लीर प्रो० नं० ए४० 15, ग्रेंटर कैनाश-1, नई दिल्लो, नादादी 83.3 वर्ग गज।

> मुधार चन्द्रा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली; नई बिल्ली

नारीखा: 10--1--1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **आयक्स (निरीक्षण)** अर्जन रेंज- 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू/1/एस० आर-3/5-83/ - 420: अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा श्र269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई०-133 है तथा जो ग्रैटर कैलाग- , नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिसित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जे० पी० गुप्ता मुपुत्र एल० किशन लाल जी निवासी 45/6 बी०, माल रोड, दिल्ली अटार्नी श्रीमती बासमती रानी, त्रिधवा पत्नी श्री छण्जुराम, निवासी एस०-197, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. मैं० सीमा बिल्डस' प्रा० लि० 1/18 बी०, असफ अली रोड, नई दिल्ली, द्वारा डाईरेक्टर श्री दिनेश चन्द गुप्ता, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिराबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

्रम्पव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० ई-153, ग्रैटर कैलाश-II, नई दिल्ली, एरिया 209 वर्ग मीटर।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10⊷1--1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ,269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13., ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्इ दिल्ली

नई विल्ली; दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्वोश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्य. / । /एस. -आर. -3/ 5-83/540-ए--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/-रत्पये से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भृमि ही, तथा जो ग्राम-बीटौर्गी, मह-रीती, नर्श दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और दर्भ रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अभिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्दा, 1983 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उद्युत अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, दिस्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अय देव स्प्य श्री असी घन्द, निवासी ग्राम-धीटोर्नी, महराली, नक्षे दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री राकेश जैन स्पृत्र श्री लाल अन्दर, निवासी डो-1-ए, ग्रीन पार्का, नई दिल्ली और क्रमारी रंज् जैन स्पृत्री श्री मोहिन्दर जैन, निवासी डी-1-ए, ग्रीन पार्का, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- 🔻

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45% दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

कृषि भूमि ताबादी 4 बिघे और 16 बिघ्ये, ससरा नं. 683, ग्राम-घीटोनी, तहसील-महराती, नई विल्ली।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, दिल्ली, नक्ष दिल्ली-110 002

तारील : 11-1-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, र् जी-13., ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. विल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, न**र्इ दिल्ली**

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निद्देश सं. आर्द्द, ए. सी. /एक्यू. / । /एस. -आर. -3/ 5-83/346--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिरियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रह. से अधिक हैं। और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-खानप्र, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्प से वर्णित हैं),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय मर्ड, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से आइथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्तत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :——
27—456 G[/83

नार्थर्न एडवटाइजर्स एण्ड फ्रेब्निकेटर्स प्रा. लि.,
 502, लक्ष्मी भवन, 72-नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली, द्वारा डाइरेक्टर
 श्रीमती लीला सीतानी।

(अन्तरक)

 श्री यू. एस. सीतानी सुपूत्र
 श्री जी. पी. सीतानी, निवासी
 501-लक्ष्मी भवन, 72-मेहरू प्लेस, नर्ष विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर' पूजेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची 🗸

कृषि भूमि तादावी 2 बिघे और 8 बिघवे, खसरा नं., 315/2(0-6), 331(2-2), साम-खानपुर, तहसील-मह-राली, नई दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110 002

नारीख : 10-1-1984

अरूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13., ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्झ बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

ंतिव^रश सं. आर्इ. ए. सी. /एक्य. / । ∕एस. -आर. -3 / 5-83/427--अतः मुभ्ने, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000 / - रु. मे अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि ही, तथा जो ग्राम-नेब सराय, तहसील-महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदबदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

मै. द्राल इन्जीनियरिंग का.,
 ए-21, वस्ट-एन्ड, नर्द विल्ली-21।

(अन्तरक)

 श्री प्रमोद कुमार जैन सुपुत्र श्री राजकुमार जैन, श्री अनिल कुमार जैन सुपुत्र श्री राजकुमार जैन, मास्टर प्रशान्त जैन सुपुत्र श्री प्रमोद कुमार जैन, द्वारा उसके मदर श्रीमती वनिता जैन, निवासी एख-2/5, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूच्ना जारी जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, 'के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

कृषि भूमि तावादी 10 बिघे, 9 बिघ्ये, खसरा नं. 579/1(2-01), 576(4-16), 575 मिन इस्ट(3-12), ग्राम-नेय सराय, महरौली, नर्झ विल्ली।

सूधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110 002

तारी**स** : 10~1**-**1984

प्ररूप आई. टी. एन. ह्रस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13., ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टॉट, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निवर्षा सं. आर्द. ए. सी./एक्य्./।/एस.-आर.-3/ 5-83/428--अतः मुभ्ते, स्थीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नेव सराय, तहसील-महराली, नर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रो कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ए'से दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

 मै. इलवी द्राल इन्जीनियरिंग कं., ए-12, वैस्ट-एन्ड, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

श्री सुरत कुमार जैन सुपूत्र
 श्री मोती लाल जैन,
 श्री पुरसौतम कुमार जैन सुपूत्र
 श्री मोती लाल जैन, दोनो निवासी
 3/38, शान्ती निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूंचींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तावादी 9 विघे और 16 विद्ये , खसरा नं . 565/1(0-06) , 563(1-02) , 564/1(2-08) , 561(4-16) , 562मिन साउथ (1-04) , ग्राम-नेव सराय , तहसील-महराली , नई विल्ली।

स्धीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।,-दिल्ली, नर्दो दिल्ली-110 002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन में निम्निविधित व्यक्तियों में अर्थात् ि

मारी**स** : 10-1-1984

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।,

ज़ी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. विल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नर्झ दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

<mark>निद`श सं. आर्इ. ए. सी. /एक्य्. / । /एस</mark>. -आर. -3 / 5-83/433---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नेब सराय, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाववध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या उद्ध्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधं, उत्तर अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखन व्यक्तियों, अर्थातः :-- मै. इलबी दूगल इन्जीनियरिंग कं., ए-21,, वैस्ट-एन्ड, नई दिल्ली-2।

(अन्तरक)

2, श्री-वंन्कटोश प्रोपर्टीज प्रा. लि., होक्स्ट हाउस, नरीमन प्वाइन्ट, बम्बं।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त राज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्वी

कृषि भूमि तादादी 31 विष्यं, 15 विष्यं, ग्राम-नंब सरायं, तहसील-महरौली, नर्द विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110 002

नारीस : 10-1-1984

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लार, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निवंश सं. आई. ए. सी. /एक्यूं. /। /एस. -आर. -3/5-83/418---अतः मूफे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम-नेब सराय, तहसील-महराली, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाधव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण निखित में अम्मितिक रूप में किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसं िकसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निग्:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थान् :-~

- मै. इसवी स्मल इन्जीनियरिंग के प्रा. लि., ए-12, वस्ट-एन्ड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- मै. लाजमीचन्द बाधाजी,
 रमन हाउस, 169 बैंकबंग रिक्लमेशन,
 बम्बे-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 विघे और 01 विघवं, ग्राम-नंब सराय, महराली, नर्इ दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110 002

तारीख : 10-1-1984

मोहर 🤌

प्ररूप आहू . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, **इन्द्रप्र**स्थ स्टंट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदांश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./।/एस.-आर.-3/ 5-83/434--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रुपयं से अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नंब सराय, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ड, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उसत अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियम व्यक्तियों, अर्थान् :---

1. मे. इसवी दूगल इन्जीनियरिंग को प्रा. लि., ए-12, वेस्ट-एन्ड, नई विल्सी।

(अन्तरक)

 श्री अनंश्वर क्रमार जैन सृप्त्र श्री टक्कान्य जैन, सास्टर अतुल जैन सृप्त्र श्री जनश्वर क्रमार जैन, कास्टर राहुल जैन सृप्त्र श्री जनश्वर क्रमार जैन, द्वारा उसके मदर श्रीमती जीना जैन, सभी निवासी—150 बीर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी गविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सावादी 13 बिंघे, 03 बिंघें ससरा तं. 559 मिन साउथ(1-12)., 558 मिन साउथ(1-12), 554/1 मिन साउथ(0-14), 555/1 मिन नार्थ (1-13), 557 मिन नार्थ (3-16), 560 मिन नार्थ (3-16), स्थापित ग्राम-नेब सराय, तहसील-महरौली, नई विल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, दिल्लो, नद्दं दिल्ली-110 002

तारीय : 10-1-1984

भोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज-।,

भी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 जनवरी 1984

निवर्षा सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस.-आर.-3/ 5-83/442--अतः मुभे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-सतवारी, तहसील-महराली, नर्इ विल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983 को पर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त न्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरपंकिसे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- गं, श्रीमसी चन्दर मैनी पत्नी श्री ठाकर दासौं, निवासी—-एम-72, ग्रेटर कौलाझ, नङ दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमली मनजीत कौर पत्नी श्री हरीन्दर सिंह, निवासी--सी-187 डिफोन्स कालोनी, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

कृषि भूमि सादादी 12 बिघे, ससरा नं. 288 (5-12)., 289 (4-16), 287 मिन (0-15), 290/1 मिन (0-17), के साथ ट्यूब-बेल, ग्राम-सतवारी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

स्भीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, विल्ली, नर्ड दिल्ली-110 002

त्**रित : 10-1-1984**

मोहर 🥲

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--------क्र गयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज-।,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्दोश सं. आर्ह, ए. सी. /एक्यु ः/। /एसः -आरः -3/ 5-83/441---अतः मुर्भे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-सतबारी, तहसील-महराली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दाशीन, तारीस मर्द, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचितं वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवास से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अचने में मुद्धिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हो स्विधा के लिए;

. अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसररू में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थास् :--- श्रीमती चन्दर मीनी पतनी श्री ठाकर दास, निवासी—एम-72, ग्रंटर कौलाजा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मनमीत सिंह सूप्य श्री निर्मल सिंह, निवासी—-डी-10, एन डी एस डी. भाग-2, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नो में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति खवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पंद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादावी 8 बिघे और 12 बिघ्ये, खसरा नं 28 हैं मिन (4-13), 290 मिन (3-19), ग्राम-सतवारी, तहसील-महरौला, नई दिल्ली।

> स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (न्निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110 002

तारीष: : 10-1-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नर्ह विल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्य्./।/एस.-आर.-3/ 5-83/451--अतः म्फे, स्धीर चन्द्रा, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने 🕭 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - एः. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो आया नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) े अधीन, तारीख मर्इ, 1983 जी पूर्वीक्त सम्पत्ति, को उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती अतिफल, निम्नलिखित उददंदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- ़(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूतिथा के लिए; और/गा
- (य) फूने किसी आय या किसी धन या उत्त्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने को सुधिशा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) । अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 भी चनी सप्थ श्री जवाहर,
 श्री घरम पाल सिंह,
 श्री उदमी राम स्प्त्रगण श्री फतन राज पाल सिंह,
 श्री जय पाल सिंह,
 श्री जय चन्द,
 श्री विजय सप्त्रगण
 श्री वेद राम,
 निदासी——ग्राम-आया नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मी. नवरंग कमर्सीयल कां. प्रा. लि.,
 219 चितर जन एवन्यूं,
 कलकत्ता, द्वारा
 श्री जसपाल सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- . (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ैसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, चो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि तादादि 7 बिघे और 4 बिघ्वे, **ससरा नं** 1610/2 (2-8), 1609 (4-16), ग्राम-आया नगर, नर्हे दिल्ली।

स्थीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, विल्ली, नर्ह दिल्ली-110 002

तारील : 10-1-1984 मोहर :

प्ररूप बाड़ . टी. ६व. एस.------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

भारत संरकार

कामिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अनवरी, 1984 मं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/ 458:--अतः मुझे, सुधीर अन्त्रा,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं '

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है....

(क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत उथत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की धायित्व मा कमी करने या उससे बचने भी श्रीबधा के जिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए।

बतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की बनुबर्ध में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानु :--- श्री चुनी सुपुत श्री जुनाहर, धरमपास सिंह, उदमी राम सुपुत्रगण श्री फतन, राज पाल सिंह जयपाल सिंह, जय चन्द श्रीर विजय सुपुत्रगण श्री वेद राम, निवासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मै० नवरंग कर्माग्रयल ट० प्रा० लि० 219 चित-रंजन एवन्यू, कलकता, द्वारा श्री जसपाल सिंह, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्रे सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

रचक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दियाँ गया है।

अम्लुकी

कृषि भूमि तादाधी, 4 बिघे 16 बिस्वे, खसरा नं० 1637(4-16), ग्राम आया नगर, नष्ट विल्ली।

> सुधीर अन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 10-1-1984

प्रकृप नाई. टी. एन. एस.------

नायकर जीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 ज (1) के जधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर **गायुक्त (निरक्षिण)** . अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/5-83/ 456:---अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, कि नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, ऐसे रस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उच्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंकरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तिनों को जिन्हें प्रारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नेत्रिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जदः, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जमभारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, जर्भीत् :— 1. श्री चुनी सुपुत श्री जवाहर, धरमपाल सिंह, उदमी राम सुपुत्तगण श्री फतन, राजपाल सिंह, जयपाल मिह, जयंचन्द, विजय सुपुत्रगण श्री वेद राम, निवागी ग्राम श्रया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० नवरंग कमर्सीयल कं० प्रां० लि० 219 चित-रंजन एवन्यू, कलकता द्वारा श्री जसभाल सिंह, (अन्गरिती)

कां <mark>यह स्चना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए</mark> कार्य<mark>शाहियां</mark> कारता हु^नें।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पध्योकरण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

कृषि भूमि तादादी 4 विषे ग्रीर 16 विश्वे, खसरा नं० 1638, ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

> मुद्वीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली

ता**रीख** −10−1−1984 भोद्दरः मुक्य बाहें ही एन एम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-पं (1) के व्यक्ति सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/ 455:--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापुर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिष्त् उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीक क्ष्म से क्रीम्त गृहीं दिवस गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिद्
- कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन, निम्नलिधिश व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री चुनी लाल सुधुत्र श्री जबाहर, धरमपाल सिंह, उदमी राम, मुपुन्नगण श्री फतन, राजपाल सिंह, जयपाल सिंह, जयचन्द ग्रीर विजय, सुपुन्नगण श्री वेद राम, निवासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली, (अन्तरक)
- 2. मैं० नवरंग कमसियल कं० प्रा० लि० 219 चित-रंजन एबन्यू, कलकत्ता द्वारा श्री जसपाल सिंह,। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्लू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- भए किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिसित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ही।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बिधे श्रीर 4 विश्वे खसरा नं 1615(4-16), 1514/2(2-8), ग्राम आया नगर स्तह्सील महरोली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंख-1, दिल्ली।

तारीखर्ज 10-1-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्य्/1/एस० आर०-3/5-83/462:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम आया नगर, महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1983

का 10) के अवान नाराख मह, 1903
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का छितन बाजार मूच्य,
इसके यूग्यमान प्रतिकत है, ऐसे यूग्यमान प्रतिफल का पद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर
मन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे धन्तरक के निए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्ननिक्तित उद्देश्य से उन्त अन्तरण
जिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबुत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकान नहीं किया गया या किया राजा चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रजः, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के जनुमरण मो, मी उक्त अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री चुनी सुपुल श्री जवाहर, धरमपाल सिंह, उदमी
राम मुपुल्लगण श्री फतन, राजपाल सिंह, जयपाल
सिंह, जय चन्द, श्रीर विजय मुपुल्लगण श्री वेद
प्रकाश, निवासी ग्राम आया नगर, महरौली, नई
विल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० नवरंग कर्मासयल कं प्रा० लि० 219 चित-रंजन एवन्यू, कलकत्ता, द्वारा श्री जसपाल सिंह, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अमुधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमुधि, जो भी अवधि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

समस्री

कृषि भूमि तादावी 3 विधे ग्रीर 7 बिग्वे, खसरा नं० 1864/1 ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी,

सहायवः आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🖫

प्रसम नाही. टी. एन., एख.,------

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 जनवरी 1984 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस आर--3/5--83/461:---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में पूर्व रूप ये वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या कर्ल आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शो चुनो सुपुत्र श्रो जवाहर, अरमपाल सिंह उदमी राम सुपुत्रगण श्री फत्तन, राज पाल सिंह, जयपाल सिंह, जयचन्द और विजय मुपुलगण श्री वेद राम, निवासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैं० नवरंग कर्मासयल कं० प्रा० लि०, 219 चित-रंजन एवन्यू, कलकत्ता, द्वारा श्री जसपाल सिंह, (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुस्की

कृषि भूमि 3 विषे खसरा नं० 1597, ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्रोधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नारीख: 10-1-1984

प्रकृष बाह्री हो हो एत । एस् :------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सुभना

भारत सुरकार

कार्यावय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आफ० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/ 459:--आतः मुझो, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मिधनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिधिन्यमं' कहा गया है, की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

(और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में (श्रीका म विभिन्न है), रिजिस्ट्राकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लों में भारतीय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1983।

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक्षे हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के निए;

कतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्मान श्रीचुनी गुपुब श्री जवाहर, धरमपाल सिंह. उदमी राम, सुपुत्रगण श्री फतन, राजपाल सिंह, जयपाल मिंह, जयचन्द और विजय मुपुत्रगण श्री वेद राम, गितामी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मै० नवरंग कर्माशयल कं० प्रा० लि० 219 चित-रंजन एवन्यू, कलकत्ता, द्वारा जमपाल सिंह,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया प्रया है।

अनुत्वी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 विष्वे, खसरा नं० 1640, ग्राम आया नगर, नई विल्ली।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली।

तारीख: 10-1--1984

गोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1983 मैं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एम० आर-3/5-83/ 344:--अतः सुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई. 1983।

करें पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफस के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाग्नविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरसे बचने में सुविधा के सिए; और:/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— अधि अस सिंह सुपुत्र औं कदम, निधामी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० नवरंग कर्मास्थल कं० प्रा० लि० 219, चिन्ह रंजन एक्च्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पंध्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुलुची

1/4 कृषि भूमि नादादी 27 विघे और 3 विस्त्रे, खसरा नं 0 1590 (4-16), 1610/1(2-8), 1611(0-16), 1612(3-16), 1613(6-10), 1614(2-8), 1639/2(2-8), 1615/3(1-15), 1879/2(2-6), ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज∎, दिल्ली।

तारीख: 10-1-1984

मोहरु 🖫 .

प्ररूप बार्षः टी. एन्, एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांकः 10 जनवरी 1984 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3(5-83/ 460:--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

- और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर,

 * नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में
 पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का प्रचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित के में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आगय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
 - (क) एसी किसी आय वा किसी धम या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---- १ 29-45601/83

 श्री चुनी सुपुत्र श्री जवाहर, धरमपान निह सुपुत्र श्री फतन उदमी राम सुपुत्र श्री फदन राजपाल सिंह, जयपान सिंह, जय चन्द और विजय सुपुत्रगण श्री वेद राम निवासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मैं नवरंग कमसियल कं प्रा० ति० 219, जित-रंजन एवन्यू, कलकत्ता, द्वारा जसपाल सिंह। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रशासन की नारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों. के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विक्षी व्यक्ति दुनारतः
- (ख) इस सुचना के राजपत्र माँ प्रकाशन कि तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति माँ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मां किए जा रहीं थे।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 9 बिघे और 5 विश्वे, खसरा नं 0 1607 (4-16), 1600/2(2-8), 1601/2(2-1), ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

मुनोर चन्द्रा, मक्तम प्राधिकारी सहायक्त आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली।

तारीख: 10-1-1984

अस्य बाही, टींट एम्. एस्.-----

भाषकर मृरिपनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के मुभीत सुभ्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-आर3/5-83/530:---स्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित वाजार नृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हैरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुभूची में पूर्व रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तथ याग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग वाँ अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, जर्थात् हों— 1. श्री देवी सहाय, राम सरूप, वेवी राम, चरन सिंह, बलराण सुपुद्धगण श्री अभिचन्द, होशियार सिंह, राम लाल सुपुत्तगण श्री खीली, निर्मल सुपुत्र श्री लेखा, निवासी ग्राम केरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरमः)

 श्री केणव भगत सुपुत्र श्री ए० एस० भगत, निवासी 186 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 कि विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि सादादी 11 बिघे और 12 बिघेवे, एमं० नं० के 68, किला सं० 18 (4-16), 19 मिन (2-0), 23 (4-16), ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा , सक्षम माधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

मोहरः 🖔

प्रस्य शाइ . टी . एन . एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०~3/5-83/ 531:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डैरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुस्त्वी में भौर पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय दिल्ली म भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री देवी सहाय, राम सरूप, देवी राम चरन सिंह, बलराज सुपुत्रगण श्री अमि जन्द, होशीयार सिंह, राम लाल सुपुत्रगण श्री खीलु, निर्मल सुपुत्र श्री लेखा, निवासी ग्राम डेरा मन्डी, तहसील महरौली; नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री केमब भगत सुपुत्र श्री ए० एस० भगत, निवासी 186, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह स्वाना बारी करके पूर्वों कर सम्मित् के अर्थन के तिए कार्यवादियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति को स्पान को सम्मन्भ में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें
 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4/5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्ष्री के पास निकार में किए वा सकी थे 1/1

स्वध्यक्षिरण्:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विश्-निसम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्भ. होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बिघे श्रौर 15 बिघ्वे, एम० नं० 68, किला नं० 9 मिन (0-12), 12 मिन (2-0), 13 (4-16), 17 (3-7), ग्राम डेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई |दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एसे.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कारणल्**य,** सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3(5-83)532:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुनिधा क निए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—— श्री देवी सहाय, राम सरूप, देवी राम, चरन सिंह, बलराज सुपुत्रगण श्री अमि चन्द, होसियार सिंह, राम लाल सुपुत्रगण श्री खीलु श्रौर निर्मल सुपुत्र श्री लेखा, निवासी ग्राम डेरा मण्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री केशव भगत सुपुत्र श्री ए० एस० भगत निवासी 116 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे एम० नं० 68 किला नं० 5 3(4-12) 8(4-16) 9 मिन (2-12) ग्राम डेरा मण्डी तृहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

ता ीख: 10-1-1984

श्रह्म नाइ .टी. एन्. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 10 जनवरी 1984 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एनमू/1/एस० आर-3/5-83/ 453:--अत: मुझे; सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रूठ से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित याजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पेन्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अबने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::--- एस० हरिबन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० सोहन सिंह आनन्द, निवासी एन०-3, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मै० दिल्ली टावर्स प्रा० लि०, 115 श्रंसल भवन,
 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरि।

स्पक्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 विघे श्रीर 16 बिश्वे, रेक्ट० न० 50, क्लिला नं० 15(4-16), ग्राम देवली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

प्रकृत वार्षः, द्वीः एतः, एवः, ००००

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-घ (1) के नधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 10 जनवरी, 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०—3/5—83/ 452:——अतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जित्तको संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्लो, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ग का न विणित है), रिजस्ट्रोकत्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथां) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तब पावा बबा प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेष्मों से छक्त अन्तरक किचित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उपस मधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्गर/या
 - (का) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय साय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अधीत् हु--- एस० हरिवन्दर पाल सिंह मुपुत्र एस० मोहन सिंह आनन्द, निवासी एन०-3, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० दिल्ली टावर्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन,
 16 के० सी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता. हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के युवपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्थानिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

मनसची

कृषि भूमि नादादी 4 विघे और 16 बिस्वे, रेक्ट०नं० 50, किना सं० 8(4-16), ग्राम देवलो, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम् प्राधिकारी, .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली

नारीख: 10-1-1984

प्ररूप आई., टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/ 447:--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख मई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवर्क रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्वक्तियों, गणति :--- एस० हरिवन्दर पाल सिंह सुपुत एस० मोहन सिंह आनन्द निवासी एन०-3, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं विल्ली टावर्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 के० जो० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गैया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 4 विघे और 16 विष्वे, रेक्ट० नं० 50, किलानं० 16 (4-16), ग्राम देवली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

नारी**ख**: 10-1-1984

माधर:

इरूप वाइं.टी. एन. एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

मं० आई० ए. नो०/एक्यू/1/एस० आर-3/5-83/444:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

और जिपकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. एस० हरिबन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० मोहन सिंह आनन्द निवासी एन०~3, एन० छी० एस० आई०—1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० दिल्ली टाबर्स प्रा० लि०, 115 अँसल भवन,
 के. जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

नगतची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे और 7 बिघ्वे, रेक्ट० नं० 50, किता नं० 6/2 (2-02), और 26 (0-05) ग्राम देवली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली।

तारीख: 10-1-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-आर०--3/ह- 8:/ 445:---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम देवली, तहसील महरीलो नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिवात से विभन्न है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति- कल निम्निसिवत उद्विचय से सकत बन्तरण सिवित में बास्तविक के कथित नहीं किया ग्या है:--

- (का) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त जभिनियम को जभीन कर दोने को अन्तरक कें बामित्व में कमी करने मा उत्तसे वचने में सुनिभा को सिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कार्य कार्य आस्तियों कार्य कर जिस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकारण में, में, उचल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—
80—456GI/83

- एस० हरिवन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० चौहान सिंह आनन्द निवासी एन०-3, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली।
 - ∙ (अन्तरक)
- 2 मैं० दिल्ली टावर्स प्रा० लि०, 115 असल भवन, 16-कें० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रृवधि, अर्थ भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेषित स्विधियों में से किसी स्विधित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील, में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसमी

कथि मूणि नाधादी ४ विषे और 15 विश्वे, रेक्ट नं० 50, रहना,ुनं० 3(4-15), ग्राप देवली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रां, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

नारोख: 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के म्पीन स्यूना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्तर जाम्ब्स् (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984

सं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/446:—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-स के अभीन सक्ष्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्यों कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को प्वोंक्स सम्पित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त अधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव्, उन्त निधीन्यम की धारा 269-ए के बनुसरक भी, भी उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. एस० हरविन्दर पान सिंह सुपुत्र एस० सोहन सिंह आनन्द, निवासी एन०-3, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० दिल्ली टावर प्रा० लि० 115 असल भवन,
 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वृर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 4 बिघे और 10 बिग्वे रेक्ट० नं० किला नं० 4(4-10), ग्राम देवली, महरौली, नई दिल्ली।

हमुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- बिल्ली

नारीख : 10-1-1984

मोहुर 🖇

भूक्य आहे. टी. एम्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
ं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-आर3/54/83/454:-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली महरौलो, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इस से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त बीधिनयम के अधीन क्षर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचन में सुनिधा के निए; बार-'वा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- एस० हरिवन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० सोहन सिंह आनन्द, निवासी एन०-3, एन० डी॰ एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मै० दिल्ली टावर्स प्रा० लि०, 115 अंसल भवन,
 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां कारता हो।

उनत् सम्परितृ के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही श्रथं होगा जो उस श्रश्याय में दिया क्या है।

अमृस्ची

कृषि भूमि तादावी 4 बिषे और 15 बिध्वे, रेक्ट० नं० 50, किया नं० 7(4-15), ग्राम देवलो, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुबीर **चन्द्रा,** सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज^{्री}, दिल्ली।

तारी**ख**: 10-1-1984

प्ररूप आहें, थी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनद्वरी 1984

मं० आई० ए० मो०/एक्यू/1/एस० आर०-3/5-83/371:--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थामर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,000/ रा. से अधिक ही

आर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समाल का. नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिनक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) बलारण ते हुई किसी बाम की बाबत, उनत अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/मा
- (म) एसी किसी आय या िनसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आंथकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था। छिपान में स्विभा चे विद्य;

ं जतः 'जय, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसूरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- 1. मैं० टी० ई० पैटर्सन इण्डिया प्रा० लि० जे०-1/ 162-सी०, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- मरदार केवल सिंह सुगुल सरदार करम सिंह, सुपुल सरदार वार्यम सिंह निवासी एच०-25, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवृष्टि या सत्सम्बन्धी न्यावितमों पर क्र सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृष्टि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिखा नमा है।

अनुसची

कृषि भूमि तादादी 20 जिन्न और 5 विश्वे, रेक्ट 2, खसरा नं० 7 मिन (0-12), 8 मिन (1-6), 9 मिन $_{\$}$ (1-16), 12 (4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 मिन (2-3), ग्राम समालका, तहसील महरौली, $_{\$}$ नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

न⊺रोख: 10−1−1984

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/5-83/ 436:--- अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सँख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजयवाशन नई दिल्ली नहमील महरौली में स्थित है (और इसले उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उच्चेश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैं वीपरीक्षा इस्टेट्म प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 एस० तेजबीर सिंह जागी सुपुत एस० जसवन्त सिंह जागी, निवासी डी-91, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 विघे और 12 बिश्वे रेक्ट नं० 6, किना नं० 22(4-16), और 32(4-16), ग्राम विजवाशान, महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1~1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984
निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/440-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम विजवाणन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में सूरिवधा के लिए; आर्थिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) मै० दीपशिखा ,स्टेटस प्रा० लि० 115-म्रांसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली ।

(अन्सरक)

(2) डा० (श्रीमती) अंजुला खन्ना, पत्नी श्री जे० पी० खन्ना निवासी जे० 17-ए, होज खास इनकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्क्यांकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे केवल, रेक्ट नं० 37, किला नं० 12 (4-16), 19 (4-12), 20 मिन (2-08), श्रीर 28 (0-04) ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्निद्वित व्यक्तियों, अर्थात् र—

तारीख: 10-1-84

प्रका बाही, ही, एन, एत, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निहाकिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/421--अतः मुझें, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यबान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पंते के अन्तरक के दायित में कमी करने येथ उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन विमनित्यित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) मैं० सुरज कन्सट्रक्शन एण्ड ,स्टेटस प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० अरुण सेस्स कारपोरेणन,
 सी-46, फेंडस कालोनी,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वार्षी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

बन्दर्भो

कृषि भूमि तादाधी 4 बिघे ग्रीर 16 बिघवे, रेक्ट नं० 36, किला नं० 5 (4-16), ग्राम-बिजवाणन, महरीली, नईदिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 10—1—84

मोहर : '

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/ $\frac{1}{\sqrt{2}}$ एस० आर०-3/5–83/438–-3न: मुझे, मुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत्:---

(1) मैं ० दीपणिखा इस्टेट्म प्रा० लि० 115 प्रमल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दूल्ली।

(अन्तर्क)

(2) एस० तरलोचन सिंह
सुपुत्र एस० इन्दर सिंह,
श्रीमती उमा सिंह पत्नी एस० तरलोचन सिंह,
मार्फत मै० इन्दर सन्स कारपोरेणन,
49 श्रीनसिप स्ट्रीट,
कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध्या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध नक्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पृच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे ग्रौर 19 विस्वे, रेक्ट नं 06, किला नं 0 11 मिन (4-01), 20 मिन वेस्ट (0-15), रेक्ट नं 0 7, किला नं 0 15 (4-16), 16 मिन (-112) (3-07) ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली 0

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 10~1-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-ए (1) के क्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
· अर्जन रेंज-1, दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/423—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उथत बीध-नियम से अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वार/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजन्तार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 31—456GI/83

- (1) मै॰ ग्रीन पार्क थिएटर्स एसोसिएटेड ग्रा॰ लि॰ 165 मंसल भवन, 16-के॰ जीं॰ मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेनु शर्मा, पत्नी श्री अम्बा शर्मा, निवासी ई-12, ग्रीन पार्क, नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे और 6 बिघ्वे, रेक्ट नं० 37, किला नं० 22 (2-18), 23 (3-06), श्रीर 29 (0-2), ग्राम-बिजवागन, महरौली, नई दिल्ली

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-84

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंभ-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

िन हैंग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/426--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो बिजवाणन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की यावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तमां अर्थात् हरू

(1) मैं० ग्रीन पार्क थिएटर एसोसिएटिक प्रा० लि० 115 असल भवन, 16—के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) दी पुष्पांन्जली फामं ओनसं एसोसिएशन, 115 अंसल भवन, 16 के०जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन को तारी से 45 क् दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कृत। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित के ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिये और 7 बिख्ये, रेक्ट नं० 6, किला नं० 21 मिन (1-06), रेक्ट-नं० 37, किला नं० 10 मिन (1-06), 11 मिन (1-06), 1 मिन (1-06), 21 मिन (1-01), 22 मिन (1-01), और 13 मिन (1-01) ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहामक भामकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-84

मोह्रर:

प्रकप प्रार्ड टी॰ एनं॰ एस॰-___

वास्थार सींपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीत् स्वता

भारत बरकातु

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1, नई दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आए०-3/5--83/422--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है") की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित विसका उचित कावार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रुथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तदृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नी निवत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखन में बास्तिक क्या के कीचत वहीं किया कना है रंजन

- (क) बन्तरण वे हुई हैंकसी बाब की बाबत उनत मिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीद/बा
- (व) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नामकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् निधिनयम् या धन- कर निधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थं नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिभियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं ० ग्रीन पार्क बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन; 16 के० जी० मार्ग, नहीं विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा मोहन सुपुत्रश्री मैनी राम अग्रवाल निवासी 25-बी, पूसारोड, नई दिस्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों सत् सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्मन्भ में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकरेंगे।

ल्लाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुर अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

'वनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिग्ने, रेक्ट नं० 36, किला नं० 25 (4-16), ग्राम बिजवाणन, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रिष्ठिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारी**ख**: 10-2-84

प्ररूप आहाँ दी एन एस . -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहामक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरज 1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984

निर्देश सै० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०~3/5— 83/425—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम बिजवाणन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को प्रशेक्त संपत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाबार मृस्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीधनियन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कबी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए, बौर/वा
- (था) एसि किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, विश्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिस्निसिवतं स्पिक्तियों, अधितः :---- (1) मैं स्राज कन्सट्रक्शन एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115 असल भवन, 16—कें जी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुमनेश कुमार, श्री प्रदीप लाल, श्री मनोज लाल मुपुत्र श्री रतन लाल, मार्फत इसर्स मिलानो इन्टरनेशनल इन्डिया प्रा० लि० सी-4, कम्युनिटी सेन्टर, नरायणा विहार,

(अन्तरिती)

को यह भूषना बारी करके प्याँक्त सम्मत्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की ववधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर क्यांक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास मिलात में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरणः---दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त । अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

जनसंची

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे और 12 बिघ्वे, रेक्ट नं० 36, किला नं० 4 (4-16), और 7 (4-16), ग्राम——बिजवाणन, महरौली, नई दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-83

मोहर:

A BOWL

प्रकप वार्ड . टी . एन् . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/443—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्रा० बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन तारीख मई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के . प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निम्नित्यों में अर्थनिक रूप से किथा गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की वाबर, अक्स कींपनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के रावित्व को कभी करने या उत्तसे वधने में सुविधा के मिए; और/ए:
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर बिधिनियम, या चन-कर बिधिनियम, या चन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया चाना चाडिए था, छिपाने अँ सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिसिस स्थितस्यों अधीत् :--- (1) मैं ० दीपणिखा इस्टेट्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्सरक)

(2) मैं जे जे जे कन्सरटेन्ट प्रावित व 812, चिरंजीव टावर, 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरितीं)

का यह सूचना चारी करके प्वार्वित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र--

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की हारोज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी बन्य व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो जन्द विभिन्नयम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बगस की

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे और 16 बिष्वे, रेक्ट नं० 37, किला नं० 3 (4-16), ग्राम बिजवाणन, महरौली, नई दिस्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख: 10-1-84

मोहर : 🤰

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस. 🗝 🕶

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984,

निवेण सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/5--83/435---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवागन, नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्तर विधिनियम के अभीन कर वेने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए।

गतः जन्, उन्त जभितियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त मिनियमं की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीत् निम्नलिखित स्वन्तियों, अभित् ः— (1) मैं० रीपशिखा इस्टेटसप्रा० लि० 115--अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ पुष्पान्जली फार्मओ र एसोसिएशन, 115--ऑसल भवन, 16 के॰ जी॰ मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यां कि ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्दंध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे और 17 बिघवे, रेक्ट नं० 36. किलानं० 16 मिन (1-14), 17 मिन (2-00), रेक्ट नं० 37, किलानं० 20 मिन (1-06), रेक्ट नं० 6, किलानं० 11 मिन (0-15), 20 मिन (1-13), रेक्ट नं० 7, किलानं० 16 मिन (1-09). ग्राम बिजवाणन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुझीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-¹, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 10-1-84

- प्ररूप भाइरें, टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देण सैं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/424—अतः मुझे, सुन्नीर चन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाणन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 83

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कंम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- .(क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने गा उससे अचेने में स्विधा के सिए; और/सा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं बोन पार्क थिएटर्स एसोसिएटेड प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीकृष्ण मोहन सुपृत्र श्रीमेनी राम अग्रवाल निवासी 25 बी, पुनारोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि त दादी 4 सिघे और 16 सिघ्ये, रेक्टेंगल मं० 45, किलानं० 5 (4-16), ग्राम विजयाणन, तहसील महरौकी. नई दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख** : 10⊷1--84

ERDEPLACIONELES 2011 de

प्ररूप बार्ष'. टॉ. एन. एस.-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कामिलय, सहायक आयकर बागुक्त (निरीक्शक)

धर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/5-83/439--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सँख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम विजयाणन. नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्णि को उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्णि का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिश्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी करते या उससे क्याने में मृतिभा के सिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1.) मैं० वी० पशीखा इस्टेटस प्रा० लि० 115---अँसल भवन, 16--के० जी० मार्ग नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं० अमरीश प्रकाश कुमार बेनोफिट ट्रस्ट पी−34, सी०आई,०टी० रोड, दंटाली, कलकत्ता।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी के अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

कृषि भूमि नादादी 12 बिघे केवल, रेक्ट नं० 6, किलानं० $18\left(4-16\right)-19\left(4-16\right)$, और 20 मिन इस्ट $\left(2-08\right)$, ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 10—1—84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायक्स (निरीक्षण)
अर्जनरेज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० अगर०-3/ 5-83/437 - अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, महरौला, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल, से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कियत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बंने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--456GI/83.

(1) मैं ० दीवशीखा इस्टेट्स प्रा० लि ० 115 ग्रंसन भवन 16 के ० जी० मार्ग न्ई दिल्ली

(अन्तरक) शन अलकाजी

(2) श्रीमती राशन अलकाजी पत्नी श्री इश्राहीम अलकाजी, निवासी ए-28, निजामुदीन वेस्ट, नई दिल्ली श्री इश्राहिम अलकाजी सुपुत्र श्री हमेदाली अलकाजी, निवासी 43 कैलाश अपार्टमेंट्स, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सर्वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति मों हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भन्सची

कृषि भूमि तादादी 13 विघे 8 बिश्वे, रेक्ट नं० 35, किलानं० 6/2 (3-16), 7/1 (2-08), 14/2 (2-08) और 15 (4-16), ग्राम विजवाशन, महरौली, नई दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज 1. विल्ली, नई दिल्ली—110002

नारीख: 10-1-84

मोहरू :

प्रकम आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-⁷ दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/5-83/367--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कास कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल सं, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से इर्ड़ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के दायित्व में कमी फारने का उपत्रेम अपने में स्विधा के सिए; जरि√वा
- (क) एसी विकसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यथा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विकष्ट;

अतः अब ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उगत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै॰ सिगल होस्बिंग प्राव्यक्तिः, जी॰ एफ॰ 19, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली द्वारा एम० डी॰ श्री आर० के॰ गुप्ता और एक्सयुटिय डाइरेक्टर श्री सुनील गुप्ता (अन्तरक)
 - (2) मै॰ आर०सी० कै०के० एसोसिएटस 53/1,बी, किशनगढ़, इदगोह एरिया बारा सदस्य एस० मंजीत सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परें सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रम्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत जिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी + बिधे और + बिश्वे, खुसर नं + 328/1. ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली +

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 10—1—84

प्रक्ष काई, टी. पुन., एस.,------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्याक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/378--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा •269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

- और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवामन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे ज़पाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 83
- को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया अतिफल, निम्निविश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कश्यत नहीं किया गया है:—
 - (क) जन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीर :--- (1) ग्रीन पार्क थिएटर्स एसोसिएटेंड प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० (श्रीमती अंजुला खन्ना, पत्नी श्री जे०पी० खन्ना निवासी जे-17-ए, होज खास, इनकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

कृषि भूमि ताबाबी 2 विषे और 8 विश्वे, रेक्ट० नं० 37, किला नं० 11 मिन-इस्ट (2-08) ग्राम, विजवाशन, तह-सील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई विल्ली—110002

ता**रीख**: 10~1~84

प्रकृष् वाद् . दी . एन . एस . ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ला नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्दोश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/5--83/376--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि विजवाशना, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविधनार्थ जन्दिरती ब्याद्य प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाया वाहिए वा, कियाने में स्विधा के हैक्स;

(1) ग्रीन पार्क थिएटर्स एसोसिएटे अप्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री तेजबीर सिंह जागी सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह जागी, निवासी डी-91, डिफेंस कालोनी, नर्ष दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हां तो :'

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रदों और पदों का, जो उक्त विभिनयम के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया रामा है।

अनुसुची

कुषि भूमि तावादी 2 विघे और 8 विषये, रेक्ट० नं० 6, किला नं० 21 मिन-ईस्ट (2-08), ग्राम विजयाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नतः नवः, उक्त निर्मानयमः, की धारा 269-ग के धन्तर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

तारीख: 10→1-84

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेज 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाकः 10 जनवरी। 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०/3/5-83/381--अतः मुझे सुधीय चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवांगन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूचो में पूर्ण रूप से बाँणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख़ मई 83

को पूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैं ग्रीन पार्क थिएटर्स एसोसिएटेड प्रा० लि०
 115-अंसल भवन,
 16-के० जी० मार्ग,
 नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री समनेण कुमार
सुपुद्ध श्री रतन लाल,
मार्फत मै० मिलानी इन्टरनेणनल इन्डिया प्रा० लि०
निवासी सी-4, कम्युनिटी सन्टर नरायण बिहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्विकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमी प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिग्ने, रेक्ट० नं० 36, किना नं० 14 (4-16), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-84

प्ररूप गाई.टी.एन.एस.-----

जायकार जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्तिण) अर्जन रेंज-I विल्ली

नई बिल्ली, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी० एक्य०, !, २,स० आर० थ/5 -83 377--अस: म्,झे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रूठ से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री कि अधिकारी के कामोल प्रदिस्ता में भारतीय रिजस्ट्र करण अधिनियन, 1908 (1908 का 18) के अधीन दारिखा मई 1983

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, असके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उच्च अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण संहुई किसी आयु की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में स्विका के लिए;

जतः श्रद्ध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीत, जिथ्लिकित व्यक्तियों, जथित :---

(1) मैं० ग्रीन पार्क थिएटर्स एसासिएटेड प्रा० लि० 115 असल भवन, .6-के० जी॰ मार्ग, नई दिल्ली

(अ.सरकः)

 मैं० सर्विजित फार्म्स एण्ड फुंड प्रा० लि० 304/46, नेहरू प्लेस, नई क्लिंग

('अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसी बन में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

कृषि भृशिर 16 वश्ये, रेक्ट म न० 36, किला नं० 6 (4-16), 15 (4-16), रेक्ट नं० 37 किला नं० 10 मिनवेस्ट (1-02) 11 मिन-वेस्ट (1-02), ग्राम बिजवाशन,तहसील महरौली,नई दिल्ली

सुधीर चन्द्रा . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1; दिल्ली, नई दिल्ली—110002 ।

तारीख: 10-1-84

मोहर ः

प्रस्प आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भं (1) के अभीन सुभा

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०, एक्पू०/1/एस० आर०-3/5-83/379-अतः सुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से बिधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी बाद की बाबत, उक्त प्रश्चिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के श्रीयत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अज, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण मो, मी, उक्त आभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) भी गोपाल वांसल सुपुत स्व • श्री चराची साल भंसल, निवासी 57—गोर गागर. नहिंदिल्ली

(अन्तर्क)

(2) मै॰ अश्विनो प्रकाश कुमार वेलिफिट ट्रस्ट पो-34, सी॰ आई॰ टी॰ रोड, इंटाली, कलकदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगराची

कृषि भूमि तादादी, 14 बिघे और 6 बिघवे, रेक्ट नं 6, किला नं 6, 12 (4-16), 9 (4-16), 2 (1-08), 10/1 और 1/2 (3-06), ग्राम—ित्र जनायान, जहसील महरौली, नई दिस्सी

मुष्रीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोंज 1 दिल्ली, नई विल्ली—110002

सारीख: 10-1-84

सोहर:

प्रकृप सार्व हो। एन० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज १, दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ क्यू०/1/एस० आर०-3/ 5-83/372--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिन्हिं। संख्या कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम-बिजवासन, महरौलः, नई दिल्ला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व चय से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीक मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

 (1) ग्रीन निर्क शिएटर्स एसोगिएडेड पा० लि० 115 अंसल भवन ।
 16-के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली

(अन्तर्क)

(2) श्रीमता एम० सभरवाल पत्नो श्री सी० के० सभरवाल, निवासी ए-47, ई० डो० डी०ए० फ्लैटस, मुनिरका,

(अन्तरिती)-

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

कृषि भूमि तादादी 7 बिव और 10 बिक्ष्ये, ऐक्ट नं० 37. किलानं० 21 मिन साउथ (3−07), रेक्ट न० 44, किलानं० 1-मिन माउथ (3−07), और 1-मिन नार्थ (0−16), ग्राम विजवाणन, महरौली, नई दिल्ली ।

> मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली–110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ■ अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः——

तारीख: 10-1-84

मोहर ६

प्रकप् नाह" दो एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1-एस० आर०--3/ 5-83/380--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी ग्रं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत , उचत अधिनयम के अधीम कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

(1) मै० ग्रीन पार्क थिएटर्स एसोसिएटेड प्रा० लि०, 115 अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० जे० जे० कन्सस्टैण्ट्स प्रा० लि०, . 812 चिरंजीन टावर्स, 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पृत्ति के वर्षन के हिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्परित् के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश् से 45 दिन की जनभि या तस्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आं भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तास्थानर सम्पत्ति में हितनश्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिष्टिन में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उक्त जिथिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नगुसुची

कृषि भूमि तादादी 7 बीघे 4 निश्वे, रेक्ट० नं० 37, किला नं० 1-मिन० ईस्ट (2-08) और 2(4-16), ग्राम निजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

मोश्रेर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को । भारा 269-व (1) के वभीत स्वामा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-I, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निवेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/5-83/375-अतः मृष्ते, सुधीर चन्द्रा

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र. से अधिक है

और जिसकी सं० ृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवामन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससं उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, समके प्रवयमान परितृष्णल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदाह पतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नितियों एउट्टिंग में एसे एका एम लिमित में अस्तिविक सम से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 की 11) या उनते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था जा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, भें, उक्त व्यक्षितियम की धारा 269-च को नेपधारा (1) है अधीत, निम्नलिखिन व्यक्तियों, व्यक्ति :--- (1) मै० ग्रीन पार्क थिएटर्स प्रा० लि०,
 115 अंसल भवन,
 16 के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० जे० जे० कन्सल्टैन्ट्स प्रा० त्वि०, 812, चिरंजीव टावर्स, 43, नेहरू प्लेस, नहिंदिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पृशिक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष् कार्यवाहिया करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप:-**-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रक्र स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा उकारी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 12 वीघे रेक्ट० न० 37, किला न० 10 मिन (ईस्ट) (2-08), 9(4-11), 8(4-11) और 26(0-10), ग्राम बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीखा : 10-1-1984

प्र**क्ष** वार्षः दी. पुन् एस<u>ः</u> नान्छ

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेज-I, नई विरुषी

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 5-83/368—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाण न, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित' की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल निम्नसिखित उद्वेषय से उनत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिशा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों . को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

बतः चव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० सिंगल होल्डिंग्स प्रा० लि०, जी० एफ० 19, 90, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली द्वारा एम० डी०, श्री आर० के० गुप्ता और इक्सक्यूटिय डायरेक्टर श्री सुनील गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2) मैं० आर० सी० के० के० एसोसिएटस,
53/1, बी, किशन गढ़,
ईवगाह एरिया,
द्वारा भागीवार:
श्री मंजीत सिंह और प्रमोद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

कृषि मूमि तादादी 4 बीघे 14 बिश्वं, खसरा नंज 328/1, ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 10-1-1984

मोहर 🗄

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भागकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/57 ईई०/5-83/ 192--अतः मुझे, सुधीर चन्दा,

अस्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उस्त अधिनियम' कहा गया ही, की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 1110 है तथा जो 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

का पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से एसे क्ष्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक और और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिकास, निम्नासिकात उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकार स्प से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे अजने को सुविधा को निष्; जौर/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

नतः स्वा, उस्त निभित्तियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उस्त निभित्तियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निभ्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मैं० अंसल प्रापर्टीण एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेंड, 115, अंसल भवन, नद्दी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति। बबलू दत्त और
कुमारी दिक्षा दत्त,
मार्फत श्री के० चेला राम एण्ड सन्स लि०;
1 ई०, बेलर रोड,
पोस्ट बानस न० 106,
कानो नाईजेरिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जॉ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिठबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृधार अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहूी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ 1110, 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, एरिया 301 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-1-1984

, मोहर 🛭

प्रकप नाई. टी. एन. एस. ------आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण) अर्जन रेंज-1, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनाक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई०/5-83/ 193-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 417 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल के पेद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे मधने में सुविधा के लिए: और/मा
- (च) एची किसी काय वा किसी धन वा जन्य जारिसवां को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, वा धनकर निर्धाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् ए--- (1) मैं० स्कीपर सेंस्स प्रा० लि०.22, बाराखम्मा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० उद्द प्रापटींज प्रा० लि०, 4, कम्युमिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक्त में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पर्यों का, जो जिस्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना गवा ही।

नन्त्रची

फ्लैंट नं॰ 417, चौथी मंजिल, प्लाट नं॰ 89, नेहरू प्लेस, नईदिल्ली एरिया 560 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर 😢

श्रुक्षप् नादौ दी <u>. एन् . एस</u> ्नन्न----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

_{प्र} नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 194---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुत से अधिक है

और जिसकी सं० 1003 ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सब पावा गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गमा है :--

- (क) अन्तरण सं हुए किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर वने के अन्तरक को शायित्व में कभी करने वा अवसे मचने में सुन्धिमा के लिए; औद्वर्शन
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाष (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत दे— (1) मैं० स्कीपर सेस्स प्रा० लि०,
 22, बाराखम्या रोड,
 नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता जैन, निवासी 114-ए, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्धन के हिन्द कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति व्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वन्त्र्यो

फ्लैट न॰ 1003-ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 352 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🛭

प्र**कर** प्राप्तंत्र टीव एनव संव--

भायकर प्रश्निमियम, 1961 (1981 **चा 43) ची** धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई०/5-83/195-3तः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कार्या है कि स्थायर सम्मिस, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 704-ए है तथा जो 89 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सारीख भई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एमे वश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है दूर--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपल अभि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में बिए?

कतः अथ, अकत अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त स्वित्तस्यों. अर्थातः :--- (1) मै॰ स्कीपर सैल्स प्रा॰ लि॰, स्कीपर भवन, 22, बाराखम्भा रोष्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरमः)

(2) मैं० ज्योति इम्पेक्स प्रा० लि०,
 114--ए, अंसल भवन,
 16, के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बत्ता समाति हे वर्षत हे लंबंब में कोई को बाझेय :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजिपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगी।

काक्टीकरणाः ---इसाँ पमुक्त शक्दां भीर पदौँ नगः, जो अकल अधिनिमम के महमाय 20 क में परिमाणित है, वहीं सर्वे होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनु सूची

पसैट नं० 704-ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली; एरिया 548 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नृष्ट्र दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

महिर:

प्ररूप आइ^र.टी.एन.एस.-----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37 ईई०/5-83/ 196--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 703-ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्मालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अस्त अंतरण निविक्त में शस्तिविक रूप में किथा नहीं किया गया हम-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त जीवनियम के जभीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिए; बॉर/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया धा दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

जतः अब उक्त जिधिनियमं की भारा 269-ए के जनुसरण कों, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की उपवार (1) को अधीन, निम्नसिक्ति स्पिक्तिमें, अधीतः :— (1) मै॰ स्कीपर सेंस्स प्रा॰ लि॰, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० एस० आहलुवालिया, निनासी 7/13, भगवान वास रोड, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्युक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्दों का, जो उक्त खिभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा ही।

अनस्पी

पलैट नं ० 703/ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 352 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप बोर्च. टी. एन्. एस्.------

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर गाम्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/

197---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 1203-ए हैं तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त भृतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वर्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

34-456GI/83

(1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रार्भाव०, 22, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय अरोड़ा, श्रीमती अक्ष्त अरोड़ा, श्रीमती अभा कुमार, निवासी 1/34, सर्वे प्रिया विहार, नई विल्ली-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त 'सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अयिश, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं ० 1203ए, 89-नेहरू प्लेस नई दिल्ली, एरिया-352 वर्गफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरॉज I दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 11-1-1984

प्रकार वार्षेट्र टोट एक्ट एक्ट ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2)

कार्यासय ; सहायक जायकर जायूक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनोक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37 ईई०/5-83/ 198-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और ज़िस्सी सं 803-ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज़्स्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयक्य अधिनियम, 1981 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाय प्रतिफल के लिए अन्तिक्ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतारक (अंतरकीं) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उववरेष से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर वोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, फिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित स्थितियों, अर्थात् ६── (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री एत० एल० प्रमीद मेहता, श्रीमती रेखा मेहता, श्री श्री० ए० मेहता, श्रीमती मधु मेहता और श्री प्रभात मेहता, निवासी 45—श्री, हनुमान रोड,

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बनुसुची

फ्लैट नं॰ 803-ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 352 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-11 00 02

बारीच : 11-1-1984

सोहर 🤃

प्ररूप बाईं. ट्री. एन. एस ु --==----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांभ 11, जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/ 37 ईई०/5~83/ _ 199~-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ≠269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 604 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार चूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रांतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिंधनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं०स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री फूल्ण् गुण्ताः, निवासी-5, न्यू सक्जी मण्डीः, आजाव पुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पर्दों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसूची

फ्लैट नं० 604-ए, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया-548 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहरु 🤌

प्रकृष बाह्रै, टी., एन्ट्रे एस्.,------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं. आई० ए० सीं०/एनयू०/1/37 ईई०/5-83/ 200-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार , मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और निएकी सं 118/89 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विराप्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को प्रवेदिन संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का जारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवान सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर उधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भारत भूषण, निवासी-संक्टर 1/665, आर० के० पुरम, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ सी॰ गुप्ता (एभ॰ यु॰ एफ॰) एस/356, ग्रेटर कैलांस-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परः सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सुकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

अनुसुची

पलैंट नं० 118/89, नेहरू ण्लेस, नई दिल्ली, एरिया * 325 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-1-1984

मोहर 🗄

प्ररूप शाही, टी. एन्. एस्.-----

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 202--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-201 है तथा जो पालम अपार्टमेंट, ग्राम-क्रिजगणन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम,

1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की यायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/भा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैं० सिंगल होल्डिंग प्रा० लि०,
 जी०-एफ०-19,
 मानसरोबर विल्झिंग,
 90, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कैंण्टन एम० एम० मैसी,
 निवासी-सी-193,
 सर्वोदय प्रनक्लेव,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति प्
- (स) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

बम्स्ची

प्रापर्टी ए-201, पहली मंजिल, पालम अपार्टमेंट, ग्राम-बिजवाणन, नई दिल्ली, एरिया 850 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

तारीख : 13-1-1984

मोहर 🗓

प्रकार कार्य, टी. पुन्, पुरु, ---

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 203-अतः मुझे, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० जी-4/58 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायत्व' में कमी करने या उसने वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:——

(1) श्री चमन लाल सुपुत्र श्री राम किशोर, निवासी-डी-33, कमला नगर, दिल्ली, श्री गगन मल सुपुत्र श्री राम किशोर, निवासी-1012, कर्ता घी, तिलक बाजार, दिल्ली, श्री नागर मल सुपुत्र श्री राम किशोर, निवासी-डो-158, कमला नगर, दिल्ली, श्री अलोपी प्रसाद सुपुत्र श्री राम किशोर, निवासी-डो-जी, विश्वा अपार्टमेंट, श्री आचार्य रोड, सिवल लाईन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर सिंह ग्रोबराय ग्रौर श्रीमती सन्तोग ग्रोबराय, निवासौ-4–ग्रन्डरहिल रोड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त स्थितारों में से लियों व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में शकाशन की तारांश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्ग।

साव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मादिया गया हो।

जनसची

प्रापर्टी नं० जी-44 नेहरू प्लेस, बिल्डिंग नं० 58, नई . दिल्ली, एरिया-543 धर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 11-1-1984

मोहर 🕄

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई०/5-83/ 205-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
- कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 503-ए हैं तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिक्ति उच्चेश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर ब्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या वधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं॰ स्कीपर सेल्स प्रा० लि॰,22, बाराखम्बा रोड,नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ° विजय इलेक्ट्रिकल्स प्रा० लि०, 20, एस० की० ए०, बाला नगर, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

फ्लैट नं ० 503-ए, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरियान 352 वर्ग फीट ।

> सुझीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**र्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप आहें . टी. एन्. एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1,37 ईई०/5-83/ 207-अतः मुक्को, मुधीर चन्द्रा,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एस-565 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयक्षर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्दै किसी जाय की वाजत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या फिसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थाब्:— श्री सुभाय चोपड़ा, निवासी-15-ए/13, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल आग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० मलहोत्रा, निवासी 2/28, कालका जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविध्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नन्त्रची

2-बेड रूम, ड्राइंग डाइनिंग फ्लट ग्राउण्ड फ्लोर, एस०-565, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-एरिया 1666.25 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11~1-1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्षण आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदेग मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 208-अतः मुक्षे, सुधीर चन्द्रा,

- शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 12 है नथा जो सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1984
- को प्यों वत संपरित को उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित हाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल कः पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उदत अकारण लिखित में वास्तिवक रूप से विधित नहीं किया गया हैं ---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधितियम, के अधीन कर दंगे के मन्ताल के वारियत्व में कारी कारते या त्यमें वसने विग्रिता के सिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

सतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के सन्मरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 35—45601/83 श्री एस० धरम सिंह,
 ट्रस्टी-मै० धरम सिंह फैमिली ट्रस्ट,
 ए --2/140,
 सफदरजंग इनक्लेब,
 नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) डा० (श्रीमती) मंगला डी० सलंग, निवासी-सी-11/14, ज्ञिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविध द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पछ्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पक्षों का, जो उक्त अधिनियुम, के अध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुभूको

पिछे का भाग ग्राउण्ड फ्लोर, नं० 12, सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली, एरिया-950 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 11 -1-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 209--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 12 है तथा जो सीरो फोर्ट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोपत्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सारोख मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० धरम सिंह, दूस्टी-मै० धरम सिंह फैमिली दूस्ट, v-2/140, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक) र्

(2) श्रीमती अन्नापूर्णा मित्रा और श्री चिमनी मित्रा, फ्लैंट नं० 13-सो, सप्तापनी, 58/1 ब/लीगंज, सरकुतर रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध र् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सामने का भाग, पहली मंजिन, नं० 12, सीरी फोर्ट रोड नई दिल्ली,एरिया-950 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग--1, नई दिल्ली

तारीख : 12-1-1984

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काब्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली .

नई दिल्लो, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 210---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीयार्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में आयगर अधिवियम, 1961 के अधीन, तारोख मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया समा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्री एत० धरम सिंह ट्रस्टी ग्राफ धरम सिंह फैंमिलो ट्रस्ट, ए-2/140, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्लो।

(अटारह)

(2) श्री अशोज पण्डित, निवासी बुलन्द शहर, यू० पो०।

(अन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्ची

सामने का भागे दूतरी मंजित, नं० 12, सोरी फोर्ट रोड, नई दिल्लो, एरिया 50 वर्ग फीट ।

> मुगोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002 औ

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ग्उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थातः :—

ूतारीख : 11-1-1984

प्रारुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/37 ईई०/5-83/ 211--अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं अपेर जिसकी संज यू० बी० 1 बी है तथा जो 21, प्रारा-खम्मा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचो

में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जून रेज-1 नई दिल्ली भारतील आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अंसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रोज प्रा० लि०, 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री सरवजीत सिंह, निवासी मकान नं० 2007, सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाजर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० यू० बी० 16, 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली तावादो 250 वर्ग फीट ।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (.नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**र्ष** दिल्ली

तारीख : 11-1-1984

भोहर:ू

5

अस्प बाद¹, टी. एव. एस्.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्राह्म्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1 दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनार 12 जनवरी 1984

निर्योग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ६० ६०/5-83/212—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4, है तथा जो 11-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम-1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गिई हैं और मुभ्ने यह विश्वास फरमें का कारण हो कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल तो, एते रच्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की भावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं० जो० बी० इन्टरप्राइजेज,
 12-ए, वन्दना बिल्डिंग,
 11-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)
- श्री विजय कुमार बजाज, ,
 श्रोमती लीलावन्ती,
 निवासी—15/234, मोहन पुरा,
 सोनीयत।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकतो।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार पाकिंग स्पेस नं० '4, बन्दमा बिल्डिंग, 11-टाल्स् स्टाय भार्ग, नई दिल्ली।

> मुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारो**ख**: 12-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ई० ई०/ 5-83/213--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हो कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० 89-एल० जी० एफ्० है तथा जो 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपायड़ अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज नई दिल्ली, भारतीय आयकरी अधिनियम-1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आहु/या
- (क) ऐसी किसी आय या त्रिसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैं० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंसग प्रा० लि०, 22-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इकबाल कौर, एम०आई०जी० फ्लैंट नं० 8-सी, पोकेट-ए०, भाग-111, अशोक विहार, दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन क लिए आर्थवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यायता पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीत्र प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उकत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

89-एल० जी० एफ०, डा० गोपाल दास भवन, 28- । बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली एरिया-123.26 वर्ग फिट।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 13-1-1984

माहर:

it is the market

त्रक्ष्य कार्यः, टी. थन्, एस<u>.</u>------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक मायक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/214--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० 98-एल० जी० एफ० है तथा जो 28, बाराखम्त्रा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख मई 1983

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उपल बिधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में विद्या के सिए; ब्रीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीरु, मुस्तनिश्चित व्यक्तियों, अधीरु, मुस्तनिश्चित व्यक्तियों, मै० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०, 28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सुधीर शर्मा और श्री राजेश शर्मा, निवासी— बी-18, मजलिस पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३---

- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 98-एल० जी० एफ०, डा० गोपाल दास भवन, 28 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, एरिया--123.26 वर्गफिट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 13-1-1984

माहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजं 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/215——अतः मुझे, सृधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एइचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० जी-7, है तथा जो साकेत सिनेमा, कमप्लेयस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख मई-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के रूध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उन्तर अन्तरण लिखित के अस्तिक क्ष्य में कथित बहाँ किया गया हैं

- (क) जन्तरण से हुई फिक्षी आग की नायत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एरे गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किए। औना साहिए था, हिलाने में सुविधा के दिए;

अतः अवः, उत्रत अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीर :--- श्री मान सिंह राणा,
 निवासी छी-7/3 वसन्त विहार,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री सुखबीर सिंह,
 निवासी—-ई-93, साकेत,
 नई दिल्ली:
 फ्लैट नं० जी-7,

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यों करा के के दिन होती क्यों करा होते हैं की किसी क्यों करा हुनारा;
- (भ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अल व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पण्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

ववृस्ची

प्लैट नं० जी-7, साकेत सिनेमा कमप्लेक्स, नई दिल्ली एरिया--148 वर्गफिट।

> मुधोर चन्त्रा संक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-84

श्रह्म वार्षे. टो. एन. एस. ****

प्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थला

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदश सं० आई. ए० सी०/एमयू०/1/37 ई० ई०/

5-83/216--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- 4और जिसकी सं० 708 है तथा जो 19-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन हारीख मई 1983
- को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम से कम दृश्यमान पतिष्ठण के लिए अल्टिर्स की गई है और मुझे यह किल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से खक्त प्रन्तरण किल्ला में वास्तविक कप से स्थित नहीं किया गया है:----
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूधिशा के लिए; और/या
 - (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उदल अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/यां

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों. अधीन :—— 36—456G1/83. 1. श्री एस० एन० अरोड़ा,
श्री नरेशा अरोड़ा और
श्रीमसी कौशस्या अरोड़ा,
निवासी---19-वस्ट पटेल नगर,
नर्ड दिस्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती राज मोहिन्दर श्रार पत्नी श्री जरनैल सिंह श्रार, निवासी——डी—1/13, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपति के अर्जन के लिए कार्विषाहियां करता हुए।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

ब्जैट नं० 708, 7वीं मंजिल, अरुनाचल बिल्डिंग, 19-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली---एरिया-500 वर्गफट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

प्ररूप आहें, टी. एत. एस.-----

आयकर अधिरिएस. 1961 (1961 का 43) की . धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अन्यकर जानुकत (विरक्षिण) अर्जन रोंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं े अ। ई० ए० सं । $\sqrt{\frac{27}{37}}$ ई० ई०/ 5-83/217—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनाह 'ायत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन समाद प्राधिकारी की, यह विश्वत करने का 25,000/- हा में जिल्हा है ।

और जिसकी मं की-18 है तथा जो दसना गर्ग, वसनत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावड शनुसूची में पूर्व स्थान विणा है), रिजस्ट्रीलिसी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ला, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन नारीख मई 1983

को पर्वदित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्या, अगके व्यमान प्रतिफल से, एमें व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसान ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्तरिविषत उद्देश्य से उदा अन्तरण नियित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हा भारतीय राष्ट्रकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) रा उन्त अधिनियम, जा गा-पर किरियम, का 70 (1907 का 27) के प्राचित्रक अंशिरती द्वारा शहर नहीं किया पर या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अवः, उपह अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अपन अधिनियध की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

श्रीमती क्षेत्रा कुमारी
पत्नी श्री के० गजराज सिंह और अदर्स,
निवासी सी-68, सरोजनी मार्ग,
सी-एकीम, जयपुर।

(अन्तरक)

श्रीमती सृख्वित्रत्य कौर,
 निवासी——1520, गुष्द्वारा रोड़,
 करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि रा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो नं ० बी-18, बसन्त मार्ग वसन्त विहार, नई दिल्ली-57, एरिया---400 वर्गकिट।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहादक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110902

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत .सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1 नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनाक 11 जनवरी 1984

निदश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/218--अत: मुझे, सुधीर चन्द्र,

अग्विकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कन अधिनियम' कहा गया हुई), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्यास करने का क्कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 404 है तथा जो 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व एप ते वर्णित है), रिजिल्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, अर्जन रोज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोचन सर्फाल का जिवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एमें दश्यमान प्रतिफाल के पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया था प्रतिफाल, किनिजिखा उद्दश्य से जन्तर अन्तरण केलिए सर पाया का प्रतिफाल, किनिजिखा उद्दश्य से जन्तर अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कोमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिष्यित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० बनशो विक्रम विकास क्ष्यिद्रक्शन कं प्राठ लिं० 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम कुमार, श्रीमती, रेनु कुमार, श्रीमती स्नेह कुमार और श्रीमती सवीना कुमार , निवासी—ए/3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाड़ जिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रसापित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 404, चौथी मंजिल, एरिया 696 वर्गफिट, 13–दालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 1 दिल्लीं नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

प्रकप बाइ .टी. एन. एस्. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/219--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उजित बाबार मृस्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 504, है तथा जो 13-टाबलस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की वावत; उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के शायरण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् ा—

 मैं० अक्सी विक्रम विकास कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री हरनाम सिंह,
 श्री जगजीत सिंह और
 श्रीमती गुरशस्त्र सिंह,
 निवासी—27/10, ईस्ट पटेल नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति क्षेत्र अर्थन् के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति अकंत को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- , (क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारिय सू 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिस की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों मुँसे किसी त्यदित द्वारा;
 - (ण) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीश सं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में भिष्ट पा सकी।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जञ्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 504, 5~मंजिल, 13–टालस्टाय मार्ग, न 6 दिल्ली, एरिया—-696 वर्गफिट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🖰

प्ररूप आई.टी.एस.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई' दिल्ली, दिनांक 11 जनुबरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/5-83/221—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विक्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपास्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी सं 807, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रेकिश अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित गाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल है अपि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वदेय से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी भाग की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए!

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की शारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती गुरिमन्दर राखी.
 पत्नी मेजर बी. एस० राखी,
 श्रीमैती सर्वजीत कौर
 पत्नी श्रो जी० एस० राखी,
 शोमती हरप्रीत राखी,
 पत्नी श्री सी० एस० राखी,
 पत्नी श्री सी० एस० राखी,
 निवासी—ई०-711, कर्जन रोड़,
 अपार्टमेंट, कस्तूरवा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रा परमजीत सिंह गुलाटी औ गुरचरन गुलाटी, निवासी बी-37, निजामुदीन बेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ल संपत्ति की अर्जन के निस् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़े भी आक्षेप :--

- (क) क्ष राष्ट्रा के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्या

फ्लैंट नं० 807, 8वीं मंजिल, तादादी 560 वर्गफिट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग नं० 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बिल्ली, नई बिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1981

मोहा अ

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्वेश सं० आंई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/222--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, प्लाट नं० 45 है तथा जो फेंड्स कालोनी, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः—

_ 1. मैं युनीटेंक बिल्डर्स प्रा॰ लि॰, 702, विशाल भवन, 95—नेहरू प्लेस, नई दिल्ली—19।

(अन्तरक)

2 श्रीमती उशा रानी कपूर, निवासी—कपूर लाज सालन, 175212 (एच० पी०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अश्रोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिशा गया है।

जनुसूची

फ्लैट नं॰ 5, 45-फोंड्स कालोनी, नई दिली; एरिया--

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

मोद्वर 🗵

प्ररूप आईं, दी. एतं, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एस्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/223--अतः मुझी, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 27 है तथा जो गान्ती विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख मई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल को लिए अन्तित्ति की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती पुष्पा गर्मा, निवासी---10001, वेस्ट गोरख पार्क, गाहदरा, दिल्ली-32।

(अन्तरक)

 श्री जिलोकी नाथ, निवासी—ची० एफ०-50, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का भह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए क् काद्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस्ती अर्ज्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं० 27-शान्ति विहार, नई दिल्ली, एरिया---290.97 वर्गे गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 11-1-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर त्रायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनाक 11 जनवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/224--अत: मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गण है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० 619-ए, है तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो, में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अवीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के उपित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/सा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रिण्यों में सविष्य के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैं० स्कीपर सेस्स प्रा० लि०,
 22-वाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं० नार्थनं इण्डिया ट्रेडिंग कं०, जी-15, 56 अरोज अपार्टमेंट, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मं सं किसी व्यक्ति धुदारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

फ्लैट नं० 619-ए, नाइनदो 129 वर्गफीट, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

तारीख: 1₁1-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/5-83/240--अतः, मुझी, सुझीर चन्द्रा,

•भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 42 है, तथा जो दीपक बिल्डिंग, 13— नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अल्लिश्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए?

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अधीत् हु--- 37—456 GU/83

 श्री योगेश गांधी, निवासी—-ई०-165, कमला नगर, दिस्ली—7।

(अन्तरक)

मैं० लाइट वेट एग्रीमेंट प्रा० लि०,
 59-बाम्बे समाचार मार्ग,
 फोर्ट, बम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिकात में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है 🗓

जनसभी

फ्लैट नं० 42, दीपक बिल्डिंग, 13-नेहरू प्लेस, नई बिल्ली, एरिया---693 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०4/1/37 ई० ई०/ 5-83/226—अतः मुझे, सुधीर चन्द्र $_{i}$,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे . इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 608-ए० है तथा जो 95-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त जनतरण से लिए तम सिक्त के साम्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वांचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाता वाहिए वा छिपाने बें सुविधा के लिए;

 मै० विणाल बिल्ड्स प्रा० लि०, ई-18, एन० डी० एस० ई०- , नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं ॰ जैनमन इंजीनियर्स, 36-एन॰ डी॰ एस॰ ई॰-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु बुबता बारी करके पुवाँक्य सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला ह**ं** ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रो॰ नं॰ 608-ए॰, 95-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया--<math>165 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ३

नतः नंत, उन्त निधिनियम कौ धारा 269-ग के जन्सरक मीं, मीं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 11-1-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिका)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 5-83/227--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-5, है तथा जो 35-36, अग्रवाल भवन नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारों के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तारण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

नतः नव उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>कित व्यक्तिकों</u>, अर्थात करण मै० पाल फर्नीचर हाउस, ई-20, हौज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मैं० यूनिवर्सल ट्रेडिंग कं०, 304, माउन्ट रोड, मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

शॉप नं० जी-5, विस्डिंग नं० 35-36, नेहरू प्लेस, नई दिली, एरिया---369 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

लारीख: 11-1-1984

मोहर 🖺

भृ**क्ष भार**्य टी. एस., एस., ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269क (1) के मधीन सूचना

नाउत संस्कार

कार्यासय , सहायक मायकर मायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/57 ई० ई०/5-83/228—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 268-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 704 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान् प्रतिफल के लिए बन्त्रित की गृष्ट हैं बीर मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणितः बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के दीज एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उप्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त सिंपिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त सिंपिनियम की भारा 269-म की उप-भारा (1) के सभीन, निम्नसिंबित स्प्रियमों, अर्थात्:—

- श्री बलबीर सिंह खुराना और श्रीमती सुरजीत खुराना, 6/20, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- 2 मै० वरिन्दर एण्ड संस (एच० यू० एफ०) और इन्दर बाहरी (एच० यू० एफ०), 5/6, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ब 45 दिन की श्रवित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्पक्तियों में से शिसी स्पित्त इन्दा;
- (ख) इस पूचना के राजपान में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के मीतर उनत रसावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्ष्मित द्वारा, श्रद्धोहस्ताधरी के पास िखित में किए जा सकेंगे।

म्यब्द्धीक्षरण:--इनन प्रयुक्त तन्द्रां और पवों का, जी उपत विजियम के प्रध्यात 20-क में परिभाषित है वहीं ग्रांक्षिण, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 704, 7-मंजिल, 22-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, एरिया—550 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्री सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

5 C. 41 0

मोहर :

प्ररूप बाइ े दी. एन - एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1-: नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/57 ई० **६०/** 5-83/229-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 810-सी०, है तथा जो 95-विशाल भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० विशाल बिल्डर्स प्रा० लि०,
 ई-18, एन० डी० एस० ई०, भाग 2,
 नई दिस्ली!

(अन्तरक)

अी जगदीश चन्दर (एच० यू०,एफ०), सुपुत्र श्री जैसा राम, निवासी--8-ए. नजफगढ़ राड. नई दिल्ली।

(अन्तरिती) .

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा स्कोंगे।

स्याध्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

आफिस कम-स्टोर स्पेस नं० 810-सी, 95-विणाल भवन, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली, एरिया--196 वर्ग फीट।

> सुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-11 0002

तारी**ख:** 11-1-1984

मोह्यर 🔅

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सृणना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/57 ई० ई०/ 5-83/230--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 601 है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय में अर्जन रेंज-1, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सभ्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसफे रहरमान प्रतिफल से ए'से रहरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **है।**

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बी० आर० मलहोता, निवासी डी-19, एन० डी० एस० ई०-1, नई विल्ली।

(अन्तरक)

श्री मकसूदन लाल,
 श्री विपन असीन,
 निवासी—623,
 पोस्ट आफिस बिल्डिंग,
 चांदनी चौंक,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्षिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैंट नं० 601, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो, एरिया—750 वर्ग फुट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाइ . टी . एन . एस . -----

आसकर अधिनियम, 1961 (†961 का 43) की भारा 269-च(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सें० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई० ई०/ 5-83/233-अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपातत. जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 206, ई०→588, है तथा जो ग्रेटर कै नाग्य~11, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में पूर्ण का में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप् से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह

 मैं० मल्हन बिल्डर्स, निवासी—ई०-588, ग्रेटर कैलाश--11. नई दिल्ली।.

(अन्तरक)

 श्रीमती सुचिन्त वोहरा, पत्नी श्री मनोहर वोहरा, निवासी----डी०--52. नरायण विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदां का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगतची

प्रो० नें० 206, दुसरी मेंजिल, ई०-588, ग्रेटर कैलाण-11, नई पिल्ली, एरिया 396 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर ः

प्ररूप जाइ .टी. एन. एस .-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सँ० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई० 5-83/234--अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के इप्रीत सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित्र बाजार सूद्य 25,000/- द० में अधिक है

और जिसकी सँ० 3, है तथा जो एम०-3, ए० वी० सी० भवन, कर्नांट प्लेप, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी आय की बाबत एकत अधि -नियम के सक्षीत कर वेने के अस्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा प्राय या किसा धन या भन्ध भास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ चन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुबिधा के लिए;

बतः सब, उनत प्रधिनियम को घारा 269-न के सनुसरण में, में, उनत अविनियम हो धारा 269-न की उपवारा (1) के के अधीन विन्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री निरन्दर आनन्द मुपुत्र श्री ज्ञान चन्द, निवासी एफ०-14, कम्पीटेंट हाउस, कनांट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मै० हरनाम दास फैमिली ट्रस्ट, द्वारा श्री ज्ञान इन्दरजीत, निवासी——डी०—14—ए०/30, माङल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना **जारी करके प्वाँ**क्छ_् सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वकारिक रणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पश्चों का, जो उक्त विश्वितमा, के कथ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया ग्याहै।

धरसची

फ्लैट नैं० 3, चौथी मैंजिल, एम-3, ए० वी० जी भवन, कर्नोट प्लेस, नई दिल्ली, एरिया—652; वर्ग फुट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1984

मोहर्

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, नई विल्ली नई दिल्ली, विनोक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37-ई० ई०/ 5-83/238—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी सं० 816 है तथा जो 21-बारखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और केंन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केंसिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसमे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एनेसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 38—456GI/83 (1) मै० अरिवन्द नेरीटेदयत फाउन्डेशन, 5-वेस्टर्न एवेन्यू, महारामी बाग, नई दिल्ली, द्वारा श्री प्रेम प्रकाश

(अन्तरक)

(2) श्री के० एन० बक्शी
(अम्बासङर आफ इन्डिया),
स्टोकहारुम स्वीडेन,
मार्फत मिनिस्ट्री आफ एक्सटरनल अफेयर्स,
साउथ ब्लाक, नई दिल्ली,
द्वारा अटार्नी जनरल के० एन० खेशला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भींतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

रमसची

प्रकृट नं० 816, 8-बीं मंजिल, 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया 440 वर्गफीट।

मुधीर घन्बा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-1-1984

मोष्ठर:

इक्प नाई. टी. एन. एवं.------

नायकार निधिनियमं, 1961 (1**961 का 43) की** भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भावक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिलली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदम सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ई० ई०/ 5-83/241-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2-जे हैं तथा जो बी० पी० एम० बिल्डिंग, 16-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख मई 1983

को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य , जमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्देश्य में उचत अन्तरण लिकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं कर्म, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, दुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, भी, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ट व्यक्तियों, अधित् :---- (1) श्री शेर बहादुर सिंह शाहपुरी, निवासी ए-5, पम्पोश इनकलेश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शालीनी खन्ना श्रौर मास्टर निशाल खन्ना (माइनर), निवासी एस-186, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह स्वना चारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्थन के तिष्क्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी वबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ज) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अवस विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित --ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया वृद्ध ही ॥

नगस्यी

कार्यालय फ्लैंट नं० 2-जे दूसरी मंजिल, तादादी 570 वर्गफीट, मस्टी स्टोरी, डी० सी० एम० बिल्डिंग, 16-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

ना**रीख**: 11-1-1984

मोहर ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ई० ई०/ 5-83/243-ए--अतः, मुझे, सुझीर चन्द्रा

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का अधिरण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ई०-8 है तथा जो पुष्पांजली फार्म, बिज-वाशन, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किम्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयस के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अरिस्तयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जावा चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रंसल प्रोपटींज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115-ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तेजबीर सिंह जागी, निवासी डी-91, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्ति तयों पर स्थानाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वा दमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सको।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनतची

फार्म नं० ई-8, पुष्पांजली फार्म्स, बिजवाशन, 'नई दिल्ली, एरिया 2.5 एकड़।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 जनवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई० ई०/5-83/244-अअतः मुझे सुधीर चन्द्रा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं 1505 है तथा जो देविका टावर्स, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983 को प्रवॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधां के लिए;

बतः अव, उक्त बिधनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-अ की उप्धारा (1) के बधीन, निम्निसिस स्यक्तियों, अभीत् ह (1) श्री अमोक कपूर एण्ड कं० (एच० यु० एफ०), 16-एल, कनाट प्लेस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी दिव्या खन्ना सुपुती श्री पी० के० खन्ना, निवासी 61/14, रामजस रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) /स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सूं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

पलैट नं॰ 1505 (15वी मंजिल), देविका टावर, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 325 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विरूली, नई दिल्ली

ता**रीख**: 11-1-1984

मोहर 🖟

प्ररूप बाई . टी. एन . एस . -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ई० ई०/5-83/245---अत: मुझे सुप्तीर चन्द्रा जायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया १), की घारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 314 है तथा जो 22-कें जी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय,पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिश्तित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिश्वित में वास्तिवक स्थास कि पात हो। जिल्ला गया है :----

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियंत्र के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भून या बृत्य आसित्वों, की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था का किया वाना चाहिए था, जिनाने में सविभा के लिए;

अतः वाज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री डा० एस० एन० भण्डारी
 (एच० यू० एफ०),
 206, गोल्फ लिंक रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री गोविन्व लाल मुखीजा एण्ड सन्स, डब्स्यू० जेड-196, शिव नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्तित को कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृवना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमीं प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो अक्त स्थितियम के सभ्याय 20-क में परिभाजित ही, बसी अर्थ होगा को उस अध्याय मी दिसा गया ही।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 314, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, 22-कें० जी० मार्ग, नई विल्ली, 542 वर्गफीट।

> सुधीर धन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 11-1-1984

मोहर 🖯

प्ररूप जाहाँ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्यः महायक गायकार भागृक्तः (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्स्०/1/37-ई० ई०/ 5-83/246---अ्तः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 1004 है तथा जो 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिबित में बास्तिबक रूप ने किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आद्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० बक्शी बिकम विकाश कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०, 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० अजीत सिंह दुगल, प्रेमजीत सिंह दुगल और इन्दरजीत सिंह दुगल, बी-15, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्स्यी

सोप नं॰ 1004, 10वीं मंजिल, 13-टालस्टाय मार्ग, नई षिल्ली, एरिया 696 वर्गफुट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर:

 $\Gamma = \{ \gamma_i : \gamma_i \in \mathcal{N}_{i+1} : i \in \mathcal{N} \}$

प्रकृप कार्यः टी. एन. एस्.

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन मृभाग

भारत श्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ई० ई०/ 5-83/247—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1005 है तथा जो 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आधकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वरिय से उकत अन्तरण निकास में वास्तियक रूप में कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुए किसी नाम की बाबत, उकत बीधीनयम के बाधीन कर दोने के बास्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बाबने में सुविधा के सिक्ष्य स्वीट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्हा गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीत—: (1) अवशी विश्वम विकास कल्स्ट्रवशन कं प्रा० लि , 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्सरकः)

 (2) श्री ब्जिन्दर सिंह दुगल, निवासी बी-15, महारानी काग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती')

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि को भी जवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ब) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा. अभोहस्ताक्षरी के पास स्वित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

सोप नं० 1005, 10वीं भंजिल, 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, एरिया 696 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखं: 11-1-1984

मोहर 🛚

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के सधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सू०/1/37-ई० ई०/ 5-83/248—अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 12 है तथा जो 45-फेन्डस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वेवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापत्रींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेवस से उक्त अन्तरण किसित में बास्तिक क्या से किसित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गामत, उक्त ग्रीधनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में स्विभा के लिए।

अतः भव, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै॰ उनिटेक बिल्डर्स प्रा० लि॰,
 702-विशास भवन,
 95-नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) मै० कैप कम्पनी जनरल लि०,3/1, आसफ अली रोड,नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपय में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ल) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मेंपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

प्रो० नं० बरसाती उनिट फ्लैट नं० 12, 45-फ्रेंड्स भालोनी, नई दिल्ली, एरिया 550 वर्गफीट लगभग।

> सुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1984

मोहर 🕸

प्ररूपः बार्दः दी. एतः, एसः,-------

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई० ई०/ 5-83/249—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12 है तथा जो 45, फेंडस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, वैधित् :--- 39-456GI/83

(1) मै० युनिवेक बिरुदर्भ प्रा० लि०,
 702-बिशाल भवन,
 95-नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० कैप कम्पनी जनरल लि०,
 3/1, आसफ अली रोड,
 नई विस्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों गुरु करता हुई।

उक्त संपर्तित के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषिर हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

. अनुसूची

प्लैट नं० 12, 45-फेंडस कालोनी, नई दिल्ली, एरिया 1777 वर्गफीट।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीच : 11-1-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कायांलय, महायक आयक'र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ई०ई०/5-83/250---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण्[ृ]हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रः. से **प्रधिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं 14 है तथा जो 45-फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिएल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंम, या धन-कर अधिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, कुर्यात् :--

(1) मै० उत्तिटेक बिल्डर्स प्रा० लि०, वि 702-विशाल भवत, 95-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव एस० कपूर ग्रीर श्रीमती सुविरा कपूर, मार्फत करनल ए० डी० मलहोसा, निवासी बी-246-ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 14, बरसाती उनिट, फ्लैट नं० 14 के साथ टेरेस, 45-फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली, एरिया 2377 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ता**रीख**: 11-1-1984

मोहुर 🛭

प्ररूप बाही, टी. एन. एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/1-37-ई० ई०/ 5-83/251—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित काजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो 45-फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मृझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पन्ति का तिचत बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे किसी सुविधा के लिए;,और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरी था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 बा० बनवारी लाल एण्ड श्रीमती उथा लाल, निवासी एम-30-ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० युनिटेक बिल्डर्स प्रा० लि०, 702-विशाल भवन, 95-नेहरू प्लेस, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसन्ती

पर्लंट नं० 9, 45-फ्रेंडस कालोनी, नई दिल्ली, एरिया 2479 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नुई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपृधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--

तारीख: 11-1-1984

मोहर 👙

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य्०/3/एस० आर०-3/5-83/125--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जेड-3 है तथा जो होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पोत्त के उचित बाजार मृस्य से कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निज्ञाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाबिक, व्यक्तियों, वर्धातः— (1) श्री प्याम सुन्दर पान्डे, निवासी 2389, चिपीवारा कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) पास्टर के० एम० ठकवान मार्फत सोसाइटी आफ द वर्च आफ गाड, प्लाट नं० 108, पेस्टम सागर, तिलक नगर, वस्वई-89।

(अन्तरिती)

को यह सुणना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० जेड-3, होज खास, नई दिल्ली, एरिया 266 वर्ग गज।

> बीं० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई विल्ली

तारीख: 29-1-1984

मोहर:

मक्य बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत् तरकार

कार्यालय., सहायक आयकर मायुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० एन०-74/एक्की०--यतः मुझे, ए० प्रसादः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है खसरा नं० 141/12 है तथा जो मौजा-जिया मऊ, थाना हजरत गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 30-5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में स्विधा के सिए; और्√वा
- (इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था छिपाने में स्विधा में सिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित स्यक्तियों. सर्मातः :--- (1) श्री सीहन

(अन्तरक)

- (2) तूर सहकारी गृष्ट निर्माण समिति लि०, लखनऊ उत्तरा अनि० सचित्र, श्रीः हर्नीफ खान (अन्तरिती)
- (3) उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पण्णि है)

को यह सूचना बारी कारके पूबाँ अत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपस् सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मंं कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सर्कांगे

स्पस्त किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, बही अध्यक्षित जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्त्वी

कृषि भूमि खसरा नं ० 141/12. पैमाइसी 11 बिस्वा स्थित मौजा जिया-मऊ थाना हजरत गंज लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6307 में विणत है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30-5-1983 को किया जा चुका है।

> ए॰ प्रसाद मजम अधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 31-12-1983

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

" Hew Delhi, the 9th January 1984

No. A. 12019/2/83-Admn.II.—In continuation of this office Notifications No. A 12019/1/80-Admn.II.—dated 9-12-1980 and 3-1-1981, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby extends the terms of deputation of the following Junior Research Officers (Hindi) for a further period of one year with effect from the dates mentioned against them, or till the formation of Central Secretariat Official Language Service (Croup 'A' & 'B' posts) or until further orders, whichever is earlier:—

- 1. Shri J. N. S. Tyagi-4-12-83.
- 2. Shri Brahma Naud--26-12-83 (AN).

Their term of deputation will be governed according to the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 1(11)-E.U1(B)/75 dated 7-11-75 as amended from time to time.

K. V. MATHEW
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 26th December 1983

No. A-1914/12/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Ramji Singh, an Officer of the Indian Statistical Service, as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 17th December, 1983, until further orders.

The 31st December 1983

No. A.19014/6/80-Admn.I. Section—The President is pleased to permit Shri S. Srinivasan, who was re-employed as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from 1-10-83 to be relieved of his duties with effect from 31-12-83 (AN) on the expiry of the period of re-employment.

The 13th January 1984

No. A-3@011/1/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad hoc basis for a period of 45 days with effect from 30-12-1983 to 12-2-1984, or until further orders, whichever is earlier:—

St. No. Name of officer

- 1, Shri B. N. Arora
- 2. Shri I. P. Tuli
- 3. Shri K. L. Suri
- 4. Shri B D. Sharma
- 5. Shri Yoginder Nath

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION®

New Delhi, the 12th January 1984

No. 1/5/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri D. C. Gupta, IAS (OR: 67) an officiating Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission as Director in the scale of pay of Rs. 2000—2250 in an officiating capacity with effect from the foreupon of 24th July, 1982, until further ordes.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 18th January 1984

No. A/19036/15/75-AD-V.—The services of Shri S. K. Mehta, Dy. Supult, of Police on deputation to Central Bureau of Investigation, from Gujarat State Police on repatriation were placed at the disposal of Government of Gujarat with effect from 5th January, 1984 forenoon.

No. A/19015/3/84-AD-V—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. D. Pandya, DSP, an officer of the Gujarat State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in C.B.I. with effect from the forenoon of 5th January, 1984 until further orders.

No. A-1905/15/84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Y. V. S. Rao, Inspector (FP) CFPB as Dy. S. (FP)/CFPB Calcutta on promotion, on purely ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 31st December, 1983 or till recommendations of the DPC are received, whichever is earlier.

No A-1905/2/84-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri O. U., Cherian Inspector (FP)/CFPB as Dv. S. (FP)/CFPB Calcutta on promotion on purely ad hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 31st December, 1983 or till the recommendations of the DPC are received whichever is earlier.

The 20th January 1984

No. R-14/72-AD-V.—The services of Shri R. K. Verma, Senior Public Prosecutor (Ad-hoc)/C.B.I Chandigarh are placed at the disposal of the Cabinet Secretariat with effect from the afternoon of 31st December, 1983 on deputation.

No. B-1/73-AD.— The President is pleased to appoint Sh. Baliit Singh. Public Prosecutor. Central Bureau of Investigation to officate as Senior Public Prosecutor on ad hoc basis with effect from the forenoon of 4-1-1984 and till 29-2-1984 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

The 21st January 1984

No. A-19013/1/84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Sharma, IPS (A&M: 1966) as Deputy Inspector General of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th January, 1984 upto 17th January, 1987.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CEI

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 13th January 1984

No. O.II-1311/76-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Jagir Singh relinquished the change of the post of Dy. SP 32 Bn CRPF in the afternoon of 31-12-1983.

No. P.VII-7/80-Estt.I.—The President is pleased to confer the honorary rank of Coy. Commander/Quarter Master on the undermentioned inspectors in a temporary capacity until further orders, they took over charge of the post in the units and dates are mentioned against their names:—

- 1. Shri P. S. Negi, GC (Durgaour)-31-10-83.
- 2. Shri Gurmej Singh, GC (Imphal)-12-11-83.

No. O.II-1892/83-Estt.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. Gopalakrishnan, an officer of Indian Audit and Accounts Service as Deputy Director (Accounts) in the CRPF.

2. Shri S. Gopalakrishnan took over charge of the post of Deputy Director (Accounts) Dte Genl. CRPF on the forenoon of 4th January, 1984.

No. O.II-1897/84-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rajinder Kumar, as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st December, 83, subject to his being declared medicary fit.

The 16th January 1984

No. O.II-1898/84-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. P. C. Tripathy as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon 31st December, 83, subject to his being declared medically fit.

No. O.II-1899/84-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Balwant Vir Vikram Singh, General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police//Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th December, 83, subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 7th January 1984

No. 23/3/83-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 decreased by two points to reah 559 (five hundred fifty nine), during the month of December, 1983. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of December, 198, works out to 679 (six hundred seventy nine).

A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th January 1984

No 8 FC2(30)-A/82.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Khanna, retired Research Officer, Eighth Finance Commission, as Research Officer in the same Commission in the scale of Rs. 700-1300 with effect from 1-12-1983 to 29-2-1984, on re-employment basis.

T. C. NANDA, Admn-cum-Accounts Officer

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P), the 17th January 1984 R

F. No. BNP/C/5/84.—One the recommendations of the D.P.C. (Group 'B') the following officers are appointed in substantive capacity against the permanent posts and from the dates shown against each:

S. No.	Name	Post against which appointed in substantive capacity	Date of substantive appointment
` <u>1</u>	2	. 3	4
Sh 1. N	ri 1. Dutta .	Technical Officer (Designing and Engraving)	26-7-1982

1 2		. ž	4
Shri			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
2. M. Ponnuthurai	•	Technical Officer (Printing & Plate- making)	26-7-1982
3. N.R. Jayraman .		Do.	26-7-1982
4. D.R. Kondawar		Do	26-7-1982
5. Rampal Singh .	,	Do.	26-6-1982
6. Y. Janardhan Rao		Do.	22-8-1982

M. V. CHAR, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I), BIHAR

Ronchi, the 16th January 1984

No. Admn.II-1416.—The Accountant General (I), Bihar, Ranchi has been pleased to Promote Shri Satyanand Sinha a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 1-12-83 (FN).

Sd/- ILLEGIBLE
Si. Dy. Accountant Genl.,
(Admn.,) Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I GUJARAT Ahmedabad-380 001, the 17th January 1984

No. Estt.(A)/GO/3(37)/1648.—The Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service, to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad with effect from the date shown against each until further orders.

S/Shri

- 1. H. J. Thakar-21-12-83 FN
- 2: T. L. Krishnan-21-12-83 FN
- 3. R. Rangachari 4-1-84 FN
- 4. C. R. Changrani-6-1-84 FN.

The above promotions have been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

V. D. JOSHI, Sr. Dy. Accountant Genl. (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

Calcutta 700069, the 16th January, 1984

No. 2/84/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against each:

1. Shri C.R. Bhattacharyya	Offiz. Asstt.	From
A.S.O. (Ad-hoc)	Staff Officer	22-12-83
2. Smt. Renuka Mitra,	Do.	From
A.S.O. (Ad-hoc)	*	07-01-84
3. Shri J. Chowdhury,	Do.	Fron
A.S.O. (Ad-hoc)	•	07-1-64
4. Smt. Maya Acharyya,	Do	From
A.S.O. (Ad-hoc)		07-1-84

- 2. The above promotion shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The officers will be on probation for two years from the dates of their promotion.

The 19th January 1984

No. 1/84/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, the following officers retired from service w.e.f. 31-12-83 (A.N):—

- Shri Harikesh Das, Offg. Asstt. Staff Offleer—(Substantive and Permanent Asstt).
 Shri Sakti Ram Mukherjee, Offg. Asstt. Staff Offli-
- Shri Sakti Ram Mukherjee, Offg. Asstt. Staff Officer, (Substantive and Permanent Asstt).
 Shri Nitvanan la Chakraborty, Offg. Asstt. Staff Officer.
- Shri Nitvananda Chakraborty, Offg. Apat. Staff Officer, (Substantive and Permanent Asst.).

D. R. IYER, DDGOF/Personnel for Dir. Genl., Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMOPRTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th January 1984

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6./407/56-ADMN(G)/518.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Saha, Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1983.

V. K. MEHTA.

Dy. Chief Cont. of Imports and Exports For Chief Cont. of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 18th January 1984

No. EST.I-2(627)/351.—The President has conveyed the acceptance of the resignation of Shri P. K., Gangopadhyay Deputy Director (Production & Development). Regional office of the Textile Commissioner, Amritsar, with effect from the afternoon of 31st December 1983.

S. RAMAMOORTHI, Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT). OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th January 1984

No. A.19018(641) /83-Ad nn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri R. K. Saksena, Small Industry Promotion Officer (Mech.), Small Industries Service Institute Allahabad as Asstt. Director (Gr.II) (Mech.) on ad-hoc basis at Field Testing Station, Solan, under Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the foremon of 14-2-1983.

No. A.19018(670)/83-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri P. K. Sinha as Assistant Director (Gr. II) (Food) at Br. Small Industries Service Institute, Imphal under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 21-11-1983 until further orders.

The 21st January 1984

No. 12(67)/61-Admn(G) Vol.IV.—On attaining the age of superannuation Dr. J. D. Verma, a Grade I officer of the Indian Economic Service relinquished on the afternoon of 31st December, 1981, charge of the post of Director (Gr.I)

(GAD) which he was holding on deputation basis in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi.

R. R. FOUZDAR, Dy. Dir. (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 17th January 1984

No A-1/1(1227).—The President is pleased to appoint the following candidates nominated by the Union Public Service Commission on the results of the Engineering Services Examination, 1981; on probation for a period of two years in Grade III of Indian Supply Service, Group 'A' with effect from the dates mentioned against their names as under:—

- (1) Shri Rajiv Kumar Singh-30-11-83 (FN)
- (2) Shri L. Linga Murthy-8-12-83 (F.N.)
- 2. The above officers assumed charge of the post of Asstt Director (Grade-I) (Trainee) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the dates mentioned against their names.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy Dir. (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 12th November 1984

No. 334B/A-32014(1-Assit. Geol.)/82-19A.—The following Senior Technical Assistant (Geol.), Geological Survey of India are appointed by the Director General, G.S.I. on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders.

- (1) Dr. Lal Chand Dhiman—3-10-83 (FN)
- (2) Shri J. K. Srivastava-3-10-83 (FN)
- (3) Shri A. K. Tripathi-5-10-83(FN)
- (4) M. H. Abbas-1-10-83 (FN)

A. KUSHARI, Dir. (Per.) Geol. Survey of India.

Calcutta-16, the 16th January 1984

No. 394B/A-32013(SO)/83-19A.—Shri A. k. Das, Stores Superintendent (Tech.), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-380-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27-10-83 until further orders.

R. N. SINGHAL, Dir. (Admn.)

INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 21st January 1984

No. A.19011(341)/83-Estt.A.Vol.I.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Ashok Kumar Sen Gupta, Senior Technical Assistant (Geo.) to the post of Assistant Orgoressing Officer in the Indian Bureau of Mincs in an Officiating capacity with effect from the afternoon of 22nd December, 1983.

A. R. KASHAV, Sr. Admi, Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 18th January 1984

No. F.12-3/83-Estt.—The Director of Archives, Government of India, hereby promotes the undermentioned Assistant Archivists, Grade I (General) to officiate as Archivists (General), Group B (Gazetted), on regular temporary basis with effect from the forenoon of 11th January 1984, until further orders:—

- 1. Shri Paras Nath
- 2. Smt. G. D. Vasisht
- Shri Teg Singh (SC); Against reserved vacancy for Scheduled Caste.

TARLOCHAN SINGH, Administrative Officer, National Archives of India for Dir. of Archives

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS & THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700 019, the 18th January 1984

No. 31-9/21-GCV/Estt.—On return from deputation Shri G. C. Varshney, assumed charge of the post of Scientific Officer in N.A. & T.M.O. in the scale of Rs. 650-1200 with effect from 31-12-1983 (Afternoon), until further order.

G. K. DUTT, Director

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th January 1984

F. No. 4/9/83-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Sh. D. P. Sharma, Sr. Hindi Translator, Min of Finance, Deptt. of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from 26-12-83 for a period of one arear till the time Recruitment Rules are finalised and regular incumbents are appointed, whichever is earlier in the office of All India Radio, Bhopal.

SMT. RUKMINI DAS GUPTA, Dy. Dir. Admn. for Dir. General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 20th January 1984

No. A-19012/39/83-CWI.262.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to promote Shri Bhupinder Singh, Architect Asstt. Grade-I and appoint him to officiate in the grade of Asstt. Architect in the Civil Construction Wing of All India Radio at New Delhi (Hqrs.) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/with effect from 9-12-1983 (FN).

2. The appointment of Shri Bhupinder Singh is governed by the terms and conditions contained in the Order of promotion bearing No. A-32014/2/83-CW.I. dated 9-12-1983 already issued to him.

S. K. MOHINDRA,
Engineer Officer to Chief Engineer (C)

for Dir. General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th January 1984 CORRIGENDUM

No. A-12025/21/81-Adm.I(Pt.II).—The spelling of the name of Shri R. Chandra Sekhar occurring in the 1st and 40—456GI/83

2nd line of this Directorate's Notification No. A-12025/21/81-Admn.I(Pt.II), dated 24-10-1983 may be read as R. Chandra Shekhar.

P. N. THAKUR Deputy Director Admn. (C&B).

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION) DIRECTORATE OF OILSEEDS DEVELOPMENT

Hyderabad-500029, the 17th January 1984

No. F.8-15/66-Admn.(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee for Group B posts, the Director, Directorate of Oilseeds Development, Hyderabad is pleased to promote Shri K. Subramanian, Superintendent to the post of Administrative Officer (Group B—Gazetted—Ministerial) in the Directorate of Oilseeds Development, Hyderabad on temporary basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-1-1984 (F/N) and until further orders. He will be on probation for a period of two years from 17-1-84. He will draw pay and allowances as admissible under the rules.

M. D. WASNIK Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 16th January 1984

No. PA/79(1) /83/R-III/309.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mukalla Lakshmana Rao, permanent Upper Division Clerk, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad to officiate as Asstt. Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of November 14, 1983 until further orders.

T. T. PISHORI Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 10th January 1984

No. PPED/3(283)/83-Estt.I/632.—Director (Engineering), Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Krishnakumar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts of the Same Division in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of December 15, 1983 to the afternoon of January 25. 1984 vice Shri M. H. Narwani, AAO promoted as Accounts Officer-II.

No. PPED/3(283)/83-Estt.I/633.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the afternoon of December 7, 1983 until further orders vice Kum. Shikha Biswas, AAO repatriated.

No. PPED/3(283)/83-Estt.I/634.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri M. H. Narwani, officiating Assistant Accounts Officer as Accounts Officer-II in this Division in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of December 15, 1983 to the afternoon of January 25, 1984.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 26/28th November 1983

ORDER

Ref. No. NFC/PA.V/2606/1733/1632.—WHEREAS Shri Mohd. Shamshuddin, T/A, E.C. No. 1733, BBTP, NFC has been remaining absent from duty (without prior permission/sanction of leave) from 25-2-83 onwards;

AND WHEREAS a telegram was issued to him on 25-3-83 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. BBTP/1733/83 dated 25-3-83 was also sent to his residential address by Regd. A.D. at H. No. 6-3-1242/60. Rajbhavan, Opp. Rajnagar, Hyderabad;

AND WHEREAS the said Shrl Shamshuddin did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to him on 20-4-83 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. BBTP/1733/83 dated 20-4-83 sent to his residential address by Regd. A.D. at H. No. 6-3-1242/60, Rajbhavan, Opp. Rajnagar, Hyderabad was acknowledged by him on 27-4-83;

AND WHEREAS the said Shri Shamshuddin did not report for duty and continued to remain absent from duty unauthorisedly disregarding the instructions issued to him;

AND WHEREAS the said Shri Shamshuddin was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC/PA.V/2606/1733/923 dated 28-7-83;

AND WHEREAS the said Shri Shamshuddin received the charge sheet dated 28-7-83 on 1-8-83 but did not submit any written statement of his defence;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/1733/1117 dated 2-9-83;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 18-11-83 stating that an inquiry was held ex-parte, as it was practically impossible to get the presence of the said Shri Shamshuddin and holding the charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 18-11-83 has come to the conclusion that the said Shri Mohd. Shamshuddin is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him:

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CCA) Rules, 1965 read with DAE Order No. 2/2/82-Vig. dated 9-5-1983 hereby removes the said Shri Mohd. Shamshuddin from service with immediate effect.

J. V. R. PRASADA RAO Dy. Chief Executive (A)

Encl: One Shri Mohd, Shamshuddin H, No. 6-3-1242/60 Rajbhavan Opp. Rajnagar Hyderubad-500 004

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 20th January 1984

No. AMD-2/3356/81-Adm.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy has accepted the resignation of Shri R. Suresh, Scientific Officer Grade SB w.e.f. from the afternoon of 5-1-1983.

T. D. GHADGE Sr. Admn, & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 11th January 1984

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller, VSSC hereby promotes the undermentioned officials in the Vikram Sarabhai Space Centro (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-39-740-35-880LEB-40-960/- in an officiating capacity as per the details shown against their names:

SI No.	Name	Promoted pos	t With effect from	t
	Shri V. Narayana Das Shri P.M. Ravikamath			
3.	Shri P. Padmanabhan Nair	Asst. Cantoon Managor	19-12-1983	(FN)

K, R. P. MENON Administrative Officer-II (EST) for Controller, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th January 1984

No. A.11019/1/77-FS.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of undermentioned officers in the grade of Hindi Officer upto 31-1-84, or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier, on usual terms and conditions:—

- 1. Shri B. R. Rajput
- 2. Shri Brij Raj
- 3. Shri N. Sadasiyan
- 4. Shri S. P. Sharma
- 5. Shri G. Mani

B. BHAUMIK
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 11th January, 1984

No. A-32013/9/82-EC(.)—In conutination of this Department's Notification No. A-32013/9/82-EC dated the 16th July, 1983, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Communication Officer upto 31-12-1983:—

SI. No.	Namo	¥
	S/Shri	
1.	B.N. Karanjai	
2.	K. Rajagopalau	
3.	M. Subramanian	
4.	S. N. Dutta	
5.	M.P. Kulkarni	
6.	R.N. Mukherjee	
7.	P.N. Kuppuswamy	·

O.P. AGGARWAL Asstt. Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th January 1984

No. 1/84.—Shri M. P. Chowdhary, lately posted as Assistant Collector of Central Excise Collectorate, Meerut on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Ghaziabad vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 213/83 (F. No. 32012/11/83-Ad.II) dated 11-11-83 took over charge of the post of Assistant Director on 13-12-83 (FN).

No. 2/84.—Shri J. P. Anand, lately posted as Senior Superintendent of Central Excise, Collectorate of Central Excise, Delhi on transfer as Junior Departmental Representative Group 'A' for Delhi Benches of Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal in this Directorate vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 157/83 dated 29-8-83 (F. No. A.32012/5/83), assumed charge of the above post on 13-12-83 (FN).

No. 3/84.—Shri G. S. Sarna, lately posted as Senior Superintendent of Central Excise in Delhi Central Excise Collectorate, on transfer as Assistant Director in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 213/83 (F. No. A.32012/11/83-Ad.II) dated 11-11-1983 assumed charge of the above post on 15-12-83 (F/N).

A. C. SALDANHA
Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Trivent Advertising Service Private Limited

Cochin-682 011, the 23rd January 1984

No. 2498/Liq/560(5)/843/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Triveni Advertising Service Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Vellimon Cotton Mills Private Limited

Cochin-682 011, the 23rd January 1984

No. 2214/Liq/560(5)/844/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vellimon Cotton Mills Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Georo Export and Import Business Enterprises Private Ltd. Cochin-682 011, the 23rd January 1984

No. 2965/Liq/560(5)/845/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Georo Export and Import Business Enterprises Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Registrar of Companies
Kerala

FORM LT.N.S.

(1) Shri Ganesh Lal Sah.

(Transferor)

2. 1. Smt. Malti Devi 2. Smt. Promilla Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th January 1984

G.I.R. No. M-167/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 31/62 situated at Hazratganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 20-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/7th share in the property situated at Plot No. 31|62. Hazratgani, Lucknow, having carpet area of 1400 sq. ft., and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5680, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 20-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984.

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th Jahuary 1984

G.I.R. No. V-67.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. B-56 situated at Gandhi Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Shanti Prasad.

(Transféror)

Smt. Madhu Jain.
 Smt. Madhu Jain.

3. Master Pratik (Minor).

4. Master Vaibhay (Minor).

(Transferee(s)

Through Guardian, Shri Vincet Kishore Jain.

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-56, measuring 267.377 sq. mtrs. with constructed foundation, situated at Gandhi Nagar, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2907, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 13-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Lucknow

Date: 13-1-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Prabesh Kumar Choudhury

(Transferor)

(2) Smt. Santi Devi Choudhury

(Transfcree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-138[83-84[Sl. 822 I.A.C. Acqn. R-I]Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29A, 29B & 29C situated at Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. on 10th May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reeson to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1|4th share at premises No. 29A, 29B & 29C, Biplabi Anukul Chandra Street. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I 4594 dt. 10th May 1983.

S. K. CHAUDFIURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-I, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-1-1984

FORM ITNS-

- (1) Ruchi Vanijya Company Limited
- (Transferor)
- (2) Phipson & Company Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Sri Jaladhar Nayak & Ors.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. TR-149/83-84/Sl. 823 I.A.C./Acq. R/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 & 7 situated at Old Court House Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at S.R.A., Cal. on 25th May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-12x Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The property transferred vide Decd No. I 5150 dt. 25th May, 1983 and registered in the office of Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1984

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Aditya Realtors Limited

(Transferor)

(2) Phipson & Company Limited

. (Transferce)

(3) Sri Jaladhar Nayak & Ors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. TR-146|83-84|Sl. 824 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 & 7 situated at Old Court House Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 25th May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The property transferred vide Deed No. I 5237 dt. 25th May, 1983 and registered in the office of Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

9. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1984

Soal :

FORM ITNS-

(1) Merit Investment Limited.

(Transferor)

(2) Phipson & Company Limited.

(Transferee)

(3) Sri Jaladhar Nayak & Ors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. TR-150|83-84|Sl.825 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the inemovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 & 7, situated at Old Court House Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 25th May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—456GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property transferred vide Decd No. I 5151 dt. 25-5-83 and registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-1-1984

Scal:

FORM ITNS-

(1) Sri Sarat Kumar Roy & Sri Prafulla Kumar Roy.

(Transferor)

(2) Purba Bharati Samabaya Abasan Limited.
(Transferee)

(3) Tenanted.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-122|83-84|Sl.826|I.A.C.|Acqn.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

20A & 20B situated at Convent Road, Calcutta-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 13th May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 20A & 20B, Convent Road, Calcutta-14. Total area of land with building 8K-6 Ch.-12 Sq. ft. Registered before the office of the Sub-Registrar of Assurances, cutta vide Deed No. I 4771 dt. 13th May, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 13-1-1984

FORM ITNS

(1) Swaran Projects Limited.

(Transferor)

(2) Phipson & Company Limited.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

(3) Sri Jaladhar Nayak & Ors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th January 1984

Ref. No. TR-148|83-84|S1.827|I.A.C.|Acqn.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6 & 7, situated at Old Court House Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 25th May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accred to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property transferred vide Deed No. I 5149 dt. 25-5-83 and registered in the office of Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

> S. K. CHAUDHUR1 Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-1-1984

FORM ITNS-

(1) Smt. Anwari Bibi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF .1961)

(2) Smt. Puspa Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-124|83-84|SI.828 lAC|Acqn.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

96B situated at Dilkhusa Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 12-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the premises No. 96B, Dilkhusa Street, (portion) Calcutta with land measuring 1K-1Ch-5s.ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide dedd No. 4716 dt. 12-5-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-1-1984

(1) Nirmal Kumar Shaw.

(Transferor)

(2) Machineworks (International) Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-117/83-84/SL829 JAC/Acqn.R-I/Cal,—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Auckland Place, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

1, Auckland Place, Calcutta with land area 1 Bigha-6Ch-14 S. ft. (1/4th Share) Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 5071.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1984

(1) Sri Arun Kumar Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Usha Rani Jain. -

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-139/83-84/SI.830 I.A.C./Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 79/27, situated at Lower Circular Road, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.A., Calcutta on 6th May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of the 3 storeyed building remeasuring 5 Cottahs and 39 Sq. ft. at premises No. 79/27, Lower Circular Road, Calcutta-14. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Dccd No. I 4439 dated 6th May 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

(1) Bijov Kumar Sett.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shirian Bai Ali Hussain Ahmedabadwala. (Transferec)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(b) by any other person interested in the said immovable

ACOUISITION RANGE-I CALCUTTA

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 13th January 1984

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-143/83-84/Sl. 831 IAC/Acqn.R-I/Cal.— Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 6, 5/1, & 2, situated at Sudder Street, Calcutta and Stuart lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering officer at S.R.A. Calcutta on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of 6, Sudder Street, Calcutta 3 Storeyed building (area 5K-14Ch-3 S. ft.), 5/1, Sudder St., Cal. 2 storeyed building (area 11K-15Sh-ft.) & 2, Stuart lane, Cal. one storeyed building (area 7K-2Ch-25. ft.) registered on 30-5-83 at the office of Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 5272.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-1-1984

- (1) Smt. Parimal Hashini De and Others.
 - (Transferor)
- (2) Sri Biswanath De.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1984

Ref. No. TR-136/83-84/S1.832 I.A.C./Acqu. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14A, situated at Dixon Lane, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 3rd May 1983.

R.A. Calcutta on 3rd May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that 4 storeyed building, land measuring 2 Cottahs, at premises No. 14A, Dixon Lane, Ward No. 50, P.S. Muchipara, Calcutta-14. Registered before the office of the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I 4743 dated 3rd May 1983.

S. K. CHAUDHURI-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Jeewan Deep Singh Girewal, and S. Surendra Singh Girewal, minor sons of S. Gurmail Singh Girewal, R/o 84 India Nagar Colony, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Shailendra Chandra, S/o L. Bhoja Ram, R/o 240, Chukhuwala, Dehradun,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1378 82-83/569.—Whereas I, P. N. PATHAK,

seing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 78 the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

is per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jehradun on 4-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

First anation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDLE

House property No. 104/1-2, situated at Ballupur; Central Doon, Dehradun

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kampur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:—
42—456GI/83

Date: 12-1-1984

Seal :

...**调置题**...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

· Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No.
P. N. PATHAK,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
unmovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
number as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registration Officer,
at Mecrut on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the taw market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consister with the object of ...

- (a) tactinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kusum Lata, W/o Satya Prakash, R/o Saha Khakhi, Mcerut

(Transferor

(2) Smt. Meena Kumari, w/o Ashok Kumar, R/o Chipi Bara Meerut

(Transferee

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 63, Saha Khakhi, Meerut.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kampur

Date: 12-1-1984

Scal 1

FORM ITNS----

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. K-320/KNP/83-84/572.—Whereas I, N. PATHAK,

eing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reporty, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/.nd bearing No.

per schedule situated at as per schedule

and more fully described in the Schedule anuexed hereto), as been transferred

nder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office f the Registering officer at Lanpur on 6-6-1983,

or an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have reason a believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

is agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Jwala Prasad S/o Sri Kanhaiya Lal, R/o 111/151, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani Bajpai & other, w/o Sri Salig Ram,H. No. 50/36 Naughara, Kanpur.

(Transferce)

(3) Transferor as in Col. No. 1 above.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 111/424A, (Part) Ashok Nagar, Kanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-1-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. K-274/KNP/83-84/573.—Whereas I, P. N. PATHAK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-5-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect to any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bharat Lai Mehra S/o Sri Narain Das, Mehra, R/o 37/87, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(2) Shri Uday Kumar Rastogi S/o Sri B. P. Rastogi, 128/84, Block 'D', Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferor)

(3) Uday Kumar Rastogi S/o Sri B. P. Rastogi, 128/84, Block 'D', Kidwai Nagar, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immogable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. Mig-51, Block-W, Juhi, Kanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Kanpur

Date: 12-1-1984

FORM ITNS----

anne de la company de la compa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1398/83-84/574.---Whereas I. P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act 1908 (16 of, 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 3-6-1983,

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 Shrimati Damyanti Devi, W/o Shri Vijay Pal Singh Negi, R/o 5, Lytton Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shrimati Sumrannala Jain, w/o L. Sumer Chand Jain and others, R/o 67, Dhamawala, Dehradun.

(Transferee)

Shrimati Sumranmala Jain, W/o
 L. Sumerchand Jain and others,
 R/o 67, Dhamawala, Dehradun.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

energy arrange in the first of the management of a submitted of the first security but successed to the security of the securi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 5, Lytton Road, Dehradun measuring 653.34 sq. mtr.

P. N. PATHAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. K-319/KNP/83-84/575 .-- Whereas I, P. N. PATHAK,

P. N. PATHAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kanpur on 6-6-1983, for an apparent consideration which is less than the fair

Kanpur on 6-6-1983, for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Ram Sahai S/o Sri Mithoo, R/o 104/446 old Sisamau, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Singh & others, S/o Kamal Singh. R/o 104A/184B, Ram Bagh, Kanpur.

(Transferec)

(3) As in Col. (1) above transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 104A/446, old Sisamau, Kanpur.

P. N. PATHAK Competcht Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date . (2-1-1984 Scal:

(Transferor)

(Transferee)

engen in emilian de l'habitat in Arme d'un engeneral les

(Persons in occupation of the property)

(1) Shri Somitra Banerjee S/o Shri Prabir Nath Banerjee

433/434 Begum Bridge Road, Meerut.

W/o Shri Chandra Kumar Jain R/o Top Khas Bazar, Meerut Cantt.

(2) Shri I. Nirmal Kumar Jain,

Shri Surendra Kumar Jain Vijendra Kumar Jain S/o Late Chirnjee Lal Jain, Smt.Sulachna Devi Jain

(3) Shop No. 3 Shri Guru Dutt & Shri Ved Prakash Shop No. 4, Transferee.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1464-563-1.—Whereas, I, P. N. PATHAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto).

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut on 1-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 & 4 (Municipal No. 39, 37A) Begum Bazar, Begum Bridge Road, Meerut.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M. 1460/KNP/83-84/364. -Whereas I, P. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Meerut on 15-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimsti Surject Kaur W/o S, Amarject Singh, 107-B, Bridge Street, Moorut.
- (2) Shrimati Sushma Varshney, D/o Dr. Raja Ram Ji 177, Saket, Meerut,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeto.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 177-D, Municipal No. 135, Saket, Meerut.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1448/83-84/565.—Whereas I, P. N. PATHAK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saharanpur on 17-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
43—456GI/83

(1) M/s. Navyug Steel Industries, 27, Mission Compound, Saharanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Krishan Industries, P. Ltd. A-94 Avas Vikas Colony, through Director, Smt. Suman Kubba, Saharanpur.

(Transferee)

(3) As in 1 above transferor.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building No. 252 Village Chhajpura, Pargana Harora, Distt. Saharanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-1-1984

Scal:

THE TAX TO SERVE THE PARTY OF T

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1463/KNP/83-84/566.—Whereas I, P. N.

PATHAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office the Registering officer at

Meerut on 25-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

. (1) Shri Vishan Das Battra S/o Lckh Ram Battra, R/o 169/A-4, Akas Puri, Meerut Cantt.

- (2) Shri Nand Lal Balecha s/o Shri Lal Chand Balecha and Smt. Geeta Balecha w/o Shri Nand Lal Balecha R/o Neel-Ki- Gali, Chatis Ali-Raza, Meerut City.
- (3) Transferor

(Transferee)

(Persons in occupation of the property),

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

169/A-4, Akas Lane, Meerut Cannt.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 12-1-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. M-1377/KNP/82-83/567,---Whereas J, P. N. PATHAK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated AS PER SCHEDULE

AS PER SCHEDULE situated AS PER SCHEDULE (and morefully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Dehradun on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charanjeet Lal Grover, s/o Late Shri Bishambhar Dass Grover, R/o A-2/35, Rajauri Garden, New Delhi. and others.

(Transferor)

(2) Dr. Ram Kumar Singhal, S/o Shri Laxmi Chand, R/o H. No. 40, Nashrilla Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) —do—

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 40 (Old No. 4-A), double Storeyed situated at Nashrilla Road, Dehradun.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : .12-1-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. Nil.— Whereas I, P. N. PATHAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Haseena Banu, w/o Shri Abdul Rehman, 99/1A, Becon Ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Rehman s/o Mohd. Usman, Hasmat Ullah, Hafiz Ullah, Waxish Ullah S/o Aysmut Ullah, Smt. Rehman Begum, 99/1A, Becon Ganj, Kanpur.

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 99/1A, Becon Ganj, Kanpur.

P. N. PATHAK.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. A. Menuzes, Main Road, Kalyanpur, Udipi Taluk.

(Transferor)

(2) Shrimati Usha Riplani No. 128, VI Cross, Lower Palace Orchards, Bangalore-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 7th January 1984

C.R. No. 62/38841/83-84/ACQ/B.—Whereas . I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1916 situated at I Main Road, Jayawahal Extn. B'Iorc-46. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 598/83-84 Dated 20-5-83] All that property bearing No. 19/6 situated at I Main Road, Jayawahal Extension, Bangalore-46.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1984

Scal:

(1) Shri B. Umesh s/o Sri Chandappa Suvarna Goods Shed Road, Bunder, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri S. Kashim s/o Late Shaik Laltheef Kudroli, Mangalore-570003.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th January 1984

C.R. No. 62/38454/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

R.S. No. 340-1A5, T.S. 215-1A5 situated at Cantonment ward Attawag village Mangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore City under document No. 128/83-84 on 15-5-1983

M'lore City under document No. 128/83-84 on 15-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No.128/83-84 Dated 15-5-1983) All that property bearing No. R.S. No. 340-IA5, T.S. No. 215-1A5 situated at Cantonment ward Attawar village; Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-84

EORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th January 1984

C.R. No. 62/38459/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Sy. No. 74/9, situated at Mailasandra Village, Gegur Hobli, B'lore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Taluk on 19-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed 'to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. Velu, No. 149/35, 43rd Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-82.

(2) Shri M. A. J. Prakash, No. 56/2, S.B. Road, V. V. Puram, Bangalore-4. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1247/83-84 Dated 19-5-83] Agriculture lend in Sy. No. 74/9 situated at Mailasawaha, Village, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Assistan Commissiones of Income-tax

Date: 10-1-84

FORM LT.N.S. -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th January 1984

C.R. No. 62/38442/83-84/83-84/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
R.S. No. 432/1, T.S. No. 270/1 situated at Kodialbail village
Kambla ward Mangalore Corpn. No. J-47
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

M'lore under document No. 141/83-84 on 15-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shrimat, K. S. Viniala Ballal, w/o K. Srinivasa Ballal 2. Sri K. Shobaker Ballal 3. Sri K. Suresh Ballal 4. Sri Sampat Ballal 5. Sri K. Bharath Ballal 6. Miss K. Nayama 7. Ms. Manjula Shelty

 - Ms. Manjula Shelty Ms. Suraka Shetty Ballal
 - Miss Vrinda Ballal Children of late K. Srinivas Ballal Balal Bagh, Mangalore-575003.

(Transferor)

- (2) 1. Sri J. T. Krishna Murthy alias Krishna Shetty, Jyothi Hotal,
 - Chickmanglur.
 2. Smt. Usha K. Shelty, Jyothi Hotal, Chikmanglur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document. No. 141/83-84 Dated 15-6-83] All that property bearing No. Rs. No. 432/1, T. S. No. 270/1 situated at Kodialbail village, Kambla ward Mangalore Corporation No. J-47.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Acquisition Range, Bangalore Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Dath: 10-1-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 11th January 1984

C.R. No. 62/38258/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU BADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5 (New) situated at 7th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Gandhinagar under document No. 233/83-84 on May 1983 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Nagu Bai, No. 4354, 3rd Cross, Subramanyanagar-Rajajinagar II Stage, Bangalore

(Transferor)

(2) Shrl C. Revanna No. 14/1, 9th Cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 233/83-84 Dated May 83] All that property bearing old No. 2432 New No. 5 situated at 7th Cross, Malleswaram, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 11-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Devanma & Sons, No. TSA 2, South Extn., Kempegowdanagar, Bangalore-19.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanadanani Murthy, No. 587, IV 'T' Block, Jyanagar, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th January 1984

C.R. No. 62/38226/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1692 situated a Banashankari II Stage, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jayanagar on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westleb-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 468/83-84 Dated 9-5-83]
Property bearing No. 1692, Situated at Banashankari II.
Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalo e

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-84

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th January 1984

C.R. No. 38833/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under Section 269D of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41/2, situated at Nanjappa Road, Shanthinagar, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed

hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 20/6/1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri P. Palaniswamy, No. 17, I 'A' Main Road, Sudhawanagar, Bangalore-27.
 - (Transferor)
- (2) Shri Abdul Mateen, No. 442, I Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1022/83-84 dated 20-6-1983] All that property bearing No. 41/2, situated at Nanjappa Road, Shanthinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Dated: 7-1-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore--560 001, the 9th January 1984

C.R. No. 62/39504/83-84/ACQ|B.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. Nos. 2351/1, 237/1, 235/2 (Portion) situated at Mekeri Village, Madikeri Taluk N. Kodagu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madikeri on 12-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (1) Mrs. M. K. Chondamma. (2) Shri M. K. Leelappa, Mekeri, Village, Madikeri Tq.

(Transferor)

(2) (1) Shri Maunath Padmanabha Nair,
(2) Smt. M. C. Sharadha,
(3) Shri M. C. Reyen.
(4) Shri M. C. Elon,
Pelon, Estata Office pear N. S. 6.

Relon Estate Office near N. S. 6, School, Kalpebta, Wynad, Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 348/83-84 dated 13-5-1983]

Portion of lands in Sy. Nos. 235/1, 237/1, and 235/2 1 situated at Mekeri Village, Madikeri Taluk, N. Kodagu.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Dated · 9-1-1984 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 4961 (43 Of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Rcf. No. ASR/83-84/280.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Surjit Chand C/o Shri Kishan Chand, R/o Tensilpura and Smt. Neolam Kanta W/o Shri Vijay Kumar, R/o Sharifpura, Amritsar.
- (2) Suit, Surjit Kaur W/o Shri Virsa Singh, R/o Soya Kalan, Teh. and Dist. Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, measuring 285.83 sq. yds., situated at Majitha Road. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2644 dated 27-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritage

Date: 12-1-1984

, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/281,---Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Surjit Chand C/o Shri Kishan Chand, R/o Tehsilpura and Smt. Neelam Kanta W/o Shri Vijay Kumar, R/o Sharifpura, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Virsa Singh s/o Sh. Ganda Singh R/o Soya Kalan, Teh. and Dist. Amritsar. (Transferec)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. ((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land, measuring 285.83 sq. yds., situated at Majltha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2641 dated 27-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/282.--Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe.

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Amritsar on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to bay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Jacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Kewal Krishan Kapoor, Shri Avtar Krishan Kapur Se/o Shri Ram Dass Kapoor and Sh. Shyam Dass Kepoor \$/o Dr. Guranditta Mal Kapoor, R/o 25 Majitha Road, Amritsar.
- (Transferor)
 (2) Sh. Surjit Chand S/o Shri Kishan Chand. R/o
 Tehsilpura, Amritsar and Smt. Neelam Kanta W/o
 Shri Vijay Kumar, 164 Sharifpura, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1500 sq. yds., situated at Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed. No. 776 dated 17-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-fix
Acquisition Range
Amritsar

Date: 12-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/283.—Whereas, I. C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Ghumanpur, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the the office of the Registering Officer ar

S. R. Amritsar on May 1983
for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Santosh Kapur W/o Shri Kewal Kapur and Shri Anil Kapur S/o Shri Kewal Kapur, 24, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Mohan Bottling Co. (P) Ltd., 186, G.T. Road. Tandhari Kalan, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other.
((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 1333 sq. yards, situated at Ghumanpur, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2564 dated 25-5-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Ameritan

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

. Amritsar, the 9th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/284.--Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A plot of land situated Gokal ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

45-456GI /83

- (1) Shri Vijay Kumar S/o Shri Sadhu Ram, II. No. 104, Gali No. 3, Sharifpura, Amritsar, Smt. Puran Devi Wd./o Shri Babu Ram, 1297/1 Kot Atma Singh, Ram Bagh, Amritsar. Smt. Kuldip Kaur W/o Shri Kesar Singh, 1278/1 Chowk Jai Singh, Amritear. Smt. Sawaran Kaur W/o S. Sohan Singh, Chowk Tabli Wala, Amritsar.
- (Transferor) (2) Shri Dalip Singh R/o Kot Harnam Dass, Amritsar. Smt. Surjit Kaur W/o S. Davinder Singh, H. No. 3948, Gali No. 3, Kot Baba Deep Singh, Amritsar, Shri Ramesh Kumar S/o Kishan Chand, Bagh Rama Nand, Amritsar,

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any, (Person in occupation of the property).

(4) Any other. ((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Gokal Ka Bagh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1720 dated 5-5-83 of the registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date < 12-1-1984 Date Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING 'ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/285.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Mamoon, Teh. Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Pattankot on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concentment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smit, Amerit Kaur Wd./o Shri Resham Singh, 209 Prit Nagar, Pathankot through Shri Sansar Singh S/o Shri Hukam Singh. Attorney Prit Nagar, Pathankot.

(2) Smt. Vijny Rani Wd/o Shri Sudershan Lal, G.T. Road, Pathankot.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other.
((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 5 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals 8 Marlas, situated at Village Mamoon, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 883 dated 27-6-83 of registering authority, Pathankot.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/286.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land situated at Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of

S. R. Amritsur on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh S/o Shri Teja Singh, R/o Sultanwind, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gion Kaur W/o Shri. Mangal Singh, R/o Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other.

((Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1428 sq. yards situated at Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1918 dated 12-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Auritsar

Date : 12-1-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/287.—Whereas, I.

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovhant baving a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S. R. Amritsar on May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followton persons, namely :-

(1) Smt. Kailash Vati W/o Shri Puran Mal, R/o Sirsa (Haryana), through Shri Sunil Kumar Gandhi S/o Shri Madan Mohan Gandhi, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Navinder Kaur W/o Shri Narinder Singh, 38 Vijay Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person whom the undersigned knows to

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 288 sq. vards, situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1544 dated 2-5-1983 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range . . -Amritaar

Date: 12-1-1984

٠,

Seal:

gelt tit in the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/288.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No. One property situated at Ram Talai Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Avtar Singh S/o Shri Doola Singh, r/o Kennedy Avenue, Amritsar

(Transferor)

- (2) Shri Bihari Lal S/o Shri Sulakhan Mal, Outside Ghec Mandi-Gate Sheheed Bhagat Singh Road, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Ram Talal Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1206 dated 5-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 12-1-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/289.—Whereas, I. C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. One property situated at Mohalia Sekherian, Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Batala on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 S/Shri Sukhdev Raj, Surinder Kumar, Ramegh Kumar Ss/o Sh. Ram Prakash, r/o Mohalla Sekherian, Batalu District Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Piara Lal S/o Shri Sita Ram, r/o Dhariwal, Teh & District Gurdaspur.

(Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 173 sq. yds., situated at Mohalla Sekhrian. Batala District Gurduspur, as mentioned in sale deed No. 680 date 5-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Pange, Amritsar

Date: 12-1-1984.

Scal:

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/290.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-thx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. One property situated at Majitha Road, Amiltsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Amritsar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Gopal Kapur S/o Shri Sohan Lal Kapur 1/0 26 Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dharamvir Kapur S/o Shri Moti Ram Kapur, Gali Chah. Wali, Katea Dulo, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) ky any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at 26 Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2237 dated 19-5-1983 of registering authority. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
C ompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 12-1-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. 'ASR/83-84/291.—Whereas,' I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One property situated at Majitha Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Amritsur on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ram Gopal Kapur S/o Shri Sohal Lal Kapur, r/o 26 Majitha Road, Amritsar.
(2) Smt. Pushpa Kapuf,

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Kapuf, W/o Shri Dhuramvir Kapur, r/o Katra Dulo, Gali Chah Wali, Amriwar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other,
(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sain_movable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at 26 Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2236 dated 19-5-1983, of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1984.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsur, the 12th January 1984

 Rcf. No. ASR /83-84/292.—Whereas, I, S. KAHLON, IRS,

g the Competent Authority under Section 269B of the -tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and pedicing No. One property situated at Majitha Road, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on May 1983

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason o believe that the fair market value of the property as afore-id exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the satiles has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 46—456GI/83

- (1) Shri Vijay Kapur S/o Shri Chaman Lal, Smt. Shakuntla Kapur wd/o Shri Chaman Lal, Miss Renu Kapur D/o Shri Chaman Lal, through Shri Vijay Kumar, General Attorney, Majitha Road, Amritsar.
- (2) Smt. Pushpa Kapur w/o Shri Dharamvir Kapur, Gali Chah Wali, Katra Dulo Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at 26 Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1733 dated 5-5-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 12-1-1984,

to the second se

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th January 1984

Ref. No. ASR/83-84/293.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One roperty situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Amritsar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now. therefore. in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Kapur S/o. Shri Chaman Lal, Smt. Shakuntla Kapur wd/o Chaman Lal, Miss Renu Kapur d/o Shri Chaman Lal, through Shri Vijay Kumar, General Attorney, Majitha Road, Amritsar.
- (2) Shri Dharamvir Kapur S/o Shri Mani Ram, Gali Chah Wali, Katra Dulo, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said prop. 1 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days, from the date of publication of this no in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immore vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at 26 Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1734 date, 5-5-1983 of registering authority, Amritsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 12-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1984

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/1790/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (4's of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ind bearing No.

Flat on 3rd floor of Block 'C' Dabul Golden Jubilee CHSI Mysore City on 16-7-1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, Act, 1961 in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Ignatius A D'Souza

(Transferor)

(2) Joseph Altino Zuzarte

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor of Block 'C', Dabul Golden Jubilee Coop.Housing Society Ltd., Dabul, Burrows Gross Lane, Dabul, Bombay-400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/1619/83-84, dated 2-5-1983.

R. K. BÀQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

Date: 11-1-1984

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR III/1382/82-83.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A/33 in New Girish Co-op. Society Patel Lane, Chunabathi Sion Bombay:22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement as registered under section 269AB of the income Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 7-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:-

(1) Shri Iqbalsing Mansingh Arora Shri Shuklebhai Narsi Tandel

(2) Shri Jeena Mansingh Arora, Shri Ranjitsingh Mansingh Arora (Transferc

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a period of 30 d from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovs property, within 45 days from the date of the pu cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/33 in New Girish Co.op, Hsng Society, Lane, Chunabathi Sion, Bombay-22. The agreement been registered with Competent Authority Bombay serial No. AR 111/926/83-84 dtd. 7-5-83.

Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Incom Acquisition Range, Bor

Date: 10-1-1984

- (1) M/s Ashok Corpn. (2) Shri Giles Petor.
- (Transferor)
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR I(I/1632/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing, No.

Flat No. 15 on 3rd Floor, in Kailash Kripa Building situated at Plot No. 69, of Kanjur Coop. Hsng. Soc. Ltd. Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay-78,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-1

 $x \to -\infty$

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat No. 15 on 3rd Floor of Kailash Kripa Bldg. on Plot No. 69 of Kaajar Co.op Hsng. Soc. Ltd. Kanjur Marg Bombay-78. The agreement has been regis-tered vide serial No. AR 111/939/83-84 dtd. 25-5-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Date: 10-1-1984

Seal: "

(1) M/s Gundecha Builders

(2) Mr. Dhirendra R Doshi & Smt. Meena D Doshi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref No. ACQN. RANGE-I/37EE/1881/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 30 & Stilt No. 8, Gr. floor, 'D' Wing Mamta Apartment, Apasaheb Marathe Marg, New Prabhadevi Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 30 & Stilt No. 8, Gr. floor, D Wing, Mamta Apartment, Apasaheb Marathe Marg, New Prabhadevi Road, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-II/2104/83-84, dated 2-5-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-1-1984

(I) Shri Popatlal Hajarimal Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhupendra I. Panchal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR II/1520/82-83.—Whereas, J. V. RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

Situated at Village Pabedi, Goregaon at Aarey Road, Registration Dist. and Sub. Dist. of Bombay Sub. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

section 269AB of the income-tax Act, 1,07 in the Competent Authority at Bombay on 2nd May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Situated at Village Pabedi, Goregaon at Aarey Road, Registration Dist. and Su. Dist. of Bombay Sub. Dist.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No; AR 14/1520/83-84 dtd. 2nd May 1983.

V. RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-1-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surendranath Bhargawa

(Transferor)

(2) Shri Waman Janardan Lokhande

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/1802/82-83.—Whereas, I, V. RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing ''...

Flat No. R/2/12. 2nd floor, Govardhan Giri Co.op. Hsg., Society Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-400 090

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-2-12, 2nd floor Govardhan Giri Co.op. Hsg, Society Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-90. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/1802/83-84 dt. 9-5-1984.

V. RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-1-1984

FORM LT.N.S.---

(1) Harish R. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harshi Shamji Chheda & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/12/83-84.—Whereus, I, V. RANJAN,

v. RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 151, Plot No. D, N.A. No. 34 & S. No. 78 Hissa No. 2 and S. No 80, Hissa No 1 New CTS No. 627 & 627-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47---456GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-426 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 30-5-1983.

V. RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 13-1-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Popatlal Hajarimal Shah

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Nimisha Hashmukhlal Pauchal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR II/1518/82-83.—Whereas, I. V. RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Situated at Village Pabedi, Goregaon at Aarey Road, Bom-

bay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 2nd May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the, publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated at Village Pabedi, Goregaon at Aarey Road, Dist. of Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR II/1518/82-83 dtd. 2nd May 1983.

v. ranjan Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-1-1984

FORM ITNS ---

(1) Shri Bhurabhai Arogya Bhavan Trust.

(Transferor),

(2) Shri Sharad Balubhai Doshi. Smt. Vasanti Sharad Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR II/37HE/1812/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Pacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plat No. A-402. 4th floor, Modinagar Adarsh Coop. Hsg.

Society, Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at

Bombay on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclo—1 by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-402, 4th floor, Modinagar Adarsh CHSL, Kandivli(W) Bombay-67. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-IV/1812/83-84, dated 10-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the seid Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984.

(1) M/s Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan L Gidwani & Lachman K Gidwani.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. Acqn. Runge-IV/37EE/1791/83-84.Whereas, I, VIJAY RANJAN

of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. A-44, 4th floor Nalanda Bldg. No. 2 situated at Malad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 6-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern are cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Λ-44, 4th floor, Nalanda Building No. 2, Valnai Village, Marve Road, Malad(W) Bombay-400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-Π/1791/83-84 dated 6-5-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-1-1984.

(1) M/s. S. P. Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. Hansa Jaysukhlal Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE, 1950/83-84,—Whereas, 1, VIIAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 Such Jyot Building

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 19-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the chieft of if transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Sncb Jyot Building, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay-400 068. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-II/1950/83-84, dated 19-5-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombey.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-1-1984.

(1) C. H. Mehta,

(Transferor) (Transferce)

(2) Dr. Jugal Kishore Agrawal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1984

Ref. No. AR-11/37EE/1893/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor, Maharaja Co-op. Housing Society Ltd. SV Road, Malad (West), Bombay-64 situated at Malad (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 4-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Maharaja Co-op. Hsg. Society Ltd., S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-II/1893/83-84 dt. 4-5-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1984

FORM LT.N.S,-

(1) Shri Sureshkumar R. Patel.

(Transferor)

(2) Mr. H. C. Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/37-EE/1572/82-83.—Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 22, Malad Vishwashanti Coop. Hsg. Society Ltd. Kedarmal Rd., Malad (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Malad Vishwashanti Coop. Hsg. Society Ltd.

Kedarmal Road, Malad(E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-II/1572/82-83 dated 2-5-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-1-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Popatlal Hajarimal Shah,

(Transferor)

()

(2) Shri Lalit I. Panchal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-II/1521/82-83.—Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and heaving

and bearing situated at Village Pabodi Goregaon at Aarey Road, Registration Dist. and Sub. Dist. of Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 4908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2nd May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weekberry Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated at Village Pabodi Goregaon at Aarey Road, Regis tration Dist. and Sub Dist. of Bombay Suburban-Dist. o Rombay

The agreement has been registered with the Competen Authority Bombay vide serial No. AR-II/ dated 2nd May

VIJAY RANIAN
Competent Authorit
Inspecting Assit, Commissioner of Incometa:
Acquisition Range-IV, Bombas

Date: 13-1-1984.

(1) Smt. Sarswati P. Kalmiani.

(Transferor)

(2) Shri Partheshi litendra Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-11/37EE/1984/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,0000/- and bearing No.

\$1/45 Jai Krishna Sudama CES Ltd. Bangur Nagar, Gore-gaon (W), Bombay-80

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-5-83

48---456GI/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S1/45 Jai Krishna Sudama CSH. I.td. Bangur Nagar, Goregaon(W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II/1984/83-84 dt. 19-5-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-1-1984.

(Transferee)

FORM ITNS-

Coop. Hsg. Society (1) Sanjay Apartments (Borivli) Ltd.

(Transferor) (2) Shri Ishupeshkumar Jiyanlal Govani,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE/1684/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 401, Sanjay Apartment, 265, SVP Road, Borivli

(West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfect and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'A' Wing, 'Sanjay Apartment, 265, S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/1681/83-84 dt. 4-5-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-1-1984.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1984

Ref. No. AR-IV/1566/83-84.—-Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair, market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 16, 4th floor, Harishchandra Apt. Harishchandra & C.B.S.L. Sahar Rd., Chakala, Andheri (E), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sujit Kumar Basu,

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas T. Chhatralia.

(Transferee)

(3) Transferec,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor, Harishchandra Apartment, Harishchandra Coop. Hsg. Soc. Ltd., Sahar Road, Chakala, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/25/83-84 dt. 21-5-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dale: 7-1-1984.

(1) Shrii Outu Ashish Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Bhirud Liladhar Shrayan.

('liansferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/1841/83-84.--Whereas. VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B/1 on 1st floor of the building be called Akshey Apartments at Dahisar Borivli Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13th May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter. 1 .

THE SCHEDULE

Flat No. B/1 on 1st Floor; of the building called Akshay apartment at Dahisar Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/IV/1841/82-83 dt.

13-5-83.

VIJAY RANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-1-1984

Seal: 21 14

(1) Sanjay Apartments (Borivli) Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Girish Jiyanlal Goyani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

No. AR-IV/1682/83-84:---Whereas, RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 404 'A' Wing, Sanjay Apartments, 265 S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92 at Borivli (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such aransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

THE SCHEDULE

1 (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 'A' Wing, 'Sanjay Aparments' 265, S.V.P. Rd., Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/1682/83-84 dated 4-5-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombey.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

Date : 12-1 1984.

- (1) Shri Mahendra P. Mehta.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Vijaya Omprakash Arora.
- (Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE.1983/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R. 10/3 Jai Shreedhan, C.H.S. Ltd Bangur Nagar, Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insume arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.10/3 Jai Shreedhan, C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, Bombay-90. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II/1983/82-83 dated 17-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
BOMBAY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

Seal

(1) Mr. M. K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Iqbal Gurupal Mana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th January 1984

Ref. No. AR-IV/1524/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Industrial Gala at Unit No. 15, 2nd floor Agarwal Industrial Estate, Dabisar (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regis ering officer at

Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala at Unit No. 15, 2nd Floor, Agarwal Industrial Estate, Debisar (E) Bombay-68. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/1524/83-84 dated 2-5-1985.

VHAY RANJAN Competent Authorise Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IV BOMBAY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-1-1984

(1) Shri Kewal Krishna Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asjibhai Jemabhai Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 9th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE.1553/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 29 CTS No. 34C, Laxmi Narayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malad (E), Bombay on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULF

Office number 29, CTS. 340, Laxmi, Narayan Shopping Centre. Podar Road, Malad (E), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/1553/83-84 dated 2-5-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or anmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VUAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
BOMBAY

Now, insertore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1984

(1) M/s. Rodrigues Construction.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheila Margaret Dias.

(Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay-90, the 12th January 1984

Ref. No. ARII/1785/82-83.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

reing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 and Theory Mary Apartments, I.C. Colony, 30 and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under ection 269B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of he Competent Authority at 30mbay on 10-5-1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor Mary Aartments, I.C. Colony, Borivli, Bombay-400091.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide Seral No. AR/II/dated 10th May, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range BOMBAY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the Issue of this notice under sub-ection (1) of section 269D of the said Act, to the following

ersons, namely:--

9-456GI/83

Date: 13-1-1984

FORM I.T.N.S.--

(1) Parmanand H. Naghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Omprakash Dokavia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay-90, the 10th January 1984

Ref. No. AR-IV/1984/83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

'No. Shop No. 3, Mansarovar Building, Govind Nagar Road, & S. V. Road, Malad (West), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section on 169AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are-defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3. Mansarovar Building, Govind Nagar and 5.V. Road, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Sr. No. AR-II/1948/83-84 dated 16-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta,
Acquisition Range
BOMBAY

Date: 13-1-1984

(1) Mrs. Leonara C. Fernandes.

(Transferor)

(2) Mr. Vallatina Augustine Fernandes.

(Transferee)

'OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay-90, the 13th January 1984

Ref. No. AR-II/37EE.2063/82-83,—Whereas, I, LAY RANJAN,

sing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is whe 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/id bearing No.

. No. 110 (Part) & C.S. No. 1170 of Eksar Plot No. 27A f I.C. Colony Borivili

nd more fully described in the Schedule annexed

as been transferred and the agreement is registered under setion on 169AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office to Competent Authority at ombay on 20-5-1983

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as afore-uid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the rides has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in.a.r able property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 110 (Part) & C.S. No. 1170 of Eksar Plot No. 27A of I. C. Colony, Borili.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/dated 13-1-84.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
BOMBAY

Date: 13-1-1984

(1) M/s. Queens Park.

(2) Mrs. Zohra Abbas Contractor.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/2138/37EE/83-84.—Whereas, I, VIIAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-35, 3rd floor, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marve Road Malad (W) Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Bombay on 31-5-1984

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period.
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A-36, 3rd floor, Plot No 32 & 33, Valnai Village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQM. RANGE-I/2138/83-84, dated 31-6-1983

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
BOMBA

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR- $\Pi/37EE.1643/82-83$.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 41, Jayakar Smruti Co-op. Hsg. Society Ltd., situated at Aarey Road, Goregaon (West), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 2-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Panchubhai Ramji Gala.
- (Transferor)
- (2) Shri Lalitkumar Chandanmal Jain and Shri Trilk Raghubeer Singh Sachdeva.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 41. Jayakar Smruti Co-op. Hsg. Society Ltd., Aarey Road, Goregaon (W). Bombay-62. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/1643/83-84 dated 2-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
BOMBAY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

· ACQUISITION RANGE, **BOMBAY**

Bombay-90, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/2004/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 301, B-40, 3rd floor Yogi Nagar, Borivli (West)

Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Godavridevi G. Jaiswal.

(2) Shri Vjay Satpal Mehra.

(Transferor)

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, B-40, 3rd floor, Yogi Nagar, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-II/2004/82-83 dated 19-5-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range BOMBAY

Date: 13-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.1699/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No.

Flat 10/1, Hariniketan V.H.S. Ltd., situated at Bangur Nagar, Bombay-90.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhagwati Prasad & Radhey Shyam Chowdary.
 (Transferor)
- (2) Anilkumar S. Gupta & Others.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 10/1, Hariniketan C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, Bombay-90. The agreement has been registered by the Competent Authrity, Bombay under Serial No. AR-II/1699/83-84 dated 5-5-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV
BOMBAY

Date: 13-1-1984

FORM LT.N.S.—

(1) Rajeshkumar Ramjilal Bidwania

(Transferor)

(2) Mafatlal Laluram Panchal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th January 1984

Ref. No. AR-JJ/37-EE.1535/83-84.--Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 214, Ground floor, Malad Shopping Centre, S. V.
Road, Malad Bombay-64 at Malad (W.)
(and more fully described in the Schedule annexed nereto).
has been transferred and the agreement is registered under

Section. 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hie following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 214, Ground floor, Malad Shopping Centre. S. V. Road, Maiad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/1536/83-84 dt. 2-5-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-1-84

(1) M/s. Sunder Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishnaji Anant Khambete.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1984

Ref. No. AR-11/37EE.2109/83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lifcome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 5, 2nd floor, Sunder Dharshan, Magathane Ta'uka, S. V. Road, Borivili (W), Bombay at Borivili (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :---50-456GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Sunder Dharshan, Magathane Taluka, S. V. Road, Borivili (W), Bombay. 'The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under serial No. AR-II/2109/83-84 dt. 2-5-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC No. 753/83-84.-- Whereas, J.

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and situated at Saidabad Charminar Tq.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:——

 Sri P. Sudhakar Reddy, 2-2-1130/24-1-A, Prashantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Cooperative Housing Society Ltd., Rep. by Sccretary S i P. Balakrishna, 1-8-518/5. Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 19,360 sq. yds., situated at Saidabad, Charminar Tq., Hyderabad District reg stered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2949/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

* RAC No. 754/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Srr B. Rama Swamy, 8-2-402, Banjara Hills; Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Vinod Kumar, 22-5-820, Charminar East, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the enotice in the Official Gaete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in tha, Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Punjagutta admensuring 925 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2636/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC No. 755/83-84.—Whereas, I,

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Hyderabad in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I heaply initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Basheera Hyder, W/o Fathehyder, GPA of Khaleel Abdul Rahman, S/o M. A. Rahaman, 6-2-11, Lakdi-ka-Pool, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Firadaus Jehan, W/o S.I. Jafar, 11-1-888, Afzalsagar, Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 84-A situated at Punjagutta, Hyderabad admusasuring 640 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2829/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Au hor ty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

(1) Shri D. Pakkir Reddy, and Others, Kadiri.

(Transferor)
(2) M/s Pachipulusu Narasimha Murthy, and Otners,
M. G. Road, Kadiri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D1 OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE, '
HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 756/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bear ng No. Factory situated at Kadiri

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Officer at Kadıri on May, 1983

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 3-5-145/1 situated at Kadiri known as Gowri Sankar Groundnut Factory, registered by the S.R.O., Kadiri vide document No. 1902/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGF, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 757/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Con, petent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kukatpally, Hyderabad

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. R. Dt., on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Suryaprakasa Rao and Others, H. No. 4-22, Kukatpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Pushpak Cooperative, Housing Society Ltd., Rep. by Secretary, Kukatpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Kukatpally, Hyderabad registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide 12 separate sale deeds bearing document Nos. 2842, 2933, 2932, 2931, 2926, 2901, 2902, 2903, 2904, 2844, 2943/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984.

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITON RANGE,
HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC.No. 758/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Yamzal village, Medchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalla Elliah, s/o Mallaiah, Devaryamzal village, R, R. Dt.,

(Transferor)

(2) M/s Sivasivani Educational Society, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 36 guntas situated at Yamzal village, R-R. Dt., registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 1875/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 4-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D1 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Santa Bai, w/o. M. Panduranga Rao, 20-3-944, Shahgunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Ib ahim alias Jeelani, R o H. No. 22-6-301/1, Iranigalli, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 759/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to be leve

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House situated at Shahgunj, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodhbowli on May, 1983

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

THE SCHEDULE

A two storeyed building situated at Shahguni, Hyderabad registered by the S.R.O., Doodhbowli vide document No. 570/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 4-1-1984.

FORM LT.N.S .--

(1) Mangilal S/o. Muralidhar Agarwal 15-9-62 Maharaj Gung Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hassaram, S/o. Kanchand 15-9-337 Mahaboobgunj Hyderabad and two others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderahad, the 4th January 1984

Ref. No. 760/83-84.-Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5-9-30/1 situated at Basheerbagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---.51--456GI/83

THE SCHEDULE

House at Basheerbagh, Hyderabad in H. No. 5-9-30/1/44 registered with sub register Hyderabad vide document No. 3024/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.:

Date: 4-1-1984. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 761/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Habsiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following crsons, namely:—

(1) Sri L. L. Manoharan r/o Veeravalli, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Sri S. Koteswara Rao, s/o. Narasiah, E-1, Kakatiyanagar, Habsiguda, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Habsiguda, Hyderabad admeasuring 1080 sq. yds, registered by the S.R.O., Uppal vide document × No. 2586/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984.

Seal ,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 762/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at S.D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Vallabhanagar in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anjula Shah, B-1/1, 1-7-234/45, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud M. Shah, Flat No. B-1/1, Chandralok Complex, III, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1/1, 1-7-234/45 situated at Chandralok Complex, S.D. Road, Secunderabad admeasuring 1421 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1668/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-1-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 763/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Kabra & Co., Rep. by its partner Sri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Premluta Bansal, 9-4-86/305, Salarjung Colony, Hyderabad,

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises bearing No. 321 situated at M. G. Road, Secunderabad admeasuring 371 sft. registered by the S.R.O. Secunderabad vide document No. 240/83-84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-84

FORM I.T.N.S.-

(1) Kabra & Co., 61 M, G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 764/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Eq. 20,000,1 and bearing. Flat situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (2) Smt. Premalatha Bansal and Others. 9-4-86/305, Salarjung Colony, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 321 B situated at Kabra Complex, Secunderabad admensuring 489 sit., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 243/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 765/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office room situated at Kabra Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i n the office of the Registering Officer at

Secunderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri S. Prabhakar Reddy,Pr. in M/s Kabra & Co.,61 M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sobha Devi, 9-4-86, Salarjung Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office room No. 321 A in 3rd floor at Kabra Complets, Secunderabad admeasuring 371 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 239/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
luspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 4-1-84

(1) Sri K. Narasimha Reddy. Ashwapur, R.R. Dt.

(Transferor)

(Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Hyderabad, the 4th January 1984

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

RAC. No. 766/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Ashwapur R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(2) Smt. Shanta Adema w/o Narsinga Rao Adema,

2-1-240, Nallakunte, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 🌤 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Dry land admeasuring 26 acres 9 guntas situated at Ashwapur, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 2485/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A,P)

Date: 4-1-84

(1) Sri A. Pulla Reddy, 16-10-1983, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 767/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Old Malakpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) Smt. C. Vasundhara Reddy w/o Narasimhareddy. Plot No. 10, 16-10-159/C, Reddy Colony, Old Malakpet, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 300 sq. yds. situated at Old Malakpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 1788/83,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-84

Scal:

- (1) Shri P. Narsinga Rao, 16-2-705/4, New Malakpet Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Shri G. Narayana Riddy, S/o Mallareddy Rampur village, Karımnagar Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 768/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

by ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable presents, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Old Malakpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 508 sq.yds, situated at Old Malakpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2672/83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

52--456GT/83

Date: 5-1-1984.

Khan, 22-2-763, Darushifa (1) Shri S. Raza Ali Hyderabad.

(Transferor)

 Shalheeda Sultana, c/o Md. Sammuji, 16 11-22, Moosarambagh, Hyderabad

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Act, shall have the same meaning as given

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 769/83-84.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Moosa ambagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

whichever period expires later;

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 410 sq.yds. situated at Moosarambagh, Amberpet road registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 1594/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income 183, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-1-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 770/83-84. Whereas 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) therematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Yakatpura Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. P. Laxmamma, 17-3-131, Rein Bazar, Yakutpura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri M. Krishna Murthy 17-3-132, Rein Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Rein Bazar, Yakutpura, Hyderabad registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 6828/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomedax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMMAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ali Nasir, 8-2-589, Road No. 8, Banjara Hüls, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri G. Janardhan Reddy, s?o. late Ramireddy. Choppadani village, Karimnagar Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 771/83-84.---Whereas 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 598 sq.yds. situated at Road No. 12. Banjara Hills, Hyde a a 1 recist red by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 1290/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1984.

VTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

IAC. No. 772/83-84.—Whereas I, JEGAN MOHAN ng the Competent Authority under tion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) erematter referred to as the 'said Act'), have reason to leve that the immovable property, having a fair market ue exceeding Rs. 25,000/- and bearing. Land situated at Banjara Hills, Hyderabad

i more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 18) in the office of the Registering Officer at mairatabad on May, 1983

an apparent consideration which is less than the fair rket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as resaid exceeds the apparent consideration therefor by

than fifteen per cent of such apparent consideration is that the consideration for such transfer as agreed to ween the parties has not been truly stated in the said transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (ab) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Lew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under Subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

- (1) Sri A'i Nasir, 8-2-589, Road No. 8, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferer)
- (2) Shri K. Venugopal Reddy, s/o. K. Dasarathreddy, Chegaon village, peddapally Tq, Karimnagar Dt. JTransferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 500 sq yds situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1267/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income. ax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-1984.

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. G. Suchitra Reddy, w/o Govinda Reddy, 8-2-628, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri. B. Venkateswara Rao, s/o. Naravana Rao. Kancherla village. Vemulavada, Kareemnagar Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 773/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Khairatabad in May, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in Essuect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immsovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Banjara Hills, Hyderabad Admeasuring 1196 sq.yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1488/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income 188
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 774/83-84.--Whereas I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No: land situated at Sangareddy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A:t, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangareddy in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri S. Mohammad, s/o. Siddi Osman. Sangareddy Medak Dt.

(Transferor)

(2) Shri S. Saranappa, minor s/o. S. Bandappa. Sivvampet Post & village, Andole Tq., Medak Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Open land situated at sangareddy town, admeasuring 347 sq. yds. registered by the S.R.O., Sangareddy vide document No. 1856/83.

M. JEGAN MOHAN
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 775/83 84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Compania. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land situated at Mocsarambagh Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of of the transferor to pay tax under the respect of any income arising from t and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri B. Yadagiri Reddy, Moosarambagh. Unders
- (2) Sri B. Damodar, President, Addagutta Co Sp., Housing Society, Prataphagar, Hyderabad (Transfe

Objections, if any, to the acquisition of the said progmay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days for the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm lattle property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 12741 sq. vds. situated at Morambagh. Hyderabad registered by the S.R.O., Hydera vide document No. 320//83.

M. JEGAN MOL Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range, Hyderabad (

Date: 5-1-1984.

Seel:

FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 776/83-84. Whereus, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Moosarambagh Hyderabad, gland more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---53-- 456GT '83

(1) Srt M. Viswanath Patil 16-11-373, Moosarambugh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Radhasami Co-op. Housing Society, Rep. by Sri Janardhan Reddy, 3-82. Hanumannagar. Chaitanyapari, Hyderabad-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the spid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasurring 1958 sq. yds. situated at Moosa-tambagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad side document No 3009/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 4-1-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 777/83-84.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Jubilce Hills, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in he office of the Registering Officer at
Hyderabad in May 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the oforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jaipoo Reddy, 5-9-47/2, Bashcerbagh, Hyderabad.

(2) Sri K. Yudhistar Reddy, s/o Narasimha Reddy, Annarguda village, Madhira Tq., Khammam Dt. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 400 sq. yds. situated at Road No. 14, Jubilee Hills, Hyderabad registered by the S.R.O.F. Hyderabad vide document No. 3251/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

KAC. No. 778 83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Tirumala Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thirupathi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri G. Narayanan, S/o P. Govindaswmay, Vitamalai Pillai Street, Purushavakam, Madras-7,

(Transferor)

(2) Sri M. Venkatesam, S/o Venkata Krishnayya. No. 153, East Mada Street, Tirumala, Thirupathi, Chitoor Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 13/4 situated at East Street, Tirumala registered by the S.R.O., Thirupathi vide document No. 2714, and 2713/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 779/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(1) Sri J. Adeseshayya, Budirariyari Street, Kovur Town, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Sri V. Subba Rayulu and V. Bujjamma, Netajinagar, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Nellote registered by the s. S.R.O., Nellore vide document No. 2333/83

. M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydenabad (A.P.)

Date: Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Ambati Subbaramayya and Others, Bazar Street, B. Kothakota, Madanapalle Tq., Chittoor Dt.

(Transferor)

(2) Smt. N. Adilaxmi, W/o late N. Parthasarathy, II-399, Co-op. Colony, Madanapalle-517325. Chittoor Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

RAC. No. 780/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Madanapalle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madanapalle in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-oble preperty within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.
- L'EFLAMIDA :- The torus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House situated at Co-operative Colony, Madanapallee, Chittoor Dt., registered by the S.R.O., Madanapallee vide document No. 1682/83, and 1678/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 5-1-1984 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

, RAC. No. 781/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Land situated at Buja Buja Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelloce in May, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) Sri Podamekala Venkaiay, Buji Buji Nellore, Nellore Taluk, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Swamy Ayyappa Traders, Santhapet,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIEDULE

Open land situated at Buja Buja, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 2057/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-19_

Sri N. Venkata Ramaiah, 12/78, Old Hospital Rd., Santhapeta, Nellore.

(Transferor)

(2) Sri T. V. Satyanarayana, Sco. Satyanarayana Murthy, 139, R. D. Road, Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1111 AC1, 1901 (43 Ot 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'C, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 782/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Buji Buji, Nellore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Pariety of the 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nellore in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fider market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of toursfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 368 sq. yds, situated at Gandhinagar Pogathora, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1887/83.

M. JEGAN MOHAN
Compensent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISSITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 783/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and boaring No. Land situated at Moriganipalli village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) Incidenting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid. Act in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sri M. Sankara Reddy, S/o P. Muniswamyreddy, Chennanayakampalli, Kattamanchi village, Chittoor Dt.

. (Transferor)

(2) M.S. Sri Sundar Oxygen, 8/A, Race Course Road. Coimbatore 641018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLNATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring I acres situated at Moriganipalli village Chittoor Dt., registered by the S.R.O., Chittoor vide document No. 2727/83.

M. JEGAN MOHAN
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-1-198-1

Seal ;

(1) Sri A. Vasudeva Reddy, 6-3-609/70, Anandanagar, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 784/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing to. Land situated at Banjara Hills. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

54---456GI/83

(2) Sri K. Yagandhar Reddy, W/o Narasimha Reddy, Annarguda village, Khammam Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 400 sq. yds. situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3252/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 722/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Vittalwadi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chikkapally in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vinayak Enterprises, Rep. by Sri M. Vinayak, Barkatpura, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Smt K. B. Laxmi Devi, W/o K. B. Narsappa, R/o Flat No. 407, Vittalwadi, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 and garrage No. 16 in M. No. 5-8-585 and 586 situated at Vittalwadi, Hyderabad admeasuring 1187 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 284/83 and 285/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 723/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MCHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at King Kothi, Hyderabad .
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen; of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Purushotham Das Kishan Das Belani, Flat No. 410, Mahaveer Apartments, King Kothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 in 4th floor in Mahaveer Apartments, King Kothi Road, Hyderabad admeasuring 947 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2929/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 724/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at King Kothi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi, Road, Hyderabad.

(2) Sri Babulal M. Patel, S/o Manilal Patel, 303, Mahaveer Apartments, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in IIIrd floor in Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Kothi, Hyderabad admeasuring 947 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2930/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

'Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 725/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at King Kothi Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi Road, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Radhakrishna Sujjandas Gulabani, Rajkamal Transport, Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in IInd floor in Mahaveer Apartments, King Kothi Road, Hyderabad admeasuring 947 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2928/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1984.

Scal:

 Smt. Chanda Bai and Others, 26 Basheerbagh Palace, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Shiraz Kamal, 11-1-290, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 726/83-84.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Unity House Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 34 in IIIrd floor of Unity House, Hyderabad admeasuring 290 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3010/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 727/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. P. Krishna Murty, D. o late M. Gopalan, GPA Sri G. K. Raju, 77, Raj Mahal village, Sadasiyanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Progressive Engineering Co., 3-4-812, Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing M. No. 3-4-812, Bashcerbagh, Hyderahad registered by the S.R.O., Hyderahad vide document No. 2759/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1984.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 728/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Seetharam, GPA Sri M. Kode, and 7 Others, 1-10-209, Ashoknagar, Hyderabad. (Transferor)

(2) The Andhra Bank Employees Union Affiliated to All India Bank Employees Association, 4-354/1, Troop Bazar, Hyderabad, Rep. by Sri V. Hanumantha Rao, 12, Sri Laxmi Colony, Saidabad, Hyderabad, (Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-354/1, Troop Bazar admeasuring 2400 sft., plinth area and \$190 sq. yds, of land area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2745/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III —SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1984

RAC. No. 729/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55---456 GI/83

 Smt. Sultan Jehan Begum alias Sultana, D/o Sultan Hussain Bin Omer, 5-9-161, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ram Morjani, S/o late Lokumal Moorjani, 10-2-124. West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5-9-29/A, Bashcerbagh, Hyderabad admeasuring 20 sq., yds. of land area and 187 sft., of plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2785/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1984,

Seal;

FORM I.T.N.S. -

(1) Metrusri Engineers & Builders (P) Ltd.,

(2) Smt. K. Rajasri Krishna Murthy w/o

Krishna Murthy,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 730/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chikkadpally on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initialte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

A2/159, Safdarjung Enclave, New Delhi-110 029.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period.
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 508 A Block in Matrusri Apartments, in M. No. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 985 sq. ft., registered by the Chikkadpally vide document No. 308/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th January 1984

RAC. No. 731/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-House satuated at M. G. Road, Kothagudem and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Kothagudem in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalent of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Brahmapuram Kesavarao Janakiram, s/o late B. N. Kesavarao, Kothagudem, Khammam Dt.

(Transferor)

(2) Sri Narendrula Sudarshan, s/o Jagannadham, Kothagudem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 5-8-40, Daba Building, M. G. Road, Kothagudem registered by the S.R.O., Kothagudem vide document No. 248/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1984.

Soal: 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref. No. 732/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dry land situated at Aliabad Medchal Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Dry land situated at Aliabad Medchal Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dist. in May, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sumitra Premsingh w/o Sardar Premsingh, Aliabad Medchal Taluk, R.R. Dist. and other.

(Transferor)

(2) Suryavanshi Spinning Mills Ltd. 104, Sp. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land to the extent of 47 acres and 13 guntas at Aliabad village Medchal Taluk R.R. Dist, registered with sub register R.R. Dist Vide document No. 3222/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 11th January 1984

Ref. No. 733/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-2-57 situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ganesh Rao s/o Late Yadev Rao and 4 others, 15-9-301, Afzalguni, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri S. Govinda Rao S/o Late S. Veera Reddy 5-2-57, Jambagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in No. 5-2-57 at Jambagh registered with Sub-register Hyderabad Vide document No. 2924/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-1-1984.

(1) Smt. Sayeeda Shabana Begum, H. No. 11-1-391, Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farzana Begum w/o Mohd. Khadrali Khan, H. No. 11-6-836, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 734/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/3rd share of property situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in nurusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property bearing No. 11-6-836 at Red Mills, Hyderabad admeasuring plinth area of 836 sq. ft., and land area of 300 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2638/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 735/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhanagar in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri I, V. Krishnamurthy s/o Sri I, L. Kantha Rao, R/o Khammam village, Khammam Dt.

 Sri V. Panduranga Rao, H. No. 6-3-1216/43, Methodist Colony, Begumpet, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Methodist Colony, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1200 sft., plinth area and 350 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1463/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 736/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Guddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Smt. Droupedi Chainani, Flat No. 7, Paigah Apartments, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ali Hussain, H. No. 10-3-16/11, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 356 sq. yds. situated at Beerban Guddimalkapur, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 1166/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984. Seal:

マー 選切

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 737/83-84.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad in May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (k) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons mannely:—

56-456 GI/83

- (1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., H. No. 11-4-656/1, Red. Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Mirza Zafarullah Baig, H. No. 11-4-625, Red Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in M. No. 11-4-656/1, Brindavan Apartment, Red Hills, Hyderabad admeasuring 874 sft. registered by the S.R.O., hairatabad vide document No. 1379/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984.

Scal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 738/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hydersbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, mamely :-

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Amar Mohd. Naseeruddin, F. No. 615, M. No. 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property mry be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 615 in Brindavan Apartment, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1179 sft., registered by the S.R.O., Khaira-tabad vide document No. 1378/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 739/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat situated at Punjaguita, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Virgo Constructions,
 Rep. by Sri B. N. Reddy,
 M. No. 6-1-1063/B/3, Rajbhavan Road,
 Punjagutia, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Usha Rani, Flat No. 4, Kanthi Sikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Kanti Sikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 846 Sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2784/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984.

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.).

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 740/83-84.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforssaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Virgo Constructions, M. No. 6-1-1063/B/3, Rajbhavan Road, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Y. Satyanarayana Murthy, Flat No. 80, Janeta Flats, Kannti Sikhara apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 80 in Block-E, Kanti Sikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 642 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2822/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 741/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s, Virgo Constructions, M. No. 6-1-1063/B/3, Rajbhavan Road, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) B. Vijayalaxmi, Nature Cure Hospital, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Block-F, Kanti Sikhara Apartments, Punjagutte, Hyderabad admeasuring 642 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2821/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC No. 742/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Punjagutta Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nutice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 'mamely :-

(1) M/s. Virgo Constructions, Rep. by Shr. B. N. Reddy, 6-1-1063/B/3, Rajbhavan Road, Punjagutta, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri S. Sambasiva Rao, F. No. 35, Block-E, Kanti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35 Block-E, Kanti Sikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 642 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2820/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

 M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593/4A,
 Gagan Mahal Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Samrat Investments Pvi. Ltd., Rep. by Sri Y. Rama Sarma, 36/A, Sanjeeva Reddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 743/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Garrage situated at Begumpet Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garrage in ground floor of Srinivasa Towers A 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad admeasuring 180 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1530'83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC No. 744/83-84,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the tncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vallabhnagar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabil or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593/4A, Gagan Mahal Road. Hyderabad.

(Transferor)

((2) Sri M. Ramesh & other, Flat No. 90, Srinivasa Towers 'A'. 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HIII "CHEDULE

Flat No. 901 in Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1750-83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M₁/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593₁/4A, Gagan Mahal Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. s. Premier Enterprises, 1-1-92, 67B, R. P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1984

RAC. No. 744/83-84.—Whereas. I, "M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the eRgistering Officer at Vallabhnagar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 701 in Srinivasa Towers A, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O.. Vallabhnagar vide document No. 1599/83,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-1-1984

Scal:

57-456 GT/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 746/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat situated at Begumpet Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vallabhangur on May, 1983
for an expression variety operation which is less than the false

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., by Sri G. Srinivasulu Reddy, 1-2-593/4A, Gagan Mahal Road. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mi's. Samrat Investments Pvt. Ltd., Rep. by Sri Y, Rama Sarma, 36/A, Sanjeeva Reddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 905 in 6-3-1187, Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyderabad admeasuring 4300 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1482/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 747/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of 7the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Guddimalkapur Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Hohd, Asifuddin Hussai & 6 others,
 No. 12-2-790, Asifungar, Near Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M₁/s. Ayodhyanagar Cooperative Housing Society Ltd.,
 Rep. by Sri Y. Radhakrishnayya,
 H. No. 12-2-826/A-40, LIC Colony,
 Santoshnagar,
 Mehdipatnam,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 17 acres 28 guntas situated at Guddimalkapur, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2972/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri K. Ch. Ramachandran, s/o K. R. Vardyanadha Iyer, Kurnool.

(Transferor)

(2) Sri K. Krishnam alias Thavar, s/o Thaver Taragan, Kurnool.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 748/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Kurnool Town Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurnool in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Open land admeasuring 0-14 cents in S No. 169 situated at Kurnool Town registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 107/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984

Senf:

FORM 1TNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 749/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Mancherial (v) R. R. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. Dt. in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Hyder Ali Mirza, 10-3-67, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Swastik Co-operative Housing Society Ltd., Narsingi village, Rep. by Sri T. Venkat Reddy, President, R/o 3-50, Narsingi.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres situated at Mancherial village, Rajendranagar Taluq, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 3238/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 750/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Khanammet(V) R. R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

R. R. Dt. in May. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Gurukul Ghatkeswar Trust, Rep. by its President Sri C. B. Kishanlal through his G.P.A. K. Satyanarayana, R/o Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferor)
(2) M/s. The Viswesvarayya Engineers' Co-op. Housing Society Ltd.,
Rep. by its President and Secretary,
Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;'
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Khanammet village, Rajendranagar Tq., R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 3508/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (2) of Section 269D of the said Act, to the following persuas, namely:—

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC. No. 751/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Karmanghat(V) R. R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer R. R. Dt. in May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Sri E. Narasimha Reddy, 5-9-22/13. Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M./s. Visweswariah Engineers Co-op. Housing Society, Rep. by Secretary Sri K. Ravinder Reddy. 9-4-86/123, Beerban, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45/days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 5 acres 20 guntas situated at Karmanghat village, Rajendranagar Taluk, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. Dt., vide document No. 3921/83.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1984

RAC, No. 752/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kuthallapur Medchal Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office Medchal Tq. in May, 1983 of the Registering Officer at

Merchal Tq. in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pressuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

Sri Bal Reddy,
 3-1, Kuthubullapur village,
 Medchal Taluk,
 R, R, Dt.

(2) M/s. The Vivekananda Employees Co-op. Housing Society Ltd.,
Hyderabad,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre situated at Kuthubullapur village, Medchal Tq. R. R. Dt. registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 1850/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5005,—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
- that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-456 GI/83

(1), Shri Jagdish Chander s/o Sohan Lal Spl. attorney of Om Parkash s/o Mathra Dass Sector No. XII Qr. No. 742, R. K. Puram, New Delhi Self & General attorney of B D. Kulwant Rai & Krishan Pal & Surrinder Pal Ss/o Mathra Dass, & Giane Devi Wd/o Amarchand & Parkash Vati W/o V. P. Basra.

(Transferor)

(2) Sh. Sohan Lal
s'o Chint Ram
R'o Central Town,
Jalandhar
C'o Raj Kumar Nanda,
Deed Writer,
Tehsil Office,
Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land House area 10 Mls, situated in Khurshid Nagar, Ladowali Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1461 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

The same of the sa

Date : 6-1-1984

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5006.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing No. as per schedule situated at V. Kot Kapura (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 908 (16 of 1908) in the Office of hte Registering Officer at

Faridkot in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-...

(1) Shri Basant Singh s/o Bachitter Singh through Teja Singh s70 Puran Singh r/o V. Burj Baror tehsil Muktsar and Buta Singh s/o Hari Singh resident of Bargari Teh, Muktsar Mukhtiar-Am.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Singh s/o Karnail Singh and Amritpal Singh s/o Karnall Singh and Amandip Singh and Sandip Singh and Sandip Singh ss/o
Gurmail Singh r/o
V. Fatten Wala Teh. Muktsar.
(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property) (Transferce) *

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lland 2 Kls, 13 Mls. situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 690 of May, 1983 of the registering authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5007.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in the office of the Registering Officer a Faridkot in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Basant Singh s/o
Bachitter Singh through
Teja Singh s/o
Puran Singh r/o
V. Burj Baror Teh. Muktsar and
Buta Singh s/o
Hari Singh r/o
V. Bargari Teh. Muktsar Mukhtiar-ai-am.

(2) Shri Harjinder Singh s/o
Jagraj Singh and
Gurbinder Singh s/o
Harjinder Singh and
Sukhminder Kaur w/o
Harjinder Singh r/o
V. Bhunder Teh. Muktsar.

(Transfered)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquiaition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and 2 Kls. 13 Mls. situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 691 of May, 83 of the Registering Authority, Foridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section, 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:—

Date: 6-1-1984

Scal: Send (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5008,-Whereas, I,

L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Faridkot in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Basanti Singh s/o Bachitter Singh through Teja Singh s/o Puran Singh r/o, Burj Baror and Buta Singh s/o Hari Singh r/o V. Borgari teh, Muktsar, Mukhtiar-ai-am.

(Transferor)

(2) Shri Kanwarbir Singh s/o Jagmohan Singh and Tejinder Pal Singh s/o Amrit Pal Singh and Amandeep Singh and Sandip Singh SS/o Gurmail Singh r/o r/o V. Fattenwala, Teh. Muktsar and Harjinder Singh s/o Jagraj Singh and Gurbinder Singh son and Sukhminder Kaur w/o Harjinder Singh r/o V. Bhunder Teh, Muktsar.

(Transferee)

interested in the property)

- (3) As S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 2 Kls. 14 Mls, situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 712 of May, 83 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Julandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-1-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5009.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Busti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohinder Singh s'o Gujjar Singh r/o Basti Sheikh, Jalandhar self and Mukhtiar of Arjan Singh, Kartar Singh, Ajit Singh and Sucha Singh, ss/o Gujjar Singh.

(Transferor)

(2) Shri Didar Singh s/o .. Masa Singh r/o V. Randhawa Masanda. Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 20 Mis. 60 S. ft. situated in Basti Sheikh, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1459 of May, 1983 of the Registering Authority, falandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January, 1984

Ref. No. A.P. No./5010.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoverable property busing a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Rs. 25,0007 and bearing

No. as per schedule situated at Garha
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer

at Jalandhar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the condealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:

(1) Shri Jagdish Sikka s/o Bhagwan Dass and Smt. Sheel w/o Jagdish Sikka r/o EH-176, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh s/o Suhel Singh and Smt. Balbir w/o Gurcharan Singh r/o 7/93. DSP Wali Gali, Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 17 Mls. 84 S. fr. situated in Hardial Nagar, Garha & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 874 of May, 1983 of the Registering Authority, Jaland-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5011.—Whereas, I, 'J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Boot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been t ply stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Raj Dulari w/o Vîr Bhan r/o Bharge Camp, Jalandhar.

(Transferor)

 Shrimati Summon w/o Sukhdyal Summon r/o V. Boot Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 20 Mls, situated in V. Boot and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1011 of Mny, 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 6/1/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5012.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmit Singh s/o Jaswant Singh r/o Garden Colony, (Model Town), Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shrimati Satwant Kaur w/o Amarjit Singh r/o H. No. 67, Avtar Nagar, Jalandhar.

(Transferees)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K 6 M-178 S. ft. situated in V. Boot and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1460 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date : 6/1/1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5013.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. as per schedule situated at V. Boot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

59 —456 'GT/83

(1) Shri Gurmit Singh s/o Jaswant Singh r/o Garden Colony. Model Town. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Jit Singh, Satnam Singh, SS/o Prem Singh and Neelam w/o Ashok Kumar r/o V. Boot Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K-9 M-212 S. it. situated in V. Boot and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1419 of May, 83 of the Registering authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhat

Date : 6/1/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5014.—Whereas, f. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gurdip Singh Dillon s/o loginder Singh r/o Adampur Doaba, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Charan Kaur w/o Gurbachan Singh r/o V. Saraobad, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Preson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I operty land 1 K-17 Mls, 189 S. ft. situated in V. Kingr and persons as mentioned in the registration sale deed No. 695 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6/1/1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No./5015.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the sncome-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 25 000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar s/o Dharam Chand Mukhtiar-ai-Khas of Brij Mohan s/o Hira Lal self and Mukhtiar-ai-am of Bachitter Singh 92/3, Central Town, Jalondhar.

(2) Shrimati Neena Gupta w/o Rovti Raman r/o 92/3-A, Central Town, Jalandhar,

(Transferce)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Preson whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K-12 Mls, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 819 of May, 1983 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 6/1/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandbar, the 6th January 1984

Ref No. A. P. No./5016.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Ashok Kumar S/o Dharam Pal Mukhtiar-Khas of Brij Mohan S/o Hira Lal self and Mukgtiar-ai-am of Kuldip Singh S/o Bachitter Singh r/o, 9/3, Central Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Dharam Pal S/o Gujjar Mal and Smt. Bimla Wanti w/o Dharam Pal r/o NF-173, Mohalla Modian, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period; of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K-12 Mls. situated in V. Kingra persons as mentioned in the registeration sale deed No. 919 of May. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 6-1-1984

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5017.—Wherens, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Saigh S/o Hari Singh through Mukhtiar Jagat Singh S/o Hari Singh 1/0 V. Kingra Teh, Jalandhar.
- (Transferor)
 (2) Sheimati Raminderjit Kaur W/o Paramjit Singh & Paramjit Singh S/o Bina Pal
 r/o V. & P.O. Jaipura teh. & Distt. Ludhiana.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K-7 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1090 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Due : 5-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5013.---Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jalandhar in May, 984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kartar Singh S/o Hari Singh through Shri Jagat Singh S/o Hari Singh r o V. Khurla Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shii Sa:abjit Singh Purewal S/o Harminder Singh 182-New Jawahara Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property land 1-0 KI, situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 829 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

- Seal :

FORM ITNS----

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A. P. No./5019.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excetds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unking the said, A.a. in tespect of any income arising from the transferound/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Agr. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Agr. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (i) Shri Kartar Singh S/o Hari Singh R/o . Kingra through Shri Jagat Singh V. Kingra Teh. Jalandhar. (Transferor)
- Shri Balbir Singh S/o Bakhshish Singh V. Pave Teh. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property area 14 Mls. 64 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 951 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dae: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5020.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. as per Schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the schedule annexed hereto) 'has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
at Jalandhar on May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Joginder Singh S/o Kabul Singh and Smt. Chanan Kaur W/o Jit Singh S/o Joginder Singh through Mukhtiar Dewan Chand r/o V. Kingra teh. Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Avtar Singh, Manohar Singh, Harmail Singh, Rachpal Singh Ss/o Samputan Singh x/o V. Ranipur Tehsil Jalandhar
- (3) As S. No. 2 above. (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 7482 sq. it. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1171 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

·Date · 6-1-1984

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5021.--Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandher on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -60-456 GI/83

(1) Shri Balbir Singh S/o Shiv Sigh r/o V. Deharian Teh, Nakodar Distt, Jalandhar through Mukhtiar Anil Chopra C/o Shishu Model School, Moh. Khodian, Jalandhar.

(2) Shri Surrinder Thukral S/o Hans Raj R/o ER-122/123. Pucca Bagh, Jalandhar. (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1313 of May, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5022.-Whereas, I,

Ref. No. A. P. No./5022.—whereas, 1,

J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than . fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagat Singh S/o Hari Singh r/o V. Kingra tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Karam Chand S/o Kharaiti Ram r/o B-83. Moballa Guru Nanak Nagri,

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period described before letter. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 14 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1154 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : ---

Date: 6-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5023 and 5024.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Iagat Singh S/o Shri Hari Singh

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh Purewal S/o Shri Harminder Singh r/o 182, New Jawahar Nagar, Jalandhar.

Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 20 Mls. (each deed) situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed Nos: 830 and 862 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5025.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagat Singh S/o Hari Snigh r/o V. Kingra tehsil Jalandhar.
- (2) Shri Sarabjit Singh Purewal S/o Harminder Singh r/o 182, New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 20 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 860 of May, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L.: GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

Scal :

Shri Sohan Singh S/o Shri Bhulla Singh r/o V. Kingra teh. Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kartar Kaur w/o Shri Wazir Singh, V. P.O Jandiala Teh, Jalandhar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5026.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at . Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or;

Property land 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 894 of May 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 6-1-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandbar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5027 and 5028.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR. J. L. GIRDHAR.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per Schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred. has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sohan Singh S/o Bhula Singh r/o V. Kingra teh. Jalandhar.

(Transferor)

(Transferce)

- (2) Shrimati Raj Kumari W/o Charan Dass R/o V. & P.O. Samrai Distt. Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1 KI. (each deed) situated ni V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 917 of May, 1983 and 930 of May, 83 the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5029,---Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing
No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (17 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(Transferor)

(1) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh r/o V. Kingra tch. Jalandhac. (through attorney Chran Dasa)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Darshan Singh r/o V. & P.O. Pharala Distt. Jalandhac.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferor)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (af) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeffe.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 K-4 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 981 of May, 1983 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5030 and 5032.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

consideration

therefor by

aforesaid exceeds the apparent

ment of transfer with the object of :-

.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sohan Singh S/o Shri Bhula Singh R/o V. Kingra tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh Purewal S/o Shri Harminder Singh R/o 182-New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 20 Mls. situated in V. Kingra each deed and persons as mentioned in the registration sale deed No. 861 and 831 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5031.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:——61—456 GI/83

Shri Sohan Singh
 S/o Shri Bhulla Singh
 R/o V. Kingra tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Gutsaran Kaur Wd fo Shri Tarlok Singh & Shri Jaswinder Singh S/o Shri Tarlok Singh R/o Sujan Pur Distt. Gurdas Pur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 997 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.N. No. 5033.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Sohan Singh
 S/o Shri Bhulla Singh
 R/o V. Kingra tehsil Jalandhar.

(Transferor)

Shri Resham Lal
 S/o Shri Mehanga Ram
 R/o V. Mithra Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 1 Kl. situated in V. Kingra and Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1073 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No. 5034.—Wherens, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable groperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed

bcreto).

has been transferred the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in May, 1983 for an apparent consider

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagraj Singh
 S/o Shri Shiv Singh
 R/o V. Dehraian, Teh. Nakodar
 Distt. Jalandhar
 (through Ch. Vinod Goel)

(Transferor)

(2) Shri Krishan Gopal S/o Shri Girdhari Lal and Smt Rajinder Kaur and Shri R. K. Jain, S/o Shri S. D. Jain R/o V. Purewal Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 12 Ml. & 112 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 863 of May, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range, Jalandha.

Date: 6-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No .A. P. No./5035.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Jai Singh Wala, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Bhatinda in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Smt. Vidya Devi (1)D/o Shri Ganga Ram R/o V. Jai Singh Wala Teh. Bhatinda. (Transferor)
 - (2) Shri Nirmal Singh S/o Shri Bant Singh R /o V. Jai Singh Wala Teh. Bhatinda. (Transferec)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 705 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date ! 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5036.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have re son to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Bhatinda in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proveedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ,namely :-

(1) Shri Harnek Singh S/o Shri Gujjar Singh C/o Tehsildar, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) S/Shri Swarun Singh, Amarjit Singh & Darshan Singh Ss/o Shri Malkiat Singh, C/o Sub-Registrar (Tehsildar), Bhatinda (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 791 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GJRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Rcf. No. A.P. No. 5037.---Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Paramjit Singh S/o Shri Hardev Singh R/o Birla Mill Road, Near the Mall, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar S/o Shri Roop Chand, Vecna W/o Shri Jagdish Chand C/o Roop Chand, Deed Writer, Tehsil Complux, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 793 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A. P. No./5038, -Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-uble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Bhatinda in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:-

(1) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Jangir Singh R/o Multania Road, Bhatinda,

(Transferor)

(2) 1. Shri Siri Ram Goel S/o Shri Inder Mal,

Sitt Rai Rani
 W/o Shri Sham Sunder,
 Smt. Nasib Kaur
 W/o Shri Hardey Singh,

4. Shri Gurbachan Singh

S/o Shri Baksish Singh,

5. Shri Jagdish Chander S/o Shri Nand Singh,

6. Shri Sansari Lal S/o Shri Das Raj

C/o Diwan Chand Janta Property Dealer,

Mehna Chowk, Link Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned

knows to be interested n the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 796 of May, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5039.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Malkiai Singh S/o Shri Jangir Singh R /o Multama Road, Bhatinda.

- (2) I. Smi. Ballif Kaur W'o Shri Karnail Singh, R'o V. Leishla Feh. Bhatinda
 2. S/Shri Mundar Singh, Balbir Singh

- Lachman Cingh and Kartar Singh
 Se/o Sin't Bakhtaur Singh,
 C/o State Ware House, Bhatinda.

 3. Smt. Jaspal Kaur W/o Shri Harbans Singh,
 C/o State Ware House,
- Near Haji Rattan Gate, Bhatinda. Smt. Usha Mittel W/o Sh. Dalip Kumar.
- Sh. Hem Raj S/o Sh. Hans Raj,
 Shri Sat Pal S/o Shri Baboo Ram C/o State Ware House,
- Haji Rattan Gate, Bhatinda.

 7. Shri Leela Singh S/o Shri Chandroo Singh, C/o State Ware House, Barretta.

(Transferee) (3) As S. No 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and nerson as mention in the Registration Sale deed No. 797 of May 1983 of the Registering Authority. Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Talandhar

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th anuary 1984

Ref. No. A.P. No. 5040.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Bhatinda in May, 1983

for an apparent consideraoitn which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-62--456 GI/83

(1) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Jangir Singh Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Prerna Devi

D/o Shri Bidhi Chand Vasistita 2. Smt. Parkash Banti

Wd/o Shri Amrit Lal, 3. Shri Chander Parkash

S/o Shri Hem Raj,

4. Smt. Jaswant Kaur W/o Shri Balwant Singh, State Ware House,
Office, near Haji Rattan Gurdwara,
New Grain Market, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 828 of May 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1984

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5041.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri Dayal Singh
 S/o Shri Jangir Singh
 R/o Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Gurmit Kaur W/o Gurdev Singh, 1. Madan Mohan S/o Kundan Lal

 Madan Mohan S/o Kundan Lal,
 Uma Devi W/o Achroo Kumar, Teacher, M.H.R. Happy Nursery School, Bhatinda,

Mahesha Nand S/o Mohan Lal,
 Gurdip Kaur W/o Hazoora Singh,
 Hazoora Singh S/o Tek Singh,

V. Nandgarh Chhiay.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 829 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

HORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5042.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda * (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) er the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shamsher Singh S/o Shri Inder Singh S.o Shri Anokh Singh, R/o Lambardar, Patti Mehna, Bhatinda.

(2) Shri Bhag Singh S/o Shri Rulia Singh, and Gurdial Kaur Smt. W/o Shri Bhag Singh R/o H. No. 6608, Haji Rattan Gali, Bhatinda.

(Transferce)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 871 of May, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesz d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5043.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Jagdish Rai S/o Shri Sucha Ram and Smt. Vidya Devi W/o Jagdish Rai, Goldsmith, Mansa.

(Transferor)

(2) S/Shri Uggar Sen and Harbans Singh Ss/o Shri Chhota Singh, Three Star Tailors, Dhobi Bazar, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 908 of May, 1983 of the Registering Authority,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5044.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Malkiat Singh S/o Shri Jangir Singh Multania Road, Bhatinda.

(17 ansfero (2) 1. Shri Binder Singh S/o Shri Gurdial Singh, 2. Smt. Kaswinder Kaur W/o Shri Bikkar Şingh, 3. Sh. Gurdial Singh S/o Sh. Joginder Singh C/o Sub Registrar Bhatinda, 4. S/Shri Baldev Singh, Mandar Singh Ss/o Shri Mukand Singh

Ss/o Shri Mukand Singh R/o Sardool Garh Teh. Mansa.

(Transferee)

(Transferoi)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 931 of May, 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5045.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Vil. Harkishan Pura,

Teh. Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Rampura Phul in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Harchand Singh Alias Gurdit Singh S/o Shri Gurbux Singh R/o Vill. Harkishan Pura Tch. Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Hardeep Singh S/o Shri Harchand Singh R/o Vill. Gehri Bara Singh Wali, Teh. Rampura Phul.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferec)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 538 of May, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984 \

Ref. No. A.P. No. 5046.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Scheduule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in May, 1983

Rampura Phul in May, 1765 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor t opay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Durgi Wd/o Shri Kanshi Ram and Shri Santosh Kumar S/o Shri Kanshi Ram R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/o Shri Jagjit Singh R/o Rampura Phul.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Procepty and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 452 of May, 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43°OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1984

Ref. No. A.P. No. 5047.—Whereas, I, J. J. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hem Raj S/o Shri Kanshi Ram R/o Rampura Phul,

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Singh S/o Shri Jagjit Singh R/o Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 453 of May, 1983 of the Registering Authority, A Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1984

(1) Mr. H. L. Sakhuja, 171, Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/388.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-233, situated at Panchshila Park, New Delhl situated at 95 Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

63-456 GI /83

(2) Mrs. Shards Relan, 61/12, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-233, Panchshila Park, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I
Delhi/New Demi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/399.---Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-161, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oungt to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont namely.

- (1) Sh. Raminder Singh Bhalla s/o Mangal Singh Bhalla r/o S-161 (2nd floor), Greater Kailash-l, New Delhi.
- (2) Shri T. L. Bhandari & Sen (HUF) through Karta Shri T. L. Bhandari r/o S-161 (Ground and First Hoor), Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No S-161, Greater Kailash-l, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

• Ref. No. IAC/Acq-I/RS-III/5-83/393.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. II-K/35-A situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Office at New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Lal Bhandula s/o Late Nand Lal Bhandula, r/o II-K/35-A situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gulshan Rai Grover
2. Shri Ashwani Kumar Grover,
3. Shri Chander Kant Grover,
1647/33 Naiwala Gali, K. Bagh,
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. II-K/35-A, measuring 200 sq. yds situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/387.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R_w. 25,000/- and bearing No.

S-43, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 629C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Madhu Associates (P.) Ltd. through its Managing Director Shri Sudershan Aggarwal s/o Sh. Nanak Singh r/o E-467, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Davinder Singh Marjara s/o S. Ram Singh and Smt. Inderjit Kaur Marjara w/o S. Davinder Singh Marjara r/o E-467, Greater Kailash-II, Canada presently S-43, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed house with basement No. S-43, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

(1) Mrs. Alpana Roy, 57-J, Ballyganj Circular Road, Calcutta-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/415.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. E-607, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Shri Satish Chand Seth s/o R. C. Seth r/o G*1/16, Darya Ganj. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E--607, Greater Kailash-II, New Delhi, area 397 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/416.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-45, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Krishan Kumar Vohra, Sushil Kumar Vohra and Virendra Kumar Vohra ss/o Late L. Chunni Lal Vohra ail r/o E-45, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajiv Kumar Garg s/o Sh. Niranjan Das Garg and Smt. Kamlesh Garg w/o Sh. Rajiv Kumar Garg r/o E-31, Lajpat Nagar-III, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey house built on lease-hold plot of land No. III-E/45, Lajpat Nagar, N. Delhi, mg. 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq J/SR-III/5-83/403.---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A/25, situated at West End, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. N. Tandon s/o K. C. Tandon r/o House No. 17, Sector-2, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Mahender Kaur Paintal w/o Shri Lakhinder Singh Paintal r/o 46/78, Punjabi Bagh, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A/25, West End, New Delhi mg. 1200 sq yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI,

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-II1/5-83/359.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M-125, situated at Greater Kailash-II, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Amarjit Singh Johar & Co., C-139, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

i(2) M/s. Oil India Ltd., 17, Prliament Street, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-125, Greater Kailash-II, N. Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

 Sh. Shri Kishan Das, M/s. Rameshwar Das, Sh. Kishan Das, Katra Moti, Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Brindco Sales Corporation, 3-E/7, Jhandewalan Extension, New Delhi-66.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-JII/5-83/366.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E/38. situated at Kalindi Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 'ew Delhi on May-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-456 GI/83

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. E-38, Kalindi Colony, Ring Road, New Delhi. mg. 417 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Ceal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/413.--Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 56, situated at Bhagat Singh Market, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on May-83.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Nanik Balwani r/o 9A/9, WEA, Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sanjay Bhargava (minor) through u/o Sh. Dinesh Bhargava r/o M-38, Saket, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 56, Bhagat Singh Market, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

, Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/261.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/wind bearing

Plot No. 133, Block-5, situated at Okhla Industrial Scheme, Phase-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'n

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) faciltiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Saroj Kumari w/o Shrl Lajpat Rai Arora r/o 21/34, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Alankar Metals (P.) Ltd., . 21/34, Old Rajinder Nagar, New Delhi through Director Lajpat Rai Arora.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in he Off 'al' Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 133, Block No.-B, in the layout plan of Okhla Industrial Scheme, Phase-I, New Delhi mg. 1381 sq. vds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1934

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-83/370.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-37, situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Tikam Chand Bros., through Shri Tikam Chand Partner, 6063, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Zakaria Shahid Impex (P.) Ltd., through Sh. Mohd. Shahid, Managing Director, F-37, Kalindi Colony, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 Storeyed house built on plot No. E-37, Kalindi Colomy, New Delhi mg 346.25 sq. mts. (414.12 sq. yds.).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. LP. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/429.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. C-68-A, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Tilak Raj S/o Shri Sobha Ram R/o G-68-A, Kalkaji. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmal Kumari W/o late Dr. Sudesh Chander, R/o M-30, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. G-68-A, mg. 100 sq. yards situated at Kalkaji, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/5-83/431.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. W-71, situated at Greater Knilash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Arthur Wazir Shah S/o Late Revd Wazir Shah C/o Shri J. Berry, B/4, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagdish Kaur R/o C/140, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. W-71, Greater Kailash-I, New Delhi are 500 sq-yards.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Scal:

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

, New Delhi, the 10th January 1984

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/419.—Whereas. I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. II-A/88, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shr R. S. Ahuja
 S/o Shri S. S. Ahuja,
 R/o II-A/88, Lajpat Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ratna Mehra and Smt. Bina Mehra Both R/o H. No. 1062, Gandhi Gali, Fatehpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. II-A/88, Lajpat Nagar, New Delhi mg. 280 sq. yards.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-f
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83|430.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said (her), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-15 situated at Greater Kallash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Piari. Chopra
W/o Pyare Lal Chopra
Smt. Prem Kanta Chopra
W/o K. L. Chopra
Both r/o Basant Villa, Civil Lines,
Ludhjana,

(Transferor)

(2) Dr. H. S. Walia S/o Late Brij Mohan Singh Walia 54-A (MIG) DDA, Rajouri Gardern, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat back side GF being property No. M-15, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 83.3 sq. yards.

SUDHIR CHANOF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/5-83/428,—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an dbearing No.

E-153, situated at Greater Kailash-II, Ntw Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monkeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

65-456 GI /83

(1) Shri J. P. Gupta S/o L. Kishan Lalji R/o 45/6-B, Mell Road Delhi As attorney of Smt. Basmati Rani Wd/o Shri Chhaju Ram R/o S-197, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Seema Builders (P) Ltd., -1/18-B, Asaf Ali Road, New Delhi. through its Director Shri Dinesh Chand Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-153 at Grenter Kailash-II, New Delhi 289 sq. mtrs.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/540-A.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eakl Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jai Dev S/o Ami Chand R/o Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Jain S/o Shri Lal Chand R/o D-1A, Green Park, New Delhi, and Ranju Jain D/o Mohinder Jain R/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 4 bighas and 16 biswas khasra No. 683, village Ghitorni, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/346.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land situated at Village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Northern Advertisers & Fabricators Pvt. Ltd., 502. Laxmi Bhawan, 72. Nehru Place, New Delhi through its Director Mrs. Leela Sitani,

(Transferor)

(2) U. S. Sitani S/o G. P. Sitani R/o 501, Laxmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bighas and 8 biswas, Khaara No. 315/2(0-6), 331(2-2), Village Khanpur, Tehsil Mehraull, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE,
NEW DELHI

New Dolhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/5-93/427.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Neb Sarai, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dolhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dugal Engineering Comany, A-12, West End, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Kumar Jain S/o Mr Rajkumar Jain, Mr. Anilkumar Jain, S/o Mr. Rajkumar Jain, Master Prashant Jain S/o Mr. Pramodkumar Jain Through his mother Smt. Vanita Jain All 1/o H-2/5, Model Town, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gazette.

furthermation.—The terms and expressions used erein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning he given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Iadn mg. 19 bighas 09 biswas bearing khasra Nos. 579/1 (2-31), 576(4-16), 575 min east (3-12), situated in village Neb Sarain, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Ebec Dugal Engg. Co. (P) Ltd., A-13, West End, New Delhi.

(2) Mr. Suratkumar Jain S/o Mr. Motilal Jain Mr. Purshotamkumar Jain S/o Mr. Motilal Jain Both R/o 3/38, Shantiniketan, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(Transferée)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-93/428.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the mome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorphism of the said Act's have reason to believe that the immorphism of the said Act. wable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural land situated at Village Neb Sarai Teh. Mehrauli

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Obections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the applies of posters or the period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 9 bighas 16 biswas bearing khasra Nos. 565/1 (2-36), 563 (1-32), 564/1 (2-58), 561 (4-16), 562 min south (1-94) situated in village Neb Sarai, Tchsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/5-83/433.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Elbee Dugar Engg. Co. (P) Ltd., A-12, West End, New Delhi.

(Transferor)

 Shree Venkatesh Properties (P) Ltd., Hoochat Niwas, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Agricultural land mg. 31 bighas 15 biswas in village Neb-Sarai, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, New Delhi

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I'/SR-III/5-83/418.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Agricultural Land stituated at Nelen Sarai, Tehsil Mahrauli, New Delhi

(end more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property. as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Elbee Dugal Engg. Co. Pvt. Ltd., A-12, West End, New Delhi-21.

(Transferor)

(2 M/s Lazmichand Baghaji, Ramon House, 169 Backbay Reclamation, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 7 Bighas 01 Biswa, Nele Sarai, Tehail Mahrauli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, New Delhi

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/5-93/434.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Agricultural Land situated at Nele Sarai, Tehsil Mahrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1 Mr. Janeshwarkumar Jai) s/o Mr. Tekchand Jain, Co. Pvt. Ltd., A-12, West End, New Delhi-21.
- (Transferor)
 (2) Mr. Janehwarkumar Jain s/o Mr. Tekehand Jaid,
 Master Rahul Jain s/o Mr. Janeshwarkumar Jain
 Master Rahul Jain s/o Mr. Janeshwarkumar Jain
 through his mother Mrs. Veena Jain all
 r/o 160. Vir. Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Land mg. 13 bighas 03 biswas bearing Khasra Nos. 559 min south (1-12), 558 min south (1-12), 554/1 Min South (0-14), 555/1 Min North (1-13), 557 Min North (3-16), 560 Min North (3-16) situated in Vill Nehel Sarai, Teh. Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDR.'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range-I
Delhi/New Delff

Date: 10-1-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUÍSITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-93/442.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. Land situated at vill. Satbari, Tehsil Mehrauli N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

66-456 GI /83

(1) Smt. Chander Mani W/o Sh. Thakur Dass, r/o M-72, Greater Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjil Kaur w/o Sh. Harinder Singh r/o C-107, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas Khasra Nos. 388 (6-12), 289 (4-16), 287 min (0-15), 290/1 min (0-17), with tube-well village Satbari. Tehsil. Mehrauli, New Delhi. والمراجية المخالف المعتمد

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-831|441.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Agricultural land situated at Vill. Satbari, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec' of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Chander Mani W/o Sh. Thakur Dass, r/o M-72, Greater Kailash, New Delhi

(Fransferor)

(2) Shri Manmeet Singh S/o Nirmal Singh R/o D-10, N. D. S. E. II. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighus and 12 biswas, Khasra Nos. 287 Min (4-13), 290 Min. (3-19), village Satbari Tchsil Mehrauli, New Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range !-Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83/451,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

Heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-hole property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil

thas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fattan, Rajpal singh, Jaipal Singh, Jai chand, Vijay S/oVed Ram r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219. Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given to that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 7 bighas and 4 biswas, Khasra, No. 1610/2 (2-8), 1609 (4-16), village Aya Nagar, New Delhi Freedhold.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1.
Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq7890.. 123456 -P32vNimwE ed SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agriculture land situated at village Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Chunni S/o Jaawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fattan, Rajpal Singh, Jaipal Singh, Jai Chand, Vijay S/o Ved Ram r/o Aya Nagar, New Delhi.

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219. Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land bearing Khasra No. 1637 (4-16), Village Aya Nagar, New Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83/456.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at New Delhi on May 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fattan, Rajpal Singh, Jaipal Singh, Jai Chand, Vijay S/ Ved Ram R/o Village Aya Nagar, New Delhi.
- (2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219. Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 16 Biswas, Khasra No. 1638 Village Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984,

 Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fettan, Rajpal Singh, Jaipal Singh, Jai Chand and Vijay S/o Ved Ram r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITU COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. AC/Acq.-I/SR-III/5-83/455.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, Tehsil New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS: -- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 7 bighas and 4 biswas Kasra No. 1615 (4-16) 1614/2 (2-8), Village Aya Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Dalhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984,

Seed:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/5-83/462/SR-III.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fettan, Rajpal Singh, Jaipal Singh Jai Chand and Vijay S/o Ved Ram r/o Aya Najar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd.. 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 3 bighas and biswas, Khasra Nos. 1864/1, Village Aya Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u> - Carrier de Carrier (n. 1888), la companya de Carrier de Carrie</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/641.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable or perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fattan, Rajpal Singh, Jaipal Singh, Jai Chand and Vijay S/o Ved Ram r/o Aya Nagar. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 3 bighas Khasta No. 1597 Village Aya Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

Seal

FORM ITNS----

(1) Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, Udmi Ram, S/o Fattan, Rajpal Singh, Jaipal Singh, Jai Chand and Vijay S/o Ved Ram r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Naviang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219. Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEM DETHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 10th January 1984

- Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83/459.—Whereas, I,
- SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with 454 subject of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period eq 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

67-456 G1/83

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 16 biswas, No. 1640, Village Aya Nagar, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

(1) Prem Singh S/o Kadam r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219, Chitranjan Avenue, Calcuttta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acy.-I/SR/III/5-83/344.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, it any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land measuring 27 bighas and 3 bismas Khasra Nos. 1590 (4-16), 1610/1 (2-8), 1611 (0-16) 1612 (3-1), 1613 (6-10), 1614-1 (2-8), 1639/2 (2-8), 1715/3 (1-15), 1879/(2-6), Village Aya Nagar, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

* Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-83/460.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immosphe property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. Agricultural land situated at village Aya Nagar,

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Chunni S/o Jawahar, Dharampal Singh, S/o Fattan Udmi Ram S/o Fattan, Rajpal Singh Jal Chand and Vijay S/o Ved Ram R/o Village Aya Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219. Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 9 bighas and 6 biswas, Khasra No. 1607 (4-16) 1600/2 (2-9), 1601/1 (2-1), village Aya Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83/530.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Agricultural land situated at Vilage Dera Mandi,

Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tudy stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of a aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Debi Sahai, Ram Sarup, Debi Ram Charan Singh, Balraj S/o Ami Chand, Hoshiar Singh, Ram Lal S/o Khilly, Nirmal S/o Lekha, residence of village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Keshay Bhagat S/o Shri A. S. Bhagat r/o 186 Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 11 bighas and 2 biswas M. No. 68, Killa No. 18 (4-16), 19 min (2-0), 23 (4-16), vilage Dera Mandi Tehsil Mehrauli. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/5-83/531.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at vilage Dera Mandi, Tehsil Mehralui, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 \ of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Debi Sahai, Ram Sarup, Debi Ram Charan Singh, Balrai Ss/o Ami Chand Hoshiar Singh, Aam Lal Ss/o Khilly, Nirmal S/o Lekha, residents of village Dera Mundi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Keshav Bhagat
 S/o Shri A. S. Bhagat
 R o 186, Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 10 bighas and 15 biswas M. No. 68, killa No. 9 min (0-12), 12 min (2-0), 13 (4-16), 17 (3-7) village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(19 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/532,—Whereos, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill, Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Debl Sahai,
Ram Sarup,
Debi Ram,
Charan Singh,
Bahraj sons of
Ami Chand,
Hoshiar Singh,
Ram Lol sons of
Khillu and
Nirmal 6/0
Lekha,
residents of village Dera Mandi,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Keshav Bhagat s o Shri A. S. Bhagat r/o 186, Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 12 bighas, M. No. 68 Killa No. 3(4-12), 8(4-16), 9 min(2-12), Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND 1-LOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

OF INCOME-TAX

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/5-83/453.—Whereas, I, SUDITIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the said Act's the said Act of the said A able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vili. Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property , as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scenon 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri S. Harvinder Pal Singh s/o S. Sohan Singh Anand r/o N-3, N.D.S.E. Part 1, New Delhi.

(2) M. Delhi Towers (P) Ltd., 1 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: "The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 15 (4-16) in Village Deoli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Runge 1 Delhi/New Delht

Date : 10-f-84 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S. Sohun Singh Anand r/o N-3, N.D.S.E. Part I. New Delhi.

(1) Shri S. Harvindor Pal Singh s o

(Transferor)

(2) Mas. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansol Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delbi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/5-83/452,—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Deoli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 8 (4-16) in Village Deoli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely:—

Date: 10-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/447.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Deoli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--8 -456 GI /83

- (1) Shri S. Harvinder Pal Singh s/o S. Sohan Singh Anand r/o N-3, N.D.S.E. Part I. New Delhi.
- (2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansel Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Agr. lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 16 (4-16) in Village Deoli, New Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-1-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/444.—Whereas, 1, SUIDHIR CHANDRA,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill, Deoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outsit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri S. Harvinder Pal Singh \$/0
 S. Sohan Singh Anand r/0
 N-3, N.D.S.E. Part I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, Now Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 50, (K. Nos. 6/2 (2-02) and 26 0-05) in Village Deoli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi-

Date: 10-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Harvinder Pal Singh s/o
 Sohan Singh Anand r/o
 N-3, N.D.S.E. Part I,
 New. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd.,115 Ansol Bhawan,16 K. G. Marg,New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/445.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, peing the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

'gr. land situated at Vill. Deoli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

instrument of transfer with the object of :---

w Delhi on May, 1983 or an apparent consideration which is less than the ir market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ..., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing sersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 3 (4-16) in Village Deoli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-84

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/446.--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Deoli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri S. Harvinder Pal Singh s/o
 Sohan Singh Anand r/o
 N-3, N.D.S.E. Part I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 Bighas and 10 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 4 (4-10) in Village Deoli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-84 Sent:

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/454.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Deoli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Harvinder Pal Singh 5/0
 Sohan Singh Anand r/o
 N-3, N.D.S.E. Part I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd.,115 Ansal Bhawan,16 K. G. Marg,New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 Bighas and 15 Biswas comprised in Rect. No. 50, K. No. 7 (4-16) in Village Deoli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/271.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Village Samalka, Tehsil Mehrault,

Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. T. E. Patterson India Pvt, Ltd., J-1/162-C Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Kewel Singh 6/0 Sardar Karam Singh 5/0 Sardar Waryam Singh, H-25, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 bighas 5 biswas comprising Rectangel 2, Khasra Nos. 7 min (0-12), 8 min (1-6), 9 min (1-16), 12 (4-16), 13 (4-16), 14 (4-16), 15/2 min (2-3) situated in village Samalka, Tehsil Mehrauli, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-i
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/436.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Deepshikha Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan,
 K. G. Marg,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Tejbir Singh Jaggi a/o S. Jaswant Singh Jaggi r/o D-91, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas comprised in Rect. No. 6 Kila Nos. 22 (4-16) and 23 (4-16) in vill. Bijwasan, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date : 10-1-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M's Deepshikha Estates (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Dr. (Mrs.) Anjula Khanna w/o Sh. J. P. Khanna r/o J-17A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-93|440.--Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Agr. land situated at Vill. Bijwasan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 12 bighas only comprised in Rect. No. 37, K. Nos. 12(4-16, 19(4-12), 20 min (2-08) and 28(0-84) in Village Bijwasan, Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-1-1984

Seal:

· 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Suraj Construction & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

 M/s Arun Sales Corporation, C-46, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IIAC/ACQ-I/SR.III/5183|421.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agriculture land situated at Village Bijwasan, Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 36 Killa Nos. 5(4-16) in village Bijwasan. Mehrauli New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
69—456GI/83

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AO/ACQ-I/SR-III/5-83[438.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agiv-land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and) more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) M/s Deepshikha Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. S. Tarlochan Singh s/o S. Inder Singh,
2. Mrs. Uma Singh w/o S. Tarlochan Singh,
C/o M's Indersons Corporation,
49, Princep Street,
Calcutts

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 Bighas and 19 Biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 11 min (4-01), 20 min West (0-15) Rect. No. 7 K. Nos. 15(4-16), 16 min. North (3-07) in Village Bijwasan, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/5-83|423.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Green Park Theatres Associated (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Sharma, w/o Shri Amba Sharma, R/o E-12, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 Bighas and 6 Biswas comprised in Rect. No. 37 Killa Nos. 22(2-18), 23(3-06) and 29(0-2), in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authorsty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dato: 10-1-4964

Book :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

M/s Green Park Theatres Associated (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Pushpanjali Farm Owners Association, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/5-83|425.—Whereas, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 Bighas and 7 Biswas conprised in Rect. No. 6 Killa No. 21 Min. (1-06), Rect. No. 37, Kila No. 10 min (1-06), 1 min (1-06), 1 min (1-06).21 min (1-01), 22 min (1-01) and 23 min (1-01) in village Bijwasan. New Delhl.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III 5-83|422.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ensection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Green Park Builders & Promotors (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Mr. Krishan Mohan, 8/0 Mr. Mani Ram Aggarwal. R/0 25-B. Pusa, Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 Bighas 16 Biswas comprised in Rect. No. 36, Killa Nos. 25(4-16) in village Bijwasan, Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Seal

(1) M/s Suraj Construction & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sumnesh Kumar, Mr. Pradeep Lal, Mr. Manoj Lal, S/o Shri Ratan Lal, C/o Messrs Milano International India (P) Ltd., C-4, Community Centre, Narain Vihar, New Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/5-83|425.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983 New Delni in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 Bighas and 12 Biswas comprised in Rect. No. 36, Kila Nos. 4(4-16), and 7(4-16), in Village Bhijwasan, Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83|443.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Biiwasan New Delhi

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of terrofes with the place of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or 4.1
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Deepshikha Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) J. J. Consultants (P) Ltd., (Regd. Office), 812, Chiranjiv Towers, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas comprised in Rect. No. 37, K. No. 3(4-16), in village Bijwasan, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83|435.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) M/s Deepshikha Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Pushpanjali Farm Owners Association,
 115, Ansal Bhawan,
 16, K. G. Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Agr. land mg. 8 bighas and 17 biswas comprising in Rect. No. 36 K. Nos. 16 min (1-14), 17 min (2-00), Rect. No. 37, K. No. 20 min (1-00) Rect. No. 6, K. No. 11 min (0-15), 28 min (1-13). Rect. No. 7, K. No. 16 min (1-89) in village Bijwasan New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Green Park Theatres Associated (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Mohan s/o Shri Mani Ram Aggarwal r/o 35-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/83-84|424.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—456GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr, land mg. 4 bighas and 16 biswas comprised in Rect. No. 45 Kila Nos. 5(4-16) in Village Bijwasan, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi New Delhi

Date : 10-1-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) *

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-83/439.—
Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Deepshikha Estates, (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Amarish Prakash Kumar, Benefit Trust, P-34, C.I.T., Road, Entally, Calcutta.

1314 Mily, Careatta

(Transferes)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 Bighas only Comprised in Rect. No. 6, Kila Nos, 18(4-16), 19(4-16), and 20 min East (2-08) in village Bijwasan, Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq. IAC/ACQ-I/SR-III/5-83/53/437.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s Deepshikha Estates, (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Roshen Alkazi
w/o R. Ebrahim Alkazi
R/o A-28, Nizamuddin West, New Delhi.
2. Mr. Ebrahim Alkazi

S/o R. Hamed Ali Alkazi, R/o 43 Kailash Apartments, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 13/Bighas and 8 Biswas C prised in Rect. No. 35, K. Nos. 6/2(3-16), 7/1(2-08), 14/2(2-08) and 15(4-16) in Village Bijwasan, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR/III/5-83/367.—

Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Singal Holdings (P) Ltd., GF-19, 90 Nehru Place, New Delhi through its Managing Director R. K. Gupta and Executive Director Sunil Gupta.
- (2) M/s. R. C. K. K. Associates, 53/1B, Kishangarh, Idgah, Agra, through its partner

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Sardar Manjit Singh.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 14 biswas Khasra No. 328/1, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984. Seal:

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE - INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/5-83/378.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16. of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the scroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

 Dr. (Mrs.) Anjula Khanna, w/o Shri J. P. Khanna, R/o J-17A, auz Khas, Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 Bighas and 8 Biswas comprised in Rect. No. 37 Kila Nos. 11 min Hast (2-08) in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I,
Dclhi/New Delhi

Date: 10-1-1984, Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

Throw Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/376.— Whereas, I, SUIDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi, in May 1983

New Delhi, in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Tejbir Singh Jaggi,
 8/0 Shri Jaswant Singh Jaggi
 r/0 D-91, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 Bighas and 8 Biswas comprised in Rect. No. 6, Killa Nos. 21 min East 2(2-08) in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi,

Date: 10-1-1984,

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/381.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 30-5-1983。

New Delhi on May 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Green Park Theatres, Associated (P) Ltd.,
 Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sumnesh Kumar s/o Messrs Milano International India (P.) Ltd., r/o C-4, Community Centre, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 Bighas and 16 Biswas comprised in Rect. No. 36 Killa Nos. 14(4-16), in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

 M/s. Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, K.G. Marg, New Dlhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sarvjit Farms & Food (P) Ltd, 305/46 Nehru Place, New Delhi.

, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-1II/5-83/377.—Whereas I SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11 Bighas and 16 Biswas comrised in Rect. No. 36, Kila No. 6(4-16) 15(4-16) Rect. No. 37, Kila Nos. 10 min West (1-02) & 11 min West (1-02), in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mr. Gopal, Ansal, s/o Late Shri Charanji Lal Ansal. 57, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

1(2) M/s. Ashvin Prakash Kumar Benefit Trust, P-34, C.I.T. Road, Entally, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDNG, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-83/379.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at village Bijwasan, Delhi (and more fully decsribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—71—456GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 14 Bighas and 6 Biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 12(4-16), 9(4-16), 2(1-08), 10/1 and 1/2 (3-06) in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDNG, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAS/Acq-I/SR-III/5-83/372.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the reistering Officer at New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, 16, K.G. Marg, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Mrs. S. Sabharwal, w/o A-47E, D.D.A. Flats, Munirka, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 Bighas and 10 Biswas comprised in Rect. No. 37 Kila Nos. 21 min South (3-07) Rect. No. 44, Kila Nos. 1 min South (3-07) and 1 min North (0-16), in village Bijwasan, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

 M/s. Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. J. J. Consultants Private Limited, (Regd. Office) 812 Chiranjiv Towers, 43 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq?I/SR-III/5-83/380.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office at

New Delhi in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 Bighas and 4 Biswas comprised in Rect. No. 37 Killa Nos. 1 min East (2-08) and 2(4-16) in Village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/RS-III/5-83/375.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Green Park Theatres, Associated (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, 16-K.G. Marg, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s. J. J. Consultants Private Ltd., (Regd. Office),
 812, Chiranjiv Towers,
 43 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 12 Bighas comprised in Rect. No. 37, Killa Nos. 10 Min Est (2-08), 9(4-11) and 26(0-10), in village Bijwasan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-II1/5-83/368.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Singal Holdings (P) Ltd.
 GF-19, 90 Nehru Place, New Delhi through its Managing Director R. K. Gupta and Executive Director Sunil Gupta.

(Transferor)

(2) M/s. R. C. K. K. Associates, 53/1B, Kishangarh, Idgah Agra, thr. its partners Majit Singh and Pramod Bajaj.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 14 biswas, Khasra No. 328/1 Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/77-EE/5-83/192.---Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1110, Tolstoy Marg situated at Tolstoy Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-paid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries, 115, Ansal Bhavan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Babloo Duit & Miss Diksha Dutt C/o K. Chellaram & Sons Ltd., I-E Bellor Road, P.O. Box No. 106, Kano, Nigeria.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of jublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1110 in Tolstoy Marg.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., 22 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uddav Properties (P) Ltd., 4-Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/37-EE/193.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 417, Plot No. 89, situated at Nehru Place. New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period experience later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 417 on 4th floor in Bldg. on Plot No. 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 560 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/5-83/194.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1003-A, 89 situated at Nehru Place, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on May 23 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., 22 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Jain, 114-A, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1003A, 89, Nehru Place, New Delhi area 352 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/5-83/195.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 704-A, situated at 89 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC (Acq.) Range-I, on May 23 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—
72—456GI/83

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan, 22 Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s, Jyoti Impex (P) Ltd.,
114A, Ansal Bhawan,
16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704A at 89, Nehru Place New Delhi area 548 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/5-83/196,--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 783A at 89, situated at Nehru Place, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales (P) Ltd., 22 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. G. S. Ahluwalia. 7/13, Bhagwan Das Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703A at 89, Nehru Place, New Delhi area 352

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subacction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC'Acq-I/SR-III/37-EE/5-83/197.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 1203A situated at 89, Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
IAC(ACQ) Range-I on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be even that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s Skipper Sales Private Limited,
 Barakhamba Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Arora, Smt. Arun Arora and Smt. Abha Kumar, 1/34 Sarva Priya Vihar, New Delhi-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1203A at 89-Nehru Place, New Delhi-110019.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-83/198.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and hearing No.

Flat No. 603A situated at 89, Nehru Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(ACQ) Range-I on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; againfor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Skipper Sales Private Limited, 22 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sqdn. Ldr. Pramod Mehta, Mrs. Rekha Mehta, Mr. D. A. Mehta, Mrs. Madhu Mehta & Mr. Prabhat Mehta, 45-B, Hanuman Road, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 803A at 89, Nehru Place N. Delhi area 352 sft,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/5-83/189.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 604 situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC(ACQ) Range-I on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Skipper Sales Private Limited,
 Barakhamba Road,
 New Delhi.

(2) Mr. Shri Kishan Gupta, 5-New Subzi Mandi, Azadpur,

Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 684A at 89, Nehru Place, New Delhi area 5458 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Deihi

Date: 11-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-83/200.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 118 situated at 89, Nehru Place, N. Deihi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at IAC(ACQ) Range-I on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh. Bharat Bhushan r'o Sector I/665, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. C. Gupta, HUF r'o \$/356, Greater, Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 118/89, Nehru Place, New Delhi area 325 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/5-83/202.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-201, Palam Apartments situated at Village Brijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on May, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) Singal Holdings (P) Ltd., GF-19 Mansarover Building, 90 Nehru Place,

New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Cupt. M. M. Massey, C-193 Sarvodya Enclave New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-201 First Floor Palam Apartments at village Brijwasan, New Delhi 850 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-1-84

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5 85/203.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-4/58, situated at Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Chemman Lal s/o
Ram Kisore r/o
D-33, Kamla Nagar,
Delhi,
Mr. Gugan Mal s/o
Ram Kishore,
1012 Katra Ghee, Tilak Bazar,
Delhi,
Mr. Nagar Mal s/o
Ram Kishore,
D-158, Kamla Nagar,
Delhi.
Mr. Alopi Pd. s/o
Ram Kishore,
5-G, Vishwa Apartments,
Shri Acharya Rd. Civil Line,
Delhi and other.

(Transferor)

 Mr. Surinder Singh Oberol and Mrs. Santosh Oberoi, 4-Underhill Lane, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-4/52, Nehru Place, New Delhi area 543 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 11-1-84

Spel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37FF/5-83/205.---Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 503A at 89, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on May, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—73—456GI/83

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan, 22-Bara Khamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Vijai Electricals (1) Ltd. 20, SDA, Bala Nagar. Hyderabad.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 583-A at 89, Nehru Place, New Delhi area 352 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Sange-1 Delhi/New Delhi

Date: 11-1-84 Seal :

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Subhash Chopra, 15A/13 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. V. K. Malhotra, 2/28 Kalkaji Extension, New Delhi-110019.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/5-83/207.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 /- and bearing No. S-565 Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 83 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer apparent to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bed rooms, drawing dining tlat on ground floor at \$-565 Greater Kailash, Part-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 11-1-84

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1
G-13 GROUND FLOOK CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. JAC/Acq-1/Sr-III/37EE/5-83/208.—Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rear Poitton of Ground floor of No. 12 situated at Siri Fort Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering officer at

IAC (Acq.) Range-I on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

 S. Dharan Singh as Trustee of Dharam Singh Family Trust A-2/140 Safdarjang Enclave. New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Mangau D. Telang, R/o C-II/14 Tilak Marg, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear Portion of Ground Floor of No. 12 Siri Fort Road, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Cange-I Delhi/New Delhi

Pote: 11-1-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/5.83/209.--Wheeas I, SULHIR CHANNERA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12 Siri Fort Round situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

in the effice of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi on May 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the connideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initinte proceeding for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. Dharam Singh as Trustee of Dharam Singh Fam.ly Thust, A-2/140 Safdarjang Enclave, New

(Transferor)

(2) Mrs. Annapurna Mitra & Mr. Chinmoy Mitra Flat No. 13-C "SAPTAPARNI" 52/1 Bally Gunge, Circular Road. Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of 1st floor of No. 12 Siri Fort Road, New Delhi 950 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Compatent Authority Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax, Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR (R-BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37FE/5.83/214.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Floor No. 12 situated at Siri Fort Road, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi on May 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following trans, namely:—

-446 GI/83

- (1) So Dharam Singh as Trustee of Dharam Singh Fam 1 1st, A-2/140 Safdarjung Enclave New Delhi.
- (2) Sh. Ashok Pandit Buland Shahr U.P. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of 2nd floor of No. 12 Siri Fort Road, New Delhi 950 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 13-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq./37EE/5-83/210.--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

Flat No. UB-1-5, situated at 21-Barakhamba Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi on May 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; The Miller of the Miller of the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following (1) Ansal Properties & Industries, 115-Ansal Bhawan N. Delhi (Transferor

(2) Sh. Sarabjit Singh, H. No. 2007/Secor-15-C, Chanidgarh.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- . (b) by any other person interested in the said immer able property within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-15 in 21, Barakhamba Road, New mg 250 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-I, New Delh

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOK CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5.83/212.—Whereas I, JDHIR CHANDRA, sing the Competent Authority under Section 269B of Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred on the forial Act.) these reasons to believe the terror as the 'said Act'), have reason to believe that the immovold property, having a fair market value exceeding

. 25,000/- and bearing b. 4 Vandhna Bunding.II situated at New Delhi nd more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred

the Office of the Registering Officer IAC (Acq.)Range-I, New Delhi on May 83

r an apparent consideration which is less than the fair let value of the aforesaid property, and I have resson believe that the fair market value of the property as oresaid exceeds the apparent consideration therefor bv ore than fifteen per cent of such apparent consideration and it the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Gee Vee Enterprises 12-A Vandhna Building 11 Tolstoy Marg New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Vijay Kumar Bajaj 2. Smt. Leela Wanti R/o 15/234 Mohan-pura, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be nade in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Car Paking spac No. 4 on stilt floor Vandana Building, 11-Tolstoy Marg, New Delhi

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, New Delhi

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following . 703, namely :—

Date: 12-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/5-83/213.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (4.5 o 1961) (hereinafter ref ried to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 25,000/- and bearing No. 89LGF Dr. Gopal Das Bhasin s'tuated at 28 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. I td. 28 Baraknamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Iqbal Kaur, M.I.G. Fiat No. 8-C Pocket-A Phase-III. Ashok Vihar, Delhi-110052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

89 f.GF Dr. Gopal Das Bhasin 28 Batakh imba Rri di New Delhi 123.26 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-83/214.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 98 LGF Dr. Gopal Das Dhawan situated at 28 Bara-

khamba Road, New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

in the Office of the Registering Officer at AC (Acq.) Range-I New Delhi on May 83

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowng persons, πn**mely:**— 4--456GI/83

(1) M/a. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd. 28 Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sudhir Sharma & Mr. Rajesh Sharma β-18 Majlis Park, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

98 L.G.F. Dr. Gopal Das Dhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi-110001 123.26 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 13-1-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/37-EE/5-83/215.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. E-93, Saket, New Delhi situated at Saket Cinema Complex

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I, New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Man Singh Rana D-7/3 Vasant Vihar New Delhi.

(2) Sh. Sukhbir Singh, E-93, Saket New Delhi Flat No. G-7.

(Transferoo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

o. G-7 at Saket Cinema Complex, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. S. L. Arora, Mr. Naresh Arora and Mrs. Kaushalya Arora 19 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rai Mohinder Brar w/o Mr. Jarnail Singh Brar, D-1/13 Janakpuri New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5.83/216.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 708 18 Barakhamba Road situated at

New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 708 on 7th Floor in proposed multi-storeyed commercial building Arunachal at 18 Barakhamba Road, New Delhi-1, Approx. area 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE ENSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq./37EE/5.83/217.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-18 Vasant Marg Vasant Vihar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.I, New Delhi in May 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or everious of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the controlment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

- (1) Smt. Kahetra Kumari w/o Sh. K. Gajraj Singh and others.

 (Transferor)
- (2) Smt. Sukhvinder Kaur, 1520 Gurudwara Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

B-18 Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi-57.

SUDHIR CHANDI Competent Author Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Acquisition Range-I, New De

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5.83/218.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅. 25,000 and bearing

No. 13 situated at Tolstoy Marg, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I, New Delhi in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Bakshi Vikram Vikas Const. Co. (P) Ltd., 13-Tolstoy Marg, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neclam Kumar, Mrs. Renu Kumar, Mrs. Sneh Kumar and Mrs. Saveena Kumar A/3, Green Park, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor area 696 sq ft. at 13-Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Dato: 11-1-1984

FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-83/219.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 504 situated at 13-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co. (P)
 Ltd., 13-Tolstoy Marg, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Sh. Harnam Singh, Sh. Jagjit Singh and Mrs. Gursharan Singh, 27/10, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 on 5th floor, at 13-Tolstoy Marg, New Delhi-area 696 aft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/37-EE/5-83/221.---Whereace. I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 807, 8th Floor, situated at Nehru Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Mrs. Gurninder Raikhy

W/o Major B. S. Raikhy,

2. Mrs. Sarvjit Kaur W/o Sh. C. S. Raikhy,

3. Mrs. Harpreet Raikhy W/o Sh. C. S. Raikhy,

R/o E-711 Curson Road, Apartments, Kasturba Gandhi Road, New Delhi.

(2) Shri Paramjeev Singh (julati and Mrs. Gurcharan Gulati B-5/, Nizamuddin West, New Delhi. Sq. Ft. in multistoreyed Building No. 89, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 807 on 8th floor measuring 560 sq. ft. in multistoreyed building No. 89, Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/5-83/222.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 45, stuated at Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Unitech Builders Pvt. Ltd. 702 Vishal Bhavars, 95 Nehru Place. New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Rani Kapur, R/o Kapur Lodge, Solan-173212 (H.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 45 Friends Colony, New Delhi-65.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

FORM HNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Triloki Nath, FF-50, Kanak Puri, New Delhi.

(1) Mrs. Pushpa Sharma,

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND ITOOR OR BUILDING, I. P. FSTATE, NI:W DFLHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC Acq.-1/SR-III/37-FE/5-83/223.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 27, situated at Shanti Vihar New Dethi,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 11 1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service οľ notice on the respective persons, whichever period expires later;

10001, West Gorakh Park, Shahdra, Delhi-32,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27, Shanti Vihar, New Delhi, measuring 290.97 sq. yards,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

75-456GI/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-1/37-EE/5-83/224.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 619A situated at 89 Nehru Place, New

Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., Sipper Bhawan, 22-Barakhamba Road, New Delhi.
- (2) M/s. Northern India Trading Co., G-15 56, Fros Apartment, Nehru Place, New Dethi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 619A at 89, Nehru Place New Delhi mg. 129

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

FORM ITNS

(1) Mi. Yogesh Gandhi, E-165 Kamla Nagar Delhi-110007.

(Transferor)

(2) M/s. Light Weight Aggregate Pvt. Ltd. 59 Bombay Samachar Marg Fort, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37-EE 5-83/240.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 42, situated at Deepak Building 13, Nebtu Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42 Deepuk Building 13 Nehru Place, New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Range-f
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

(1) M/s. Vishal Builders (P) Ltd., E-18, NDSE-II, New Defhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jainson Engineers, R/o 36-NDSE-II, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. LAC/Acq. I-37-El./5-83/226.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding /

Rs. 25,000/- and bearing

No. 608-A, situated at 95, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the felt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (8) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office-cum-Store space No. 608-A, in bldg. No. 95, Nehru Place, New Delhi mg. 165 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11 1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Paul Furniture House, E-20. Hauz Khas, New Delhi

(2) M/s. Universal Trading Co., 384, Mount Road, Madras.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37-EE/5-83/227.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Shop No. 3336. Aggarwal Bhawan, situated at Nehru Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-5 in Bldg. No. 35-36, Aggarwal Bhawan, Nehru Place, New Delhi area 369 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date : 11-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th familiary 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE-5-83/228.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 704, situațed at 22-Barakhamba Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Office at IAC (Acq.) Range-1 on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balbir Singh Khurana and Mrs. Surjit Khurana
 6/20, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Varinder & Sons (HUF) and Inder Bahri HUF 5/6, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th Floor, 22-Barykhamba Road, New Delhi area 550 sft.

SUDHIR CHANDRA
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-T
Delhi/New Delhi

Date : 11-1-1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-f/37-EF/5-83/229—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Top floor No. 810-C. 95, situated at Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at JAC (Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishal Builders (P) Ltd., F 18, NDSE-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Chander HUF S/o Sh. Jesa Ram, 8 A, Najatgarh Road, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office-cum-Store space on top floor No. 810-C, 95, Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-1/37-EE/5.83/230.--Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable to the said Act') have reason to believe that the immovable to the said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 601, 22 Barakhamba Road, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. R. Malhotra, D/19 NDSE-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Magradan Lal, Shri Vipin Phasin, 623 Pvt. Office Building Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 22 Barakhamba Road, New Delhi.

SUDING CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 14-1-1984

L ...

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-I/37-EE/5-83/233.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 206. E-588 situated at Greater Kailagh II. Nav. Dalbi.

No. 206, E-588, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--76-456 GI/83

(1) M/s. Malhan Builders, E-588, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suchint Vohra W/o Mr. Manohar Vohra R/o D-52, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

206, 2nd floor, E-588, Greater Kailash-II, New Delhi area 396 aft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

... Date: 11-1-1984

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/234.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 3 Connaught Place, situated at New Delhi, fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC(Acq.) Range-I on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Mr. Narendar Anand S/o Shri Gian Chand, F-14 Competent House 1st Floor, Connaught Place, New Delhi.

(2) Shri Harnam Dass Family Trust through Mr. Gian Inderjit, R/o D-14A/30 Model Town, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th floor in M-3 A.V.G. Bhawan, Connaught Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi /

Date: 11-1-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1984

Ref. No. IAC/Acq1/37EE/583/238.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 816 Barakhamba Road situated at Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s Arvind Charitable Foundation, 5 Western Avenue, Mahatani Bagh New Delhi through Mr. Prem Parkash (Governor).

(Transferor)

(2) Mr. K. N. Bakshi, Ambassador of India, STOCKHOLM SWEDEN C/o Ministry of External Affairs, South Block New Delhi Through Attorney Col. K. N. Koshal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 816 on 8th Floor in 21, Burakhamba Road, New Delhi, 440 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-1-1984

(1) Shri Sher Bahadur Singh, Shahpuri A-5 Pomposh Enclave, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shalini Khanna & Master Vishal Khanna (Minor) S-136 Greater Kailash-II, New Delhi-48.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th January 1984

No. 1AC/Acq. I/37EE/5-83/241.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRÁ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Flat No. 2-J Mg. 570 sq. ft. Barakhamba Read,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office flat No. 2-J on 2nd Floor, measuring 570 sq.,ft. in the multistoreyed building known as D.C.M. Building, 16 Barakhamba Road, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi -

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/243-A.—Whereas, I, SÜDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Farm No. E-8, situated at Pushanjali Farms, Bijwasan, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Tejbir Singh Jaggi, D-91, Defence Colony, New Delhi-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm No. E-8, Pushpanjali Farms, Bijwasan, New Delhi, mg. 2.5 acres.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

(1) Shri Ashok Kapur & Co. (HUF) 16-L. Connaught Place, New Delhi.

61/14, Ramjas Road.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/EE-37/5-83/244.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1505 (15th floor) Derka Tower, situated at 6 Nehru Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Miss Divya Khanna D/o Mr. P. K. Khanna,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1505 (15th floor), Derka Tower, 6 Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

J.

(Transferor)

(2) Sh. Gobind Lal Sukhija & Sons, WZ-196 Shiv Nagar, New Delhi.

(1) Dr. S. N. Bhandari (HUF), 206, Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/245.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 22 K.G. Marg, situated at Kasturba Gandhi Marg, New Dalki

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC(Acq.) Range-1 on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 314 in proposed Multi-storeyed Building at 22 K.G. Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :---

j

Date: 11-1-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-85/246.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Multistorcyed Building situated at 13 Tolstoy Marg, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bakshi Vikram Vikas, Construction Co. (P) Ltd. 13 Tolstory Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s, Ajit Singh Dugal Premjit Singh Dugal and Inderjit Singh Dugal,
 B-15 Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of office space measuring 696 sq. ft. on 10th floor in the proposed Multi-storeyed building at 13 Tolstory Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Bakshi Vikram Vikas, Construction Co. (P) Ltd., 13 Tolstory Marg. New

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(2) Shri Brijinder Singh Dugal, B-15 Maharani Bagh, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/247.—Whereas, 1. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Multi-storeyed building at 13 situated at Tolstory Marg

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ut

IAC(Acq.) Range-I on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaring the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Booking of office space measuring 696 sq. ft. on 10th floor in the proposed multi-storeyed building at 13 Tolstory Marg New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 11-1-1984

FORM ITNS----

702, Vishal Bhawan, 95, Nahru Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kap Company General Ltd., 3/1 Asaf Ali Road, New Delhi.

(1) M/s. Unitech Builders (P) Ltd.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/248.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12, 45 situated at Friends Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on May 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

XPLAP TION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati unit of flat No. 12, 45-Friends Colony, New Delhi app. 559 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely : ~-

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/249.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the ... Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 12 at 45, situated at Friends Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq-1) Range I on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Unitech Builders (P) Ltd., 702, Vishal Bhawan, 95, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)

> (2) M/s. Kap Company General Ltd., 3/1 Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 at 45, Friends Colony, New Delhi, area 1777 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/5-83/250.—Whereus, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Hat No. 14 at 45, situated at Friends Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-1, on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Unitech Builders (P) Ltd., 702. Vishal Bhawan, 95, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Shiv S. Kapur & Mrs. Suvira Kapur. C/o Col. A.D. Malhotra, B-246A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14 & Barsati unit of flat No. 14 including part terrace at 45 Friends Colony, New Delhi area 2377 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-1-1984

 Dr. Banwari Lall & Mrs. Usha Lall, M-30A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/5-83/251.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9 at 45, situated at Friends Colony, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Unitech Builders, (P) Ltd., 702, Vishal Bhawan. 95-Nehru Place. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 at 45 Friends Colony, New Delhi area 2479 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspec ing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 29th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/5-83/SR-III/125.—Whereas, 1, B. K. GUPTA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. Z-2 Hauz Khas situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1983

for an apparent consideration which is less than the ful: market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by me transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Shyam Sunder Pandey, 2389 Chippiwara Kalan Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pastor K. M. Thankachan on behalf of the Society of the Church of God (Full Gospil) In India Plot No. 108, Pestom Sagar, Tilak Nagar, Rombay-100 Comp. 400 089.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. Z-3 Haus Khas, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 31st December 1983

G.I.R. No. N-74/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 141/12 situated at Mauza-Jia Mau, P.S. Hazratganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sohan

(2) Noor Sahkari Grin Niman Samui L.d., Lucknow (hroug Addl. Secretary, Shri Mohd. Hanif Khan.

(3) Above seller.

(Person is occupation of the poverty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 141/12, measuring 11 Biswa situated at Mauza-Jia Mau, P.S. Hazratgani, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6307, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 20.51082 30-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-12-1983